



८०  
७

# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राप्तिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

22] नई दिल्ली, शनिवार, जून 1, 1985 (ज्येष्ठ 11, 1907)

22] NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 1, 1985 (JYAIKTHA 11, 1907)

इस माग में भिन्न वृष्टि संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संहालन के रूप में रखा जा सके  
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

### भाग III—खण्ड 1

#### (PART III—SECTION 1)

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और बहालेकारीकार, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं  
Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

कार्मिक श्रीर प्रशिक्षण, प्रशासनिक सुधार  
और लोकशिकायत न्याय पेंशन मन्त्रालय,  
कार्मिक श्रीर प्रशिक्षण विभाग, केंद्रीय व्यूरो,  
नई दिल्ली, दिनांक 8 मई 1985

मं० 3/15/85-प्रशा० 5—श्री वी०एम० गरुड़चार, अपराध प्रशासक, कें० अ० व्यूरो को दिनांक 1 मई, 1985 के मुद्रालि द्वारा अगले आदेश होने तक कें० अ० व्यूरो में स्थानापन कार्यालय अधीक्षक के रूप में नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 9 मई 1985

सं० ए० 19036/8/76-प्रशा०-३—केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो में गृहनियांशीकार श्री केवल सिंह सेवाग्रामिक 20 अप्रैल 1985 के अवशाल से भारतीय खालीनियम, चण्डीगढ़ को, प्रतिनियुक्ति पर उत्तें उप-प्रबंधक (मतर्कना) के रूप में नियुक्त करने के लिए, सौंपी जाती है।

प्राप्त० एम० नामान्  
प्रभान्नानि अधिकारी (स्था०),  
केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो

(कार्मिक श्रीर प्रशिक्षण विभाग)  
लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय पश्चासन अकादमी,

ममूरी, दिनांक 22 अप्रैल 1985

मं० 2/7/81-ई०एस०टी०—श्रीमती मजुलिका सिंह, म्याई हिन्दी अनुदेशक और जो इस समय तर्वर रूप से महायक आचार्य के पद पर, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, ममूरी में कार्य कर रही है, की नियुक्ति नियमित रूप से महायक हिन्दी आचार्य (गृह “बी” राज-पालत) के पद पर, दिनांक 1-4-85 में, रु० 700-40-900-ई० बी-40-1100-50-1300 के वेतनमान में, जगले आदेश मिलने तक, की जाती है।

एम० कें० सेन  
उप निदेशक (वरिष्ठ)

। महानिदेशालय, केन्द्रीय (गृह मन्त्रालय) रिजर्व पुलिस बल  
नई दिल्ली-110003, दिनांक 7 मई 1985

मं० श्रो० 2-899/76-प्रशा०-३—महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के श्री एम०आर० लखेडा, प्रशासन अधि-

कारी को दिनांक 28 फरवरी 1985 (अपराह्न) से बल के वेतन व लेखा कार्यालय में संयुक्त महायक निदेशक (लेखा) के पद पर पदोन्नत किया गया है।

सं० ओ० दो-903/77-प्रशा०-३—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के श्री उमराव निह, अनुभाग अधिकारी को दिनांक 26 अप्रैल, 85 (पूर्वाह्न) में लेखा परीक्षा अधिकारी (आन्तरिक लेखा परीक्षा दल, उत्तरी क्षेत्र दिल्ली) के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया गया है।

दिनांक 8 मई 1985

सं० ओ०दो-4/85-प्रशासन-३—केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के श्री आर० डॉ० शर्मा, महायक को बल के महानिदेशालय में दिनांक 30 अप्रैल, 1985 (पूर्वाह्न) में अनुभाग अधिकारी के पद पर पदोन्नत किया गया है।

किशन नाल  
उपनिदेशक (प्रशासन)

नई दिल्ली 110003, दिनांक 7 मई 1985

सं० ओ० दो-2009/85-स्था०—महानिदेशक, केंद्रीय पुलिस बल ने डाक्टर बी०बी० रामना को 19-4-85 पूर्वाह्न में केवल 3 माह के किए प्रथम उस पद पर नियमित नियुक्त होने तक इनमें में जो भी पहले हो, उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ स्वप से महर्ष नियुक्त किया है।

ए०आर० मार्हीपति  
महायक निदेशक (स्थापना)

पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो  
नई दिल्ली, दिनांक 7 मई 1985

सं० 3/10/85-प्रशा०-१—राष्ट्रपति, श्री रामदृष्ण राय आई०पी०एम० (पं० बंगाल, एम०पी०एम०) को केन्द्रीय गृहसंचार प्रशिक्षण संस्कृत कलाकृता में दिनांक 18 अप्रैल, 1985 (पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक उप-प्रधानाचार्य के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 9 मई 1985

सं० 3-11-85-प्रशा० 1—राष्ट्रपति, श्री आर० एम० महाय, आई०पी०एम० (यूटी०-1968) को पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो नई दिल्ली में दिनांक 3 मई 1985 (अपराह्न) में अगले आदेशों तक 2000-2250 रु० के वेतनमान में उपनिदेशक के पद पर नियुक्त करते हैं।

ए०के० भर्त्तक, महानिदेशक

भारत के महाराजस्टार का कार्यालय

नई दिल्ली -110011, दिनांक 10 मई 1985

सं० 10/5/85-प्रशा०-१—विभागीय पदोन्नति मार्मति की विफारिश पुरा ग्राम्पति श्री के०आर० उशी, उपाधिकारी (प्रोग्राम) को, जो इस समय भारत के महाराजस्टार के कार्यालय, नई दिल्ली में संयुक्त निदेशक (प्रोग्राम) के पद पर तदर्थ आधार पर कार्य कर रहे हैं, उसी कार्यालय में अगले आदेशों तक 24 अप्रैल, 1985 के पूर्वाह्न से अस्थायी क्षमता में नियमित प्राधार पर संयुक्त निदेशक (प्रोग्राम) के पद पर पदोन्नति द्वारा सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री के०आर० उशी का मुख्यालय नई दिल्ली होगा।

बी०एस० वर्मा  
भारत के महाराजस्टार

रक्षा लेखा विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 3 मई 1985

सं० प्रशा०/II/2606/84—रक्षा लेखा महानियंत्रक, श्री जी० शंकरानारायणन स्थायी लेखा अधिकारी (0/234) के दिनांक 14-4-85 (अपराह्न) को हुए निधन को दुख महित अधिसूचित करते हैं।

श्री जी० शंकरानारायणन को इस विभाग के संख्या-बल से उक्त नारीख से हटाया जाता है।

नई दिल्ली -110066, दिनांक 09 मई 1985

सं० प्रशा०/1/1402/4/जिल्द-II—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा नवा के निस्तलियित अधिकारियों को उक्त सेवा के विष्ट समयमान (रुप०-1100-50-1600) में स्थानापन के द्वारा में कार्य करने के लिए उनके नामों के समक्ष दण्डिंगई नारीखों द्वा० आगामी आदेश पर्यन्त, महर्ष नियुक्त करते हैं:—

क्र०सं०	नाम	नियुक्ति की नारीख
1.	श्री बी०पी० जैन	02-04-1984
2.	श्री ए०के० चारी	02-04-1984
3.	श्री डी०ए० कनौजिया	30-06-1984
4.	श्री ए० मुश्ताकाण्डम	17-09-1984
5.	श्री बी० भंकर	01-10-1984
6.	श्री निहार रंजन दाश	30-01-1985
7.	श्री रामेश रजन	05-01-1985
8.	श्री वनवारी स्वरूप	19-03-1985
9.	श्री मुग्गा लाल वं०	16-01-1985

ए०के० धोप  
रक्षा लेखा अपर महानियंत्रक (प्रशा०)

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 10 अप्रैल 1985

सं. 3880-बी/ए-32013(एस०ओ०)/80/19-ए—

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के भंडार अधीक्षक (तकनीकी) सेलेक्शन ग्रेड श्री बी०सी० प्रयाम राय को भंडार अधिकारी के रूप में उसी विभाग में नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के बेतन मान के बतन पर, अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 8-2-85 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

अमित कुमारी  
निदेशक (कार्मिक)

भारतीय खान व्यूरो

नागपुर, दिनांक 3 मई 1985

सं. ए-19012(207) 85-स्था० ए०—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर श्री तपन एच० बनजी को दिनांक 18 अप्रैल 1985 के पूर्वाह्न से भारतीय खान व्यूरो में स्थानापन्थ रूप में सहायक अनुसंधान अधिकारी (आ०प्र०) के पद पर नियुक्त किया गया है।

सं. ए-19012(210)/85-स्था० ए०—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर श्री शीवा कुमार गड्ढाम को, 18 अप्रैल 1985 के पूर्वाह्न से भारतीय खान व्यूरो में स्थानापन्थ रूप में सहायक अनुसंधान अधिकारी (आ०प्र०) के पद पर नियुक्त किया गया है।

दिनांक 7 मई 1985

सं. ए-19011(18)/स्था० ए०—निवासन की आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्त होने पर श्री अमीर सिह, क्षेत्रीय खान नियंत्रक को 30 अप्रैल 1985 के अपराह्न से भारतीय खान व्यूरो के कार्यभार से मुक्त कर दिया गया है और तदनुसार उनका नाम इस विभाग की प्रभावी स्थापना से काट दिया गया है।

सं. ए-19011(54)/85-स्था० ए०/पी०पी०—अत्यंत खे के साथ सूचित किया जाता है कि श्री सी०एम० दोशी, क्षेत्रीय खनन भूवैज्ञानी का दिनांक 5 अप्रैल 1985 के अपराह्न में दुखद निधन हो गया। अतएव भारतीय खान व्यूरो के अधिकारियों की सूची में से उनका नाम निकाल दिया गया है।

सं. ए-19012(209)/85-स्था० ए०—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर श्री एम० इनायथ इसेन को, दिनांक

22 अप्रैल 1985 के पूर्वाह्न से भारतीय खान व्यूरो में स्थानापन्थ रूप में सहायक अनुसंधान अधिकारी (आ०प्र०) के पद पर नियुक्त किया गया है।

सौ० शर्मा

सहायक असन अधिकारी

कृते महानियन्त्रक

भारतीय खान व्यूरो

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 9 मई 1985

सं. 4-7-84-एस०आई०—महानिदेशक, आकाशवाणी एतद्वारा श्री पी०के० जा को 22-4-85 से अगले आदेश तक 650-30-740-35-810-द० रो०-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के बतनमान में, आकाशवाणी दरभंगा में, अस्थाई रूप में कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

हरीशचन्द्र जयाल  
प्रशासन उपनिदेशक  
कृते महानिदेशक

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

फिल्म प्रभाग

बम्बई-400026, दिनांक 3 मई 1985

सं. ए-32014/2/84-आर०सी०—विभागीय प्रबोन्हति समिति की संस्तुति पर सक्षम प्राधिकारी ने, श्री एम०एस० पटवारी स्थानापन्थ कैमरामैन फिल्म प्रभाग बम्बई को, रु० 840-40-1000-द० रो० 40-1200 के बतनमान में रु० 1040 प्रतिमाह के बतन पर पूर्वाह्न 15-4-1985 से अगला आदेश होने तक, उसी कार्यलय में ही कैमरामैन (सौ० एफ०प०) के रूप में नियुक्त किया गया है।

एन० एन० शर्मा  
प्रशासनिक अधिकारी  
कृते मुख्य निर्माता

कृषि और ग्रामीण विकास मंत्रालय

कृषि और सहकारिता विभाग

पर्यावरण एवं सांचिकी निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 3 मई 1985

सं. 7-1/79-स्था०(1)आ०सां०—श्री ए०के० विश्वास, विपणन ग्रामवना अधिकारी (नवर्थ) में पदोन्नत होने पर

अपने नियमित पद वरिष्ठ विपणन आसूचना निरीक्षक पर 18-3-85 (अपराह्न) से नियुक्त हो गये हैं।

एस० पी० मल्होत्रा  
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी  
कृते आधिक एवं सांख्यिकीय सलाहकार

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 7 मई 1985

सं० ए०-12026/2/84-प्र० 111—रक्खा लेखा नियंत्रण कार्यालय, एस०सी० पुणे के लेखा अधिकारी श्री राम कवर को अपने मूल कार्यालय से कार्यमुक्त होने की तारीख अर्थात् 21-3-85 (अपराह्न) से इस निदेशालय के अधीन फरीदाबाद में सामान्य प्रतिनियुक्ति की शर्तों के अनुसार 1-4-85' (पूर्वाह्न) से प्रतिनियुक्ति आधार पर लेखा अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है।

दिनांक 10 मई 1985

सं० ए०-19025/20/81-प्र० 111—विभागीय पदोन्नति समिति (वर्ग "ख") की मंस्यातियों के प्रनुसार कृषि विपणन सलाहकार, भारत सरकार द्वारा श्री क० टी० राजुरकर, वरिष्ठ निरीक्षक को इस निदेशालय में 12-4-85 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक नियमित आधार पर स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग 1) के रूप में पदोन्नति किया गया है।

जौ० कृष्णा  
निदेशक, प्रशासन  
कृते कृषि विपणन सलाहकार

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र  
कार्मिक प्रभाग

बम्बई-400085, दिनांक 3 मई 1985

सं० के/2115/सी डब्लू/एस/स्था०-1/1254—श्री साहस कावस कलापेसी ने वैज्ञानिक अधिकारी/इंजी०/येड एस० बी० पद का पदभार 29-3-1985 अपराह्न को त्याग पत्र देने पर छोड़ दिया।

कौ० वैकट कृष्णन  
उप स्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जाविभाग

न्यूक्लियर विद्युत बोर्ड  
बम्बई-5, दिनांक 21 मार्च 1985

मं० ए० पी० बी०/3(283)—स्थापना 4479—निदेशक (अभियानिकी) न्यूक्लियर विद्युत बोर्ड, बम्बई एतद्वारा इस

बोर्ड के एक स्थायी सहायक लेखा अधिकारी श्री बी० बी० व्यापारी को फरवरी 15, 1985 के पूर्वाह्न आदेश जारी होने तक उसी बोर्ड में लेखा अधिकारी 2 के पद पर अस्था रूप से नियुक्त करते हैं।

दिनांक, 9 मई 1985

सं० ए० पी० बी०/3(262)/83—स्थापना/1/4576—कार्यपालक निदेशक (आर) न्यूक्लियर विद्युत बोर्ड, बम्बई एतद्वारा इस बोर्ड के एक स्थायी प्रवरण कोटिलिपिक श्री एस० ए० भेले को इसी बोर्ड में मार्च 25, 1985 के पूर्वाह्न से अप्रैल 26, 1985 के अपराह्न तक सहायक कार्मिक अधिकारी के रूप में अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं। यह नियुक्ति श्री टी० ए० अमवाल सहायक कार्मिक अधिकारी के स्थान पर की गई जो सामान्य प्रशासन अधिकारी की पदोन्नति पर थे।

दिनांक 7 मई 1985

सं० ए० पी० बी०/3(262)/83—स्थापना 1/4478—कार्यपालक निदेशक (आर) न्यूक्लियर विद्युत बोर्ड, बम्बई, एतद्वारा इस बोर्ड के एक स्थायी सहायक कार्मिक अधिकारी श्री टी० ए० अमवाल, को इसी बोर्ड में मार्च 25, 1985 के पूर्वाह्न में अप्रैल 26, 1985 के अपराह्न तक सामान्य प्रशासन अधिकारी के रूप से अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं। यह नियुक्ति श्री आर० व्ही वाजपेयी सामान्य प्रशासन अधिकारी के स्थान पर की जा रही है, जो छुट्टी पर चले गए थे।

आर० व्ही वाजपेयी,  
सामान्य प्रशासन अधिकारी  
कार्यपालक निदेशक (आर)

परमाणु खनिज प्रभाग

हैदराबाद-500 016, दिनांक 9 मई 1985

सं० प ख प्र-16/1/85—भर्ती—निदेशक, परमाणु खनिज प्रभाग, परमाणु ऊर्जा विभाग एतद्वारा परमाणु खनिज प्रभाग के स्थायी वरिष्ठ आशुलिपिक, श्री ओ० भार्थन को उसी प्रभाग में 16 अप्रैल, 1985 के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न रूप से सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

एस० पदमनाभन,  
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

तारापुर परमाणु विजलीघर

महाराष्ट्र-401 504, दिनांक 3 मई 1985

सं० टी० ए० पी० एम०/1/34(1)/76—आर० (खड़ 13)—तारापुर परमाणु विजलीघर के मुख्य अधीक्षक, तारापुर परमाणु विजलीघर के अस्थायी वैज्ञानिक सहायक (सी) श्री एम० मुरली को इसी विजलीघर में 1 फरवरी, 1985 की

पुर्वाल्क से अगले आदेशों तक के लिए अस्थायी क्षमता में वैज्ञानिक अधिकारी/अभियंता ग्रेड 'एस बी' के तौर पर नियुक्त करते हैं।

बी० पी० नाईक,  
प्रशासनिक अधिकारी-II

### महानिदेशक नागर विभानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 18 अप्रैल 1985

सं० ए० 38013/1/85-ई० ए०—नियंत्रक विभानकेत्र, नागपुर के कार्यालय के श्री एम० एल० पाल, वरिष्ठ विभानक्षेत्र अधिकारी निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने पर दिनांक 31-3-85 से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं :

जी० बी० लाल  
सहायक निदेशक प्रशासन,  
कर्ते महानिदेशक नागर विभानन

नई दिल्ली, दिनांक 26 अप्रैल 1985

सं० ए० 32013/2/84-ई० सी०—राष्ट्रपति ने श्री अरुण तलवार, वरिष्ठ संचार अधिकारी को दिनांक 31-1-1985 से छः मास की अवधि के लिए अथवा पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, सहायक निदेशक संचार के ग्रेड में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है और उन्हें महानिदेशक नागर विभानन नई दिल्ली के कार्यालय में वैमानिक संचार निदेशालय में तैनात किया गया है।

दिनांक 27 अप्रैल 1985

सं० ए० 32013/6/83-ई० सी०—राष्ट्रपति ने नागर विभानन विभाग के निम्नलिखित अधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से और अन्य आदेश होने तक उपनिदेशक/नियंत्रक संचार के ग्रेड में नियमित आधार पर नियुक्त किया है—

क्र०	नाम	तैनाती स्टेशन	कार्यभार	ग्रहण करने की तारीख
सं०				
सर्व० श्री				
1. बी० के० चौधरी	वै० सं० स्टेशन,	4-3-1985		
सहायक निदेशक	कलकत्ता	(पुर्वाल्क)		
संचार				
2. सुशील कुमार	वै० सं० स्टेशन,	26-2-1985		
सहायक निदेशक	नागपुर	(अपराल्क)		
संचार				
3. आर० के० सूद	क्षेत्रीय नियंत्रक	28-2-1985		
सहायक निदेशक	संचार का कार्यालय,	(पुर्वाल्क)		
संचार	वै० सं० स्टेशन,			
	मद्रास			

दिनांक 2 मई 1985

सं० ए० 32013/4/84-ई० सी०—राष्ट्रपति ने नागर विभानन विभाग के निम्नलिखित तकनीकी अधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से छः मास की अवधि के लिए अथवा पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है और उन्हें प्रत्येक के सामने दिए गए स्टेशन पर तैनात किया गया है—

क्र०	नाम	जिस स्टेशन पर	नियुक्ति की
सं०		तैनात किया गया है	तारीख
<b>सर्वथी</b>			
1.	एम० के० वर्मा,	वै० सं० स्टेशन,	9-2-85
	ना० वि० प्रशिं	दिवेन्द्रम	(पुर्वाल्क)
		इलाहाबाद :	
2.	बी० एन० चबाला,	वै० सं० स्टेशन,	11-3-85
	वै० सं० स्टेशन,	दिल्ली ।	(पुर्वाल्क)
	मगलौर ।		
3.	के० गणेशन,	क्षेत्रीय नियंत्रक,	17-1-85
	वै० सं० स्टेशन,	संचार का कार्यालय,	(पुर्वाल्क)
	कलकत्ता ।	कलकत्ता ।	
4.	अर्जुन सिंह,	वै० सं० स्टेशन,	8-2-85
	ना० वि० प्रशिं केन्द्र,	तिरुचिरापल्ली	
		इलाहाबाद ।	
5.	एम० एल० चक्रबर्ती	वै० सं० स्टेशन,	17-1-85
	वै० सं० स्टेशन,	कलकत्ता ।	
		कलकत्ता ।	

दिनांक 3 मई, 1985

सं० ए० 35018/15/83-ई० 1(1)—केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के श्री के० सी० एस० नेही०, कम्पनी कमान्डर को प्रतिनियुक्ति के आधार पर दिनांक 12-3-1985 (पुर्वाल्क) से तीन वर्ष की अवधि के लिए नागर विभानन विभाग के नागर विभानन सुरक्षा संगठन में वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी के पद पर नियुक्त किया गया है। उनकी प्रतिनियुक्ति की शर्तें समय-समय पर संशोधित वित्त मंत्रालय (व्यवस्था विभाग) के दिनांक 7-11-1975 के कार्यालय जापन सं० एफ० 1 (11) ई० II(बी)/75 के अनुसार नियन्त्रित होंगी।

सं० ए० 35018/15/83-ई० I(II)—इस कार्यालय के दिनांक 23-1-1985 की अवधिसूचना सं० ए० 35018/15/83-ई० I के अमे० भ०, श्री एस० एल० आर्य की वरिष्ठ

सुरक्षा अधिकारी के खेड में प्रतिनियुक्ति की अवधि चौथे वर्ष के लिए दिनांक 24-4-85 से 23-4-86 (अपराह्न) तक एक और वर्ष के लिए आगे बढ़ाई जाती है।

बी० जयचन्द्रन  
सहायक निदेशक प्रशासन

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक मई 1985

क्र० 1/421/85-स्था०—मद्रास के सहायक अधियक्ता श्री डी०पी० कम्पन, 2 फरवरी, 1985 के मध्याह्न के बाद प्रभावी, स्वेच्छया सेवा-निवृत्त हो गए हैं।

दिनांक 6 मई 1985

क्र० 1/357/85-स्था०—मद्रास के सहायक अधियक्ता श्री बी०बी० वरदन, 20 फरवरी, 1985 के मध्याह्न के बाद प्रभावी, स्वेच्छया सेवा-निवृत्त हो गए हैं।

र०का० ठक्कर  
उपनिदेशक (प्रशा०)  
कृते महानिदेशक

वन अनुसंधान मंस्थान एवं महाविद्यालय

देहरादून, दिनांक 8 मई 1985

सं० 16/436/85-स्थापना-I—अध्यक्ष, वन अनुसंधान मंस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, श्री टी०बी० चट्टर्जी वन राजिक, अण्डमान निकोबार वन विभाग को 22 मार्च 1985 की पूर्वान्ति से आगामी आदेशों तक सहर्ष सहायक शिक्षक, पूर्वी वन राजिक महाविद्यालय, कुर्सीयाग में नियुक्त करते हैं।

जे०एन० सक्सेना,  
कुलसाचव  
वन अनुसंधान मंस्थान एवं महाविद्यालय

केन्द्रीय उत्पादन और सीमा शुल्क बडोदरा

बडोदरा, दिनांक 30 अप्रैल 1985

सं० 2/1985—श्री आई०एच० वंश, लेखा-परीक्षक, केन्द्रीय-उत्पादन और सीमा शुल्क (वर्ग "ख") (लेखा-परीक्षा) बडोदरा वृधावस्था में पेन्थन आयु प्राप्त होने पर दिनांक 30-4-1985 के अपराह्न से निवृत्त हो गये हैं।

दिनांक 1 मई 1985

सं० 3/1985—श्री एम०बी० वसईकर, लेखा-परीक्षक, केन्द्रीय-उत्पादन और सीमा शुल्क (वर्ग "ख") (लेखा-परीक्षा) बडोदरा वृधावस्था में पेन्थन की आयु प्राप्त होने पर दिनांक 30-4-1985 के अपराह्न से निवृत्त हो गये हैं।

सं० 4/1985—श्री सौ०एम० नायक, प्रशासनिक अधिकारी, केन्द्रीय-उत्पादन और सीमा शुल्क (वर्ग "ख") मण्डल-1, बोदरा वृधावस्था की आयु प्राप्त होने पर दिनांक 30-4-1985 के अपराह्न से निवृत्त हो गये हैं।

ना० ब० सोनावणे

समाहृता,  
केन्द्रीय उत्पादन और सीमा शुल्क,  
बडोदरा

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

बंगलौर, दिनांक 10 अप्रैल 1985

क्र० सं० 1/85—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 के नियम 5 द्वारा मुझे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं, एतद्वारा संलग्न सारणी के कालम 4 में उल्लिखित केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिकारियों को उनके क्षेत्राधिकार में केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम के प्रावधानों के अधीन सारणी के कालम 2 में उनके आगे दर्शित समाहृता की शक्तियों का, सारणी के कालम 5 में निर्दिष्ट सीमा निर्धारण के अधीन रहते हुए, शक्ति प्रदान करता हूँ।

क्र० केन्द्रीय नियम	सौपी गई प्रकृति	अधिकारी जिन्हे सौंपा गया	सीमा निर्धारण	
सं० उत्पाद शुल्क नियम	शक्तियों की प्रकृति	सीमा नियम		
1	2	3	4	5

1. 173 एल और 173 एम	(f) वस्तुओं के संग्रहण में शिक्षायन देने की शक्तियां	अपराह्न के संग्रहण में शिक्षायन देने की शक्तियां	समाहृता/उप समाहृता
	(ii) वस्तुओं की वापसी उप समाहृता के लिए समयावधि बढ़ाने की शक्तियां		

1	2	3	4	5
		(iii) समा- हर्ता की अन्य शक्तियाँ	सहायक समाहर्ता द्वारा गोवा को स्थान पर मेसर्ज किया गया है। लिमिटेड के स्थान पर मेसर्ज गोवा शिपिंग लिमिटेड, गोवा को बेस्ट कोस्ट कंसोशियन आप ट्रान्स विल्डर्स का नेता नियुक्त करने का निर्णय किया गया है।	
2. 192		(i) अनु- प्रदान करने की शक्तियाँ	प्रधिकारी में दर्शित शक्तियाँ	सं० 16-11-76 एचओएम०-11—दिनांक 25 फरवरी 1980 का आंशिक मंशोधन करते हुए मेसर्ज मकांव डाक लिमिटेड के स्थान पर मेसर्ज गोवा शिपिंग लिमिटेड, गोवा को बेस्ट कोस्ट कंसोशियन आप ट्रान्स विल्डर्स का नेता नियुक्त करने का निर्णय किया गया है।
		(ii) लाई- सेस जारी करने और बाण्ड रकम और प्रतिभू तिधरण, करने की शक्तियाँ	लाईसेंस देने वाला प्राधिकार	कुमारी सोमी टन्डन निदेशक
				केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-66 दिनांक 3 मई 1985

सं० ए-19012/1084/85-स्थापना वी—विभागीय पदोन्नति समिति (समूह-ब्व) की सिफारिशों पर, अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, श्री बी०सो० सहा० पर्यवेक्षक को केन्द्रीय जल आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 18-4-85 की पूर्वान्तर से अन्य ग्रादेशों तक नियमित आधार पर नियुक्त करते हैं।

(2) उपरोक्त अधिकारी केन्द्रीय जल आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में उपरोक्त तारीख में दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर रहेंगे।

दिनांक 8 मई 1985

सं० ए-19012/1082/85-स्थापना वी—विभागीय पदोन्नति समिति (समूह-ब्व) की सिफारिशों पर, अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, श्री अरुण कुमार, अधिकल्प सहायक को केन्द्रीय जल आयोग में अतिरिक्त महायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 30-3-1985 पूर्वान्तर से अन्य ग्रादेशों तक नियमित आधार पर नियुक्त करते हैं।

(2) उपरोक्त अधिकारी केन्द्रीय जल आयोग में अतिरिक्त महायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में उपरोक्त तारीख से दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर रहेंगे।

मीनाक्षी अरोड़ा  
अवर सचिव, (समन्वय)  
केन्द्रीय जल आयोग

तौवहन परिवहन संवालय  
तौवहन महानिदेशालय

बम्बई 400038, दिनांक 6 मई 1985

सं० 11-टीआर० (7)/81—राष्ट्रपति महोदय ने, श्री ए० के० भट्टाचार्य इंजीनियर अधिकारी, मरीन इंजीनियरिंग प्रशिक्षण निदेशालय, कलकत्ता का त्यागपत्र (अपराह्न) 16-4-1984 को स्वीकार कर लिया।

डी डी जी  
अमिताभ चत्व्र

(पोत निर्माण एवं पोत-मरम्मत प्रभाग)

नई दिल्ली दिनांक 8 मई 1985

सं० एस०डब्ल्यू०/एस०बी० एस०/१(10)/85—भारत सर-  
गर उद्योग विवाद (भारी उद्योग विभाग) को परिवृत्ता

निर्माण महानिदेशालय

केन्द्रीय लोक निर्वाण विभाग

नटु दिल्ली दिनांक 15 अप्रैल 1985

सं० 12/3/84-ई०सी०ब०९—निर्माण महानिदेशक सहर्ष निम्ननिवित अधिकारियों को सहायक वास्तव/तकनीकी अधिकारी (स्पष्ट 650-30-740-35-810-द० रो०-30-880-40-1000-द० रो०-40-12000) के नाते केन्द्रीय सेवा ग्रुप

“ब्र” के लो०नि०व० निम्नलिखित तिथियों से स्थाई करते हैं।

क्रमांक	नाम (सर्वेशी)	सूचीबद्ध की तिथि
	सहायक वास्तुक	
1.	जे०पी सक्सेना	1-4-1971
2.	वाई० पी० पोपली	वही (सेवा निवृत्त)
3.	ए० गंगुली	वही
4.	ए० आर० करन्दीकर	वही
5.	एम० बी० दास	वही
6.	ए० सन्धाल	वही
7.	बी० एस० महाजन	वही
8.	एस० के० वालिया	वही
9.	एस० बी० केलकर	वही
10.	ए० के० गुप्ता	7-5-1977
11.	आर० के० ककड़उ	वही
12.	के० थी० कुलकर्णी	वही
13.	आर० एच० खोबडगडे (अनु० जा०)	19-5-77
14.	एम० एम० एल० शर्मा	वही
15.	देव० दत्त (अनु० जा०)	1-4-1978
16.	ए० एन० देवीकर (अनु० जा०)	1-9-1978
17.	ए० आर० जोशी	वही
18.	बी० आर० लोकेन्द्र (अनु० जा०)	वही
19.	ए० के० सूद	21-2-1979
20.	एस० पी० सिह० (अनु० जा०)	वही
21.	राम० प्रसाद० (अनु० जा०)	वही
22.	ओ० पी० भारद्वाज	7-1-1980
23.	एस० सी० महेश्वराम (अनु० जा०)	12-4-1980
24.	वाई० एस० सरदार	29-4-1980
25.	टी० आर० आनन्द	29-4-1980
26.	जी० सी० शर्मा	वही
27.	एस० के० वासु	वही
28.	आर० के० पोपली	वही
29.	डी० श्रीनिवासुलु	17-8-1981
30.	आर० एन० कानौजिय तकनीकी अधिकारी	17-8-1981
31.	जी० एस० भोगल	1-4-1980
32.	आर० के० सक्सेना	1-9-1980

एम० एम० दास  
प्रशासन उपनिदेशक

दक्षिण मध्य रेलवे  
महाप्रबंधक का कार्यालय  
कार्मिक शाखा

सिंधुराबाद, दिनांक 30 अप्रैल 1985

सं० पी० राजपत्र/185/लेखा—दक्षिण मध्य रेलवे के लेखा विभाग के निम्नलिखित स्थानापन्न श्रेणी-II (पुप बी) अधिकारियों का प्रत्येक के सामने सूचित तारीख से उसी विभाग की श्रेणी-2 सेवा में स्थायीकरण किया जाता है :—

क्रमांक	नाम	किस तारीख से स्थायीकृत
सर्वेशी		
1.	एस० विश्वनाथन	1-4-80 सेवा निवृत्त
2.	एस० वेंकट्या	1-4-80 भारतीय रेल लेखा सेवा में स्थायीकृत और सेवा निवृत्त
3.	डी० नामराजराव	17-5-80 सेवानिवृत्त
4.	टी०वी० मन्नारक्षण	27-5-80 सेवानिवृत्त
5.	वाई० मर्यानारायण	27-5-80 भारतीय रेल लेखा सेवा में स्थायीकृत और सेवा निवृत्त
6.	एस० मुख्यमण्यन	27-5-80 सेवानिवृत्त
7.	के०आर० सुब्रह्मण्यन	1-7-80 सेवानिवृत्त
8.	के०बी० राजनरसम्हा	1-7-80 —
9.	एन० मुख्यमण्यन	21-9-80 सेवानिवृत्त
10.	टी०वी० राधवाचारी	1-12-84 —
11.	जी० लक्ष्मणन	1-7-81 सेवानिवृत्त
12.	के० वैशीश्वरन	14-7-81 सेवानिवृत्त
13.	एन० त्यागराजन	2-9-81 सेवा निवृत्त
14.	जी० बलराम	24-7-82 सेवानिवृत्त
15.	मी०वी० काशीकार	1-9-82 —
16.	एम०एस० रामन	1-12-82 —
17.	आर० वरदराजन	23-3-83 —
18.	प्र० बाल सुब्रह्मण्यन	1-4-84 —

गुलशनराम महा प्रबन्धक

उच्चोग और कम्पनी कार्य मत्तालय  
(कम्पनी कार्य विभाग)  
कम्पनी लॉ बोर्ड  
कम्पनीयों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैं इन्टरनेशनल  
इमेन्ट गेजेट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

नई दिल्ली, दिनांक 23 अप्रैल 1985

सं० 1737/14779—कम्पनी अधिनियम, 1956  
की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुग्रह में एतद्वारा  
यह सूचना यही जाती है कि इस तारीख से तीन मास के  
अवधार पर मैं इन्टरनेशनल इमेन्ट गेजेट प्राइवेट लिमिटेड  
का नाम इसके प्रतिरूप कारण दर्शन न किया गया तो  
रजिस्टर ने हाट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विष्टित  
कर दी जायेगी।

सत्येन्द्र सिंह  
स्थायक कम्पनी रजिस्ट्रार  
दिनांक १५ अप्रैल 1985

#### आयकर विभाग

आयकर आयुक्त का कार्यालय  
कोचीन, दिनांक 6 मई 1985  
(आयकर)

आदेश सं० 1/85-86—आयकर अधिनियम 1961  
(1961 का 43) की धारा 124 की उपधारा (1) व  
(2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कोचिन  
आयकर आयुक्त में एतद्वारा प्रणालीम में निम्नलिखित  
मर्किन समावृत्त करता हूँ।

- (1) कम्पनी मर्किन
- (2) प्रणालीम मर्किन
- (3) स्पेशल मर्किन
- (4) सर्वे मर्किन

2. यह अधिसूचना दिनांक 10-5-1985 में लागू  
होगी।

आदेश सं० 2/85-86—आयकर अधिनियम 1961  
(1961 का 43) की धारा 124 की उपधारा (1)  
द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कोचिन आयकर  
2- 86GT/85

आयुक्त में एतद्वारा निदेश देता हूँ कि निम्नांकित अनुसूची  
में दिए वार्डों महिला प्रणालीम में निम्नलिखित नाम आयकर  
कार्यालयों का सूचन किया जाएगा :—

#### अनुसूची

क्रमांक	सर्किल का नाम	वार्ड या नाम निःसूची	ग्राम्यकर का रेज
---------	---------------	----------------------	------------------

- |    |                                       |                               |           |
|----|---------------------------------------|-------------------------------|-----------|
| 1. | आयकर कार्यालय, मर्किन-1,<br>प्रणालीम  | आयकर<br>कार्यालय,<br>पू-वार्ड | निःसूची   |
|    |                                       | आयकर                          | आयुक्त    |
|    |                                       | कार्यालय,                     | प्रणालीम  |
|    |                                       | बी-वार्ड                      | रेज       |
|    |                                       | आयकर                          | कार्यालय  |
|    |                                       |                               | सी-वार्ड  |
|    |                                       |                               | आयकर      |
|    |                                       |                               | कार्यालय, |
|    |                                       |                               | भी-वार्ड  |
| 2. | आयकर कार्यालय, मर्किन-11,<br>प्रणालीम | आयकर<br>कार्यालय,<br>पू-वार्ड | निःसूची   |
|    |                                       | आयकर                          | आयकर      |
|    |                                       | कार्यालय,                     | कार्यालय  |
|    |                                       | बी-वार्ड                      | वी-वार्ड  |
|    |                                       | आयकर                          | प्रणालीम  |
|    |                                       |                               | रेज       |
|    |                                       |                               | डी-वा ई   |
|    |                                       |                               | आयकर      |
|    |                                       |                               | कार्यालय, |
|    |                                       |                               | ईवार्ड    |

2. यह अधिसूचना दिनांक 10-5-1985 में लागू होगी।

एमोने मात्रन  
कोचिन आयकर आयुक्त

प्रकृष्ट बाईं, दी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन मनना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

वर्जन रोड, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 20 अप्रैल 85

निवेश नं० अमृतसर/84-86/4—वर्जन भुजे, एम० सी०  
कोपिल आई० प्राप्त० एम०

इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, प्रिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो लारेंग रोड,  
अमृतसर में स्थित है (जोर इसे उपाद्ध दस्तूर्चं, १९५८  
पूर्णांक में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के विवास,  
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख मित्तम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और  
मुझे यह विवास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-  
रितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अन्तर कर दने के अंतरक के  
शायित्व में कमी करने या उसमें बदले में मार्गदर्श  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या वस्तु आस्तियों  
को जिहे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धर-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
व्यापारार्थ अन्तरिती द्वारा उक्त नहीं किया गया  
आय या किया गया चाहिए त. तिथि, त. अंद्रा  
में सिए।

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपाया (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्तात :—

(1) श्री शाम सुन्दर कपूर पुत्र,  
श्री रत्न चन्द  
224 कवीन्द्र रोड,  
अमृतसर ;

(अन्तरक)

(2) श्री मनावन्द्र दिल्लि पुत्र,  
भूपन्द्र मिह  
नं० 53, प्रार० वा० प्रकाश चन्द रोड  
अमृतसर

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० २ में कोई किरायेदार हो  
(वह व्यक्तिर जिसके अवधोग में सम्पाद्त है)

(4) श्रीर. कोई  
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधी-  
हस्ताक्षरों जालना है कि वह सम्पन्न में हितवद्ध  
है)।

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीय करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलोचना :—

(क) इस सूचना के राष्ट्रपति में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या उत्तमवन्धी व्यक्तियों पुठ  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों ना संकेती व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राष्ट्रपति में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भावना द्वारा अन्तरित मा० हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
प्रियोक्तन मा० दिया गया तरह।

**प्रधानकरण:**—इसमें प्रदर्शन वद्दे पौर ददा का, जो उक्ते  
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित  
है, वही वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसंधानी

1/5 भाग जायदाद खसरा नं० 1123 जो लारेंस रोड,  
अमृतसर में है जैसा सेनडीड नं० 4376/28-१०-३४ राजस्ती  
में अधीराई अमृतसर में दर्ज है।

एम० सी० कोपिल  
सशम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
वर्जन रोड, अमृतसर

तारीख: 20-4-85.

महेश

प्रख्य आई.टी.एन.एस-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कायालय, सहायक आयकर आयकर आयकर आयकर आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, अमृतसर  
अमृतसर, दिनांक 20 अप्रैल, 85

निदेश नं. अमृतसर/85-86/5-अ० मप्रे, एफ० सी०  
कपिल, आईआरएस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु से अधिक है

सर्वी स० एवं जायदाद है तथा जो निम्न मड़ी  
अमृतसर में विस्तृत (आ० १८८८ तक उद्दृढ़ उत्तरी, में और  
पूर्णरूप स वर्णित है) रजिस्टर्ड टर्टी एंड पार्टी वे वर्गलय  
अमृतसर में रजिस्ट्रीशन अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के नदीन, तारीख प्रकृत्वर, 1981

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसराने  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दूसराने प्रतिफल स, ऐसे दूसराने प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तर्को) और अन्तरिती  
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा प्रयोग गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अतरण लिखित में  
यास्त्रिक रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को  
वासित्व में कमी करने या उससे बचने में सहाया  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बासित्वों  
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) ना उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से संविधा  
के लिए;

(1) श्री हीरा लाल पुत्र,  
श्री मुकद लाल  
गली कंधारिया वाली, निमक मड़ी,  
अमृतसर  
(अन्तरक)  
(2) श्री मदन लाल बोहरा पुत्र  
बिहारी लाल बोहरा,  
गली कंधारिया वाली, निमक मड़ी,  
अमृतसर  
(अन्तरिती)  
(3) जैसा ऊपर स० २ म कोई किराएँदार है।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)  
(4) और कोई  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधीहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

क्षे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाह्य शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी भाषणप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण**—“इसमें” प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

जायदाद न० 679/8 और 1056/8 जो कंधारिया  
वाली, निमक मड़ी, अमृतसर में हैं जैसा सेलडीड न० 5099/  
30-10-84 रजिस्टर्ड अर्थार्टी अमृतसर में दर्ज हैं।

एस० मी० कोपिल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर आयकर आयकर  
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख: 20-4-85

गोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

इलट बाद, दौ. एव. एस. —————

दायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत वरकार

कार्यालय, उहायक दायकर बाबूक (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 20 अप्रैल 1985

निर्देश सं० ए० एस० आर० सं० 85-86/6—

यतः मुझे, एस० सी० कपिल श्राई० आर० एस०

दायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ए के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ए० जायदाद है तथा जो न्यू प्रताप नगर  
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची  
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 वा  
16) के अधीन, तारीख अक्टूबर 1984

को एवोकेन सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और  
मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से, एसे इयमान प्रतिफल का  
पंक्ति प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंसरको) और  
अन्तरिती (अन्तरितों) के बीच एसे अन्तरण के लिए इय  
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है :—

(क) दम्भुरण सं० ए० एकसी धारा की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक के  
विवित में कही कहने पा जबहे बदने हे दृष्टिया  
के लिए; शीर्ष/या

(ख) एसी किसी धारा या किसी भन या इन्ह आगियों  
को बिन्ह भास्तीव जाय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)  
तो अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री इन्द्रजीत सिंह पुन,  
श्री जसबंत सिंह  
गैट शेरा बाला,  
अमृतसर

(अन्तराम)

(2) श्री कवलजीत सिंह बजाज पुन,  
श्री शांति नाल,  
श्रीमती जसबीर कौर पत्नी,  
कवलजीत सिंह,  
40-रानी का बाग  
अमृतसर

(अन्तरिती)

(3) जेसा अमर सं० 2 में काई F. शाएदार है।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और काई  
(वह व्यक्ति, जिसके द्वारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के द्वारा  
कार्यवाहीयां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अधिक बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में  
45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-  
बढ़ द्वारा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास निर्णयता में किए जा सकें।

स्वाक्षरण — इसमें प्रमुखत शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभासित  
हैं, वही वर्ष होगा जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

अमृतसर

जायदाद नं० 59-60 जा न्यू प्रताप नगर, अमृतसर में  
है जैसा सेल डीड नं० 5124/31-10-84 रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

.एम० सी० कपिल, श्राई० आर० एस  
सक्रम प्राधिकारी,  
सहायक दायकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख 20-4-1985

माहूर :

मुख्य भाषा, टी. एव. प्र० -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत वारपत्र

कार्यालय, सहायक आयकर भावकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिलान 20 प्र० 85

निदेश नं० ४० एम० आई० 85/86/7—अन्तः मुझे, एम०  
सी० कपिल आई० आर० एस०,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'कल अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-प के अधीन सूचना आयकरकारों को, पठ विश्वास करने का  
कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी म० ५०मि वा प्लाट जो दि इस्ट मोहन नगर  
में स्थित है और य०/प्र० 269 ए०वी० आफ आयकर एस्ट  
1961 के अधीन वक्तव्य अधिकारी है तथा जो अमृतसर के  
कार्यालय से 13-12-84 को रजिस्टर्ड हुआ, से रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन,  
तारीख 13-12-1984

को पूरीकृत सम्पत्ति की उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान  
प्रतिफल के लिए बलारित की गई है और यह विश्वास  
करने आ कारण है कि ग्रामपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का  
पूछ प्रतिक्षेप से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाना पथा  
प्रणाली, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कमित नहीं किया गया है :—

(\*) अन्तरण उ० हूँ फिसी बाय की वाकद, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरुक वे वायित्य  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
शौर/शा

(\*\*) एसी किसी आग या जूँसी भग्न या अन्य अस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
चनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथवा :

(1) श्री प्रनूप चन्द्र कपूर  
माल रोड, अमृतसर  
श्री सुरिन्द्र नाथ कपूर,  
रिंग रोड, बंधूई  
श्री दक्षिण्द्र कपूर,  
श्री वरिन्द्र कपूर,  
श्री विपन कपूर  
नरिन्द्र कपूर और विक्रम कपूर,  
कपूर रोड, अमृतसर

(अन्तरक)

(2) श्री हरदयाल भिंह पुन,  
श्री मोहन भिंह  
सुलतान विल राड,  
अमृतसर

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर म० ३ में कोई विराणदार है।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिकारीग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई  
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधा-  
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में  
हितबद्ध है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोन्नत रूपसिंह के अजन के द्विए  
वायकरण करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में इकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की वासील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोन्नत  
व्यक्तियों वे से किसी अंकित हृषाय;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्षीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होय जो उम अध्याय में दिया  
गया है।

### मूलसूची

मूल वा प्लाट 2000 व० ग० जा 100 फुट रोड,  
इस्ट मोहन नगर, अमृतसर में है जैसा नं० अक्षम अधिकारी  
के आईर नं० 37ई०/15 तिथि 13-12-84 द्वारा रजिस्टर्ड  
हुआ।

एम० सी० कपिल आई० आर० एस०  
अक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 20-4-85

मोहर :

प्ररूप आर्द्ध. टी. एस. एस. -----

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 20 अप्रैल, 85

निदेश नं० अमतपट/85-86/8--अन मुझे, प्रा० नी०  
कपिल आई० आरा० एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी मूल्य आयदाद है तथा जो तरन रोड  
अमृतसर में स्थित है (आँव इसमें उपांडि अनुभूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के नायोंलद  
अमृतसर में रजिस्ट्रीरण अधिनियम, 1908 (1908 :  
16) वो अधीन, तारीख दिक्षिण 1984

को पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दरेश्य से उक्त अन्तरण  
लिया गया भूमि प्रतिफल रूप से कथित नहीं किया गया है ---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में  
करी रखने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हरजीत सिंह पुत्र,

श्री परदुमन सिंह

1473/7 टाब बस्ती राम,

अमृतसर

(ग्रन्तकर)

(2) श्री इलजीत सिंह पुत्र,

श्री पुर्ण सिंह

तरन तारन रोड,

अमृतसर

(अन्तरिती)

(3) गेहा ऊरा नं० ८ में रोड नियाणदार हो

१ मैर्ज तीरन्द्र ग्रामिल वर्क्स,

अमृतसर 40/- महीना

२. श्री मोहन सिंह,

अमृतसर 100/- महीना

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभीम में सम्पत्ति है)

(4) आर कोई

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है फिर उसने सम्पत्ति में पितवद है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यान्वयित्वां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 'से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
से किए जा सकेंगे।

**स्पष्टोकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुभूची

जायदाद जो तरन तारन रोड, अमृतसर में है  
सेलडीड नं० 6724/26-12-84 रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी  
अमृतसर में दर्ज है।

एस० सी० कपिल,  
आई०आर० एस  
मध्यम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 20-4-1985

माझे

प्रलय आई. टी. एन. एस. -----

**आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना**

**भारत वडाक्षर**

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज पूना

पूना, दिनांक 12 अप्रैल, 85

निदेश सं. 37ई/डिफन्स एस. डी. 84-85—अतः  
मुझे, अनिल कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. संख्या नं. 47, हिस्सा नं. 3, ब्रह्मपुर गांव वडई, जिला याता है तथा जो वडई में स्थित है और उसमें उपावड़ अनुमूल्य में और पूर्णमप गे वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेज में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीब अप्रैल, 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयान प्रतिफल की तिए अंतरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य स्थावर सम्पत्ति में, एके छयान प्रतिफल के पश्चात् प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (छातीरेतिहासी) वैवृद्ध अन्तरज के लिए तथा याता यथा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित अधिनियम से उक्त नहीं किया गया है ।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आव या अवधि की वावत उक्त अधिनियम के अधीन शर दर्ते के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ल) एसी किसी आव या किसी भन या अन्य आस्तिगों के बिन्दु भारतीय कायकर अधिनियम, 192 (1922 का 11) व उक्त अधिनियम, वा उन दर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए, और/या

अतः जब, इस अधिनियम की धारा 269-व के अनुसार दर्ते, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अनुसार निम्नलिखित व्यक्तियां अधिकारी ---

(1) श्री जगन आंटार डिसाजा और मन्दा,  
भानदार माडीवाडी नं. 7 वडवली,  
मलोडीवाडी

(अन्तरक)

(2) धा. पीमावर लाल्हेयानाल खातेर  
711, पर्सिंग रोड, खातेर  
वडवली ।

(अन्तरिमी)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवधि के लिए कार्यवाहिया शुरू करना हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अवधि में काई भी अंतर :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर, तृतीय की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध बृद्धि किसी दर्ते व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त सम्पत्ति की अध्याय 20-के परिभाषित हैं, वही वर्ण होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत का 37ई/नं. डिफन्स एस. डी. 84-85 अप्रैल, 84 को महायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेज पूना के दफ्तर में लिखा गया है ।)

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, पूना

नारीब : 12-4-1985

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पुना:

पुना, दिनांक 12 अप्रैल, 85

निःशुल्क मं. 37ई/डिफन्स/एस० डी०/84-85—अतः

मुझे, अनिल कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. मर्वे नं. 47, हिस्सा नं. 3 बहुपुर,  
गाँव वर्मी, थाना है तथा जो थाना में स्थित है (और इससे  
उपावढ़ जनमूखी में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयकर निरीक्षण,  
अर्जन रेंज में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अवीन तारीख अप्रैल 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दूसरान प्रतिफल से, एसे  
दूसरान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
जौर अंतरक (अंतरक), और अंतरिती (अंतरितियों) के  
बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय ऑप-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

उत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १—

(1) श्री जैन अटान डिसोजा और अन्य  
गरवार माडीवाडा नं. 7,  
वडवली मलोडीवाडा

(अन्तरक)

(2) श्री पीता वंश कन्हैयाहैल ननमल खातेर आर अन्य  
711, निकिंग रोड, खाट  
वर्मवडी

(अन्तरिती)

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के उचित के संबंध में कोई भी आकोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थान संपत्ति में द्वितीय  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित  
हैं, वही वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र. 37ई/डिफन्स/एस० डी०/  
84-85 अप्रैल, 84 को सहायक आयकर आयकर निरीक्षण  
अर्जन रेंज, पुना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
नक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पुना

तारीख: 12-4-1985

मोहर :-

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस. -----

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आधिकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पूना

पूना, दिनांक 12 अप्रैल, 1985

निर्देश सं. 37ई/10230/84-85—अतः मुझे,  
अनिल कुमार,

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सूचना प्राप्तिकरी को यह विश्वास करते का  
आधिकर है कि स्थायक सम्पत्ति, जिसका उपित्त बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. फैट नं. 155, भादीनाथ को-आपरेटिव  
हाउसिंग सोसायटी, पूना 37 है तथा जो पूना में स्थित  
है (और इसने उपायद अनुमूली में और पूर्णस्थूल वर्णन  
है), भजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आधिकर  
आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेज में, भजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, नागीख फरवरी 1985

को दूसरोंका संपत्ति के उपित्त बाजार मूल्य से कम के अवधार  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई और मुझे यह विश्वास करते  
का कारण है कि यथापन्नका सर्वानि का उपित्त इत्तार मूल्य,  
उक्ते अवधार प्रतिफल से, एके अवधार प्रतिफल का अन्तर  
प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अंतरितियाँ) के बीच एके अन्तरक के लिए तब पाका बदा  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक विकित  
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरक से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधि-  
विधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अवधार  
में कमी करने या उससे बचने वाँ सुविधा के लिए;  
और/वा

(ब) एकी किसी बाय या किसी भव. या जन्य वास्तवियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-  
गर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगान्वय अंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
में लिए।

अब: बद, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —  
3—86GI|85

(1) श्रीमती मुहम्मद उत्तमचंद्र पुजानी  
भादीनाथ को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी,  
पूना 37

(अन्तरित)

(2) श्री गिरानाल रामलाल ग्रोवल  
भादीनाथ को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी  
पूना 37

(अन्तरिती)

को वह सूचना आरी करके पूर्णकात सम्पत्ति के अर्बन के लिए  
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्बन के सम्बन्ध में आई भी जाकेव :—

(क) इस सूचना के उपर्युक्त की तारीख से  
45 दिन की अवधि या उत्तमचंद्र व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो वी  
वंशीय बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वतिल  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के उपर्युक्त की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थान इवाय ज्ञाहस्तानी के पाव  
किती अन्य व्यक्ति इवाय ज्ञाहस्तानी के पाव  
लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्पर्कितण:—इसमें प्रदूषित सम्बोधी और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### मन्त्री

(जैसा कि रजिस्ट्रीमुक्त क्र. 37ई/10230/84-85  
करवारी 85 को प्राधिकर आयुक्त निरीक्षण,  
अर्जन रेज, पूना के दफनार में लिखा गया है।)

अनिल कुमार

मकाम प्राधिकारी

सहायक आधिकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पूना

नामिक: 12-4-85

माहेर

मुख्य व्यापक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा  
269-व (1) के अधीन सूचना

### मुख्य व्यापक

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (नियोजन)

अर्जन रेंज, पुना।

पुना, दिनांक 12 अप्रैल, 85

निर्देश सं. 37ई/9451/84-85—अतः मुझे, 'अनिल  
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इहके पश्चात् 'मुख्य अधिनियम' कहा जाता है), की भारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं. 25, मातृशक्ति, सुभाष रोड,  
विधुनगर, डोम्बीवाली, (डब्ल्यू) कल्याण जिला थाना में है तथा  
जो थाना में स्थित है (और इसमें उपावद अनुसूची में और  
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायलिय  
सहायक आयकर आयुक्त नियोजन, अर्जन रेंज में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख अक्टूबर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छ्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके छ्यमान प्रतिफल से, ऐसे छ्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हटा किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरण के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
हो विषय; और/या

(क) ऐसी किसी आय या किसी भन या कन्या आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, आ  
यकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने परे  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, इष्ट अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन विभिन्नता, व्यक्तियों, वर्षता ॥—

(1) मेसर्स पटेल कन्सट्रक्शन कंपनी,  
66, नगीनदास मास्टर रोड,  
9, पारेख ओरा चैरमें,  
पहली मंजिल फोर्ट,  
बम्बई ।

(अंतरक)

(2) श्री कृष्ण हर्जी पटेल  
11, ग्रांडिका भवन, निव मार्किट,  
एल०-बी० शास्त्री मार्ग, घाटकोपर  
बम्बई-86

(अन्तरिती)

को यह सूचना जहाँ कुलके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्य :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि मा तत्कालीन व्यक्तियों द्वारा सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
याद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थानीय सम्पत्ति में हित-  
द्वारा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा बोहस्ताकरी में  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ;

**स्वतंत्रता :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

(जैसा कि रजिस्ट्रीक्यून क्र. 37ई/9451/84-85  
अक्टूबर 84 को सहायक आयकर आयुक्त नियोजन अर्जन  
रेंज, पुना के दफ्तर में लिखा गया है ।)

अनिल कुमार  
मकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (नियोजन)  
अर्जन रेंज, पुना

तारीख : 12-4-85

मोहर :

प्रस्तुत बाइं.टी.एम.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पुना

पुना, दिनांक 12 अप्रैल 85

निवेश सं. 37ई/308/84-85—ग्रन्त: मुझे, अनिल

कुमार,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ए के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी मं. देवलाली गांव में स्थित मालमता दत्त  
मंदिर रोड़, नासिक म्यूनिसिपालिटी के हट के अंदर नासिक  
सर्वे नं. 36/2 है तथा जो नासिक में स्थित है (और इससे  
उपावड़ अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), राजस्ट्री-  
कर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त  
निरीक्षण, अर्जन रेज में, राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्ष) और अन्तरित  
(प्रत्यक्षरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए उच्च पाया जाय,  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उचित अन्तरण लिखित  
में बारतीकृत रूप से किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दावित  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
बाइं/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अक्सियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अन्य कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रभावेनार्थ अन्तरिती दृष्टान्त प्रबल नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, लिखने में  
सुविधा के लिए;

बाय: ज्व., उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अनुसारण  
में, भै., उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपाया (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बधाई—

(1) श्री संपत् लक्ष्मण गायकवाड़,  
बी० बी० आर० सी० के पास,  
गायकवाड़ मोला,  
नासिक रोड़,

(अन्तरक)

(2) मैसर्स जय गोपेश नान्ड डे  
डेवलपमेंट कंपनी,  
नित्यानन्द दीप नजदीक, पी० ई० स्कूल,  
नासिक रोड़,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयों शूल करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के उचित में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों कोर पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

पनुमूली

जैसा कि राजस्ट्रीकृत नं. 37ई/308/84-85 अगस्त  
84 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेज पुना  
के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, पुना

तारीख: 12-4-1985

मोहर [ ]

प्रमुख. बाइ. टी. एन. एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ग (1) को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पुना

पुना, दिनांक 11 अप्रैल, 85

निर्देश मं० 37ई/10901/84-85—अतः मुझे, अनिल  
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ग को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवाद करने का  
कारण है कि उक्त स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० फ्लैट नं० १५०-१, पहला मंजला, मंदे  
नं० ४११, एरन्डवना पुना है तथा जो पुना में स्थित है,  
(और इससे उपावड़ अनुमती में और पूर्णरूप में वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, में रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टिभाव  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और इसे यह विवाद करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृष्टिभाव प्रतिफल से, ऐसे अधिमान प्रतिफल का  
पन्नह प्रतिभाव से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उत्तरायण में उक्त अन्तरण  
अन्तरित में वास्तविक रूप से अधित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वापत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री ग्रानत पुष्पोत्तम जोशी,  
शरद अपार्टमेंट, पहला मंजला,  
मार्केल कालोनी के नजदीक,  
पोस्ट ऑफिस, शिवाजी नगर,  
पुना-16

(अन्तरक)

(2) मैसर्स आकार एन्टरप्राइजेस  
फ्लैट नं० २३, अनामाया अपार्टमेंट्स  
ग्रामपाल कालोनी, सं० नं० १२९,  
कोथरुड पुना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थात्  
कार्यालयों करता है।

उक्त सूचित के अर्थात् उपनियम में कोई भी वाक्यप—

(क) इस सूचना के राजपत्र ने प्रकाशन की तारीख है  
४५ दिन की अवधि या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
मूचना की तारीख तक ३० दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
वहन किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

लम्बांकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ॥

### लम्बांकरण

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37ई/10901/84-85  
मार्च 85 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन  
रेज पुना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, पुना

तारीख 11-4-1985

मौहर ॥

प्रधान माहौल, टौ. एस. एड्स - १०८  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकर  
कर्त्तव्यालय, उद्योगकर आयकर कम्बिट (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, पुना  
पुना, दिनांक 11 अप्रैल, 1985

निवेश सं. 37ई/12118/84-85—अनु: मुझे, अनिल

कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें उत्कृष्ट अधिनियम 'उद्योगकर आयकर कम्बिट' कहा गया है), की भारा 269-प के अधीन राज्यम प्राधिकारी को, उद्योगस्वास करने का कारण है कि स्थानकर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. ० फ्लैट नं. 21, बिलिंग नं. ३० गणेश निवास को-ऑफरेंटिव हाउसिंग सोसायटी जोधाली घाग चाटी थाना है तथा जो थाना में स्थित है (और इस उद्योगद्वारा अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेज में, राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1985

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अधिकान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उपयोगन प्रतिफल का पन्नह प्रतिवह से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब याम गया था प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरम वे हैं कि कोई आय की वारत, उद्योग अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने वा उद्योग वर्चन में सुधृता के लिए ५०/८।

५१। अमीं किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग-नार्थ अन्तरिती द्वाय प्रकट नहो किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिसने उस सुधृता के लिए;

अद्य इस, उक्त अधिनियम की भारा 269-प के अनुसूचण में है, उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अन्तरिती, छापा है—

(1) श्री एस० रवी  
21, मिटानी नगर, कोपटी कालोती  
थाना

(अन्तरक)

(श्री दिनेश वेलजी शाह  
किंग टेलर्स, एस० टी० जान स्कूल के पास,  
थाना

(अन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्चन के लिए कार्यवाहीहासी करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्चन के संबंध में कोई भी जानकारी है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी अवधियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि या भी वर्चन वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अन्तरिती में से किसी अवधित दिवारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुभ किसी अन्य अवधित द्वाय अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

निम्नलिखित —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अन्याय 20-के परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा, ओ उक्त अन्याय में लिखा गया है।

अनुसूची

(जैसा कि राजस्ट्रीकृत नं. 37ई/12118/84-85 जनवरी 85 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेज पुना के दापतर से लिखा गया है।

अनिल कुमार

सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पुना

तारीख 11-4-1985

माझे १

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के वर्तीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 19 अप्रैल, - 985

निर्देश सं० 37ई/7005/84-85—आठ। मुझे, 'अनिल  
कुमार'

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) ('जिसके द्वारा  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा  
269-व के वर्तीन संक्षेप प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० फ्लैट नं० टी०-५, निसरे मंजल पर,  
42 ए०/१८, यरन्डवना पूना में तथा जो पूना में स्थित है  
(और इससे उपावड़ अनुभूची में और पूर्णस्पष्ट से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त  
निरीक्षण, अर्जन रेंज में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, नारीख अक्टूबर, 1984  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
यह विवाह करने का कारण है कि  
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और बंतरक (बंतरकी) और अंतरिरी (अंतरिरितायाँ)  
के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
द्वितीय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीरित  
गई किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में करी करने या उससे बचने में सुविधा  
दायित्व के लिए; और/या

(क) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य वास्तवीय  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिरी द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिनने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री नाटेकर गांधी और कंपनी  
1206 बी/15 शिवाजी नगर,  
डक्कन जिमखाना,  
पूना 4

(अन्तरक)

(2) श्री श्रीनिवास रामचन्द्र मेनोलिकर और अन्य,  
699/2 शिवाजी नगर डक्कन जिमखाना,  
पूना-५

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहीया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्षा है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरनी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद वे सहायता होती हों, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वल्पीकरण:**—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पर्वों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिवर्तित  
हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुमति

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37ई/7005/84-85  
अक्टूबर 84 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन  
रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार

संक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 19-4-85

नोहर।

**उच्च वाईटी ट्रीटमेंट**  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भाग 269-व (1) के अधीन सूचना

**सामग्री**  
महायक आयकर आयकर विभाग (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पुना  
पुना, दिनांक 19 अप्रैल, 84  
मिट्टेश सं० 37ई/6932/84-85—अतः मुझे, अनिल  
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विवास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० फ्लैट नं० 13, दूमरा जमेला, सर्वे नं०  
129, फ्लैट नं० 35, आयडियल कालोनी, कोथरुड है तथा  
जो पुना से स्थित है (और इससे उपाखड़ अनुसूची में और  
पुर्णरूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायलिय,  
महायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेंज में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख अक्टूबर, 1984 :

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम है तथा इसका  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई  
है और मझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से,  
एसे इश्यमान प्रतिफल का फूँदूँ प्रतिशत से अधिक है और  
अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे  
अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उल्लेख  
से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है :—

(क) अंतरण से हर्दूँ किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक के दायित्व में  
करी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/वा

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्ध वास्तवियों  
को, जिन्हे लारीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसार  
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों का अधीन:

(1) श्री चोपड़ा सुहाम यशवंत मालक,  
चोपड़ा इंजीनियर और कन्ट्रॉक्टर्स,  
मदापिंव पेट,  
पुना-30

(अन्तर्क)

(2) श्री गम० जै० पाटणकर और अन्य  
13, पमायदान बवला,  
गिरीजा शकर हार्डिंग सोसायटी,  
धनकट्टा पुना 43

(अन्तर्क्रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए  
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के अन्तर्गत में कोई भी आक्षय है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

### महायक

जैमा कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37ई/6932/84-85 अक्टूबर  
84 को महायक आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेंज, पुना  
के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
महायक प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पुना

तारीख: 19-4-1985

माहूर ४

इकाइ नं. ८४-८५/१२१९७—

(1) श्री एम० ए० पालेकर  
केयर आफ भावन फिल्म्स मजीबाड़ा  
धाना  
(अन्तरक)

(2) श्री बलराज आर० पाटील  
भगीरथी जगनाथ अपार्टमेंट,  
रघुवीर पार्क, मावन बाड़ी  
अत्तरेश्वर फ्लैट नं० ए० १/६,  
धाना

(अन्तरिती)

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना**

भारत दरबार

कार्यालय सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पुना

पुना, दिनांक 19 अप्रैल, 85

निर्देश नंग 37ई/84-85/12197—अन्० मुझे, अनिल  
कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जिष्ठत बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी नं० फ्लैट नं० 6, बिल्डिंग, नं० ए०/ पहला  
मंजिला रघुवीर पार्क, भगीरथी जगनाथ अपार्टमेंट, अत्तर  
साहेब थाना (क्षेत्रफल 587.5 वर्ग फीट) है तथा जो थाना  
में स्थित है (और इससे उपांशुद्ध अनुसूची से और पूर्णसूची  
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक  
आयकर आयकर निरीक्षण, अर्जन रेंज में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
जनवरी 1985

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के सम्बन्ध  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
(अंतरीरियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
कल निम्नलिखित उद्देश्य से इकल अन्तरण निर्धारित में वापरिक  
रूप से कठित नहीं किया जाता है :—

(ए) अन्तरण से हूँ जिसी भार की बाद, उसमें  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
सम्बन्ध में कमी करने या इसके बढ़ने में दृष्टिका  
र्य लिए; और/या

(ब) एसी किसी आय या किसी इन या कैम्प आम्लादार  
से, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरितो इवांग प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, विधाये पर  
दृष्टिका र्य लिए;

**उत्तर:** जब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-घ के अनुसरण  
में, यौं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकारी हैं—

को वह सूचना बाटी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है :

**सम्पत्ति के वर्जन के उत्तराधि में ज्ञाहेर भी आवेदन :—**

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्त्ववधी व्यक्तियों पर  
सूचना की स्थिति से 30 दिन की अवधि, और भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृत्तात्;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्दम  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकते।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं,  
वही वर्थ होता जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनिल कुमार

जैसा कि रजिस्ट्रीकरण नं० 37ई/12197/84-85  
जनवरी 85 को सहायक आयकर आयकर निरीक्षण अर्जन  
रेंज, पुना के दफ्तर में लिखा गया है :

अनिल कुमार  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पुना,  
तारीख : 19-4-1985  
मोहर #

प्रकल्प आडे टो पुन एम .....

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन, रेज, पुना

पुना, दिनांक 19 अप्रैल, 85

निवेश सं० 37ई/6927/84-85—अत. मुझे, अनिल  
कुमार,

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके अधीन सं० 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के बधीन सं० प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि मध्य - सर्वानि जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है।

श्री और जिसकी सं० फैटे नं० ८, पट्टना मंजना, पिछाड़ी बंगला,  
(प्रोटोफल ७७० स्कॉवियर फीट) है तथा जो पुना में स्थित  
है (श्री और उसमें चपाड़ अनुसुन्दरी में श्री और पूर्णस्पष्ट में वर्णित  
है), रजिस्ट्रीर्ना अधिकारी के हार्डिक्यू, सहायक आयुक्त आयुक्त  
आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेज में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 84  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अधिकान  
प्रतिफल के लिए प्रत्याग्रह की गई है और मूल्य कहे विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके अधिकान प्रतिफल के लिए 20-के प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अंतरकों) और अंत-  
रिकी (अंतरिक्षों) के बीच ऐसे असरण के लिए तथा उसके अन्य  
प्रतिफल निम्नलिखित ग्रहीष्म से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक २० +, अधिक नहीं किया गया है।

(क) अंतरण से इसे किसी बाय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंदरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में संविधा  
के लिए; और/वा

(ल) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य बास्तवियों  
जो जिसे भारतीय आपकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
एन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अंतरिकी इवारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
संविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
पर्याप्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1)  
के बधीन निपटावीमा अस्तित्व, वार्षिक ३.

(1) श्री डॉ ज्ञान सामना और अन्य,  
8/२, रवी निल, मदागिंव,  
पुना ३०

(अन्तरक)

(2) डॉ आरो वाद मुके और अन्य,  
२३२, शकर नवर,  
पुना ९

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित  
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के उचित के संबंध में कोई भी वाक्येण :—

(क) इस भूमि के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
४५ दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित रूप किए जा सकेंगे।

**लक्षणोक्तरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा जो  
उस अध्याय में दिया गया है।

**मन्त्री**

जैसा कि रजिस्ट्रीकरण क्र० 37ई/3927/84-85  
अक्टूबर 84 को सहायक आयुक्त आयुक्त निरीक्षण, अर्जन  
रेज, पुना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
मध्यम प्राधिकारी  
सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, पुना

## प्रकृष्ट बाहुंदी-सूचना —

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
अर्जन रेज, पूना

पून दिनांक 20 अप्रैल 1985

निवेश सं 37ई/6754/84-85—अतः मुझे, अनिल कुमार

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं 3 दुकान 143/4, पर्वती पूना 9 है तथा जो पूना में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में श्रीम पूर्ण ज्येष्ठ में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्नी अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेज में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख अक्टूबर, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है मग्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एते दृश्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वामाधिक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुए किसी बाय की वापत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में किसी वार्ते या उद्देश्य दरमें में दृष्टिका के लिए; और/वा

(ख) एते किसी बाय या किसी भव या वापत आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनुकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रदानेनार्थ अन्तारती दावाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहित के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मेरे उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

(1) मैसर्स विवारा फॉल्हाण  
क्रियथ अधार्टमेट्स,  
22 मुकुदमवर,  
पुना 37

(अन्तर्क)

(2) श्री पोपटनाल जमराज डांगी और,  
गाविद पोपटनाल डांगी  
484/31, मित्र मछक कालोनी,  
पुना 39

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन का वायवित्यां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोइ भी वाक्येष :

(क) इस सूचना के उपर्युक्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाया;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति वा हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टोकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अधार 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं 37ई/6754/84-85 अक्टूबर 84 का सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेज पुना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, पुना

तारीख: 20-4-1985

मंगः

प्रस्तुत वाइ. टी. पन. एड. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बाबूरु (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पूना

पूना, दिनांक 22 अप्रैल, 85

निवेद नं. 37ई/7421/84-85—अतः मुझे, अनिल

कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ए के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी म० सर्वे न० 1180, आखरी प्लाट न० 558  
स० प्लाट न० 1 शिवाजी नगर पूना है तथा जो पूना में  
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णस्वप्न में  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर  
आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेज में, रजिस्ट्रीकरण, अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1984  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पश्च अविश्वास से अधिक है और अतरक (अनरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के दोनों एस अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दरश्य में उक्त अन्तरण निर्धारित में  
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है।—

(1) मैमर्स नवयुग प्रोमोटर्स  
20/2 नवी पेठ,  
पूना-30

(अन्तरक)

(2) कुमारी शैला महादेव रेशपाडे  
751 (नवा) मदाशिव भट्टवाडा  
पूना-30

(अन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त तर्फात् उक्त वे भाग  
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी वाक्षण —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वे  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वे  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
दूष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा राकें।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही वर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### मूल्यांकन

(क) अन्तरण वं है किसी आय की वापत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर हने के अन्तरक वे  
दावित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 192<sup>1</sup>  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयाजनार्थ जीतीरती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने वे  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)  
हें अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ८—

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत न० 37ई/7421/84-85 नवम्बर  
84 को सहायक आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेज पूना  
के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
सकाम प्राविहारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, पूना

तारीख 22-4-85

माहूर ४

प्रस्प आर्टी.एन.एस. - - - - -

(1) श्री वी.ओ. आर० गाले  
भास्योदय विलिंग,  
रामनवर डोम्बीवाली, (पूर्व)  
जिला याना

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना(2) मेमसं पटेल कन्हैयूलाल रुपनी  
66, एन एम रोड,  
9 पारेख ओरा चेप्रस, पहांा भजला  
फोटो बस्वार्ड

(अन्तरित)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, पूना  
पूना, दिनांक 22 अप्रैल, 85

निवेद सं० 37ई/8955/84-85—अतः मुझे, अनिल

कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. में अधिक है  
और जिसकी म० मर्वे न० 3 पंग, हिस्सा न० 5 मर्वे न०  
19, हिस्सा न० 1, मर्वे न० 64, हिस्सा न० 3 पार्ट डोम्बी-  
वाली (पूर्व) टिलक नवर टेलग कव्याण, जिला याना है तथा  
जो याना में स्थित है) और इसमें उपावड अनुसूची में और  
पृष्ठां पर्याप्त में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्तों अधिकारी के कार्यालय,  
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेज, पूना में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख अक्टूबर, 1984कि पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम हो स्थावर  
प्रतिक्रिय के लिए अन्तरित की गई है और उन्हें यह विष्वास  
करने का कारण है कि यहांपर्याप्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके अवधान प्रतिक्रिय से, ऐसे अवधान प्रतिक्रिय का  
दलह प्रतिक्रिय से अधिक है और उत्तरक (बंतुकों) और अंतरिती  
विकासियों) द्वारा ग्रेट अक्षर के लिए यह पाका ग्रा-  
प्रतिक्रिय निरान्वित चयनके से उक्त अवधान सिद्धि रे  
प्राप्तिक्रिय के साथ सही नहीं किया गया है—(क) अन्तरित वे हुए किसी वाद की वादत, उक्त  
विधिवाद के अधीन कर दर्ते हों के अन्तरक के दायित्व  
हो किसी वाद से उक्त वाद होने की सुविधा नहीं  
होती/हो(क) नमी आसो आदि या किसी इन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
हो व्योजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
दूरिधा के लिए;— अन्तरित वे हुए किसी वाद की वादत, उक्त  
विधिवाद के अधीन कर दर्ते हों के अन्तरक के दायित्व  
हो किसी वाद से उक्त वाद होने की सुविधा, अधीन  
भारा 269-व (1) के अधीन, निरान्वित विकासीको यह दृष्टि वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए  
कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के विवरण में कोई भी वास्तव—

(क) इस दृष्टि के अन्तरक में प्रकाशन की दारीवा से 45  
दिन की अवधीन के अन्तरक व्याप्तियों पर सूचना  
की ताम्रील से 30 दिन की अवधीन, जो भी अधिक  
बढ़ते अवधान रहेंगे हैं, के भीतर पूर्वोक्त  
अधिनियम की अधिकता द्वारा;(क) इस सूचना के अन्तरक जो प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त अवधान सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, विभागस्ताधारी के  
पास लिखित में किये जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रमुख सब्जेक्टों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्यात 20-के विविधियों  
हैं, वही वर्ण होता आ उस विवाय में विवा  
नका है।

## विवरण

जैसा कि रजिस्ट्रीकरण का 37ई/8955/84-85  
अक्टूबर 84 को प्राप्त आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन  
रेज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।अनिल कुमार  
मकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, पूना

तारीख: 22-4-85

मोहर

प्रस्तुत नामः टी. एन. एस. —————

(1) महाजन मिलोंग प्रसोमिण्टस'

180, नारायण पेट

पुना 30

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारत 269-वा (1) के अधीन सूचना

(2) श्री अशोक शकर पुडे

पावंती निवास, नेहरूनगर फिरी

पुना 18

(अन्तरिती)

भारत बराकर

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पुना

पुना, दिनांक 22 अप्रैल 85

निर्देश संग 37ई/6215/84-85—अत मुझे, अनिल  
कुमारआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारत  
269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी मग तर्जन न० 3, दुमरा भजना, विलिंग न०  
2, भैरवनाथ नगर, प्लाट न० 1, 2 और 4, सी० टी०  
एम० न० 737/738 और 740 पुना है तथा जो पुना  
में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में अर्थ पूर्णस्पष्ट  
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मितम्बर 84  
को प्रबोक्षित सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के द्वारा भावन  
प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथाप्रबोक्षित सम्पत्ति का उचित वाजार  
मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल में, ऐसे द्वारा भावन प्रतिफल का  
पञ्च प्रतिशत से अधिक है और बनारक (अन्तरको) आर अन्तरिता  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे बंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल, जिसनीतिक उद्देश्य में उक्त अन्तरण विस्तृत में वास्त-  
विक रूप से कठित नहीं किया गया है :—(अ) अन्तरण के हूँ इन्हीं किसी भाव की वादत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
लौह/वा

अनुसूची

(ब) ऐसी किसी आय या किसी भन खा अन्य आमितयों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रबोक्षित अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
वाया या या किया वाया आयुर्वेद या इत्याने वा  
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा के अनुसरण  
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् १—को यह सूचना जारी करके प्रबोक्षित सम्पाद्त के अर्जन के लिए  
कार्यनीतियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के अन्तर्भूत में कोई भी आक्षेप ॥—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या उसमें अधिक व्यक्तियों द्वारा  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बावजूद समाप्त होती है, के भीतर प्रबोक्षित  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवहन  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पाल  
एवं बंत में लिया जा सकता है।लक्ष्योकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-के भी परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।जैसा कि रजिस्ट्रीक्टर न० 37ई/6215/84-85  
मितम्बर 84 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन  
रेज पुना के दफ्तर में लिखा गया है।अनिल कुमार  
मक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, पुना

नामांकन : 22-4-1985

मोहर १

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के वर्धीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आमकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पुना

पुना, दिनांक 22 अप्रैल 85

निर्देश मा० 37ई/6214/84-85--अतः मुझे, अनिल  
कुमार

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के वर्धीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है।  
ओर जिसकी संख्या एन्ड नं० 6, दूसरा मजला, विल्डिंग  
नंग 2, भैरवनाथ भगव, फ्लैट नंग 1, 2 और 4 सी० टी०  
एम० नं० 737/738 ओर 740 पुना है तथा जो पुना  
में स्थित है (ओर इसमें उपांडठ अनुसूची में ओर पूर्णस्वप्न  
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी ने कार्यालय, सहायक  
आमकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेज में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
मित्स्वर 1984:

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित स्थावर  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पांह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-  
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के तिह तथा पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हरे किसी भाव की बाबत, उक्त  
अधिनियम के वर्धीन कर देने के अन्तरक के  
वायिक्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ब) ऐसी किसी अवय या किसी धन या अन्य वास्तविक  
को, जिन्हे भारतीय नायन्कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनाएर  
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के वर्धीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धीन :

(1) महाजन मिलसोर एसोसिएट्स  
180, नारायण पेठ,  
पुना 30

(अन्तरक)

(2) श्री नारायण द्वितीय महाजन,  
एकनाथ कुरेक चाल,  
कुरेल इण्डिनियरिंग वर्क्स के पीछे,  
पिपरी गाव, पुना 17

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर के लिए  
कार्यवाहीयों को लूक करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्धीन के संबंध में कोई भी वास्तेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना को तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति पर हिंदूदध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास  
लिखित में किए जा सकें।

**स्वाक्षरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकरण नं० 37ई/6214/84-85  
सितम्बर 84 को सहायक आमकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन  
रेज, पुना के दफ्तर से लिखा वया है

अनिल कुमार  
संक्षम प्राधिकारी  
सहायक आमकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, पुना

तारीख : 22-4-1985

मोहर ५

प्रस्तुत वाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेज कार्यालय, पुना

पुना, दिनांक 22 अप्रैल 1985

निरोग सं० 37 ई०ई०/८९१९/८४-८५—यतः मुझे

अनिल कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करते का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट सं० 22, दूसरी मंजिल, कुबेर  
बिल्डिंग, ग्लाट नं० 43, सेक्टर 17, गिरिहाँस, वासिन, नवा  
बम्बई है तथा जो नया बम्बई में स्थित है (आँग इगम  
उपावड़ (अनुसूची में आँग पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयकृत निरी-  
क्षण, अर्जन रेज में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन तारीख मितम्बर 1984 की  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के अद्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत नो रुप्त है जो यह यह विडियो  
करने का कारण है कि यथोपर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके अद्यमान प्रतिफल 11, एम् अद्यमान प्रतिफल मा  
पन्नह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और बंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व  
में कमी करने वा उत्तरे बचने में सुविधा को दिए;  
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भूमि या अन्य आवृत्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
वनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना आहिए था, लिखाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स विलामारिया कन्स्ट्रक्शन प्रा० लि०,  
वानवैड स्टेडियम,  
नार्थ स्टेड,  
डी रोड,  
चर्च गेट,  
बम्बई-२०।

(अन्तर्गत)

(2) श्रीमती अरुणा एम० महाल,  
बिल्डिंग नं० २१३/५७५५, चौथा मंजिला,  
'अरुण'  
१० फीट रोड,  
घाटकोपर (पूर्व),  
बम्बई।

(अन्तर्गती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के दिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजान्त्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास  
लिखित गंतव्यों के लिए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय वै दिए  
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित  
होता है।

### अन्तर्गती

जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अ० ३७६०६०/८९१९/८४-८५  
मितम्बर 1984 की भारतीय आयकर आयकृत निरीक्षण  
अर्जन रेज पुना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
स्थान प्राधिकारी  
भारतीय आयकर आयकृत (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, पुना

तारीख : २२-४-१९८५

मोहर :

प्रस्तुत काहौ.टौ.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-प (1) के वधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज पूना

पूना, दिनांक 22 अप्रैल 1985

निर्देश मा० ३७ ई० ई०/८९२०/८४-८५—यतः मुझे,  
अनिल कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-प के वधीन एक ग्राम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विद्युत बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु., में अधिक है

और जिसकी मा० फ्लैट ना० 14, पहली मजिल, कुबेर प्लाट  
ना० 43, भैकटग 17, विडिको, वर्मा, नई वर्मा है तथा जो  
वर्मा नयी वर्मा में गिधन है (आंवर इसमें उदावद्व अनमूची  
में श्रीर पूर्ण न्ना से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेज  
में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के  
अधीन तारीख मित्सवर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अनुमति की गई है और मझे यह विश्वास करने  
का राण है कि पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल स, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अतरक (अंतरको) और अतरिती  
(अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) उक्त उद्देश्य के लिए बाजार की दृश्य, उक्त  
अधिनियम के वधीन कर देने के अनुरक्त क  
दृश्यमें कमी करने वा उक्त उक्त उद्देश्य में नुक्ता  
के लिए; और/या

(ख) एसे तिक्सी वाया किसी धन या अन्य आंसूस्थी  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
नन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अंतरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा  
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-प के अनुसरण  
में उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उच्चारण (1)  
के वधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्तमान:

(1) मै० बिल्लीमोरिया कल्पकाशन प्रा० लि०,  
वानघेडे स्टेडियम,  
नार्थ स्टैण्ड, डी० रोड  
नवं गंड,  
वर्मा-20

(अन्तर्गत)

(2) श्रीमती एला० ए० व्ही० नार्देत,  
5 मूर्यालय कोआपरेटिव हाउसिंग सोमायटी,  
मायन (ईस्ट),  
वर्मा-22

(अन्तर्गत)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यालयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अधिक वाय भा समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी वाय व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए गए सकोगे।

**उच्चारण:**—इसमें प्रयुक्त उद्दो दो वर्षो का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया  
किया है।

## लगातारी

जैमा कि रजिस्ट्रीकुन का० ३७६०६०/८९२०/८४-८५  
मित्सवर 1984 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण  
अर्जन रेज पूना के दिनांक में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
मक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, पूना

तारीख 22-4-1985

वर्मा

इसमें वाईं टी. एवं एच. एवं

**आपूर्व अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की**  
**भाय 269-ग (1) के अधीन सूचना**

**भारत बालकार**

**कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

अर्जन रेज कालर्गाय

पुना, दिनांक 22 अप्रैल, 1985

निझेंग मं. 37ई. ई/10362/84-85—यतः मर्म,  
अनिल कुमार,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) ('जिस इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), जो कि भाय  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी के, यह विवाह करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं. ३० यूनिट नं. १९, दीवान शाह इन्डियन  
फामिलीज़ नं. १, वालीव वर्ग (परिवार) मर्वे मं. ७४ है तथा  
जो वर्ग में रित्थित है (और इसने उपावद अनुसूची में और  
पूर्ण स्तर से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेज पुना में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के  
अधीन नारीय नवम्बर 1984 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरिक की गई है और मुझे यह विवाह करने  
का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिक्ती  
(अंतरिक्तियों) के बीच ऐसे अंतरण के बीच तथा पाया गया प्रतिकूल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(१) अन्तरण है इसी की वाय की वाय, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक वै  
दायित्व में अभी करने या उक्ते वर्षने में संविधा  
के निए; और/या

(२) ऐसी किसी आय या किसी भने या अन्य वासिताओं  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोन्त्र-  
नार्थ अन्तरिक्ती इवाय प्रकट नहीं किया गया था या  
किया था वाय आहिए था छिपाने में सुविधा के लिए,

यतः यद, उक्त अधिनियम की भाय 269-ग के अनुसरण  
में, ये, उक्त अधिनियम की भाय 269-ग की उपधाय (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधारे :—

5—86GI/85

(१) मेरमं पृथ्वी इन्डिया इन्डस्ट्रीज़,  
२९ केण्टव्ही नाइट गोड,  
दिल्ली मजिल,  
वर्माई-९

(अन्तर्क)

(२) मेरमं नैशनल इंजीनियरिंग इन्डस्ट्रीज़,  
प्रा० नवनात्तलाल जीननलाल शाह,  
३ जयभाग मोमायरी,  
दिल्ली मजिल,  
वार्ष,  
पर्वती ।

(प्रलाप्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीया करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वास्तव

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
४५ दिन की अवधि या तस्वीरन्वयी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर समाप्ति में हितमद्दध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोलिस्ताकारी के पाल  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय २०-क में परिभ्रान्ति  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में किया  
गया है ।

### अनुसूची

जैना निर्विकाका ८० ३७ ई. ई/10362/84-85  
नवम्बर 1984 का नहायह आयकर आयकन निरीक्षण  
अर्जन रेज पुना के दातारे में लिखा गया है ।

अगिन कुमार  
मकान प्राधिकारी  
गहायह आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, पुना

तारीख : 22-4-1985

माहिर ।

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

(1) नंबर नं. ८ प्राप्तिभवन

“हमगी”

३१२/११, गोदावरी रोड,  
पुना-२

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना(2) श्री मनोग कुमार नवमन जैन,  
६४, नवा टिरवर मार्ट,  
पुना-२।

(अन्तरिती)

भारत सरकार  
कार्यालय, भारतीय आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज वार्षिक

पुना, दिनांक 22 अप्रैल, 1985

निर्देश सं. ३७६० ई०/७५०२/८४-८५—यतः संग्रह,  
अनिल कुमारआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें  
इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन संभव प्राधिकारी को यह प्रिश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित ग्राहण धारा  
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी मं. फैलैट नं. ५२, पार्क ऑफ नं. ३,३  
मव ज्वाट नं. १८/वी गुलटेकडी, पुना-३७ है तथा जो पुना  
में स्थित है (ग्राम इग्ने उग्रवद्व ग्रन्थाची में आगे पूर्ण स्वर  
में वर्णित है), निम्नोक्त अधिकारी के कार्यालय नामक  
आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेज पुना में ग्रामदृष्टगण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अर्द्धान ग्राहण  
नवम्बर 1984को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए निम्नोक्त विलोम के अनुसार अन्तर-  
रित की गई है और मूल्य यह विद्वान  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से पूर्ण दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीय) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक स्पष्ट में कथित नहीं किया गया है —वो यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयों शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्येषः —

- (अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
४५ दिन की अवधि या तन्मात्रात्त्वी व्यक्तिया पर  
सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी  
अवधि आदि में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के ग्राहण में प्रकाशन की तारीख से  
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
निर्दिष्ट में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण** — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ हासा जा उस अध्याय में दिया  
गया है।

(क) अन्तरण से ह्रास किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचन में मूल्यधा के लिए;  
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अंतरिती इवाग्र प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा  
के लिए;

अनुसूची

जैगा फि ग्रामदृकृत नं. ३७ ई०/७२०५  
४१-८५ नवम्बर 1984 की स्थायक आयकर आयुक्त निरी-  
क्षण अर्जन रेज पुना के लिया गया है।

अनिल कुमार  
मध्यम प्राधिकारी  
स्थायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, पुना

बतः बन, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुमरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

पार्श्व ११-४-१९८५

महेश

० अध्यक्ष श्री इन्द्र इंद्र ... "

(1) श्री माठ गडेस

1214, मदराण्डा पेट,

पुणे-३०

(अतिरक्त)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (प्रिवेट)

रोजन रज, पुणे

पुणे, दिनांक २२ अप्र० १९८५

निर्देश सं० ३७६८/१०२६७/४४-९५ नं. मुद्रा, निः

मुसार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-व के अधीन सकारा प्राधिकारी एवं वह विवाह करने का  
कारण है कि स्थावर मस्तिष्क, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक हैआयकर अधिकारी नं. फलट नं. ३, फलट १० (१ अप्र० १९८५/१५)  
पर्वती पुना-९ ह तथा जा. पुना ५, अप्र० १९८५ ह (प्र० १९८५/१५ उपावद अनुमति नं. अप० १३४५८ नामित नै), गठनी  
कर्ता अधिकारी के आयालय, महायकर नामा नामक, निराकरण  
प्रजन रेज. म, रजिस्ट्रारशन नामा नामा १९०८ (१९०८  
का १०) के अधीन, नामा नामा १९४८।को प्रयुक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान  
प्रतिफल ने लिए अतिरिक्त की गई है और भूमि यह दिव्यास्त करने  
का कारण है कि यथापुब्लिक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
इसके द्वयमान प्रतिफल उ, एस द्वयमान प्रतिफल के पद्धति  
वितरण से अधिक है और अन्तरक (अतिरिक्त) और अतिरिक्ती  
(अन्तरिक्तियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा आयकर वया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों ते उक्त अन्तरण लिखित भौ  
वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है :—(ए) अन्तरण ने हृष्ट कियी आय की बादल, १९६६  
अधिनियम के अधीन कर देने के अनुच्छेद  
इन्द्रियस्थ वे नहीं घरदेया वहाँ वहाँ घरदेये हैं इन्द्रिय  
के लिए, लौर/था(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य कास्तियाँ  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
1922 नं ११) या १९४८ नामा ५  
अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का २७)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्त द्वारा प्रदृढ़ नहीं किया दिया  
वा वा किया जाना चाहूँदूर वा, निराकरण या नामक  
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अन्तरण  
में, भौ, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) श्री माठ गडेस

1214, मदराण्डा पेट,

पुणे-३०

(2) श्री मर्जीव पम० दशपांडे

१०/३८१, नामाल्य नगर,

पुणे-३०

(अन्तरक्त)

वा वह सूचना बारी करके दूर्घट्ट सम्पत्ति के बर्बन के लिये  
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्बन के द्वयमान द्वे लौह श्री आयकर—

(क) इस सूचना के द्वयमान के प्रकाशन को तारीख वे  
४५ दिन की अवधि या तत्समान्तरी व्यक्तियों पर  
सूचना की मामील से ३० दिन की अवधि, वो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर दूर्घट्ट  
के अस्तिया में से किसी अविक्त दूषादा;(ब) इस सूचना के द्वयमान की प्रकाशन की तारीख वे  
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति द्वे हितमूल  
किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा, वधोहस्ताकरी के पाद  
लिखित द्वे किए जा सकते।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में वर्तिभावित  
हैं, वही अर्थ होता, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

नामा नं. रजिस्ट्रेशन क. ३७६८/१०२६७/४४-९५  
फरवरी ८४ ई. महायकर नामक निराकरण, अजल  
कुला नं. ११ के द्वारा से दिया गया है।अनिल कुगांव  
संक्षम प्राधिकारी  
महायकर आयकर प्राधिकार (निराकरण)  
अजल रेज, पुणे।पारिगं २२-४-१९८७  
मोहर .

## प्रधान आईटी दीवर्स एस्टेट्स

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग  
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

## सातांशु धर्मवर्ण

काशलग, महाराष्ट्र आयकर आद्यवत (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पुना

पुना, दिनांक 22 अप्रैल, 85

तिवंश स० 37ई/10705/84-85—अन. मुझ, अनिल  
कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की भाग  
269-ए के अधीन सकान प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि रथावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. में अधिक है

आयकर नियम ग० धूनंद न० 17, उद्वान पत्त शाह उड्डम्युल  
काल्यनामा न० 1, वालिव भर्वे न० 71 वालिव वर्गी है तथा  
जो वर्गी ग नियन है (आगहन उपावन अनुसूची में यार  
पा १५ र १७ न० १०३), गजम्झीकर्ता अधिकारी के काशलग,  
महाराष्ट्र आयकर आय निरीक्षण अर्जन रेज, पुना में, गजम्झी-  
करण नं० १०८ (1908 ।। ।। 16) के अवान,  
तारीख नवम्बर 1985।

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य संकम के इयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास  
करने का कारण है कि यापूर्वीकृत सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उपकांशमान प्रतिफल में ऐसे इयमान प्रतिफल के पार्श्व  
इतिहास में अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हूँ इसे किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों  
को छिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
से प्रत्येकनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अस त्रुत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुपरण  
में उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) परमि युनिव्हेन प्रा. एम  
102, गोप्ता घर,  
132, डॉ अर्नी वी. रोड,  
वर्ली,  
वार्ली-18

(अन्तर)

(2) प्राप्त नामन इजानियारग इडॉरट्ज,  
प्रा० नवनीननाल जोवननाल शाह,  
(पञ्च० य० एफ. एम०),  
3 जयमारन सोमायटी,  
पुत्रा मजला, खाट,  
वार्ली-52

(अन्तरिती)

की यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैन के लिए  
कार्यवाहीयां करता है।

कल्प संपत्ति के अवैन के सबै में कोई भी जाहाज :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवैध या तस्वीरनी व्यक्तिया वर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवैध, जो भी  
अवैध बाद में सशास्त्र होती हो, के भीतर प्रवक्ति  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति में हितदहर  
किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पाल  
निविद में किए जा सकें।

स्वाक्षोक्तरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20 के में निर्दिष्ट हैं, वही अर्थ होंगा जो उक्त अध्याय में दिया  
दरा है।

अनुमती

जैसा कि गजम्झीकरण क० 37ई/10705/84-85  
नवम्बर 8। का सहायक आयकर आयकर निरीक्षण अर्जन  
रेज, पुना के दफार में लिया गया है।

श्रीनन रुम्मार  
मकान प्राविकारा  
महाराष्ट्र आयकर अ. युक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, पुना

## प्रकल्प वाइ. डी. एन.एस.ए.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भाग 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आवृक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पुना

पुना, दिनांक 22 अप्रैल, 1985

निर्देश सं. 37ई/11392/84-85—अतः महाराष्ट्र, प्रांतिक  
कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (‘विवेद इत्यम्  
इत्यम् पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की भाग  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवाद करने  
का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उद्देश बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

अग्रीर नियमी नं. मर्वे नं. 681/4, री-1 विवेद त्राई,  
पुना-37 है तथा जो पुना में स्थित है (अग्रीर इसमें उपायक  
अनुसूची में और पूर्ज स्वप्न में वर्णित है), राजस्त्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेज  
पुना में राजस्त्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख अप्रैल 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उद्दिष्ट बाजार मूल्य से कम को छायाचान  
प्रतिफल को लिए बन्तारित की गई है और अब यह विवाद  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उद्दिष्ट बाजार  
मूल्य, उसके छायाचान प्रतिफल से, ऐसे छायाचान प्रतिफल का  
पश्चात् प्रतिष्ठान से अधिक है और बन्तारक (बन्तारको) और  
बन्तारिती (बन्तारितियों) के बीच ऐसे बन्तारण को लिए तथ  
यावा गया प्रतिफल निम्नालिखित उद्देश्य से उक्त बन्तारण  
विधिव एवं वास्तविक रूप से अधिकृत रहीं किया गया है:—

(अ) बन्तारण है इसके किसी बाय द्वारा बन्तारण विधि-  
विधान के वर्तमान कानून द्वारा ऐसे ऐसे बन्तारण के विविध वै-  
कारी करने वा उससे बचने वै सुविधा को लिए;  
लौट/वा

(ब) ऐसी किसी बाय वा किसी भूमि वा अन्य वासिताओं  
को, विहृत वार्तालाय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) वा उक्त अधिनियम या अन्य कानून  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के विषेष-  
नार्थ बन्तारिती इवान बन्तारण नहीं किया जा वा  
वा किया जाना चाहिए वा लिखान में सुविधा के  
लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भाग 269-व के बन्तारण  
वै, वा, सक्त अधिनियम की भाग 269-व की उपचारा (1)  
के अधीन, निम्नालिखित व्यक्तियों, वकील व—

(1) अमरती पांडितावाई डा. बोंवेव ग्रांर अन्य  
446, नगवा पट,  
पुना।

(ग्रन्तरक)

(2) मैमम युनिटी विल्डर्स  
108/6, गुलदेहडी २०८  
पास्टी चेवर्स,  
पुना-३७

(ग्रन्तरक)

को वह सूचना आरो करके पूछोक्त सम्पत्ति के अवैत के लिए  
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सापेक्ष के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन व—

(अ) इस सूचना के विवरण में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि वा उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की दामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
मात्र में समाप्त होती हो, के भीतर उक्त  
व्यक्तियों में से किसी स्वीकृत इवान;

(ब) इस सूचना के विवरण में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितवृष्टि  
किसी अन्य अधिकृत इवान अधिकारी के पाल  
लिखित वै किये जा जांचें।

**स्वाक्षरीकरण**—इसमें प्रदूषित सब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के विषय 20-के वै परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस विषय में दिया  
गया है।

## सम्पूर्ण

जैसा कि राजस्त्रीकाना का 37ई/11392/84-85  
अप्रैल 85 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेज  
पुना के वातार में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
सक्त प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, पुना

तारीख 22-4-1985  
गोहर व

प्रस्तुत बाई.टी.एक.एस.-----

आदेशकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आदेशकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पूना

पूना, दिनांक 22 अप्रैल 1985

निर्देश मं. 37ई/11393/84-85—अतः मुझे, अनिल  
कुमार

आदेशकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ष के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर तम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 681/1-बी०, विवेदारी पूना-37 है  
तथा जो पूना में स्थित है (आंतर इससे उपावड़ अनुसूची में  
आंतर पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्त्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय सहायक आदेशकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेज  
में, राजस्त्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख अप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इसमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इसमान प्रतिफल से ऐसे इसमान प्रतिफल का  
पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा  
यादा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कीथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक क  
वायिता में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा  
के लिए; और/या

(म) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आदेशकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अदेशकर अधिनियम की भारा 269-ष के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती पावनीबाई घर्मराज विवाहे और अन्य  
- 446, कमवा पंड,

पूना।

(अन्तरक)

(2) ममस शुनिटी बिल्डर्स,  
408/6, गुलटेकडी गड़,  
शास्त्री चेबर्स,  
पूना-38

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वास्तव :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**लक्षणोकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित  
हैं, कहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय वे दिया  
गया है।

**नमूना**

जैसा कि राजस्त्रीकृत अ. 37ई/11393/84-85  
अप्रैल 85 को सहायक आदेशकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेज  
पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
मधेम प्राधिकारी,  
सहायक आदेशकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, पूना

तारीख: 22-4-1985

मोहर:

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पुना.

पुना, दिनांक 22 अप्रैल, 85

निर्देश मं. 37ई/11394/84-85—यह मस्ते, अनिल

कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
268-व के अधीन सभाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रुपये अधिक है

और जिसकी मं. 678/11, विवेद बाड़ी, पुना 37 है तथा  
जो पुना, में स्थित है (और इसमें उमावद्ध अनुमति से और  
पूरा रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेक्टरी अधिकारी को कार्यालय  
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेज में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन,  
तारीख अप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गढ़ है और मृभै यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथाप्रवृत्ति सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दूसरमान प्रतिफल से एसे दूसरमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरियों  
(अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
वास्तविक रूप से कीदित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हृइ किसी बाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट रही किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ५—

(1) श्रीमती प.वलीदी द्वी विवेद और अन्य  
446, कुमारा पेठ,  
पुना-11

(अन्तरक)

(2) मैमर्स युनिटी बिल्डर्स,  
408/6, मुलटेकडी रोड,  
गास्ट्री चेवर्मे,  
पुना-37

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोइ भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पात्र  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभासित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

**सम्पूर्ण**

जैसा कि रजिस्ट्रीकूल का 37ई/11394/84-85  
अप्रैल 85 को सहायक आयुक्त आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेज  
पुना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
सभाम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, पुना

तारीख 22-4-1985

मोहर :

प्रसूप बाहु, टी. एन. पटेल  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
जैन रंजन, पूना  
पृष्ठ: दिवांक 22 अप्रैल, 85

निर्देश मा० 37ई/10725/84-75—गत: मुझे, अनिता  
कुमार,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति विवास का उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपयों से अधिक है।

और जिसको मा० लाड प्लाट ना० 12-बी०, बल्लाल भिवंडी  
रोड़, इंडियन एग्जाम, एम० लाडा० ग्र० गी० मुख्यी गाँव,  
भिवंडी जिला थाना। है तथा जो भिवंडी से विना है (और  
इसमें उपर्युक्त ग्रन्तसूची में अंग पूर्जस्थ से वर्णित है), रजिस्टरी-  
कर्मी अधिकारी का कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण  
अंजन रंजन में, रजिस्टरी-करण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अन्तर्गत, तारीख दिसंबर, 1983

को पूर्वीकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्टरी-कृत विवेक के अनुसार अन्तर-  
रित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वीकृत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और कन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियां) के द्वारा अन्तरण के लिए तथा याता यापा  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप में संधित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के  
शाखाओं में कर्मी करने था उसके बदले में सुविधा  
के लिए; और/वा

(क) अन्य किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों  
का, जिसने अपनी आयकर अधिकारीयता, 1922  
(1977 का 11) या उक्त आधिकारीयता, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रतिक्रिया द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना आवश्यक था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

बतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकृत:

(1) महाराष्ट्र स्टेट फाइनेंस वार्षिकीय  
नवा एफ्सेंसियर बिलिंग,  
श्रमूत के अधिकारी नायक मार्ग,  
फॉर्ट ब्रह्मदृ,

(अन्तरक)

(2) मेर्म अर्जंडा इंस्ट्रेशनल प्रा० नि०,  
गोपाल भवन,  
वीश्वा मंजला, 199,  
शामलदाम गांधी भाग,  
बन्द्रे—५

(अन्तरकी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के  
लिए कार्यवाहीयां शुरू करना है।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के संबंध में कोई भी वालों पे:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्वीरन्वयी व्यक्तियों पर सुनिश्चित  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
विसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षणी के पास  
निश्चित में किये जा सकते।

**सम्बोधकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित  
हैं, वही अर्थ होते हैं जो उस अध्याय में, दिया  
या है।

### वापत

जैना फै रजिस्टरीटर ना० 37ई/10725/84-85  
दिसंबर 84 की महायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अंजन  
रंजन पूना के दफ्तर में दिया गया है।

अनिता कुमार  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अंजन रंजन, पूना

तारीख 22-4-1985

मोहर :

**प्रक्रम नं. 269-टी.एस.संघ.**

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) से विभिन्न संघर्ष**

**ग्राम पंचायत**

**काशीनियम, बहायक बाबकर आयकर (निरीक्षण)**

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 22 अप्रैल 1985

निर्देश सं. 37ई/11612/84-85---ग्रा., मुझे, अनिल  
कुमार,

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है<sup>१</sup>  
और जिसकी म० फ्लैट नं. 2, बिल्डिंग चिनामण नगर  
मर्वे नं. 128/1, औद्ध पूना-२ है तथा जो पूना से स्थित  
है (और इसमें उपाख्य श्रुत्सुकी में और पूर्णरूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीर्ड अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर  
आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में, रजिस्ट्रीरेण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीद परवरी  
1985**

को पूर्वोक्त संघर्ष के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थानीय  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और जैसे वह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संघर्ष का उचित बाजार  
मूल्य, उसके अद्यमात्र प्रतिफल से, ऐसे स्थानीय प्रतिफल का वैद्युत  
प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब यथा यथा प्रतिफल  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण उचित में सम्पर्क  
स्थ से कठित नहीं किया गया है<sup>२</sup>—

(ए) अन्तरण से हट्टे जिसी बात की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दावित  
में कही बहुत या उत्तम बहुत जो विभिन्नों के बिए;  
बारे/वा

(ब) ऐसी किसी बात या किसी भन या बन्ध जारीकर्ता  
को, जिन्हे भारतीय बाबकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए वा, जिसने अंति  
म विभाग के बिए;

उक्त बद्य उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसर  
में, दूसरे अधिनियम की धारा 269-व की उपभारत (1)  
के अधीन, निम्नलिखित विक्षयों, अर्थात् :—

6—8601/85

(1) मैसर्व निखील एन्टरप्राइजेज,  
14, ब्रम्बई पुना रोड,  
बजाज आटो और स्टम के पान,  
वाकडेवाडी गिवाजीनगर,  
पूना।

(अन्तरक)

(2) श्री उमेश खांडा,  
फ्लैट नं. ई०/१०,  
3 औंप्र रोड,  
पूना-३

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई विवादः—

(ए) इस सूचना में राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थान अन्तरित में हितवड़े  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-के में यथा परिभ्राषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

मृत्युजी

जैसा कि रजिस्ट्रीरेण का 37ई/11612/84-85  
फरवरी 85 का सहायक आयकर आयकर निरीक्षण अर्जन  
रेंज, पूना वे दफ्तर में लिखा गया था।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 22-4-85  
मोहर

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पुना

पुना, दिनांक 22 अप्रैल, 1985

निर्देश सं० 37ई/11935/84-85--अतः, मुझे, अनिन  
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थायीर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या पैमाने नं० ७ "भी०" बिल्डिंग चिनामण  
नगर, सर्वे नं० 128/1, औद्य, पुना-७ है तथा जो पुना में  
स्थित है (और इसे उपावड़ अनुसूची में और पुणे रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्री अंतरिक्षीय अधिकारी के दायीं रूप  
आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में, रजिस्ट्री अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी  
1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को दृष्टमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि ग्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्टमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाशा गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण विस्तृत में  
वास्तविक रूप से कार्यित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरक से हूँहूँ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कर्त्ता करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(छ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उस अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैर्सि निधीन एन्टरप्राइजेज  
14, बंबई पुना ४८,  
बजाज आटो शो रूम,  
वाकडेवाडी, शिवाजीनगर,  
पुना ।

(प्रत्यक्ष)

(2) श्री ए० जी० पाटील,  
निष्ठग, १३वीं,  
लालन, राजारामपूरी,  
कोल्हापुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए,  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्त्वावधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्दूद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित हैं,  
वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्री अतः ३७ई/११९३५/८४-८५  
फरवरी १९८५ को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन  
रेंज, पुना के दृष्टर में निवारा गया है।

अनिन कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पुना

तारीख : 22-4; 1985

माहूर :

परम्परा वाइ.टी.एन.एस. -----

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आधिकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज पुना

पुना, दिनांक 22 अप्रैल 1985

निर्देश सं 37-ई०ई०/6689/84-85—अतः, मुझे,  
अनिल कुमार

आधिकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ष के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. पे अधिक है

ग्रौर (जसकी सं ० फ्लैट नं० ई-४, चौथा मंजिला, हरिमस  
पार्क कोआपरेटिव हाऊसग सोसायटी लि०, ३० बन्ड गार्डन  
रोड, पुना है तथा जो पुना में स्थित है (ग्रौर इससे उपाध्य  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय सहायक आधिकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन  
रेंज पुना में, राजस्टीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन तारीख अक्टूबर 1984 को

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का  
पूर्वोक्त से अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अंतरिती  
(अंतरितिरो) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तब पाया गया  
प्रतिफल यह विनिर्दिष्ट उद्देश्य के उक्त अन्तरक उचित से बास्तविक  
है तो किन्तु नहीं जिसका कारण है—

(क) अन्तरण से हुए किसी बाय का भावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दस्यमान में ज्ञाती छान्ते था उक्त सम्पत्ति में सुविधा  
का निर्देश, अनुभव

(ख) ऐसी किसी बाय का निर्देश ज्ञान का  
कार्यालय की भावत आयुक्त अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
शन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
की प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

पर: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की अनुसरम  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1) की  
अधीन, निम्ननिमित्त अधिकारी, अनुभव ५—

(1) मैसर्स रमेश कल्ट्सक्षण कम्पनी,  
धीरज चैम्बर्स,  
९ वडवई रोड,  
वर्मवई।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती डाली आर० इंजीनियर,  
२ मंगलदास रोड,  
पुना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्रावक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
प्राप्तवाह्य करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येप है—

(क) इस सूचना के उचित भूमि प्रकाशन की तारीख से  
४५ दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से ही किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के उचित भूमि प्रकाशन की तारीख से  
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा बोहस्ताकारी के भाव  
प्राप्ति के भूमि किया जा सकें।

**प्रधानकारण:-**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अभ्यास २०-क में परिभ्रान्त हैं, वही वर्त होना जो उस अभ्यास में दिया  
गया है।

## अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत का० ३७ ई० ई०/६६८९/८४-८५  
अक्टूबर १९८४ को सहायक आधिकर आयुक्त निरीक्षण  
अर्जन रेंज, पुना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
मध्यम प्राधिकारी  
सहायक आधिकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पुना

तारीख: २२-४-१९८५

मोहर

## प्रस्तुति दोष एवं ऐलान

आद्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भाग 269-ए (1) के अधीन सूचना

## भारत बाजार

कार्मनिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पुना

पुना, दिनांक 23 अप्रैल 1985

निवेश सं. 37-ई०ई०/11908/84-85—यत्न मुझे,  
अनिल कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उत्तर अधिनियम' कहा गया है), की भाग  
269-ए के अधीन सहायक आयकर आयुक्त को यह विषयात्मक करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं. टीका नं. १, मी.० एस० नं. 317,  
थाना है तथा जो थाना में स्थित है (आँग इसमें उपाधि  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन  
रेज, मेर रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, नारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के सिए अंतरित की गई है और मुझे यह विषयात्मक  
करने का कारण है कि दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (वर्तरक) और अंतरिक्षीय  
(अंतरीटीय) के बीच ऐसे वर्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) बनाई गई या किसी दूषित वातावरण के अधीन कर देने के अंतरक के  
दृश्यत्व में कमी करने या उससे बचाए दें अधिकारी के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य वास्तविकों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भन्तकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अंतरिक्षीय दृश्यांक प्रकट तहों किया  
पाया या किया था ताकि वास्तविक या, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण  
में, मेरे उक्त अधिनियम की धारा 200-ए की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्

(1) मैमर्स माहम विल्डर्स,  
खन हाउस,  
थाना रेलवे स्टेशन के सामने,  
थाना।

(अन्तरक)

(2) श्री रमेश पोपटवाल शाह  
(एच० य०० एफ०),  
कर्ना आर० पी० राजा,  
११/२, गिरिराज हार्डिंग सोसायटी,  
नवपाड़ा, थाना।

(अन्तर्गत)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में क्षेत्र भी आधोप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षयों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि यदि यह में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
अविक्षयों में से किसी अविक्षय द्वायाः।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य अविक्षय द्वायाः, अधोक्षताकारी के पाल  
लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्वाक्षरण:**—इसमें प्रमुख बन्धी और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अन्याय 20-क में परिभावित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अन्याय में हिता  
पाया है।

## नामसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकरण, अ.० 37-ई०ई०/11908/84-  
85, जनवरी 1985 का सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण  
अर्जन रेज, पुना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, पुना

नारीख 23-4-1985

माटूर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) द्वारा  
भारा 269-वा (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (नियोजन)

अजंन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 23 अप्रैल 1985

निर्देश सं. 37-ई.टी.एन.एस./10345/84-85—यतः, मुझे,  
अनिल कुमार,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-वा के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. फ्लैट नं. 202, दूसरा मंजला, नीलगिरी  
अपार्टमेंट्स 42ए/1 बी, एंडवरणा, पूना-4 है तथा जो पूना  
में स्थित है (और इससे घाघड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के द्वारा लिय, सहायक  
आयकर आयकर नियोजन अजंन रेंज पूना में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसराना  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मध्य मह मिश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दूसराना प्रतिफल से ऐसे दूसराना प्रतिफल का पहला  
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है।

(अ) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
व्यापित में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ब) दूसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भवकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
गया थाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-वा के अन्तरण  
में, नौ, उक्त अधिनियम की भारा 269-वा को उपभारण (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, अधित् ५—

(1) मैसर्स नाटकर गांधी और कंपनी,  
1206/बी-15,  
शिवाजी नगर,  
उक्कल जिमखाना,  
पूना-4।

(2) श्री नारायण गोविन्द गाडगिल  
फ्लैट नं. 202,  
नीलगिरी अपार्टमेंट्स,  
42 ए/1 बी कवे रोड,  
पूना-38।

(प्रस्तरक)

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए  
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वापेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
प्राप्ति भी जो सकता है।

**प्रष्टोकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होता, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुमति

जैसा कि रजिस्ट्रीक्यूल अ. 37-ई.टी.एन.एस./10345/84-85  
फरवरी 1985 को सहायक आयकर आयकर नियोजन  
अजंन रेंज पूना, के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
गहायक आयकर आयकर  
गहायक आयकर आयकर (नियोजन)  
अजंन रेंज, पूना

तारीख: 23-4-1985

मांहूर

प्रधान, आई.टी.एस., एस.एस.एस.एस.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष्य  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत द्वारा  
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज पूना  
पूना, दिनांक 23 अप्रैल, 1985

निवेश सं. 37 ई०ई०/6917/84-85—यत. मुझे,  
अंगन कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 2010-ए, गाफर बाग र्टीट, काम्प पूना  
प्लाट नं. 7, दृष्टी मंजिला है तथा जो पूना में स्थित है  
(आँग इससे उपावद्ध अनुसूची में आँग पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायता आयकर  
आयकर निरीक्षण अर्जन रेज में, रजिस्ट्री दरण 31.6.1985,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर  
1984

को पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथाप्रवृक्षत सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पूर्वान्तर से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
बास्तरिती (बास्तरितियों) के बीच ऐसे अतरण के लिए तथा पाया  
जाया प्रतिफल निम्नलिखित चाहूँदेश ते उक्त अन्तरण निरीक्षण  
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ।—

(क) अन्तरण ते छूट किसी जात की वावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन करु दने व्ये अन्तरुक के द्वायित्व  
मे कर्ता करने या उक्त अन्तरण मे सुविधा के लिए;  
आउ/या

(ख) एसी एकसी जाय या किसी भन या अन्य जास्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ  
बास्तरिती द्वाया प्रकट नहीं किया गया था या  
जिस्या जाना चाहिए था छिपाने मे सुविधा के लिए,

अतः अव. उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण  
मे, मे, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।—

(1) मैसर्स जैन शर्मा विल्डर्स  
547, गुरुवार पेठ,  
बदिवान माती के मामने,  
पूना ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रसीदा तोहर कपाडिया,  
मार्फत ई० एन० काषवाला,  
604, रविवार पेठ,  
पूना-2 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अप्रैल के लिए  
व्यक्तियां शुरू करता है ।

इस सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मे कोइ भी आक्षेप ।—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन को तारीख ते  
45 दिन की अवधि या तत्समयी व्यक्तियों पर  
सूचना की तापील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित मे किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया  
गया है ।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत ई०स० 37ई०/6917/84-85  
अक्टूबर 1984 को सहायक आयकर आयकर निरीक्षण  
अर्जन रेज पूना के दफ्तर मे लिया गया है ।

अंगन कुमार  
मक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, पूना ।

तारीख : 23-4-1985

मोहुर :

प्रकृष्ट बाई, टौ. एन. एस., ——————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पुना

पुना, दिनांक 23 अप्रैल, 85

निम्न सं. 37ई/6920/84-85—अतः मुझे, अनिल

कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवरास करने का  
कारण है, कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 2010-ए०, गफार वेग रस्ता बास्प पुना  
फैट नं. ७ छठा मंजला है तथा जो पुना में स्थित है  
(और इसे उपाधिकारी में और पृष्ठप से वर्णित है,  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के वायलिय, सहायक आयकर आयुक्त  
निरीक्षण, अर्जन रेंज में, रजिस्ट्रीकर्ता अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, नाशीव अक्टूबर, 1984  
की प्रदोक्षिण सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का  
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और बन्दरक (अन्तर्का) और  
अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे बन्दरण के लिए तथा  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्दरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ॥—

(1) मैत्रस जैन शर्मा विलडसे,  
549, गुरुवार पेठ,  
बंदीवान मालती के सामने  
पुना।

(अन्तर्क)

(2) श्री फिरोज कृष्णाई कांचवाला,  
323, रविवार पेठ,  
पुना।

(मस्तरिसी)

को यह सूचना आठी करने पूर्वी सम्पत्ति के अर्थ के लिए  
कार्यालयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्थ के सम्बन्ध में कोइ भी जाहोप ॥—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
बन्दिश बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वीकृत  
व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रदृक्षत शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट  
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

(क) अस्तरण से हुए किसी बाद की वावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक से  
दायित्वे में कमी करने या नहसे बढ़ते भैं सूचिभा  
हे निरु; और/या

सूचना

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
का जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचिभा  
के लिए;

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र. 37ई/6920/84-85,  
अक्टूबर 84 को सहायक आयुक्त निरीक्षण, अर्जन  
रेंज पुना के दप्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पुना

दिनांक : 19-3-1985

प्रोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसार  
लौ, भै, उक्त औपनियम की धारा 269-व की उपायां (1)  
के अधीन, चिन्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ॥—

## राजस्तान दौड़ पुस्तकालय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) वा  
धारा 269-ए (1) के बीच दृष्टि:

## आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर वायुकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पुना

पुना, दिनांक 23 अप्रैल, 85

निदेश सं. 37ई/9940/84-85—यतः मुझे, अनिल

कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके अधिकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ए के अधीन भक्षण प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं. फ्लैट नं. 3, 'विशाल दर्शन' फ्लैट नं. 33 मर्वे नं. (10) (11) और (12) पार्ट माई नगर सिम वाई (वे) जिना आता है तथा जो आता में स्थित है (और इसमें उपाधि अनुमति में और पूर्णत्व से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिनारी के वायालिय सहायता आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 ला 16) के अधीन, नारीदल नवम्बर 1984

को प्रबोलित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अधिकात प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथाप्रबोलित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके अधिकात प्रतिफल से, ऐसे अधिकात प्रतिफल का पूर्ण प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्वरूप ये कार्यक्रम बहुत किया गया है—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाजत उक्त अधिनियम की अधीन कर देने के अन्तरक के वायिले में कमी करने या उससे बचने में सहिता के सिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अद्यकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगान्वय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, जिसने में सुविधा के सिए;

अतः मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के, अन्तरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः—

(1) विशाल कन्स्ट्रक्शन कंपनी  
37, जवाहर नगर,  
गोरेगांव (वे),  
बम्बई-62।

(अंतरक)

(2) कें. ए. मंगलोरवाला  
35 धार्हा एम् एच० एच० रोड,  
"सहीन मन्दिर", खड़क  
बम्बई-9।

(अन्तरिनी)

को यह सूचना बारी करके प्रशंसित सम्पत्ति के अंतर के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अंतर के सम्बन्ध में कोई भी वार्ता—

(क) इह सूचना के राजपद में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उत्तमत्वाती व्यक्तियों द्वारा सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाहर से स्थावर होती है, के भीतर प्रशंसित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इह सूचना के राजपद में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवपुर फैसले अधिकत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात्र लिखित में लिए जा सकेंगे।

**सम्झौते:**—इसमें प्रथम सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

## अनिल कुमार

अनिल कुमार  
भक्षण प्राधिकारी  
सहायक अधिकारी आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पुना

तारीखः 23-4-1985

माहूर :



प्रस्तुत अद्वा. दा. एस. एस.

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की धारा  
२६९-व (१) इसमें सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वाचकत (निरीक्षण)

अर्जन रेत्र, पटा

पुनर्, दिनांक २३ अगस्त ८५

लिंगम् सं० ३७८८/१०४३९/८४-८५--यतः मूँजे, अनिल  
कुमार

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
२६९-व के अधीन सक्षम प्राधिकार और उक्त विभाग करने का  
उपाय है इसका विवरण इसका दो दायरे में  
१,००,०००/- रु. से अधिक है

ओर जिसकी रकम प्राप्ति वर्ष ३४, नवंबर ३५ द्वायाप्त  
कालानी, कार्यस्थल पता-१७ फ्लैट नं० ४, नियंत्रण  
है तथा जो पृथा में विद्यत है (अौर इसमें उक्त अनुसूची  
में और पृष्ठम् में वर्णित है), रजिस्ट्री-र्ना अर्जन के  
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर निरीक्षण अर्जन वेज में,  
रजिस्ट्री-करण अधिनियम, १९०८ (१९०८ का १६) के अन्तर्गत  
तारीख फरवरी १९८५

की पूर्णकात् सम्पत्ति के उपर्युक्त वाचकर भूमि से कम के दृश्यकार  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और  
प्रक्षेप यह विवरण

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त वाचकर का उपर्युक्त वाचकर  
मूल्य, उत्तरके दृश्यमान प्रतिफल में, एवं उक्त दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और उत्तरके (उत्तरकी) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) दो दोष एवं उक्त दृश्यमान प्रतिफल के लिए एवं तारा गण  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरित विवित में  
चाहती है, एवं वर्णित गई है ॥

(२) अन्तरित से हार्दि किसी आय को बाधत, इसके  
अधिनियम के अधीन वर्तमाने के अन्तरक के  
शास्त्रिय में कमी लगने या उसमें बदलने में सहित  
के लिए; और/मा

उक्त अन्तरित की धारा २६९-व का अन्तरितीयों  
की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, १९२२  
(१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम द्वा  
रा दर्शाया गया १९५७ (१९५७ का ११)  
में दर्शाया गया उक्त अन्तरितीयों द्वायक करने गये विवरण  
है या या विवरण आज लागू की गयी है या इसमें  
अविधि के लिए,

कहतः यद्य उक्त अधिनियम की धारा २६९-व के अन्तरित  
में, में उक्त अधिनियम की धारा २६९-व की आमता (१)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ॥

(१) नंगा श्रूति प्रतिवाइयों

३१ एम्पी विधार भावानी,  
'श्रुतुराम' पाइकटा  
पुनर् ।

(प्राप्ति)

(२) ना. लिंगम् लाला वारेन

दूर आफ भावू पूर्ण पाठों;  
प्रता अभावमेण्ट  
वाट न० ३,  
आडिना बालानी,  
कांथकड  
पुनर् ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना आरा करके प्रबोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
शायदीहरे लेना है ।

अस्त व्यवसि के अर्जन के सम्बन्ध मा काह भी आकर :

(क) इस सूचना के उपर्युक्त उक्त वाचकर की तारीख से  
— दिन १० अगस्त १९८५ वर्षीयी वर्षीकरणी पर  
सूचना कर लागून गे ३० दिन वा अगाध, जो भी  
अवधि विवरण के समान होती है, वे भीतर तूहा वा  
अन्तरिता मा लागू होता है,

(ख) इस सूचना के उपर्युक्त वा उपर्युक्त वा तारीख से  
५८ (दिन दूर अप्रूर तक ५८) वर्षीयी सम्बन्ध मा दूर-  
दूर अप्रूर दिन ५८ अप्रूर (दिन ५८ दूर अप्रूर का  
पाल दूर अप्रूर मा लागू होता है),

व्यापक रूप :- इसका दूर अप्रूर दिन ५८ दूर अप्रूर, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय २० के परिवर्तित  
है, वही वर्ध दूरी, जो उक्त व्यवसि के  
विवरण दिया गया है ।

अनुसन्धान

जैन फैलिस्टीन का ३ ईंट/१०४३९/८४-८५  
फार्म ३३ का विवर आयकर आयकर निरीक्षण अर्जन  
में विवरण के विवर में दिया गया है।

अनिल वाला  
विद्यम घासियाँ गी  
विद्यम विद्यम आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेत्र पुनर्

तारीख : २३।८।१९८५

मोहर :

प्रकाश बाड़ी, टी. पी. एम. एस., ——

## आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की संविधान सभा के द्वारा अनुमति

Digitized by srujanika@gmail.com

卷之三

कार्यालय, सहादक जायकर प्रायवक्ता (निरीक्षण)

ଆର୍ଜନ ରେଜ ପୁନା

पता, दिनांक 23 अप्रैल, 85

निर्देश सं० 37ई/12705/84-85--एल. मुक्ति, अनिल  
कुमार,

प्रायकर अधिनियम, १९६१ (१९६१-नं ३) (जिन दस्ता इसके पश्चात् 'उक्त प्राधिनियम' कहा गया है), की धारा २६९-स के अधीन मध्यम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि मध्यव उच्चाल्प जिम्मा अद्वारा दातान मध्यम १,००,०००/- रु. से अधिक है

और जिसकी न० ८० प्लाट न० १०, प्लाट न० ४५ भवे  
न० ४४/१/५, पर्वती प्लान-९ है जो पुगा में स्थित  
है (और इसमें उपायद अनुशृण्खों से वर्णन्त्व न पाया गया है),  
ग्रनिस्ट्रीकर्ता आवकारी के साथीय, अंडायन धर्मदाद प्रायुक्त  
निरीक्षण, अजेन रेज में, राक्षसीहरण प्रविनियम, १९०८  
(१९०८ का १६) र प्रधीन, नारीब कर्मचरी १९८५

की धूमरत्ति सम्भारत के दोषिन भाजाव मूल्य २, कंप के इथमना प्रतिफल के लिए अतिरिक्त की गई है और मुझे मह विश्वामी के रूप का भवित्व है। न अब उन नारीयों का उद्देश्य, जिनमें भूल्य, उभके अस्यानि पर्तिफल रहे, एसे इथमना प्रतिफल का ऐह वासिन्थत सु औंधर अँ और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरीरती (अन्तरीरतीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए इक पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वामी व अन्तरिक्ष में रोपाया जाता है।

(४५) जरा दूरी से लौट किया गया वाहन उत्तरांग पर आया। उन्होंने अभी भी नियम के अधीन कर देने के बाटुक को दायित्व में कर्ता करने या उससे बचने में सहिता किया।

(\*) एसी किसी जाय या फ़िसी भन या अन्य जाईपूरा  
या, जिन्हे मारनेवाला बन जाएगा तो उनका दावा है कि  
उन्हें उनकी जाय या फ़िसी जाय या अन्य जाईपूरा  
दिया गया जाय या फ़िसी जाय या अन्य जाईपूरा किसी  
शा या किसी जाना चाहिए था, जिसमें संविधान  
से लिए।

अस; अब, उक्त प्राधिनियम को धारा 269-व की अनुसरण  
में, मे, उक्त प्राधिनियम को धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, दिनांकित व्यक्तिया, अस्ति ।—

( 1 ) શ્રી માઠે ગોડસે

1244, सदाशिव पट,  
पता-30।

( श्रावितरक )

( 2 ) श्रीमती विकुला एम० देशपांडे  
 19/284, लोकमान्य नगर,  
 पुन्त-30 ।

(अन्तर्रिती)

का यह सूचना आरो करके प्रबंधित इम्प्राटर के अर्जन के लिए रायपुरीहया बरता है ।

उक्त सम्पत्ति के वर्धन के सम्बन्ध में कोइं भी आवेदन —

(क) इस सूचना के एवं प्रत्येक में प्रकाशन की तारीख ते  
45 दिन की अवधि मा तत्वान्वयी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णसू  
व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा;

(८) इस संचान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर समर्पित में हितबुद्धि किसी घटना विवर द्वारा, जगहांशुभरि के पास लाई गई किए जा सकेंगे।

**प्रष्टवीकरण :**—इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदों का, आ उद्धृत  
अंधविनियम, के अध्याय 20-के परिभाषित  
है, वही वथ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

ଅନୁଷ୍ଠାନି

जैसा कि रजिस्ट्रीकून क्र० 37ई/12705/84-85  
फरवरी 85 को महायक आयकर आकुन अर्जन रेज, पुना  
के दफतर में लिखा गया है।

आनन्द कुमार  
मक्कम प्राधिकारी  
सहायक ग्राम्यकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)  
आर्जन रेंज, पुनाडु

तारीख : २३-४-१९८५  
आहुर .

प्रस्तुप बाईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा  
269-ए (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज पुना

पुना, दिनांक 23 प्र० १९८५

निर्देश सं० 37ई/10264/84-85—ग्रत मुझे, अनिल  
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसं इसमें  
इसके उल्लेख 'उत्तम अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ए के अधीन संभव व्यक्तियों को यह विश्वास करने का  
कारण है कि व्यक्ति सम्पत्ति, जिसका उद्दित बाबार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी संख्या रहने का फैलेट नं० 302/ए, नीमरे  
मजिल पर मी० टी० ए० नं० 16/मी०-2 और 15/मी०  
वेल्सने रोड, पुना-१ है तथा जो पुना में स्थित है (और  
इसमें उपावन्द अनुमूली में और पूर्णक्षण में वरित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण  
अर्जन रेज रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उत्तित बाबार मूल्य से कम के अवश्यक  
ब्रतिष्ठल के लिए अन्तिरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि अधिकारीकृत संपत्ति का उत्तित बाबार मूल्य  
इसके उल्लेख अनियम भू. ए० इसमें ग्रीष्मकाल का दृष्टिकोण  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) द्वारा ऐसे अन्तरण के लिए तब याचना याचना  
प्रोतकल, निम्नलिखित उल्लेखों से उत्तित बाबार क्षितिज में  
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण वं हाई किसी आय की बाबत, उत्ति  
अधिनियम के अधीन का दर्ते के अन्तरक के  
शायदीय से कमी करने के उससे बचने में मुश्किल  
के लिए; लौ०/आ

(द) एस० 1 अस्ति अन० 11 अ० 1 अ० 21 अ०  
का, इला भारतीय प्रणकार अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) यो उत्ति अधिनियम, वा  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
प्रमोन्नाथ अस्तरिती इकारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए या छिपाने में मुश्किल  
के लिए;

अतः अब, उत्ति अधिनियम की भारा 269-ए के अन्तरण  
में, मैं, उत्ति अधिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अस्ति :—

(1) मैर्गर्म रोजरा गांगेश  
191, ए० ए० जी० राट कैम्प,  
पुना-१

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मुख्ली जी० मायानी और प्रत्ये  
8/7, नवजीवन कालोनी  
मोरी रोड, माहिम  
मुम्बई ।

(ग्रन्तरक)

को यह सूचना शारी करके १० जून १९८५ को अन्तरक  
कार्यालयी शूल करना है।

उत्ति संपत्ति के अवैतन व संबंध में काहे भी वाक्यें ॥

(क) इस सूचना के उत्पत्ति में प्रकाशन को तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना को तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त नहीं है, के भीतर पर्याकृत  
चर्चा वित्ती ५ अ० ३०/००-३०/००

(ख) इस सूचना के उत्पत्ति में भी तारीख से  
45 दिन के भीतर उत्ति व भूमाली विद्युत  
बदल फिरी आवृद्धि दराने का अनुदान नहीं किया जाएगा।

मैं अपने उत्तर के उत्तरात् भूमाली विद्युत व अपनी  
अधिनियम के अन्तर्गत २०-के अंतर्गतियों  
हैं वही अधि दराने का अनुदान नहीं किया जाएगा।

प्रत्यक्षी

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत को 37ई/10264/84-85  
फरवरी 85 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन  
रेज पुना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
मध्यम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, पुना

तारीख: 23-4-1985

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पुना

पुना, दिनांक 24 अप्रैल 1985

निवेश मं. 37ईई/10347/84-85—अतः मुझे, अनिल  
कुमार,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जल्दी पंख्या एलाट नं. 4, फ्लैट नं. 35 मवे नं. ०  
129, श्रायोडिल कालानी, कोथरा पुना-29 है तथा जो  
पुना में स्थित है (और इस उदावश्व प्रतुसूची में और पूर्ण  
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकॉर्ट अधिकारी के कार्यालय  
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
नारीख फरवरी 1985का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अनियत की गई है और  
मूल्य यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अंतरक (अंतरक) और अंतरिक्ती (अंदरितानि) के  
बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया भया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीर्तित  
नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुए किसी बाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में किसी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी भया या अन्य अस्तित्वों  
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के उन्नरण  
, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के लिए, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—(1) मैमर्स चौपडा प्रोप्राइटर्स,  
चौपडा इंजीनियर्स एण्ड कन्ट्रक्टर्स,  
1622, मदागिव पेठ,  
पुना-30

(अन्तरक)

(2) श्री दी० दी० पाहणकर और अन्य  
879/80 बुद्धवार पेठ,  
पुना-2

(अन्तरिक्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता है।

उक्त संपर्क के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्धु  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताशरी के पास  
लिखित में किया जा सकेंग।स्थानोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभ्राष्ट  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकॉर्ट क्र. 37ईई/10347/84-85  
फरवरी 85 को सहायक प्राधिकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन  
रेंज पुना के दफ्तर में लिखा गया है।अनिल कुमार  
मक्षम प्राधिकारी  
सहायक प्राधिकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पुना

तारीख : 24-4-1985

मोहर :

ગુજરાત માન્દ્રાસ્ ૧૯૭૫ ૪૮

(1) ਇਹ ਸਾਰੀ ਵੱਡੀ ਤੁਹਾਨੂੰ ਪੜ੍ਹੋ ਕਿ ਅਤੇ ਆਪਣੀ ਮਾਲਿਆਂ ਵਿੱਚੋਂ ਪੜ੍ਹੋ।

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 (1) व लाल मर्जन।

(प्रत्यक्ष)

१८४६ ३०५

कायदिय . सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, पंजाब

ਪਨਾ, ਦਿਨਾਕ ੩੪ ਅਪ੍ਰੈਲ ੮੫

निर्देश सं० १७८५/८८७६/८१-८५—गत मुँह, अंतिम कामार

**आयकर अधिनियम 1951 (1961 का 43) (जिस एकम  
एक्सके प्रधारा 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा  
269-के बाहर समझा जाता है, तब विवरण करने की  
कारण है कि स्थान लाइन के रुप में प्रदत्त  
1,00,000/- रु म अधिक है**

आग जिसकी पृष्ठा, नम्बर १० १०१, डिसेंबर १० ३ आर  
करवा गवि थारा २ तरह या वर्ष १९४१ ॥  
इसमें उपाखण्ड अनुच्छी में जो पृष्ठा ८५ (ग्रन्थ है), रजिस्टर  
कर्ता प्रविहारी ८ अनुच्छा भवाप्र भवदा लायकी नीतिय  
अज्ञन संज में, रजिस्टर्ड । प्रधिकाम, १९०९ (११०९  
का १६) के अन्तीं तारीख १५-१२-१९४१

का पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयभाग

कारन का कारण है कि धर्मापदा के सम्बोधन की उचित वाजा भूल्य, उसके अवधान प्रतिफल से लाभ अवधान प्रतिफल का पन्हुङ प्रतिसंहिता देव व वाचन शब्दों का अवधान करने अन्तर्गत है। इस अवधान का अन्तर्गत अवधान एवं अवधान दोनों विविध रूपों में वास्तविक रूप से कहीं ही किया जाया है ॥

(2) मैग्नेट ओराम विलास,  
25, क्या है इसे  
मानुषाद्या  
जपिए हातम्,  
त्रिवर्ण

( १६१ रत्नो )

कहा यहे सुनेन। जागे करके पूछिता अमरीतस के अजन के लिए  
प्राप्ति दरवाजा है ।

ਤੁਹਾਨ ਸਮਝਿ ਕਿ ਅਹਨ ਦੇ ਸਰਥ ਦੇ ਲਾਈ ਪੀ ਅਲਿਂ -

(क) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशित को तारीख ५  
४५ दिन की अवधि थी। तत्सम्बन्धी व्यक्तियों द्वा  
रा सचित को तारीख ८, ०८ दिन का अवधि, ५० दिन  
भी अद्यता लाल न ३०८ दिन हो ५२ ८  
३१ दिसंबर १९८८ ३ १

(स) इस मुद्रण के गवाहत्र में 10 लिन लो नारायण से  
45 इस दो मात्रिक उपर्युक्त विषयों के लिए दो 10  
बदल लकड़ी बन्द और दो लकड़ी गापनाथ  
लकड़ी नियम से बने हैं।

(क) अन्तरण स हाई कोर्टी वाले को बहार, उक्त अभिनियम के अधीन कर देने के कालारक को शावित्र में कर्मी करने वा उत्तराधिकार में भूमिका के लिए बैटरी/शा

ग्रन्थम्

(८) एसी कंसो आय था १०८० रुपये वा अन्य बांधते।  
 तो इन्हें १०८० रुपये वा अन्य बांधते।  
 (१५७ रुपये वा अन्य बांधते)  
 मन्त्रालय ने नियम १९५७ (१९५७ का २७  
 क्र प्रश्नालय, अंक १०८० रुपये बांधते हैं कि  
 मर्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से  
 संबंधित हैं।

जैसा कि ग्रन्थालयकृत क्र० ३७६८/८८७६/८४-८५  
निम्नलिखित ४४ का सहाय्यक श्राव्यस्त्र ग्रन्थालयकृत निरीक्षण ग्रन्थने  
रख दिया है।

अनिल तुमार  
मध्यम प्राविकारी

तारीख 24-4-1985

पाहार



प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पूना

पूना, दिनाक 24 अप्रैल 1985

निर्देश मा० 37ई/6448/84-85—यतः मुझे, अनिल  
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
उसके “तात् ‘उत्तर अधिनियम’ कहा गया है”), की धूम  
1961 का 11 अप्रैल 1962 अधिनियम का गृह विषयालय कर्ज का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मंद्या प्रेमलोक पार्क, प्लाट ना० 5, विल्डिंग  
ना० 65, प्लाट ना० 65, ए० टाईप चिच्चवड, अकुडी रोड,  
पूना-33 है तथा जो पूना में स्थित है (और इग उपावड  
अनुगूची में योग पूर्णत्व ने वर्णित है), रजिस्ट्रीर्टी अधिकारी  
के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेज,  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख मित्मवर 1984

को पूर्ववित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छव्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का लालन है कि यथादार्थका सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल सं, एंसे इस्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अन्तरण  
अधित में शामिल लिए से किया मही किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी जात की बाबत, उक्त  
अधिनियम के क्षेत्र कहे देते के अन्तरक की  
सारी अधिकारी कहने का उक्तो बदले में 1962 का 12  
वा० अप्रैल

(ख) दोनों क्षेत्रों की किसी भी या किसी अधिकारी का,  
जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1957  
के अनुचित अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
वा० या किया जाता चाहिए था, कियाने पर परिवर्तन  
के लिए।

अतः दद. उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुमत्य  
में, भू, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

(1) अरबन लाल श्रीर हाउरिंग पा० नि०,  
निरकार, पहला मेजला,  
1133/5, एफ० बी० राड,  
गिरीशी नगर,  
पूना-16।

(अन्तरक)

(2) श्री बी. पी० ओधरन  
केयर आफ शर्मिष्ठ प्रा० लि०,  
हीट रिकल्डरी डिवीजन,  
चिच्चवड  
पूना-19।

(अन्तर्गत)

को यह सूचना आर्टी कार्पोरेशन अधिकारी के अधीन के अन्तर्गत  
कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त संघीत के उक्तन के सुवंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरी अविक्षयों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पर्वतित  
अविक्षयों में से किसी अविक्षय इकाई।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितदद्ध  
किसी अन्य अविक्षय इकाई अभोहस्तात्त्वरी के पास  
लिपित में वित्त आवक्षण्णे।

अधिकारण —इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-के परिभासित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसृती

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत ना० 37ई/6448/84-85  
मित्मवर 84 को सहायक आय-कर आयुक्त निरीक्षण अर्जन  
रेज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, पूना

तारीख : 24-4-1985

भाइर :

प्रस्तुत वाई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना  
पूना, दिनांक 24 अप्रैल 85

निर्देश सं. 37ई/7520/84-85—ग्रन्त : मुझे, अनिल  
कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-म के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, बिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी संख्या ज्लाट नं. 4, हैडे पार्क, मर्व नं. 106  
2 ए०/11, मब ज्लाट नं. 4 और 5 चतुर्थंगी काम्बुरडा,  
पूना-16 है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपायद  
अनुभूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1808 का 16) के  
अधीन, तारीख नवम्बर 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास  
करने का कारण है कि पथापवर्त्ता संपत्ति का सचित बाजार  
मूल्य, उसके इष्यमान प्रतिफल से, ऐसे इष्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीय) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया यथा  
प्रतिफल, निम्नालिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक स्पष्ट से कीभूत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय को बावत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दाने के बलाक के दाँधन  
में कभी करते या उससे बचते में सूचिधा के लिए;  
और/या

(ग) ग्रन्ती विद्युती शाय या किसी धन या अन्य आस्तीय  
को जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगान्वय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाते में सूचिधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नालिखित व्यक्तियों, अस्ति :

8—86GI|85

(1) श्री लक्ष्मणराव एस० कुलकर्णी,  
4, मुग्धधर हाउसिंग सोशायटी,  
233 वी० 4/1, पर्वती,  
पूना-9

(अन्तर्गत)

(2) श्री मुहास आर० वर्वे और अन्य,  
केयर लाक श्री ए० एन० देवाई,  
759/118 ए०,  
डक्कन जिमवाना  
पूना-4

(अन्तर्गत)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
स्वार्थान्वित करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आकृष्ण

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो ;  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्धु  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दाने के बलाक के दाँधन  
में कभी करते या उससे बचते में सूचिधा के लिए  
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### लक्ष्मणराव

जैसा कि रजिस्ट्रीकरण नं. 37ई/7520/84-85  
नवम्बर 84 को महायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन  
में पूना के इफनर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
सकाम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 24-4-1985  
सोहर :

श्रम आदि टी.एस.एल.

आदिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-क (1) के अधीन सूचना

ग्राम पंचायत

कार्यालय, सहायक आदिकर आदिकर सम्बन्ध (विवरण)

अर्जन रेंज, पुना

पुना; दिनांक 24 अप्रैल, 85

निर्देश सं० डिफेन्स 32ई/2017/83-84—अतः मुझे,  
अनिल कुमार,

आदिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-क के अधीन सकाय प्राधिकारी को यह विवाह करने का  
आवश्यक है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित दात्तर मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लैट नं० डी०-5, अशोका को-आप्टेंटिव  
हाउसिंग सोसायटी, सी० टी० एम० ३/१, और ३ (पार्ट)  
नायलार 'रोड, (क्षेत्रफल 1000 चौ० फुट) पुना है तथा  
जो पुना में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में  
और पूर्णलूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, सहायक आदिकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाह  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके अद्यमान प्रतिफल से, एसे अद्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँह किसी बाय की ताबत, उठ है  
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक वा  
दारीवाल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
नहीं दिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रबोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, जिसमें  
अन्तरण के लिए

नल: अब, उठ है अधिनियम की धारा 269-क के अनुसरण  
प्र०. १, उक्त अधिनियम की धारा 269-क की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्रीमती सीता जे० केमवानी और अन्य,  
3 मुजावर अपार्टमेंट्स,  
प्लाट नं० 473, गुलटेकडी,  
पुना-1

(अन्तरक)

(2) श्री मनोहर होलाराम मविजा,  
174, महात्मा गांधी रोड,  
पुना-1

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्बन के विषय  
कार्यवाहिया शूल करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्बन के सम्बन्ध के कारण भी अन्तरेष्ठ :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या सत्रवंची व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद भी समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त रथावर संपत्ति में हिस्तबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों वा गस-  
लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रष्टारकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा पैर-  
भासित हैं, वही कर्त्ता होता, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीक्यून क्र० 32ई/2017/83-84  
मार्च 85 को सहायक आयुक्त आगुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज  
पुना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
मध्यम प्राधिकारी  
सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पुना

तारीख: 24-4-1985।

माहूर ४

प्रस्तुत वाइ. टी. एन. एस. ---

(1) श्री एम० आर० जोशी  
पार्टनर मैसर्स ऑफ बिल्डर्स,  
43/4, एरण्डवणा, पूना-4

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एच० ए० दीवान  
संजीवन हास्पिटल, कर्वे रोड़,  
पूना-4

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

सामुद्र उपकरण

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
ग्रांजन रेज, पूना।

पूना, दिनांक 25 अप्रैल 1985

निदेश सं० 37ई/10518/84-85—अनुष्ठान: मुझे, अनिल  
कुमार,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके  
उपर्युक्त 'उक्त अधिनियम' भला गया है), की धारा  
269-व के अधीन सूचना प्राप्तिकारी के मह विवास करने का  
कारण है कि स्थायर संस्थित, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० प्लाट नं० 9, 3री मंजिल मी० टी० एम०  
नं० 257/258, एरण्डवणा, पूना-4 है तथा जो पूना से स्थित  
है और इसमें उपकरण अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है) रजिस्ट्रीर्ना अधिकारी दे वार्यावधि "हायक आयकर  
आयुक्त अर्जन रेज, के रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी 1985को घूर्णित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इवान  
प्रतिशत के लिए अन्तरित की गई है और अभैं पूर्ण विवास  
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इवान प्रतिशत से ऐसे इवान प्रतिशत का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिशत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वे  
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—(क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर बेने के अंतरक वे  
शायित्र में कमी करने या उत्तरै बर्थने वे हैं इन्हीं  
के सिए; और/या(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तवियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
दूर्घटना के लिए;(1) श्री एम० आर० जोशी  
पार्टनर मैसर्स ऑफ बिल्डर्स,  
43/4, एरण्डवणा, पूना-4(2) श्रीमती एच० ए० दीवान  
संजीवन हास्पिटल, कर्वे रोड़,  
पूना-4को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षम के लिए  
कार्यवाहीया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइं भी वाक्येप :—

(क) इस सूचना के उपर्युक्त की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर  
सूचना की समील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब भैं समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के उपर्युक्त की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्त-  
वृद्धि किसी व्यक्ति द्वारा, अथवा स्थावरी वे  
पाल जिवित भैं किए बा रहे हैं।स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अन्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही लग्ज़ द्वारा, जो उस अन्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

जैसा हि रजिस्ट्रीकृत सं० 37ई/10518/84-85  
फरवरी 1985 को न्यायक आयकर आयुक्त निरीक्षण  
अर्जन रेज पूना के दफ्तर से लिखा गया है।अनिल कुमार  
सूचना प्राप्तिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, पूना

दिनांक : 25-4-1985

मोहर

बहतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ८—

प्रस्तुत वाइ. टी. एन. एस. —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

प्रारंभ बहुकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पूना

पूना दिनांक 25 अप्रैल 1985

निदेश सं. 37ई/1046/84-85—आयुक्त मुक्ति, अनिन  
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसं इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं. बी-12 हरमस्त्राम्पलेख पंक्ति १० पं. १०  
२०३, भवे नं. ३४९ और ३४९/ए भाग बंगा नं. ६,  
डारकर रोड, पूना है, तथा जो पूना में स्थित है (आयुक्त  
उपायद्वारा नुसूची में आरपूण स्थान वर्णित है) रजिस्ट्रीडर्ड अधिनियम  
के अधिकार स्थावर आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेज,  
में रजिस्ट्रीडरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के  
अधीन तारीख फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अधिनियम  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और संसं यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके अधिनियम प्रतिफल से, ऐसे अधिनियम प्रतिफल का  
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरिक्षित) के दीर्घ एस अन्तरण के लिए तथा पांच गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उदाहरणों से उक्त अन्तरण निश्चित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हृदय किसी आदि की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए, और/या

(ख) अभी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किसी आना आहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित स्थितियों, अस्ति :—

(1) मैंसं हरमन एजेंसीज  
93, फैमिली हाउस,  
जै० जै० रोड, अम्बई-14

(अन्तरित)

(2) श्री रामचन्द्र आत्माराम और अन्न  
फेडर रोड, 22 वेप विलिंग्स,  
अम्बई-26

(अन्तरित)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यदाहिया शरू करता है।

उक्त सूचना के अर्जन के सबूत में काइ भी आवधि —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी वित्तिया पर  
सूचना को तामोल म 30 दिन की अवधि, जो भी  
अधिक बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
स्थितियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त व्यक्ति अपाल न हृतबद्ध  
किसी अन्य व्यापार द्वारा अधाहमाधरा के पाल  
निवित में किए जा सकेंग।

स्वष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों का प्रयोग और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अन्य 20-का प्रारम्भिक  
हैं, वही अर्थ हाया जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीशन सं. 37ई/1046/84-85  
फरवरी 1985 का ग्राहक आयकर आयुक्त निरीक्षण  
अर्जन रेज पूना के दफ्तर से लिखा गया है।

अनिन तुमार  
सक्षम प्राधिक और  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, पूना

दिनांक 25-4-1985

पोहर :

प्रस्तुत वाइ ८१. एव. ४३.—

(1) गोरा दिनांक ब्रा० नि०

४/३५२, बो०७ कल्यां रोड़,  
पूना-१।

(अन्तरक)

**उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की**  
**भारा 269-व (1) के अधीन हृष्टा**(2) विग कमाउद पारदर प्रेस्कुमार,  
केर्न/आक श्री वी० न० नाथ,  
३६सी/II, आई० ए० सी० वालोनी,  
लीना, वर्म्बै-२९

(अन्तरिनी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर अधिकार (निरीक्षण)

ग्रैंजन रेज, पूना १

पूना, दिनांक 25 अप्रैल 1985

निदेश म० ३७८८/१०१५७/४-८५—ग्रैंजन न० १००,०००/- रु. मेर्यादिक है  
 अनिल कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
 269-व के अधीन भक्षण प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
 के कारण है कि स्थावर संपत्ति विसका उचित बाजार मूल्य  
 1,00,000/- रु. मेर्यादिक है

और जिनकी म० मर्व न० १९९, दिनांक न० १, २, ३, ४,  
 ५ए, ५बी, ६, ७, और ८, ५वें न० २०४, हिस्ता न० १,  
 २ए, ४, ३ए, एस० न० २०५ ते न० २०६, हिस्ता न० १, मर्व  
 न० २०९, हिस्ता न० १ लाहोगाव है तथा जो लाहोगाव में स्थित  
 है (और इसमें उपर्युक्त अनुसूची से अंगर पूर्ण रूप से वर्णित है)  
 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के दायरीय सहायक आयकर आयकर  
 अर्जन रेज, मेर्यादिकरण अधिनियम 1908 (1908  
 का 16) के अधीन तारीख फरवरी 1985

के पूर्णांतर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बद्यमान  
 प्रतिक्रिया के लिए बन्दरिता की गई है और यह विश्वास  
 करने का कारण है कि यथात् संपत्ति सम्पत्ति का उचित बाजार  
 मूल्य, उसके बद्यमान प्रतिक्रिया से, एवं बद्यमान प्रतिक्रिया का पश्च  
 प्राप्तशत से अधिक है और अन्तरक (बन्दरिका) और बद्यरिती  
 (अन्तरीटिया) के बीच एहसे अन्तरण के लिए तथा पादा गया प्रति-  
 कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अनुरोध लिखित मेर्यादा  
 की रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण उ हरे किसी बाय की बावजूद, उक्त  
 अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक व  
 दायित्व मेर्यादा करने वा उससे बचने मेर्यादा  
 के लिए; जाऊ/या

(क) एसी किसी बाय या किसी भन या बन्ध बास्तव्य  
 का, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर  
 अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाम  
 अन्तरिती द्वाय प्रकट नहीं किया गया था या  
 किया जाना चाहिए भा छिपाने मेर्यादा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के बन्दरण  
 मेर्यादा, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1)  
 के अधीन, निम्नलिखित अविवादों, अधारत:—

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित के लिए  
 कार्यदातियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के उचित के सम्बन्ध मेर्यादा भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र मेर्यादा प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी अविलम्ब पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद वा समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविवादों मेर्यादा से किमी व्याप्ति बढ़ाया,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मेर्यादा प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मेर्यादा हितवद्धय किसी अन्य अविलम्ब बढ़ाया अधोस्तावरी के पाल लिखित मेर्यादा किये जा सकेंगे।

उपलब्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मेर्यादा परिभाषित है, उही अर्द होता, जो उम अध्याय मेर्यादा दिया गया है।

मन्त्रमुखी

जैसा कि रजिस्ट्रीशन न० ३७८८/१०१५७/४-८५  
 फरवरी 1985 का लाहोग आयकर आयकर निरीक्षण  
 अर्जन रेज, पूना के दफतर मेर्यादा दिया गया है।

अनिल कुमार  
 राजस प्राधिकारी,  
 सहायक आयकर आयकर निरीक्षण,  
 अर्जन रेज-1, पूना

तारीख: 25-4-1985

मोदूर :

प्रस्तुत आइ.टी.ए.एस.-----  
आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आधिकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, पूना  
पूना, दिनांक 25 अगस्त 1985

निवेद मा० 37ई/9735/84-85--अतः मुझे, अनिल  
कुमार  
आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसमें मंदिर नं० २ 284/1, एवं नं० १० चिन्हित  
पूना-३० है तथा जो पूना में स्थित है (और इसमें उपावद  
अनुसूची से अत्र पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकारी अधिकारी  
के हावायाप नहीं आये और आयुक्त अर्जन रेज में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अचित बाजार मूल्य से कम के द्वायात्र  
प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके द्वायात्र प्रतिफल से, ऐसे द्वायात्र प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और  
अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भज या अन्य आस्तियाँ  
को, जिन्हे भारतीय आधिकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वाया प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री गजानन दामोदर गरेड,  
महात्र विलिंग, लैले ग्रामी,  
विनायक प्रिंटिंग प्रैस,  
तिळक चौक, कल्याण।

(अन्तरक)

(2) मैसर्ज कुलकर्णी और कुलकर्णी  
2153, भद्राशिवपेठ,  
विजयनगर कालोनी, पूना-३०

(अन्तरिती)

को यह सूचना घारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यान्वयन करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्येप :—

- (क) इस सूचना के उक्तपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अधिक बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के उक्तपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरण:**—इसमें प्रमुख शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभ्रान्ति  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### सूचना

जैसा कि रजिस्ट्रीड्रूर मा० 37ई/9735/84-85  
जनवरी 1985 को अदान आयुक्त निरीक्षण अर्जन  
रेज पूना के दफार म दिया गया है।

अनिल कुमार  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, पूना

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की अपेक्षा (1)  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की अपेक्षा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिक :—

दिनांक : 25-4-1985

लोहर ५

राजपत्र अंक १ टो. प्र० १५८, १९८५

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

स्थानिय, सहायक भावकर बायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, पुना

पुना, दिनांक 25 अप्रैल, 1985

सिर्देश सं० 37ई/11611/84-85—अतः मुझे,  
अनिल कुमार,

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसे  
इसके उपभावत 'उच्च अधिनियम' कहा जाता है), की भाग  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 1, बी-१ विल्डिंग चित्तामणनगर  
सर्वे नं० 128/1, और पुना-७ (क्षेत्रफल 535 चौं फूट)  
है तथा जो पुना से स्थित है (और इससे उपावश्य अनुसूची में  
और पुर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्योलम  
सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेज में रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीत तारीख  
फरवरी 1985

को पूर्णीकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उपभाव  
अधिकारी के सिए अन्तरित की गई और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-  
पूर्वीकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसके उपभाव प्रतिकूल  
से, एसे उपभाव प्रतिकूल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अंतरक (बांतरक) और अंतरिती (बांतरितियाँ) के बीच एसे  
अंतरण के लिए तथा पावा वया प्रतिकूल निम्नलिखित उद्दरेश्य  
से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं पाया  
गया है ।—

(३) अन्तरण से है किसी जाय की बाबत, उच्च  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बांतरक में कही करने या उसके बचने में उच्चभा-  
व दिखा; और/वा

(४) एसी किसी जाय या किसी भन या उच्च आस्तियों  
को, जिसके आड़ीय भावकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उच्च अधिनियम, या  
उच्च-बायुक्त अधिनियम, 1957 [1957 का 27]  
के प्रबोधनार्थ अन्तरिती इकाई प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा  
बहुत लिया।

उच्च अधिनियम की भारा 269-ष की अनुदर्श  
में, में, उच्च अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री निखिल एन्टरप्राइजेस  
14, घम्बई पुना रोड,  
बजाज अंटा शोरूम के पास  
प्राकडेवाडी, शिवाजीनगर, पुना :

(अन्तरक)

(2) श्री आर० जी० देसाई और अन्य  
217, औलगांव, टाटा कैम्प,  
पुना-७

(अन्तरकी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकृत सम्पत्ति के अधीन के लिए  
कार्यवाहीयाँ शुरू करता है ।

उक्त सम्पत्ति के बार्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्वयी व्यक्तियों पर  
सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधिभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकृत  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताशरी के पास  
लिखित भा किए जा सकते ।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रदर्शित व्यक्ति और पदों का, जो उच्च  
अधिनियम, के अध्याय 20-के या परिवारिय  
है, वही अर्थ होता जो उस सम्बन्ध में विद्या  
रहा है ।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकूल सं० 37ई/11611/84-85  
जनवरी 1985 को सहायक आयकर आयुक्त न  
अर्जन रेज पुना के दस्तार में लिखा गया है :

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, पुना

दिनांक : 25-4-1985

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस. -----

बोधकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-व (1) के अधीन भूमि

भारत सरकार

प्रधानमंत्री, सहायक बालकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, पूना

पूना, दिनांक 25 अप्रैल 1985

फिरोग नं. 37ई/7158/84-85—ग्रन्त: मुझे, अनिल  
कुमार,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पदचारे 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन संशम्भव प्राधिकारी को, वह विद्यास करने का  
कारण ह कि स्थावर गम्भीर, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. म उपरिक है

और जिसकी म० प्लाट न० 14, नी-3, विल्डिंग चिनामण  
नगर सर्वे न० 128/1, औष्ठ ४०-७ ने दिया जो पूना  
में स्थित है (ओर इसने उपायद्व अनुपूणी शार पूर्ण मृष्ट में  
वर्णित है) रजिस्ट्रीशन अधिकारी दे व्याप्रद गम्भीर स्थावर  
आयकर आयुक्त अर्जन रेज मे रजिस्ट्रीशन अधिनियम 1908  
(1908 ना 16) के अधीन दारीब अक्टूबर 1984

का ५५ ज्ञा - जिस का उचित बाजार मूल्य से कम के दशमां  
प्रतिफल के नाप अन्तरिक की गई है और मर्मे वह विद्यास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्बन्धित का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दशमान प्रतिफल से एसे दशमान प्रतिफल के  
परह अनियत मे अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और  
अन्तरिक्ती (अन्तरिक्ती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उपर अन्तरण  
नियन्त्रित मे दास्ताविक मृष्ट मे कागित नहीं किया गया है —

(1) अन्तरण से हूँह किसी जाम को बोलते, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दन के अन्तरक र  
दास्ताविक मे रुपी करने वे उससे बचन मे संविधा  
के लिए; और/वा

(2) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियो  
जो, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, द  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रलिप्त नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिये था छिपाते मे  
ले रिय;

जो अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुमरण  
मे, दू, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात् ५—

(1) निखिल इन्टरप्राइजेस

14, ब्रम्ही पूना रोड,  
बजाज आटो शो रूम के पास  
वार्कडवारी, शिवार्जीनवर, पूना

(अन्तरक)

(2) श्री मुहाम बी पाटिल

श्री शुभमंगल को ओपन हांसिंह मोसायटी  
विल्डिंग न० 1, ब्लाक न० 1  
मेनपानि रोड बाबट रोड पूना-16

(अन्तरिक्ता)

को यह सूचना जारी करक पुनापत सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
आवधारिता देता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन सबम भे करहे भी बाकोपे ;—

(a) इस सूचना के राजपत्र मे व्यक्तिगत की तारीख मे  
45 दिन दो अवधि ५१ तस्मांधी व्यक्तियों पर  
सूचना दी जायी। (प 31) इन की प्रतीक्षा, जो भी  
अन्तर्धान तद मे समाप्त हाली हो, के भीतर प्र्याक्त  
व्यक्ति— मे मे किसी व्यक्ति द्वारा,

(b) इस सूचना के राजपत्र मे व्यक्तिगत की तारीख मे  
45 दिन वे भीतर उक्त सम्पत्ति मे हितमधुध  
किसी मूल्य व्यापत उपर लघोहस्ताक्षरी के पास  
नियमित भा देखे जा सकेंगे।

स्वाक्षरण — इस राजपत्र शब्दों द्वारा दी जा, जो उक्त  
अधिनियम, के जायां २०-क मे परिभाषित  
हैं, वही नहीं होता, जो उक्त अधिनियम मे दिया जाय  
है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीशन न० 37ई/7168/84-85  
अक्टूबर 1984 दी महाया आयकर आयुक्त अर्जन रेज  
पूना के दस्तावे मे लिया गया है:

अनिल कुमार  
भूमि प्राधिकारी  
गम्भीर आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, पूना

दिना— 25-4-1985  
मोहर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

**भारत सरकार**

ਪੰਜਾ ਦਿਵਾਂਕ 25 ਅਪ੍ਰੈਲ 1985

निर्देश सं० 37ई/6536/84-85—अतः मुझे अनिल  
कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर मर्मांति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० प्लाट न० 1, बी-1, बिल्डिंग चिनामणी नगर, सर्वे न० 128/1, श्रोध पुना है तथा जो पुना से स्थित है (और इसमें उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप है वर्णन है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयकर निरोक्षण अंजन रेज से रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908)

(1908 का 16) के अधीन नारीख सितम्बर 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और उभे यह विष्वास करने का कारण है कि यथोपर्यवेक्ष समीक्षा का उचित बाजार मूल्य, उभये दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का धृष्ट प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पाया जाया प्रतिक्षल विमर्शित उद्देश्य से उक्त अंतरण विकल्प वे वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से छुट्टे किसी वाय की वावत, उन्हें शैयीनियम के अधीन कर हेने के बन्दरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या

(४) एकी किसी भाष्य वा किसी भन या बन्द्य आंस्तखी को जिन्हे भारतीय भाष्य-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या प्रत्यक्ष अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगान्वय अन्तरिकी इवार्य प्रकट नहीं किया था या किया जाना चाहिए था, द्विपाले मरविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा २६०-व के अन्तर्गत में, मैं उक्त अधिनियम की धारा २६७-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों सहित:-

(1) निविन इंटरप्राइजेस ,  
 14, बम्बई-पुना रोड, ,  
 (जात्र आठो शो रूम के सामने,  
 वाफ़दे वाडी, शिवाजीनगर, पुना :  
 (अन्तरक)

(2) श्रीमती माधुरी एस अरम  
453, शनीद्वारपेठ, पूना-30  
(अन्तरिक्षी)

को यह सूचना वारी करके पूर्वोक्त समर्पित के बर्बाद के विषय कार्यपालिका खराका है।

उद्योग सम्पर्क के अवधारणा के सम्बन्ध में जोड़ भी आकर्षणीय है।

(क) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अविलम्ब वर्षों पर सूचना की समील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवीकृत अविलम्ब में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(स) इस सूचना के संबंध में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तिके द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वतंत्रीकरणः**—इसमें प्रयुक्त साज्जों और पदों का, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभासित हैं, वही कथं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

四

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत सं० 37ई/6536/84-85  
मित्रवर 1984 हो सहायता आरक्षर अधिकार निरीक्षण  
अर्जन रेंज पना के इकाइ में विभाग गया है।

अनिल कुमार  
सदाम प्राधिकारी

दिनांक : 25-4-1985  
मोहर :

प्रकृष्ट वाहौ दै. एस. पर्स. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, पुना

पुना, दिनांक 25 अप्रैल 1985

निवेश सं० 37ई/10483/84-85—अनंत मुक्त अनिल  
कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन संकेत प्राधिकारी को यह विवरात करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु से अधिक है  
आई जिसकी सं० सर्वे न० 24/1ए-3 और 1-बी खुली  
जगद् सेक्षन 31, यू० एल० सी० कानून 1976 के अनुकूल  
2773304 वर्ग मीटर्स में है तथा जो नामिक में स्थित है  
(आई उक्त उचित अनुसूची में ग्राही नं० ८५३७८५ अवधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन नारीव नवम्बर 1984  
का पूर्वावधि सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य तं इस के अध्यान  
प्रतिकल अंतिम अनुसूचित की गई है और अब यह निशास  
करने का कारण है कि प्रधानमंत्री सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके अध्यावधि प्रतिकल से, दोस्रे अध्यावधि प्रतिकल का  
न्यून परिवर्तन से अधिक है और अंतरक (अन्तरक) और  
अन्तरिक्षीय (अन्तरिक्षीय) के बीच एसे अन्तरक के निए तथा  
यदा ग्राही अनुकूल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बंतरण  
निर्दित अनुसूचित व्यक्तियों में कठित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
शायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी भव या कम्य आस्तीना  
को जिन्हैं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ  
पर्ना ती द्वारा शुल्क नहीं किया गया था या किया  
गया नहीं था, जिसने मा सुविधा के लिए,

(1) श्री केग जेग म्हात्रे, अटमन्ड  
सरस्वति कानोड़ी, शालाकुज (डल्लुमे  
बम्बई-54 :

(अन्तरक)

(2) श्री शावलाल गुप्ता 'ओर अन्य  
गुत्ता विल्डर्स प्राग लिंग  
1363, शाती सदन गुप्ता भार्ग  
त्रीम्पेक रोड, नासी ए

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अधीन के लिए  
जिए कार्यगाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के बचन के सबूत 'कोई भी वाक्ये'—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से  
45 दिन की बद्धिया तस्वीरी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की बद्धिया, जो भी  
बद्धिया बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वान्तर  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकें।

प्रकाशन :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
व्यक्तिवद्वय के अध्याय 20-व के परिमाणपूर्ण  
है, वही अर्थ होता, जो उस अध्याय ने दिया  
है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीड्रॉप सं० 37ई/190483/84-85  
नवम्बर 1984 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण  
अर्जन रेज पुना के दफ्तर में लिखा गया है :

अनिल कुमार  
स्थावर सम्पत्ति प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, पुना

इस अर्थ, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा-269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्भात् :—

दिनांक 25-4-1985

मोहर

प्रस्तुत वाई.टी.एन.एम.

वाचक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
भारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत बरतन  
साधारण, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज पूना

पूना, दिनांक 25 अप्रैल 1985

निर्देश सं० 37ई/9755/84-85—अतः मुझे, अनिल  
कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-प के अधीन सकाम प्राधिकारी को उक्त विषयास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

ओर जिसकी सं० फ्लैट नं० 202, हिंदू लाज बिल्डिंग, कायदर  
(W) जिला याना है तथा जो याना में स्थित है और  
इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख

जो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दबावान  
प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुझे यह विषयास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दबावान प्रतिफल से, ऐसे दबावान प्रतिफल के  
पांचह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरिती  
(बन्तरितातयों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कार्यित नहीं किया गया है :—

(क) बन्तरण से 'हूर' किसी बाब की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के बन्तरक के  
दावित्व में कमी करने वा उससे बदले ये सूचिया  
के लिए; और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या जम्य आस्तियों  
के, जिन्हे भारतीय बाब-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचिया  
जैसे;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के बन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्तमा—

1. मैसर्स जय कन्सट्रक्शन,  
कायदर, जिला याना।

(अस्तरक)

2. श्री द्वाष्ण कुमार एन० अग्रवाल,  
आरसेन रोड, कायदर,  
जिला याना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बन्तर के लिये  
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के बन्तर के सबसे ऊँ कोई भी वाक्य

(क) इस सूचना के उक्तपत्र में प्रकाशन का पारीक्षण तथा  
45 दिन की अवधि या उससे अधिकतया पार  
सूचना की समीक्षा से 30 दिन की अवधि, और भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, तीन अवधियों  
अधिकतयों में से किसी अधिकतया द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीख तथा  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर समीक्षा पारितयाः पार  
किसी अन्दर अक्षित द्वारा अधोलिखित तथा  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**लिखित:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-वार्ष में परिभ्रान्त  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस व्यावर में विद्या  
पदा है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीड्ड नं० 37ई/9755/84-85  
द्वारा 1984 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन  
रेंज पूना के दफ्तर में निक्षा गया है :

अनिल कुमार  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 25-4-1985

मोहर

प्रकल्प नामः टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना  
भारत सरकार

आयकर, सहायक आयकर आवृक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पुना  
पुना, दिनांक 25 अप्रैल 1985

निवेश सं० 37ई/8922/84-85—अतः मुझे अनिल  
कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० सेक्टर 12, फ्लैट नं० 43, सिड्को वर्सई  
शिंगु बम्बई फ्लैट नं० 66 छठा मंजला, कुबेर बंगला  
(भौतिक 1850 वर्ग मीटर्स है) तथा जो वर्सई में स्थित  
है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर  
आयकर निरीक्षण अर्जन रेंज में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
"1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नितम्बर 1984  
का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इकमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूत विलेख के अनुसार अन्तर-  
रित की गई है और मुझे वह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके अक्षमान प्रतिफल से ऐसे इकमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
कल निम्नलिखित उद्दरेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कीपत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की वापत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिष्व  
में किसी करने या उक्त से वर्ष में हुकिमा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आवृत्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तर्भूति द्वाय प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, जिसमें मैं सूचिता  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसारण  
में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स बिल्लीमोरिया कन्सट्रक्शन कं० प्रा० लि०  
वानबेडे स्टेडियम,  
'छी' रोड चैन्गेट, बम्बई,  
(अन्तरक)

2. श्रीमती रीतादेवी शामसुंदर भसीन,  
107/102, शिव ओम 10वां रोड,  
बार (पं०) बम्बई :  
(अन्तरिती)

को यह सुचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यदात्ता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई जापें :—

(क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सुचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि नाव में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाय;

(ख) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वाय अपांहस्ताक्षारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में पाइयाधित  
हैं, वही वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत सं० 37ई/8922/84-85  
सितम्बर 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज पुना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
सकाम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, पुना

दिनांक : 25-4-1985

शोहर :

अस्स आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर नियमणि

अर्जन रेंज, पुना

पूना, दिनांक 26 अप्रैल 1985

निदेश सं० 37ई/16240/84-85—अतः मुझे अनिल

कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ष के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विषयास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० खुली जगह 430 चौ० गज सबै नं०  
46/1, 46/3, 46/4, 61/3, और 62/2 जी बी पाथरली  
टिका नं० 42, सी एस० नं० 9906 से 9913 कल्याण  
म्युनिसिपल कार्पोरेशन कल्याण है तथा जो कल्याण में स्थित  
है (और इससे उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त  
नियमणि अर्जन रेंज में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन मार्च 1985

को पूर्णकृत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गहै है और मूझे यह विषयास  
करने का कारण है कि व्यापूर्वीकृत सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पक्ष प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (बन्तरकी) और  
अन्तरिती (बन्तरिती) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
नियमित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी बाय की वापत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायिकृत में कमी करने या उससे करने में सुविधा  
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी या किसी भन या अन्य जास्तियों  
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अह: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसार  
में मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपभाय (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधारि :—

1. श्री जी० वी० पाठक और अन्य  
वाटवे बिलिंग, भनपाड़ा रोड ।  
दोस्तीबली (पू०)

(अन्तरक)

2. मैसर्स महापिरी एन्ड कम्पनी  
शांतीसागर अपार्टमेंट्स,  
म्युनिसिपल गाउंडन के सामने,  
नेहरू रोड, डोम्बाकलीदुशी (पू०)

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्खीत सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करता हू० ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में जोहै भी बाबेय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्त्वावृत्ती व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्णकृत  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत सं० 37ई/16240/84-85  
मार्च 1985 को सहायक आयकर आयुक्त नियमणि अर्जन  
रेंज पुना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (नियमणि)  
अर्जन रेंज, पुना

दिनांक : 26-4-1985

मोहर :

प्रधान शाहौदर, टी. प्र. एड.—

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत  
269-व (1) के अधीन सूचना

**भारत सरकार**

कार्यालय, सहायक आमकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना दिनांक 26 अप्रैल 1985

निरेश सं० 37ई/176/84-85—अतः मुझे अनिल  
कुमार

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारत  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विवरण करने का  
कारण है कि स्थावर गम्भीर, चिकित्सा उपचार भूत्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है।

श्रीम् जिसकी सं० कोठारी फैमिली इस्ट चित्तलासर मनपाडा  
तारीख और जिला थाना (क्षेत्रफल 19,920 वर्ग की) है तथा  
जो थाना से स्थित है (श्रीम् उपचार अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
सहायक आयुक्त आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में रजिस्ट्री तरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून  
1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपचार आयार भूत्य से करने के अवधारण  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विवरण  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आयार  
भूत्य, उसके राश्यमात्र प्रतिफल <sup>2</sup> ऐसे विवरण प्रतिफल का  
एक प्रतिशत से अधिक है <sup>3</sup> और अंतरक (अंतरकारी) और  
अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब आया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरक लिखित  
में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी भाव की वापसी, उक्त अधि-  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
वायित्य में कमी करने से उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी भाव दा किसी धन या सम्य आस्तीय  
के, जिन्हे भारतीय बायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) दा उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 17) के  
'योजना' अधारिती इकाया प्रतिट नहीं किया गया;  
या या किया जाना भावहीन था, हिपात में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अंतरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अस्ति :—

1. श्री एन० कोठारी और अन्य,  
कोठारी फैमिली इस्ट,  
9, एलोरा सापिंव सेंटर,  
दफतरी रोप्र बम्बई-97।

(अन्तरक)

2. श्रीला प्रोप्राइटेसं,  
199, गुजरात सोसायटी, लीला निसास  
सायन, बम्बई-22।

(अन्तरिती)

मैं यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्न के सिए  
कार्यालयीय कारण हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्न के मामध में कोइ भी वाक्यप ..

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की हारेल व  
45 दिन की वरिष्ठ या सप्ताहांती भौतिकी ११  
सूचना की हारील व ३० दिन की वरिष्ठ, यो भी  
वर्धीय वाप में समाप्त होती है, या औतर पूर्वोक्त  
अंतिमी में एक्सी व्यक्ति इकारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की हारेल व  
45 दिन की भौतिक उक्त समाप्त भौतिकी ११  
प्रतिवर्षी व य वर्ष के दूरी ११, ११, ११, ११, ११, ११  
निरीक्षण में किए जा सकेंगे।

प्रकाशीकरण :—इस प्रकाश करने और पढ़ने का, या उक्ता  
अधिनियम के अधीन १०-के प्रोत्तरांक  
है, वही वर्ष होगा जो उम् १९४८ में दिया  
गया है।

**अनिल कुमार**

(जैसा कि रजिस्ट्री सं० 37ई/176/84-85  
जून 1984 को सहायक आयुक्त आयुक्त निरीक्षण अर्जन  
रेंज, पूना के दफतर में लिखा गया है :

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 26-4-1985

मंदिर ३

ब्रह्म बाई दी. एस. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत व्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, पुना

पुना दिनांक, 27 अप्रैल 1985

निर्देश सं. 37ई/10154/84-85—श्रतः मुझे अनिल  
कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उच्चत अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को महि विषवास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

प्रीर जिसकी सं. फ्लैट नं. 11, विलिंग "ए" हरमस  
काम्पलेक्ट फ्लैट नं. 203, निव सर्वेन. 34डी भंडारक रोड, पुना  
है तथा जो पुना में स्थित है (प्रीर इसे उपाध्यक्ष अनुसूची में  
और पुर्ण रूप में दर्शित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय  
महाराष्ट्र आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेज में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 11) के अधीन तारीख फरवरी

1985

को प्रदान करने के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विषवास  
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से ऐसे इश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तब  
बात गया प्रतिफल, जिसमें उद्देश्य से उच्चत अन्तरण  
अधिकतमे वास्तविक रूप से कीर्ति नहीं किया गया है :—

(अ) अन्तरण से हुई किसी बात की बाबत, उच्चत  
अधिनियम के अधीन कर इन्हें के अन्तरक के  
द्वावित्व में कर्मी करने गा उससे बचने में सुविधा  
की लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी या किसी भन या अन्य वास्तवियों  
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उच्चत अधिनियम, या भन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरीती द्वारा प्रकल्प नहीं किया जा  
ता या जो किया जाता था और वह, जिसमें में सुविधा  
की लिए;

अब: अब, उच्चत अधिनियम की भारा 269-ए के अन्तरण  
में, एवं, उच्चत अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1)  
के अन्तर्गत, निरीक्षित अधिकारी, अर्जन :—

(1) मैसर्ट हर्मस एजेंसीज,  
793, फैमिली हाउस,  
जामे जमसोद रोड, वम्बई-14

(अन्तरक)

(2) मनीषा आर० गोपालानी,  
फ्लैट नं. 201, करपकग्रामेन,  
वांद्रा, वम्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरो कारके प्रबोध सम्पत्ति के बचन को लिए  
कार्यकारी हो जाएगा।

उच्चत अन्तरिती के बचन के उद्देश में कार्ड भी जारी :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्प्राप्ती अन्तिम तिथि वर्ष से 30 दिन की अवधि, यो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर प्रबोध समितियों ने से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितष्यभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्पाक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रथम पद्धों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
जाता है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत सं. 37ई/10154/84-85  
फरवरी 1985 के महाराष्ट्र आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन  
रेज पुना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, पुना

दिनांक : 27-4-1985  
मोहर :

प्रध्य बाई<sup>१</sup>, दी. एस. पर. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पुना

पुना, दिनांक, 27 अप्रैल 1985

निवेश सं. 37ई/थाना/84-85—अतः मुझे अनिल  
कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-प के अधीन सदास प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थाप्त सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. नं. 59/(पट) 59/21, 59/17,  
59/28, 59/29, 59/22, 59/24 चित्तलमर मनपाडा, जिला  
थाना है तथा जो थाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेज में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख अक्तूबर 1984

को प्रयोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और भर्भे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षी  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
वा बास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है ।—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बावत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में  
कभी छरवे या उक्ते दने में सुविधा के लिए  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) ए० पी० एन० कोठारी और अन्य  
9, एलोरा शांपिंग सेंटर,  
दफतरी रोड, मल्लाड (इ.)  
बम्बई

(अन्तरक)

(2) मैसर्स पारेख प्राईटर्स ,  
112-बी मेकर टावर्स, बम्बई-5

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कर्यवाहियां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, और भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास निश्चित में किए गए रक्तकांड ।

स्पष्टीकरण ८—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वहाँ स्पष्ट होणा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत सं. 37ई/9793/84-85,  
अक्तूबर 84 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज पुना के दफतर में लिखा गया है ।

अनिलकुमार  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, पुना ।

दिनांक : 27-4-1985

गोहृ ४

राष्ट्र पत्र नं. टी.एन.एस

(1) श्री जे० एन० मोर० पौ० सी० पारेख  
408-ए, धोरणडीपैठ पुणे 2

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-व (1) के बधीन सूचना(2) अहिंसक हाटिलस (प्रा०) लि०  
पचगानी, जिला याना।  
पचगानी, जिला याना।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पुना

पुना, दिनांक, 27 अप्रैल 1985

निर्देश नं. 37ई/11807/85-85—आयकर अनिल

कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी के यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य,  
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसी सं० मध्ये न० 76-ए, फ्लैट न० 4, टी० पौ०  
स्कोम न० 2 पचगानी, जिला याना है तथा जो याना पचगानी  
में स्थित है (अतः इससे उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित  
है) रजिस्ट्री तर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त  
निरीक्षण अर्जन रेज से रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908  
ना 16) के अधीन जारीव अप्रैल 1985का निर्देश नं. 37ई/11807/85-85, वाहार मूल्य से कम के इसमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का  
एन्डह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (बंतरको) और अंतरिती  
(अन्तरिती) दो दोनों अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल  
निम्नालिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
सम्मिलित रूप से अधिक नहीं किया गया है :—को यह सूचना आरो करके प्रमोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए  
कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोइं भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि पर तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो वे  
अवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर प्रबंधित  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा,(ख) इस सूचना वे ग्रामपंच में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थान सम्पत्ति में हितवृद्धि  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास  
लिखित में लिखा गया स्थान :—सम्बोधित :—इसमें प्रमोक्त व्यक्ति वार्दो का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।(३) अन्तरण से हुई किसी वाद की वापत, उक्त  
अधिनियम के बधीन कर देने के अन्तरक वे  
दायित्व में कमी करने वा उसके बचने के बाबत  
के लिए; और/वा

निम्नालिखित

वा उन किसी आद वा किसी भव वा अन्य वासियों  
जो दिन्दे भाग्नीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 ना 11) वा उक्त अधिनियम, वा धन०  
का अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
अधीन अन्तरिती इकाय प्रकट नहीं किया गया  
वा या किया गया जागिरा वा, जियाने में सूचित  
के लिए;जैसा कि रजिस्ट्रीकरण नं. 37ई/1807/84-85 अप्रैल  
1984 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेज  
पुना के दफ्तर में लिखा गया है।अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, पुना

दिनांक : 29-4-1985

माझे

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नालिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज पूना

पूना दिनांक 29 अप्रैल 1985

निरेश संग 37-ईई०/16166/84-85—अतः मुझे  
अनिल कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्टात करने का कारण है कि स्थानक सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० टिट्का नं० 8, सी० टी० एस० नंग 194 और 195 थाना है तथा जो थाना में स्थित है (ग्रोव इमेज उपावड़ अनुसूची में ग्रौं पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेज में, रजिस्ट्री-शण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीव मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिक्ष की गई है और मुझे यह विष्टात करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिक्षी (अंतरिक्षियों) के बीच ऐसी अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नालिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कीथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरक से हूँ हूँ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के अप्रैयत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिक्षी इकारा प्रकल्प नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नालिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेसर्सं गुरुकुमा विल्डस, "शत टाट्काड वार्डी प्रभु देशपांडे मार्ग, बिष्णु नवर, नवाडा, थाना : (अन्तरक)

2. मेसर्सं राज राजेश्वरी विल्डस, सी-14, महावीर ज्योति, बल्ल बाग लेन, घाट्कोपर बम्बई-77। (अन्तरिती)

को यह सूचना आयकर आयुक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितवद्ध किही अन्य व्यक्ति द्वारा भाग्यसाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि राजस्ट्रीलूप नं० 37-ईई०/16166/84-85 मार्च 85 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेज, पूना के दस्तर में लिखा वया है :

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
न रेज, पूना

तारीख : 29-4-1985

मोहर :

प्रस्तुत वाइ. टी. एम. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पूना

पूना, दिनांक 29 अप्रैल 1985

निदेश सं० 37-ईई०/16308/84-85—अतः मुझे,  
अनिल कुमार,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इतके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
द्वारा है कि उक्त अधिनियम सम्पूर्ण, जिसका उचित आजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संग ब्लाक नं० एच-10, आदित्य शिल्पा  
कोआपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि०, मुरब्बाद रोड, कल्याण,  
जि० थाना है तथा जो थाना में स्थित है (और इसमें  
उपावद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण,  
अर्जन रेज, में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अंतीम, नारीख मार्च 1985

को प्रबंधित सम्पत्ति के उचित आजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है वार मूँहे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथाप्रवृक्त सम्पत्ति का उचित आजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अन्तरण निर्दिष्ट में  
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया जाया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के कौनून कड़ देने के अंतरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे कमने में सुविभा  
के निए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बाय पा किसी धूम या बन्द जारीकरणों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
उनके अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा  
के लिए;

मैं अप्रैल १९८५ के दिन यह देखा हूँ (५)  
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वाले हैं—

1. श्री एम० पी० ठक्कार, प्र० सुभाष विल्डर्स, आदित्य  
शिल्पा कोआपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि०,  
मुरब्बाद रोड, कल्याण, जि० थाना।  
(अन्तरक)

2. श्री अलेक्जान्डर आदम डिसोजा, सवम विला, महादेव  
पाटिल वाडी, घटाला, चेवूर, बम्बई-21।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यदातियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन को अन्तिम या अनन्तस्थिती व्यक्तियों पर  
सूचना की जामील से 30 दिन को अधिक, जो भी  
अविविक दाव में समाप्त होती हो, के भीतर प्रबंधित  
व्यक्तियों में से एक गी व्यक्ति बनारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त अधिकार सम्पत्ति में हित-  
मूद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्तावरों वा  
पास लिखित में दिये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभ्रान्त हैं, वहाँ अथ हाया, जो उस अध्याय में  
दिया गया है :

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37-ईई०/16308/84-85  
मार्च 85 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेज,  
पूना के दत्तर में लिखा है :

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, पूना

\*तारीख : 29-4-1988

मोहर :

प्रकृष्ट बाई.टी.एन.एस.-----

अन्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-प (1) के वर्धीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

जैन रेज, पूना

पूना, दिनांक 30 अप्रैल 1985

निदेश संग 37-ईई०/10503/84-85—अतः मुझे,  
अनिल कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-प के वर्धीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवराम करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी म० प्लैट न० 9, द्रमरा मत्रिला, मर्वे न० 271,  
फ्लैट न० 24, श्रीधर नवर, चिचडुड, पूना है तथा  
जो पूना से स्थित है (और इसमें उपावद अनुमति से आंर  
पूर्ण रूप में वांगत है), रजिस्ट्रीर्ड अधिकारी के ग्राहिय  
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेज में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और यह निष्पात्ति करने  
करने का कारण है कि ग्राहपूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे हस्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तथ  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की, आवत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या जन्म आस्तीनों  
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा भन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसार  
म०, भ०, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपाधा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1. मेरसर्स खिवसारा चौहान, 22, मुकुद नगर, पूना-37।  
(अन्तरक)
2. श्री गोपीणद खड्गजी कावडे, हीरा स्मृति, जीवन  
नगर, चिचडाडा, पूना-33।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया शूल करता है।

अमत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेप —

- (क) इस सूचना के राजपत्र तो प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इससूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपत्नि में हितवृष्टि  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा उधाहस्तकरी के पाव  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण** — इसमें प्रदूषक शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति  
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विद्या  
गया है।

अनुसृती

जैसी कि रजिस्ट्रीकृत क० 37-ईई०/10503/84-85  
जो फरवरी 1985 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण,  
अर्जन रेज, पूना के दफतर में लिखा गया है :

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, पूना

तारीख 30-4-1985

मांग :

प्रकाश बाई, टी. एच. एड —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, पूना

पूना, दिनांक 30 अप्रैल 1985

निवेश सं 37-ईद०/7539/84-85—अत. मुझे,  
अनिल कुमार,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विंगे इसके  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आय  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्यास करने का  
आश्रम है, कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

ओर जिसकी सं 30 फ्लैट एफ० बी०-१, छठा मंजिले पर,  
पर्णामाउण्ड हार्डिंग सोमायटी, 1981 कान्वेट स्ट्रीट, पूना  
है जो पूना में स्थित है (ओर इसमें उत्तर अनुसूची  
में ओर पूर्ण है ने वर्णिय है), जिस्तीर्ती अधिकारी के  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण, अर्जन रेज,  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीय नवम्बर, 1985

को पूर्ववित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान  
अधिकारी को लेकर अन्तरित हो गए है और मुझ यह विश्यास  
भर्ज का दारण है कि यथोचित सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके इक्यमान प्रतिफल से ऐसे रूपमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंत-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अंतरण जिक्षित हैं  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई विस्ती बाय की बावजूद, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तविक में कभी कहने या उससे बचने में सुविधा  
हो और/या

उक्त 1922 का 11 अन्ती घन या अन्य आंतरिकों  
का, जिन्हे भागीदार आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम का  
प्रभाग ग्रहण कर, 1957 (1957 का 7)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवाय प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने के  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण  
में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्तमान :

1. श्री राज कुमार मेठ, ७०-८, अशोका अपार्टमेंट्स,  
3 नयलाल रोड, पूना।

(अन्तरक)

2. श्रीमती जीयन मीताधी शार्ट, फ्लैट नं ६०-५,  
पहला मंजिला, पैरामाउण्ड कोऑपरेटिव हाउसिंग  
सोसायटी, 1981, कान्वेट स्ट्रीट, पूना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्ववित सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयाद्वया करता है।

उक्त सम्पत्ति के दार्तन के सम्बन्ध में काई भी अधिक —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख नं  
45 दिन की वर्तमानी तत्संबंधी व्यक्तिगत पर  
सूचना का तारीख में 30 दिन की अवधि, और भी  
जब बाइं बाइं तथा अपार हारी ता, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तिमयों में से किसी व्यक्तिन व्यापार;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त इथावर गम्भीर में हित-  
बहुभ किसी अन्य व्यक्ति हुवारा अधाहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकते।

**अस्त्रोक्तरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के वध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही वर्ण होंगा, जो उस वध्याय में  
विद्या गया है।

### मद्दती

जैसा कि रजिस्ट्रीड्यूटी नं 37-ईद०/7539/84-85जो  
नवम्बर 84 को, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन  
रेज, पूना के दफतर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, पूना

तारीख: 30-4-1985

मोहर:

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयकत (निरीकण)

अर्जन रेज, प्रतिकार मंदिर,  
60/6, ऐरांडवाने, पूना-4

पूना, दिनांक 30 अप्रैल 1985

निदेश सं० 37ई/75/2/84-85—यतः मुझे, अनिल  
कुमार,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), का धारा  
269-व के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विवरण करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो पूना में स्थित है (और  
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) के अधीन  
तारीख नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विवरण  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से, ऐसे छयमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(१) अन्तरण से हुई किसी बाय की वापर, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर हने के अन्तरक के  
साथसे में किसी करने वा दरहस्ती करने में शुल्क  
नहीं लिए।

(२) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अंतरिती  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा  
ने दिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिक :—

1. मेसर्स मुथा अपार्टमेंट्स, 322/11, शंकर सेठ रोड  
पूना-2।  
(अन्तरक)
2. श्री शांतीलाल नथमल जैन, 68, न्यू टिम्बर  
मार्केट, पूना-2।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए  
कार्यवाहीकारी करता है।

उक्त संपत्ति के अधीन के सबध में काइ भी जाक्षण —

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरभी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अधिक बाद वे भगात होती हों, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों वे से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (द) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
वृक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**सम्पर्करण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में पारम्परित  
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

पनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकूल नं० 37-ई/7512/84-85 जो  
नवम्बर 84 को सहायक आयकर आयुक्त निरीकण, ग्रंजन  
रेज, पूना के दफतर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
सक्रम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीकण)  
ग्रंजन रेज, पूना

तारीख : 30-4-1985

माहूर :

अक्षय बाबू<sup>1</sup>, दी.एस.एस. ——————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आय  
198-ष (1) के अधीन सूचना

### भारत वरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, प्रतिकार सदन, 60/6 ऐरांडावाने, पूना-4

पूना, दिनांक 30 अप्रैल 1985

नियंत्रण सं. 37-ई/9194/84-85—प्रत: मुझे,  
प्रनिल कुमार,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
प्रतिकार अधिनियम कहा गया है), जो बारा 269-ष के  
अधीन दृष्टि ग्राहिकाती था, वह विश्वास करने का कारण है कि  
उपर संशोधन जिसका उत्तिन बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. में अधिक है  
और उसकी सं. 1-20, प्लाट नं. 62/16, 87/2, कुल-  
गांव है, तथा जो कुलगांव में स्थित है (और इससे उपावड़  
ग्रन्तमुद्दी में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधि-  
कारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण  
रेज में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख अक्टूबर 1984

के पूर्वोक्त संम्बिल के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमात्र  
प्रतिफल के लिए बंतरण की गई है और मूल्य वह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके रूपमात्र प्रतिफल से, ऐसे रूपमात्र प्रतिफल का प्रत्यह  
प्रतिभूत से अधिक है और घस्तरक (अस्तरकों) और घस्तरिये  
(अन्तरियों) के बीच ऐसे घस्तरण के लिए तथा पाता नया प्रति-  
भूत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बतायिक  
पास की गयी नहीं किया गया है।—

(क) बंतरण से हूँ दृष्टि किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के बंतरक के दायित्व  
में कमी करने का उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/वा

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों  
पर उक्त अधिनियम की आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरियों बाबत उक्त नहीं किया  
गया था तथा जिस आनंद अधिनियम, अधिनियम में  
वर्णित के लिए;

एवं अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, भू, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्याकृतयों, अधौत ई—

1. मेसर्स रेणूका विल्डर्स, मुलगांव पोस्ट, तांत्र उल्हास-  
नगर, जून आना।

(अन्तरक)

2. श्री सुरेश माववराव रूपाजी, 336, जून एस० रोड  
ठाकुरद्वारा, बम्बई-2।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करूँ करता हूँ।

उक्त वर्णन के अर्जन के सम्बन्ध में कहाँ भी जाऊँग़ :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन को अधोधी या तत्पद्धी व्याकृतया उक्त  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
बंतरक बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्याकृतया में से किसी व्याकृत इवारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवाग, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकांग।

**स्वाक्षरण:**—इसमें प्रथुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
बोधवाद्यम, अंतर्याय 20-के माध्यम पारम् ॥५८  
है, वही बर्थ हाला ओ उस बोधवाय में लिखा  
दया है।

### अमृसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं. 37-ई/9104/84-85 और  
जो अक्टूबर 1984 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण  
अर्जन रेज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

प्रनिल कुमार  
सक्षम भाविकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, पूना

तारीख: 30-4-1985

मोहर:

प्रस्तुत वाइरेस, दी. एवं, दहल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, प्रतिकार सदन, 60/6, पेराडावाने पुना-4

पुना, दिनांक 30 अप्रैल 1985

निदेश सं. 37-ईई/9101/84-85—अतः मुझे,  
अनिल कुमार,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं. 1/21, घाट नं. 82/7, कल्याण है, तथा  
जो कलवन में स्थित है (और इसमें उपावद्व अनुभूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख अक्टूबर, 1984

हाँ पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के इश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का  
दब्बा प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अतरकों) और अतरिती  
(अतरितियों) के बीच एस अतरण के लिए तथा पादा गया प्रति-  
कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अतरण लिखित वास्तविक  
रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अतरण से हुए किसी वाय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के लायीज कर देने के बलारक हे वायित्य  
में क्षमी करने वा उससे वयस्ते भें सुनिधा के लिए;  
धर्म/ला

(ख) उसी किसी वाय या किसी धन या अन्य आमस्तयों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27), के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संभव;  
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, गर्थात् :—

1. मेसर्स रेणुका विलडस, पोस्ट कल्याण तहू उद्दासनगर  
जिला धाना।

(अन्तरक),  
2. श्री देवेन्द्र महादेव लंगजी, 336, जो० एस० रोड  
ठानुराधार, बम्बई-2।

(अन्तरिती)

यह सूचना आरी करके पूछा जाता समात्त के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्बन्ध के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वापर :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित्व द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त सम्बन्धी व्यक्तियों द्वारा  
बहु बहु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षणात्मकी को  
पास दिलाई में किए जा सकते;

**प्रबलीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अन्तर्गत '0' वा 'एकाधिक'  
हैं, वही अर्थ हासा जो इस अध्यय में दिया  
रखा है।

मनसुखी

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र. 37-ईई/9101/84-85 जो  
अक्टूबर 84 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन  
रेज, पुना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, पुना

तारीख: 30-4-1985

मोहर:

**प्रस्तुत कार्यक्रम दृष्टि दल संघर्ष विभाग**

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत  
269-वाे (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, संघवाक आयकर बाध्यकात (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पुना

पुना, दिनांक 29 अप्रैल 1985

निवेदन सं. 37-ई/6966/84-85—प्रन: मुझे, अनित  
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारत 269-वाे अधीन उक्त संघवाक आयकर विभाग को यह विवाद करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विवक्ता उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं. ० प्लैट नं. ११, प्लैट नं. ६४५ और ६४६ सदाशिव पेठ, आर० दी०, कुमठेकर रोड़, पुना है, तथा जो पुना में स्थित है (और इसमें उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कायलिय, संघवाक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का १६) के अधीन, तारीख अक्टूबर 1984

की उचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उच्चतम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाद करने का कारण है कि उच्चतम प्रतिफल सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके उच्चतम प्रतिफल से, ऐसे उच्चतम प्रतिफल का पूर्ण प्रतिष्ठान से अधिक है जो उत्तरक (उत्तरका) और उत्तरिती (उत्तरितियों) के बीच ऐसे उत्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त उत्तरण निम्नलिखित में वालाकृष्ण रूप से कही थी नहीं किया गया है :—

(क) उत्तरण से हूँ जिसी बाद को बाबू, उच्च अधिनियम के अधीन कर देने के उत्तरक के उचित में जिसी रूप से उक्त उत्तरण से सुविधा नहीं है;

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी भूमि या अन्य जास्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या उनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ उत्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिसने में सुविधा नहीं है।

उत्तरण उक्त अधिनियम की भारत 269-वाे के उत्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की भारत 269-वाे की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हर्गिवजय प्रक्षार जोगी, मानक मेसर्वे पृष्ठ ० पी० जोगी और रुदानी ६७४, मरांशिव पेठ, पुना-३०।

(प्रन्तरक)

2. श्रीमती जयश्री जतार्देव मुख्ये "मातृकुमा", ब्लॉक नं. २०, ९६२, मरांशिव पेठ, नागनाथ पार, पुणे-पुणे-३०।

(अन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित कार्यनालियों करता हूँ।

उच्चत सम्पत्ति के उचित के सम्बन्ध में कोई भी विवाद नहीं।

(क) इस उच्चता के उच्चपत्र में प्रकाशन की तारीख तेरे ४५ दिन की अवधि वा तस्मान्वन्धि व्यक्तियों द्वारा उच्चता की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी अवधि वाले में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस उच्चता के उच्चपत्र में प्रकाशन की तारीख तेरे ४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृष्टि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्षणांकन :—इसमें प्रयुक्त उच्चता और पक्के का, जो उक्त अधिनियम के अन्याय २०-क में पौरीभाँधत है, वही वर्ण द्वारा, जो उत्त अन्याय में दिया दिया है।

सुविधा

जैसा कि रजिस्ट्रीकूल नं. ३७-ई/6966/84-85 अक्टूबर 1984 को महायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेज, पुना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनित कुमार  
मक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, पुना

तारीख : 29-4-1985

माहर

प्रस्तुत वाइ. टॉ. एस. -----

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### मारत बरकार

कार्यालय सन्दायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, बंगलूरु

बंगलूरु, दिनांक 9 अग्रेन 1985

निदेश मा० 902/84-85-अतः भुजे अ.रा० भारद्वाज  
सहायक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया गया है), को  
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिम्बी ना० 139 है, तथा जो गुलबर्गा में भित्ति है  
(और जिम्बे उपावड़ अन्तर्गती में और पुर्ण रूप में वर्णित है  
रजिस्ट्रीकॉर्ट अधिकारी के कार्यालय, गुलबर्गा में रजिस्ट्रीकॉर्ट  
अधिनियम 1908 (1908 व 16') के अधीन नारीख  
22-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप में कार्यत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से है इसी किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन करदाने के बन्दरख वं  
दायित्व में कमी करने या उससे हानि में सुदृढ़ि  
को नहीं और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगान्वय अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए या, जिसमें में सूचित  
के बिंदु।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) अजितकुमार, वाप शिवलाल महता,
- (2) उदय ग्री. वाप शिवलाल महता,
- (3) मर्जीवकुमार, वाप शिवलाल महता।  
ग जीपुर, गुलबर्गा।

(अन्तरक)

- (2) अ.वर्गनिवान  
दौ०, महामाद अन्नग्रनिवान।  
मकान नं० 1/125,  
स्टेफन रोड बाजार, गुलबर्गा।

(अन्नग्रीनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यकारिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वास्तव —

(क) इस सूचना ह राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन को अवधि या तत्त्वमन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
नियुक्त न किया जा सकें।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो इसके  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

मृत्यु

(दस्तावेज नं० 1600, नारीख 22-9-1984)  
जो मम्पी आशिकाज, गुलबर्गा में है, इसका मृत्युपीत  
नं० 3-139 है और इसका श्वे० 18181 वर्ग फोट है।

आरा० भारद्वाज  
मकान प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, बंगलूरु

दाताका० 9-4-1985

माहूर :

प्रस्तुत वाइ.टी.एव.एच. ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूरु

बंगलूरु, दिनांक 9 अप्रैल 1985

निर्देश सं० 903/84-85-अत मुझे आरा० भारद्वाज  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसके सं० 18 है, तथा जो छावणीरे में स्थित हैं  
(और इसमें उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं)  
रजिस्ट्रीर्ड अधिकारी के कार्यालय शावणीरे में रजिस्ट्री-  
रेण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 12-9-1984

का पूर्वान्तर संपत्ति के उत्तरात् बाजार मूल्य से कम के इस्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वान्तर संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से एंटे इस्यमान प्रतिफल के  
एन्डह प्रतिशत से अधिक है वारे अन्तरक (अन्तरकों) और  
बन्तारिती (बन्तारितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तथ  
पाया गया अंतरफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक है से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी वाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दिनके अन्तरक के शायित्व  
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
बार/मा

(ब) ऐसी किसी वाय या किसी भन या अन्य जास्तियों  
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तारिती द्वारा प्रकट नहीं किया भया  
या किया जाना चाहिए था, इफले में सुविधा  
के लिए;

अतः वड उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, उगत अधिनियम की धारा 269-ब की उपचारा (1)  
के अध्ययन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्तमान :—

(1) मन्त्रिया कुम्हवन्ना गडगीमठ

2. श्री विश्वमनाथ ब्राह्म मन्त्रिया गडगीमठ

3. श्री शतमुन्नप्पा बाप, मन्त्रिया गडगीमठ

4. मुरुंगा ब्राह्म मन्त्रिया गडगीमठ :

मिडिल फ्लाम बालानी दावणगेरगी।

(अन्तरक)

(2) ए० काटेप्पा, ब्राह्म अधानूर चन्नप्पा।

चोथा बांड छठा, डिवीजन,

दावणगेरी (सिटी)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वान्तर संपत्ति के वर्जन के सिव  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त समस्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप 2—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते०  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पद  
मूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद ये समात होती है, के भीतर पूर्वान्तर  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर समस्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्थाविकरण:**—इसमें प्रदूषित स्थलों वैर पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही वर्ध होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## मन्त्रिया

(इस्तावेज सं० 3275 तारीख 12-9-1984)

बंगला विजयलक्ष्मी शेठ शेठ नं० 18 है, इसका  
धोवफल 12'x4' है।

आरा० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलूरु

दिनांक 9-4-1985

मोदर :

प्रस्तुत बाटौँ, दी. पर. एवं अधिनियम

भारत अधिनियम 1961 (1961 का 43) की  
भाग 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

**कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीकण)**

अर्जन रेंज, बगलूर

बगलूर, दिनांक 9 अप्रैल 1985

निधि सं. 904/84-85-अन मुझे आरो भारद्वाज  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (इसमें इसमें  
सूचके पश्चात् 'बहुत अधिनियम' कहा याहा है), की भाग  
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी द्वारे यह विश्वास करने का  
प्राप्त है कि स्थावर संपत्ति, विसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिनकी सं. 200/1 हैं तथा जो बेलगाव में स्थित हैं  
(और इनमें उपांग अनुभूति से और पूर्ण रूप से वर्णित हैं)  
रजिस्ट्रीटरी अधिकारी के द्वारा लिखित वेरिगेशन में रजिस्ट्रेशन रण  
अधिनियम 1908 (1908 - 16) के अधीन तारीख  
26-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान प्रतिफल वे लिए बन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि दस्यमान प्रतिफल संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का अन्तर प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (बंदरकां) और बन्तरिती (बन्तरिताओं) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिकर्त्ता ने उसके अन्तरक नहीं किया गया है।

(क) बन्तरक से हुएँ किसी आय की बाबत, उसके अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में किसी करने या उसके बजाएँ एवं ८० रुपयों के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य वासिताओं का, जिसके भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसके अधिनियम, या भवकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रक्रियानुरूप बन्तरिती इकारा प्रकट नहीं किया गया तथा किया जाना चाहिए तथा जिसने भौतिक रूप से किया गया है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भाग 269-ए के, अन्तरक से, मैं, उक्त अधिनियम की भाग 269-ए की उपभाव (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत्त :—

(1) श्रीमता श्रुतनाथ भास्ती यादव,  
निवासी 1228, कातवाळे गलो,  
बेलगाव।

(अन्तरक)

(2) श्री शताराम दामोदर बेंडकर,  
कोरे गली, शहापुर,  
बेलगाव।

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्बर के स्वतंत्र वै स्टैट भी बालेंग २०-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों द्वारा  
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों द्वारा से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीक से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
प्रिंटिंग में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होग जो उस अध्याय में दिया गया है।

विद्युत

(दसनावें सं. 2375 तारीख 26-9-84)  
मुली जगह, तोंद्रवाडी, बेलगाव में है, उक्त  
आरो ग्रा. नं. 220/1 है, फ्लैट नं. 74 और क्लॉफ्ट  
5124 वर्ग फ्लैट है।

आरो भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीकण)  
अर्जन रेंज, बगलूर

दिनांक 9-4-1985

माहर :

प्रस्तुत वाई.टी.एन.एस., -----

ब्राह्मण अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भाउत लरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बाजार (निरीक्षण)  
ग्रांजन रेज, बंगलूरु

बंगलूरु, दिनांक 9 अप्रैल 1985

निर्देश सं. 905/84-85-अतः मुझे आरो  
भारद्वाज  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस हमने  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 3 है तथा जो दावणगेरे में स्थित है  
और इसमें उपाध्य अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है  
रजिस्ट्रीर्ड अधिकारी के वायलिंग दाणवणगेरे में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम 1908 (1908 ए 16) के अधीन नारीय  
13-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति से उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और  
मुझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथाद्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इष्यमान प्रतिफल से, ऐसे इष्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अतारिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कीभत नहीं किया गया है ।

(क) अन्तरण से हुई किसी धारा की वालत उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक के वायित्व में  
किसी करने या उससे बचने वाले सुविधा के लिए लाइ/वा

(ख) ऐसी किसी धारा या किसी धन या धन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किस धारा वाले था, जिसमें में सुविधा  
नहीं दिया गया

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अधीत ८—

- (1) 1. मुलोचना सम्पाद कुपासद
- 2. राजकुमार कुपासद,
- 3. नटराज कुपासद
- 4. मल्ली भार्जन कुपासद } मैनर गार्जियन धारा
- 5. बस्वराज कुपासद } श्रीमती मुलोचना
- 6. महांतर कुपासद } संगपा कुपासद
- 7. श्रीमती राजेश्वरी शंकरराणा

जी० पी० ओ० प्राण श्रीमती मुलोचना कुपासद,  
बंगलूरु

(अन्तरक)

- (2) थी० प० ए० वीरला  
दाव अधनी शेता वीरपा,  
ए० ए० सी० ब्लाक B 'बी'  
डॉर सं० 2877, दावणगेरे ।

(अन्तरकी)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के नियम  
कार्यवाही करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर सूचना  
की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
अविक्तियों में दो किसी अविक्त द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य अविक्त द्वारा अवोहस्ताकारी या  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वाक्षरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और शब्दों का, जो उक्त अधिनियम के अधार 20-व में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अधार 20-व में दिया गया है ।

अनुसूची

(दस्तावेज सं. 3236 तारीख 13-9-1984)

चुना जगह ए० सी० मी० ब्लाक नं० 'ए' दावणगेरे  
सीही में है । इसका थोक 95'/142' है ।

आरो भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर बाजार (निरीक्षण)  
ग्रांजन रेज, बंगलूरु

दिनांक 9-4-1985

मोहर :

प्रध्न आहू. टी. एन. एस

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

### सारत सूचना

आयोग, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 9 अप्रैल 1985

निदेश सं 906/84-85—अत. मुझे आर० भारद्वाज  
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं 612 है तथा जो दावणगेरे में स्थित है (और  
इसमें उपावद्ध अनुमूल्य में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजि-  
स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दावणगेरे में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
17-9-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्ट्यान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करता है।

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्ट्यान  
मान प्रतिफल से, ऐसे दृष्ट्यान प्रतिफल का पञ्चव प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम से अधीन कर देने के अन्तरक और  
अधिकारी में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तयों  
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ८—

(1) बीकीकट्टी एच० चौडपा, बाप बी०  
हनुमन्तपा, आर०/ओ० उवाँ वाड बीनोभा  
नगर हाउर्टिंग क्वार्ट्स दावणगेरे। (अन्तरक)

(2) चन्द्रशेखरपा, बाप लेट सीवपा उपित  
2 इश्वरपा बाप लेट सीवपा उपित  
3. चन्द्रपा बाप लेट सीवपा उपित  
1वाँ कायीपेठ दावणगेरे।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आकोप नहीं।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरनी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबृप्त  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा बधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टोकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क वर्ते परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुमति

(दस्तावेज सं 3368 तारीख 17-9-85)

एक बंगला फस्ट डिवीजन काइपेठ दावणगेरे में है।  
इसका मुनिसिपल नं ० 612 और क्षेत्र 2125 वर्ग फीट  
(135' × 151') १३ है।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, बंगलूर

दिनांक : 9-4-1985

मोहर :

प्रकाश नाइट्रोफिल, एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का  
भाय 269-प (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूरु

बंगलूरु, दिनांक 9 अप्रैल 1985

निदेश सं० 907/84-85—अन्तः मुझे आर० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धाय  
269-प के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० 3332/3248 है नथा जो भद्रावली में स्थित  
है (और इससे उपाध्य अनुसूची में और पूर्ण स्वप्न में वर्णित  
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भद्रावली में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीय

5-12-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पेंड्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पासी गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्वप्न से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी बाय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक वैधिकता में कमी करने या उससे बदलने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बाय का किसी भन मा कन्य आस्तीनों को, जिन्हें भौतिक बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती दृश्य प्रकृत नहीं किया गया या यह किया जाना चाहिए था, जिसने में सुविधा के लिए;

उक्त अधिनियम की भाय 269-प के अन्तरक में, मैं उक्त अधिनियम की भाय 269-प की उपभाय (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णात् ॥—

(1) श्री के० टी० लोकनाथन,  
बाप लेट तगवेलु,  
निवासी डोर सं० 621डी, हुड्को कालीनी  
भद्रावली ।

(अन्तरक)

(2) दी० श्री० पी० गनेश बाप जी० पूडलीक  
के० श्री० शारदा क्लीनिक और नेबोगेट्रोज,  
के० जे० जे० नगर, बडावणे, दावणगेरे ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए कार्यालयां शुरू करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्षियाँ पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भूमि अधिक बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियाँ भूमि से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य अविक्षित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात्र लिखित भूमि किए जा सकें ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्त हैं, वही अर्थ सूचा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 494 तारीख 5-12-1984)

बगला वी एच० रोड भद्रावली दाउन में है । इसका  
खाता सं० 3333 है और क्षेत्र 121½'X 95½' है।

आर० भारद्वाज  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलूरु

दिनांक : 9-4-1985

माझे ॥

प्रस्तुप आइं, टी., एन्. प्रस्. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत वृहद्काउ  
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलूर  
बंगलूर, दिनांक 15 अप्रैल 1985

निवेश सं० आर० 1614, 37ई, 84-85— अतः मुझे  
आर० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे 'इसमें  
उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा दिया है), की धारा  
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० आर० एम० 607 है तथा जो होमवेहु पंचायत  
होसवेहु विलेज मंगलूर तालुक में स्थित है और इसमें  
उपाध्य अनुसूची में और पूर्ण स्वा में वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 15-4-84  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के लघुमान  
प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूल्य से यह विवास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके लघुमान प्रतिफल से, ऐसे लघुमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और वंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
पासवाक रूप में कथित नहीं किया था है ।—

(1) मेसर्स सर्वेन ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड  
नं० 19/2, कर्णागढ़ाम क्रेमेंट रोड,  
बंगलूर-560001

(अन्तरक)

(2) मेसर्स अमाफा आफसेट, पिटस प्रा० लि०  
214/33 VII मैन वृहस्तनगर  
बंगलूर-560052

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए  
कार्यवाहीयों करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तव :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
वर्ती बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृष्ट  
कियी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाछ  
लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है ।

(क) अंतरण से है किसी बाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे उक्त में सुविधा  
के लिए; और/या

अनुसूची

(ब) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वासियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाता आहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

(दस्तावेज सं० 1384/85-86 तारीख 15-4-1985)

सम्पत्ति है जिसका सं० आर० एस० नं० 60-7 जो  
होसवेहु पंचायत होमवेहु विलेज मंगलूर तालुक, सौन केनरा  
में स्थित है ।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलूर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ५—

दिनांक: 15-4-1985

मोहुड़ ५

प्रकृष्ट वाहै.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूरु

बैंगलूरु, दिनांक 11 अप्रैल 1985

निवेश मं० नं० 801/84-85—अन्तः भूमि, आरा०

भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिमकी सं० मर्वे नं० 20/1 तथा जो कारकिम विलेज  
गोवा में स्थित है (यांत्र इसमें उपावड अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
इलहाबाद, गोवा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन तारीख 15-8-1984

को प्रवृक्षत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय यथा गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
प्रास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(अ) अन्तरण से हुए किसी आय की वावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दर्ते के बनाए के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियों  
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना आहिए था, जिसमें में सुविधा  
के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की आय 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अस्ति :—

12—86GII[85]

(1) श्री डोन्निनीमजोग किंग्स्टो,  
चलेम फनन्डीन और उभकी पत्नी,  
धीमती अना नंवेरिना फनन्डीन,  
यामोन व्राड कोडोलिम वार्डेज, गोवा।

(अन्तरिक)

(2) श्री मनकियाम गविल ई  
डी० मेर्नाजिग एच नं० 304,  
गोवानकार कार वाङ्गुलेहिम इलहास, गोवा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके प्रवृक्षत सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सुनान की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवृक्षत  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्षयारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकड़  
किसी वन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
निवित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अन्तर्गत

(दस्तावेज सं० 764/201तारीख 15-9-1984)

मैं संपत्ति है जिसका 1 आंदर नापना 729-25 म्कवेयर  
मीटर्स, जो "चौबी ओडिटरल नाम से परिचित है, मर्वे नं०  
20/1 नं० है, जो इला पारिश आफ मैट लूसिया ग्राम पंचायत  
आफ कोग्लिम विनेज तिम्बवाडी तालूक, मध्य डिस्ट्रिक्ट आफ  
इलहास, गोवा में स्थित है।

आरा० भारद्वाज

मन्त्रम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूरु

दिनांक : 11-4-1985

मोहर :

प्रधान माइंट.टी.एस.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा  
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूरु

बंगलूरु, दिनांक 11 अप्रैल 1985

निवेद नं. आर 358/37ई/84-85—अतः मुझे  
आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विस्तृत इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ष के अधीन तथा आधिकारी वो यह विवरण करने का  
कारण है कि स्थावर तंत्रित, वितका विवित नामार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 15 सर्वे नं. 3ए है तथा जो माक्षमा  
बारडेज, गोवा में स्थित है (और इसमें जापावढ अनुसूची  
में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी [के  
के कार्यालय बंगलूरु में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन तारीख 24-9-1984

को पूर्णीकृत संपत्ति के उचित आजार भूत्य से कल के अवधान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और यह विवरण करने  
का कारण है कि यथापूर्णीकृत संपत्ति का उचित आजार भूत्य,  
उसके अवधान प्रतिफल से, एवं अवधान प्रतिफल का पूर्ण  
प्रतिवर्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) बोइ अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब याता या  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कियिते, में  
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया जाता है:—

(क) अन्तरण से हृदय किसी आद की वापत, उक्त  
अधिनियम के वर्तीन कर देने के अन्तरक के  
दावावार में कभी कहने या उक्त वर्तीन से हुक्मादा  
के लिए; और/या

(क) एसी किसी आद या किसी भन या अन्य जास्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगवार्ष अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा  
के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ष के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
मोहर :

(1) श्री जोसेफ मैकियल परेरा,  
मियोनिम, बारडेज, गोवा।

(अन्तरक)

(2) श्री रजनीकान्त रामा बायकर,  
सलवडर डी मुन्डी, बारडेज,  
गोवा।

'अन्तरिती'

को यह सूचना आरी करके पूर्णीकृत सम्पत्ति के अर्दन के लिए  
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्दन के संबंध में कोई भी आवेदन है—

(क) इस सूचना के उत्तराधि में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्समानी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
वर्तीय बाद ने समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णीकृत  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के उत्तराधि में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धम  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकरी के पास  
लिपित में किए जा सकेंगे।

**स्थावीकरण:**—इसमें प्रमुख शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही वर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

**मानसूची**

(इस्तम्बेज नं. 1250/84-85 तारीख 24-9-1984)

फ्लाट नं. 15, जिसका नापना 390 स्कवेयर फीटसे  
है, कोमो मोडो नाम से परिचित है, जो टाउन आफ माक्सा  
सब डिस्ट्रिक्ट आफ बारडेज तालुक सर्वे नं. 3ए, गोवा  
डिस्ट्रिक्ट में स्थित है।

आर० भारद्वाज

मक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूरु

दिनांक : 11-4-1985

मोहर :

प्रकृष्ट भाईं दी. एन. एच. ——

**उच्चकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की**  
**भारा 269-व (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 11 अप्रैल 1985

निवेश सं० आर० 1591/37ईई/84-85—अत. मुझे,  
आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उच्चकर अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवादास कस्ते  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० ८९ ५ फ्लॉर है तथा जो 28  
सप्ताही रोड़, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपावढ अनुसूची  
में श्रौर पूर्ण मूल्य से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन तारीख 23-2-1985

के पूर्वांक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इव्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विवादास  
करने का कारण है कि यथापूर्वांक सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इव्यमान प्रतिफल से ऐसे इव्यमान प्रतिफल का  
पूर्वांक से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया  
जाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दरश से उक्त अन्तरण लिखित  
वे कास्तिक रूप से कठित नहीं किया जाया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी भाव की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उक्त से बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी भन या जन्म जास्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग-  
नार्थ बल्सिती इवाह प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना आविहए था, जिसने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम भी भारा 269-व के अन्तरक  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-वी की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मसर्स राजेश इन्टरप्रासस,  
मेनेजिंग डायरेक्टर श्री एल श्रीचन्द्र,  
834, प्लाट रोड़ मद्रास-600002

(अन्तरक)

(2) अब्दुल नाजिर ,  
और श्री अब्दुल कालिक  
नं० 11, आडी रोड़, शांतीनगर,  
बंगलूर-27

अन्तरिती

को यह सूचना पारी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्येप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि वाले में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांक  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा बधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

**लघुवृक्षण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वाचों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-व में परिभाषित  
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
जाया है ।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1377/84-85 तारीख 32-2-85)

सम्पत्ति है जिसका सं० ९ फ्लॉर, में प्लाट नं० सी  
जो "गालक लिंक" अपार्टमेंट्स नं० २८ सप्ता की रोड़ बंगलूर,  
में स्थित है ।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, बंगलूर

दिनांक : 11-4-1985

मोहर :

प्रध्य. बाई. टी. एन. एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भाग 269-घ (1) के वधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बगलूर

बगलूर, दिनांक 29 अप्रैल 1985

निवेदा सं 61/इसतम्बर/84 /रेज-2--अत मुझे, श्रीमती  
एम० सामुद्रेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के वधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
श्रीर जिनकी मं० आम० एम० नं० 4266/2, हैं तथा जा  
मलापुर में स्थित हैं (श्रीर इसने उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रेशन अधिकारी के वार्यालय,  
मद्रास सेट्रल लेन्ड नं० 889/84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन तामीख मिनम्बर  
1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का  
न्यून प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक्ष) और अंत-  
रिती (अन्तरितीय) के बीच एस अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हर्दौ किसी भाव की बावजूद, उक्त  
अधिनियम के वधीन कर देने के अन्तरक के  
वायिक्षण में कभी कठुने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; बाई/गा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या वन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
पनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहा था, छपान में  
सुविधा के लिए.

बह: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, घू. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभाय (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) श्री एस० पी० एम० एस० पिच्चाण,

(अन्तरक)

(2) श्री वी० जै० लक्ष्मन,

(प्रतीक्षी)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित के द्वय  
कार्यालयां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के उचित के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के  
पात्र लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क मा परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि —माम० एम० नं० 4266/2, मलापुर, मद्रास  
सेट्रल लेन्ड नं० 889/84।

एम० सामुद्रेल  
मद्रास प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-2, मद्रास

दिनांक . 29-4-1985

माहर .

प्रकृष्ट श. आर्द्ध. एस. एस. -----

(1) अकिला बालन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्री वी. के. अशोक

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 अप्रैल 1995

निर्देश सं० 8/सितम्बर 84/रेज-2—अतः मुझे, श्रीमती  
एम० सामुद्रेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसको म० भूमि प्लाट न० 18, मर्व न० 6144  
पालवक्कम गाव है तथा जो शाश्वपेट तालूक में स्थित है  
(आंतर इम० उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मद्रास सेंट्रल लेख सं०  
907/84 में राजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का  
16) के अदान तारीख सितम्बर 1984

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है

और अंतरक (अंतरको) आंडे अंतरिती (अंतरितियों) के  
बीच इसे अस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उल्लेख से उक्त अस्तरण सिविल में वास्तविक रूप से की गयी  
ही की गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के कल्पक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन मा अन्य जास्तियों  
में, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः वब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, भूमि सहायक आयुक्त (निरीक्षण)  
के अधीन, निम्नलिखित घोषणा, अधिकृत :—

मैं यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में अहं ही जाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अन्धि के बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितदाता  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि :—प्लाट न० 18 मर्व न० 6144, पालवक्कम  
गाव शाश्वपेट तालूक मद्रास, सेंट्रल लेख सं० 907/84।

एम० सामुद्रेन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-2, मद्रास

दिनांक : 29-4-1985

मोहर :

प्रकाश बाहर, टी, पन्, एस.-----  
भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

(1) श्री पी० प्रभाकर और अन्य।

(अन्तरक)

(2) श्री ए० राजामणि।

(अन्तरित)

## वारद उत्तराङ्क

कार्यालय, संशोधक भाष्यकर बाबूजी (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 अप्रैल 1985

निदेश स० 10/सितम्बर 84/रेंज-2-- न मुझे,  
श्रीमती एम० सामुवेल,

भाष्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से ऊपरीक है

और जिसकी म० 7 उत्तर गोपालपुरम 1 स्ट्रीट, है तथा जो  
मद्रास-86 में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में  
और पूण रुप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्टी अधिकारी के कार्यालय  
मद्रास मेट्रो लोख स० 978/84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1985  
की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विवास  
करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उक्ते दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पावा या  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
हैं वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ॥

(क) अन्तरण से हटाई किसी बाब की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर हने के अन्तरक के  
दृश्यमान में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ल) एसी किसी बाब या किसी भन या अन्य बासिनी  
को, किन्तु भारतीय भाष्यकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना आदि था, कियाने में  
सुविधा के लिए;

बत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित ॥

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यशालियों करता हूँ।

उक्त सूचित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येः—

(क) इस सूचना के उचित प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी वन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परि-  
भावित हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि और मकान .—१, नार्थ गोपालपुरम 1 स्ट्रीट  
मद्रास-86, मद्रास मेट्रो लोख स० 978/84

एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
महायक भाष्यकर भाष्यकर अधिनियम  
अर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक 29-4-1995  
मोहर ॥

प्रस्तुति शाहौदी एवं एस. ——————

(1) श्री आर० जयराम न।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ए(1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती एम० पावर्ती अम्माल।

(अन्तरिती)

३. भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अंजन रोड-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 अप्रैल 1995

निदेश सं० 58 मितम्बर 84/रेज/2—अतः मृगे श्रीमती एम० मामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 5, १म्ट लूप स्ट्रीट मद्रेलिप्पाक्कम मद्रास-28 है तथा जो आर० एम० नं० 4131 में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मलापुर लेख मं० 1225/4 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रखमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृगे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रखमान प्रतिफल से, ऐसे रखमान प्रतिफल का पूर्ण प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे व्यवरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण वे हर किसी आय की वादा, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दाविद्य में कमी करने या उससे बढ़ने में मूलिका के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, जिसने में संविधा वै लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्तरण में, यौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जैसौं—

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाह्य करता है।

सबसे उपरित्त के अर्जन के संबंध में कोइं भी वापर :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी अविक्षयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षयों में से किसी अविक्षय द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृष्टि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकें।

**राजीकरण :**—इसमें प्रदत्त काव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अन्याय 20-क में परिभाषित है, वहाँ अर्थ होगा, जो उस अन्याय में दिया गया है।

**मामुवेल**

भूमि और मकान :—डोर नं० 5, फस्ट लूप स्ट्रीट,  
मद्रेलिप्पाक्कम, मद्रास-28, मलापुर, लेख मं० 1225/84

एम० मामुवेल

मद्रास प्राधिकारी

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अंजन रोड-2, मद्रास

दिनांक : 29-4-1985

मोहर :

प्रह्ल. बाहौ. टी. एन. एस. —————

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
ए। 269-प्र 1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, साहायक बायकर बायकर (निरीक्षण)  
अजून रेज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 अप्रैल 1985,

निकेश मं० 59/मिनस्वर 84/रेज-2—अतः मृझे, श्रीमती  
एम० सामुवेल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-प्र के अधीन संक्षेप प्राधिकारी की, यह विवास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 21, नरसिंहपुरम सवा कालोनी है तथा  
जो मद्रास-4 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
मलापुर नेब सं० 1257/84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख सितम्बर 1985  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अवधारण  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विवास  
करने का बारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का  
पूर्वह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (बंतरक) और अंतरिती  
(बन्तीरात्ती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
प्राप्तिवक्त रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण के दूर्दृष्टि की दृष्टि, उक्त  
अधिनियम की वाली कर देने के अवधारण  
वादितम दृष्टि करने वा उक्त उद्देश्य में दृष्टिका  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकृत नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था किपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-प्र के अन्तरण  
में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-प्र की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिति:—

(1) श्री ए० आर० कुण्ठन,  
ए० आर० शान्तिवामन,  
श्री ए० आर० गोपाल,  
श्री ए० आर० वश्वाराजन।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० एम० नव्यर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वापरेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बूझ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पात्र लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थावरकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदा का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित  
हैं, वहाँ अर्थ द्वागा, जो उग्र अध्याय में दिया  
गया है।

मद्रास

भूमि और मकान -- 21, नरसिंहपुरम सवा कालोनी,  
मद्रास-4, आर० एम० न० 358/1, मलापुर, नेब स०  
1257/84।

एम० सामुवेल  
नरसिंहपुरम प्राधिकारी  
भारतीय बायकर बायकर (निरीक्षण)  
अजून रेज-2, मद्रास

दिनांक 29-4-1985

मंहूर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

(1) नं. १८० राजपत्र घोर रामराजन।

(अंतरक)

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

(2) नं. १८० जगदीशन।

(अन.स्त्री)

‘भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयलर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, मद्रास  
मद्रास, दिनांक 29 अप्रैल 1985

मादेश म. ६२/भारत ४५/रेज-II—गत, मझे श्रीमती  
एम० नामुवेना,  
आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विष्वास करने का  
कारण है कि स्थायर समाजि, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

ओर जिग्नी म. ए० ए० न० 2561 है तथा जो  
मैलापुर गांव में स्थान है (ओर इस उपायद्वय अनुमूली में  
ओर पुणे रूप में उल्लिखित है) भजिस्टी ना. अधिकारी के  
उत्तराधिकारी, मैलापुर—नेव म. 1282/४ में रजिस्ट्रीबरर  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन

भारत 1984

का प्रतिक्रिया सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विष्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंडह प्रतिशत से आधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-  
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप में कठित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हटाई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
आंदोलन

(ख) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आधिकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्योजनार्थ  
अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

उत्त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधर्ति :—

13-86GJ85

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षय

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
को हामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
द्वाद से समाप्त होती है, के अंतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45  
दिन के भीलर स्थावर सम्पत्ति में जितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों आंदोलन का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

to

**मन्त्री**

मन्त्री श्री वल्लभ पटेल —मैलापुर गांव, आरो एम० न०  
2561, मैलापुर—नेव म. 1282/४।

एम० वामुवेन  
सक्षम प्रांधीतरी  
सहायक आयकर अयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, मद्रास

दिनांक 29-4-1985

गोप्य

संसद मार्ग, टी. एस. पटे 1985-1986

1. श्री एस० रामचन्द्रन ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती रेवती रामकृष्णन ।

(अन्तर्की)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आवृक्ष (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास दिनांक 29 अप्रैल 1985

निदेश सं० 64/सितम्बर/84/रेज-II—अतः मुझे, श्रीम ती  
एम० सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'द्वितीय अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
व के अधीन सभी शास्त्रीयकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000  
रु. है अधिक है

और जिसकी सं० 484, मंदवेली, मैलापुर है, जो मद्रास में  
स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पृष्ठ रूप से  
बर्णित है), राजस्त्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय; मैलापुर  
लेख सं० 13/8/84 में भारतीय राजस्त्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मितम्बर 84  
को पूर्वावृत्ति सम्पोत के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि शास्त्रीयकर सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से ऐसे द्वयमान प्रतिफल का  
मूल्य प्रतिफल से अधिक है और अंतर (अंतरकों) और अंतरिक्षी  
(अंतरीतकों) के बीच दोनों अंतरक ले लिए तब ज्ञात गया गठि-  
का नियमितिह सुनिश्चित है क्योंकि दोनों अंतरक विविध में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है है—

को यह सूचना आरी करके पूर्वावृत्ति संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया शूल करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोइ भी वास्तेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की दासील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वावृत्ति  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के, पास  
लिखित में लिए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

(ए) कलाइय है हाई रिक्वी आय की आवश्यकता अवधि-  
नियम के अधीन कर देने के गंतव्यक के दायित्व में  
कासी करने दा दम्भा वचन में सुविधा के निए  
वीक्षण/पा

अनुसूची

भूमि और मकान 484, मंदवेली मैलापुर—मैलापुर  
लेख सं० 1318/84।

श्रीमती एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, मद्रास

अतः वडा, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभाषा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकारी

तारीख: 29-4-1985

माहूर १

प्रमुख आई.डी.एस.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

1 श्रीमती मालिका रमन  
1 (अन्तरक)  
2 वी. पी. वी. अशवामुदा अम्बगार और ए.  
जगन्नाथन।  
(अन्तरित)

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 अप्रैल 1985

निदेश सं. 72/सितम्बर 84/रेज-2—अतः मुझे, श्रीमती  
एम. सामुयल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ष (1) के अधीन सकाम प्राधिकारी के यह विवास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 11, बख्त बत्तसलम नगर-III स्ट्रीट, अड्यार  
है, जो मद्रास-20 में स्थित है (और इससे उपावद अनुमती  
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, अड्यार लेख सं. 2413/84 में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
एके इयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच एके अन्तरण  
के लिए तथा पाणी गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
इकता अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया  
गया है ॥—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के  
वायिक्षण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) एकी किसी आय या किसी भन या वस्त्र वासियों  
को, जिहे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपचारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, जर्हतुः :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि के बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिहित में किए जा सकते।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित  
हैं, वही वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

मुमुक्षु

भूमि और मकान—सं. 11, बख्त बत्तसलम नगर-III स्ट्रीट  
अड्यार, मद्रास -20 टी० एस० न० 46, अड्यार (लेख  
सं. 2413/84)

एम. सामुयल  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-2, मद्रास

दिनांक 29-4-1985

माहौल ॥

प्रधान वाहन, डॉ. इ. एस. ——————

शासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

## भारत वाहन

आर्थिक, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक 29 अप्रैल, 1985

मिशन सं. 77 सितम्बर 81/रेंज-2—प्रता: मुझे श्रीमती  
एम० सामुद्र,  
शासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें  
इसके पश्चात् 'उद्धर अधिनियम' कहा गया है), जो दाय 269-  
व के अधीन सक्षम प्राधिकारी के, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है।

और जिसकी सं. 102, है तथा जो लारिस विज रोड  
अड्यार है तथा जो मद्रास-20 में स्थित है (और इससे  
उपाध्र जनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के दार्यालय अड्यार लेख सं. 2467/84 में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
सारीब सितम्बर 1984

के प्रतीक्षित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे वह विश्वास  
करने का कारण है कि इष्टावाचक संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पवृष्ठ प्रतीक्षित से अधिक है और अंतरक (बन्तरक) और अंतीर्दी  
(बन्तरीर्दी) के बीच एसे अंतरण के लिए तथा पापा गया अंतिन-  
रक निम्नान्वित उद्घोष से उक्त वस्तुरक लिखित है कि वास्तविक  
रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(अ) अन्तरण से हाई किसी बाय की बाबत उक्त अंति-  
नरक और अंतीर्दी कर दने के अन्तरक के दायित्व में  
कियी करने या दम्भु बदने में सुविधा के लिए,  
बड़ि/था

(ब) एंसी किसी बाय या किसी धम 'व' अन्य कालार्कों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर आधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रत्येकनार्थ बन्तार्दी इवाय प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
ने दिया;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नान्वित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती दिवनायिक अलियास बहलमाल।

(अन्तरक)

(2) श्री पी० पी० कुन्हवरन और अन्य

(अलार्टी)

को यह सूचना जारी करके प्रतीक्षित सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यकारी बदला करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्य।—

(क) इष्ट सूचना के उचित वर्णन को तारीख से 45  
दिन की बदलि या उत्तममध्य व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की बदलि, जो भी बदलि  
वाले में समाप्त दोस्ती है, के भौतर प्रतीक्षित  
सम्पत्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(द) इष्ट सूचना के राजपत्र या प्रक्रियन की तारीख से  
45 दिन के भौतर उक्त वाहन संपत्ति में हिल-  
वह किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोन्तस्ताकरी के  
पास लिंगित में जित्ता जा रहा।

**लक्षणोक्तरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्याप्त जा  
अधिनियम के अध्यय 20-व (व) विस्तारित  
है, वही अर्थ है कि उसे अन्याय से दिया  
गया है।

मन्मुखी

मूमि और मकान (-102, लाइस विज रोड अड्यार,  
मद्रास-20, अड्यार लेख सं. 2467/84

एम० सामुद्र  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक : 29-4-1985

मोहर :

प्रश्न आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्रीमती एम. वक्तव्य अस्माल।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प्र (1) के अधीन सूचना

(2) श्री वी. कस्तोरी।

(ग्रन्तीरती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 अप्रैल 1985

निदेश नं. 88 निम्नवर 84, रेंज-2—अन: मुझे, श्रीमती एम. सामुद्रल.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' बता गया है), की धारा 269-प्र के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी यों यह विश्वास करने का कारण है कि रथावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं. 4 टी० पी० काउल स्ट्रीट, है तथा जो मद्रास में स्थित है (आर. इसमें उपाधिक अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) अन्तर्राजीकरी अधिकारी के बायालिय ट्रिप्लिकेन नंबर नं. 598/84 में रजिस्ट्रेक्शन अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1984

के पूर्वांक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिक की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वांक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अक्षरक (अन्तरक) और अंतरिकी (अंतरिकीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा प्राया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस अंतरण लिहित में दास्ताविक रूप से वर्धित नहीं किया गया है :—

कांगे यह सूचना यारी करके पूर्वांक सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोइ भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि के बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देखे के अन्तरक के वायित्व में करने या उससे वचन में संविधा के लिए; और/दा

मृमि

मृमि और मकान:— 41 टी० पी० काउल स्ट्रीट, मद्रास (ट्रिप्लिकेन, नंबर सं. 598/84।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धर या कल्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा के लिए;

एम. सामुद्रल  
सक्षम प्राप्तिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, मद्रास

अन: अर, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-प्र की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अस्ति:—

दिनांक : 29-4-1985

मोहर :

श्रेष्ठ बाई. टी. एन. एस. -----  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

(1) डा० हमीद दुर्सैन।

(अन्तरक)

(2) मंसर्स विजय इण्डिया फस्ट्रॉक्शन्स,  
रिप्रेचर्टिल बाय भी बी० गुणोकरन।

(अन्तर्गती)

भारत राजपत्र

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 अप्रैल 1985

निदेश सं० 128/सितम्बर 1984/रेंज-II—अतः मुझे,  
श्रीमती एम० सामुद्रेल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है, की भारा  
269-व के अधीन सभी प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

जिसकी सं० सर्वे नं० 138/2ए, वेलटयेरी गांव, माम्बलम  
है, जो गिडी तालूक में स्थित है (श्रीरहमसे उपाध्यक्ष अनूसूनी में  
और पूर्ण- रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टी अधिकारी के कार्यालय,  
शैदापेठ लेख सं० 930/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर 1984  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अधिकान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि अथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्यवहार प्रतिफल से, ऐसे व्यवहार प्रतिफल का  
पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निम्नित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(अ) अन्तरण से हृदृष्टि किसी बाय द्वारा उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के द्वारा दायित्व  
में कमी करने या उससे बचन महात्मवधा के लिए;  
और/या

(ब) ऐसी किसी बाय द्वारा किसी धन या अन्य आस्तीनों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
पाराजनाथ अन्तर्गत द्वितीय प्रकट नहीं किया गया  
या या किवा जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैतन के बिए  
कार्यवाहियों शूल करता है।

उक्त सम्पत्ति के अवैतन के सम्बन्ध में कांग्रेस भी बाक्षोद :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यकारण :—इसमें प्रकाश शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-के अन्तर्गत व्यापारी अधिकारी  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान :— 10,226.वर्ग कीट में सर्वे नं० 138/  
2ए वेलटयेरी गांव माम्बलम गिण्ड तालूक शैदापेठ— जे०एस०  
आर०-II लेख सं० 930/84।

एम०सामुद्रेल  
सभी प्राधिकारी  
सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण  
में, भूमि और अधिनियम की भारा 269-व की उपचारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ३—

दिनांक : 29-4-1985

बोहर

संख्या बांध 1 द्वारा पुनर्नियम  
वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
बाल 269-व (1) के अधीन सूचना

## सांख्य वृत्तिकाल

कार्यालय, सहायक आयकर वायुमन्त्र (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 अप्रैल 1985

(1) श्री श्यामजी जगनादास दूर्णिया।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती चन्द्रा अशोक डागा,  
श्री अशोक दामजी डागा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी कारडे पूर्वोक्त सम्पत्ति के 'बंदन' के लिए  
कार्यालयितां करता है।

उपर्युक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तव नहीं

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्त्वबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना को तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाह में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में दो फिसी व्यक्ति द्वारा;(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्धि  
किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकते;स्पष्टीकरण:—इसमें प्रष्टवसा शब्दों और पर्वों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभ्रान्ति  
है, वही वर्त होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।(अ) अंतरण से हुई किसी आय की वापसी, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने वाले अंतरण के  
दायित्व में करनी करते या उससे बचने में सुविधा  
के लिए शोध/वा।

सम्पूर्ण

(घ) ऐसी किसी आय या किसी भव या अन्य आविष्यों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्यकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोधनार्थ  
अंतरिक्षीय इवारा प्रकट नहीं किया जाता या या किया  
जाना आविष्य या लिपाने वाले सुविधा वाले विषय;भूमि और सकान :— पुराना वार्ड नं. 8 तथा वार्ड नं.  
19 टी. एस. नं. 349 आर. एस. पुरम कोयम्बतूर 2, कोयम्बतूर  
लेख सं. 4204/4207/84।ग्रम. सामुद्रेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II मद्रास

दिनांक : 29-4-1985

मोहर :

अतः यह, उक्त अधिनियम की आरा 269-व की अनुसरण  
में, भूमि, उक्त अधिनियम की आरा 269-व की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् १—

प्रकाश बाई, डी.एस.एस. —————

(1) श्री के० नूर मोहम्मद।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

(2) श्री एम० ए० कुडास।

(अस्तरती)

भारत सरकार

कार्यालय, संशोधन आयकर वाद्यालय (नियोजन)

अर्जन रेज— मद्रास

मद्रास 1 दिनांक 29 अप्रैल 1985

गढ़श न० 213/ प्रान्धवर 84/रिज-18—अत मृजे, श्रीमती  
एम० सामूवेल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें  
इसके परिणाम 'ठक्कत अधिनियम' कहा जाता है), जो धारा 269  
वा जीवीन संभव प्राधिकारी को, उस विभाग करने का कारण  
है कि स्थानीय नियोजन अधिकार वापार द्वा  
1,00,000/- रु. से अधिक है।

श्रीर गिरकी स० एम० एक० न० 143, 144 सेट न० 84  
कोयम्बतूर तालूक है, जो उनुप्रवालयम गाव में स्थित है (अंतर  
इनसे उपावद्व अनुसूची में श्रीर पृष्ठ ८४ से चिह्नित है), २५३८१वाँ  
अधिकारी के कारण, कोयम्बतूर लेख न० ३९४६/८४  
में भारतीय रजिस्ट्रीरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, दिनांक १ सत्रवर 1984,

को पूर्वोक्त संघित के उचित वालार वृत्ति से कम के दृष्टिनाम  
प्रतिफल से लिए जन्मरित दो ८० है ८०/२ शूले वह विभाग  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संघित का उचित वालार  
मूल्य, उसके अन्यमान प्रतिफल से, एम्से रख्यमान प्रतिफल का  
पूर्व प्रतिष्ठत न अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरीक्ती  
(अंतरीक्तिर) के दो एम्से अंतरण के लिए तब पावा वया प्रति-  
क्षा नियन्त्रित उपयोग से उक्त जन्मरित लियित में तास  
दिक्षिक वय से कठित नहीं किया जया है—

(१) अंतरण से हूर्दे किसी वाय वा वालार इसके  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक वायित्व  
में कमी करने वा उक्त वय से अंतरीक्तिर के लिए  
जीर्ण/या

(२) ऐसी किसी आय या किसी धन या वन्य वासिताओं  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त संघित, वा धन  
के अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ जन्मरिती व्यावार प्रकल नहीं दिया जाय  
वा वा किसी वाया आहिए वा, छिपावे वा सुधिता  
की लिए।

लक्षण वृष्ट, इसके अधिनियम की धारा 269-प के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प को उपधारा (1)  
के अधीन, नियन्त्रित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को वह सूचना वारी करने पूर्वोक्त संघित के अर्थ  
का अनुसार लिए करना है।

इस संघित के अर्थ के संधर्न में कोइ भी वाक्य :—

(१) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि का अन्तर्गतीय अधिनियम पर  
सूचना की अवधि का 30 दिन की अवधि, जो अंतर  
की अवधि वा अनुप्रवालयम गाव में स्थित हो, वा भारत पूर्वी व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा अधोहम्माधरी के पास  
मिलित वा किए जा सकेंगे।

(२) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि तक वार्ता संघित से हितबद्ध  
किसी वन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्माधरी के पास  
मिलित वा किए जा सकेंगे।

विष्टीकरण —इसमें पाकेन शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-के मर्म व्यापक विभागित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि ——एम० एक० न० 143 वा 144 सेट न० 84  
अनुप्रवालयम गाव कोयम्बतूर तालूक, वायम्बतूर लेख न०  
3946/84।

एम० सामूवेल  
रक्षम प्रधिकारी  
महायन आयकर आयकत (नियोजन)  
अर्जन रेज-11 मद्रास

दिनांक 29-4-1985  
बोहर

प्रस्तुत बाई. टी. एन. एस. ----

(1) श्री पम० ए० काद०

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

(2) श्री के० मैयद हरण रखीद और अन्य

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास दिनांक 29 अप्रैल 1985

निदेश सं० 237/प्रिव्याप्ति 84/रिज-II—अनं मझे, श्रीमती  
एम० सामूवेल,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उच्च अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम ग्राहिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक हैग्राहक जिसकी सं० 19वा वाँ नाम, कामराज रोड, है जो तिरुप्पुर में  
स्थित है (और इसमें उपायद्र श्रन्मूली में और पूर्ण रूप रूप से वर्णित  
है), राजस्त्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तिरुप्पुर लेख  
सं० 1643/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक प्रिव्याप्ति 1984,को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अतिरिक्त की गई है और मूँहे यह विश्वास करने  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अन्तरक) और अंतरिकी  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नालिखित उच्चदृश्य स उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—को यह सूचना आरी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता है।

उच्चन सम्पत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी आधेपे

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या नम्बदेंभी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
वर्किध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा,(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उच्चन स्थावर सम्पत्ति में वित्त-  
वृद्धि किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए गए रक्कमें।स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त सद्दों और पदों का, जो उच्च  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभारित  
हैं, वहाँ अंग नाम रम अधार में दिया  
10 \*(क) अन्तरण द हुई किसी आय की बाबत, उच्चन  
कार्यालय के विवेत कर दने के बत्तरक जौ  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा

## सम्बन्धी

भर्मि और मकान — 19वा वाँ कामराज रोड, पल्लाउम  
तालूक, तिरुप्पुर गाव तिरुप्पुर।  
प्रिव्याप्ति ख सं० 1643/84।(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन वा अन्य आमदारा  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उस्त अधिनियम, 91  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयाजनार्थ अतिरिक्त द्वारा प्रबंध नहा किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, उसपर द सविधा  
के लिए;एम० सामूवेल  
मध्यम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, मद्रासअत अब, उच्चन अधिनियम की धारा 269 व द अन्तरण  
में, उच्चन अधिनियम की धारा 269 प को उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नालिखित व्यक्तियों प्रस्तुत :—

14- 86GJ185

दिनांक 29-4-1985  
माहूर

प्रधान आमदानी, दो. लक्ष. धूस

(1) श्री प्रमो विनायक मुदलियार

(अन्तरक)

सावधान अधिनियम 1961 (1961 का 43) की ८८  
269-व (1) के बंधीन सूचना

(2) श्रीमती आर० मन्दुलक्ष्मी

(अन्तरती)

## भारत सरकार

सार्वान्वय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 अप्रैल 1985

निर्देश मा० 156/समस्वर 84/रेज-II—अतः मसौ० श्रीमती प्रमो मासुवेल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के बंधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवाह करने का कारण है कि राजवर सम्पत्ति, जिसका वार्षिक बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी मा० प्रमो ना० 242/1-एम० एफ० ना० 41/1 ए० है, जो संगनूर गाव, कोयम्बत्तूर तालुक में स्थित है (ग्राम इससे उपावन्द अनुमूली में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है) वर्जिनीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीरपुरम नेब सं० 3347/84 से भारतीय रजिस्टरिकरण, अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मितम्बर 1984,

को प्रदूषित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विवाह करने का कारण है कि अपापूर्वित वंशित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पूछा है प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और (मंतरिनियमों) के शीघ्र एवं जलाशय के लिए तथा पाया गया प्रतिकृति, निम्नलिखित उल्लेख में उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप में उन्नियम रहा। इसका लक्ष है—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बंधन के बिषेकार्यालयों करता है।

उक्त संपत्ति के बंधन के अवधि में काँइ भी आलंप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-हत्या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रदूषित शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मन्दुलक्ष्मी

(ख) अंतरक से हाइ किसी आय की बात, उक्त अधिनियम के बंधीन कर दर्ज के अंतरक की वार्ता में किसी करन या उभय बचनों में पौष्टि की निष्ठा और वा०

मूमि ग्रीष्म मकान —प्रमो ना० 242/1 प्रम० एफ०-41/1 ए० संगनूर गाव, कोयम्बत्तूर तालुक, गांधीरपुरम नेब मा० 3347/84।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य वारितियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती इनारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाते में मूविधा के लिए;

श्रीमती प्रमो मासुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, मद्रास

वर, अब, उक्त अधिनियम, की भाग 269-व के अनुसार  
उक्त अधिनियम की भाग 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्षत :—

दिनांक : 27-4-1985

मांडर :

प्रस्तुत अद्वै. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-वं (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायाकर आयोजन, सहायक बायकर बायकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 अप्रैल 1985

निदेश सं० 157/सितम्बर 84—ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० सेमुयल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा जाता है), की भारा 269-वं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवाह करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० नायकनूर गांव कोयम्बतूर है, जो गांधीपुरम लेख सं० 3382/84 में स्थित है (और इससे उपावढ़ अन्तर्गत में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीपुरम लेख सं० 3382/84 में भारतीय राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर 1984,

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूझे यह विवाह करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और उक्त अन्तरिक्ष (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिहत में वास्तविक रूप से कार्यत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरण के वायित्व में कमी करने या उक्त से बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तवी के, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किबा जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-वं के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-वं को उपभाग (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) सेकेटरी, दी० चितामणि एम्प्लाइम को० आपरेटिव बिल्डिंग सोसायटी—श्री पुरुषोत्तमन

(अन्तरक)

(2) श्री के० नारायणन् स्पेशल आफीसर दी० कोयम्बतूर डिस्ट्रिक्ट कन्स्यूमर्स कोआपरेटिव होलसेल स्टोर्स लिमिटेड स० के० 881

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित कायदाहियां घूरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के उचित के संबंध में कोई भी जाकेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्त्वावधनी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मद्रास

**भूमि :**—एस० न० 407, 399, नायकनूर गांव, कोयम्बतूर गांधीपुरम लेख सं० 3382/84।

एम० सामुयल  
सक्षम प्राधिकारी  
महायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक : 27-4-85

मोहर :

रक्षा आई. ए एस. एस. ----

(1) श्री बो० श्रीनिवासन

(अन्तरक)

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ए (1) वै लभीन सूचना

(2) श्री बी० विद्यासागर

चेयरमैन, दी० एस० ए० एम० प० काटल डेवलपमेंट  
एण्ड रिसर्च एसोसिएशन, कोयम्बतूर टाउन ।

(अन्तर्दी)

## द्वारा बत्तार

आवासन, राष्ट्रीयक आवकर आयूक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 अप्रैल 1985

निदेश सं० 172/मित्तम्बर 84/रेज-2—अतः मुझे, श्रीमती  
एम० सामुद्रेल,

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ए के अधीन सक्षम प्रतिकारी को यह विवरण करने का  
कारण है कि व्यापक अधीन, नियंत्रका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. ते अधिक है

और जिसकी सं० मूलि पोष्टिरी गाव है, जो पोष्टिरी गाव में स्थित  
है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कावलिय, उडुम्लपेठ लेख सं० 202320  
2024, 2025/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर 1984,  
के पूर्वान्तर सम्पत्ति के दौरान बाजार मूल्य से कम के अवधारण  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और ग्राम वह विवरण करने  
का कारण है कि व्याप्तिरक्षम सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उक्त अवधारण प्रतिफल से, एस० अवधारण प्रतिफल का पूर्ण  
अन्तरित से अधिक है और बन्तरक (बन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरितमा) के बीच एस० बन्तरक के तिए तथा व्यापा  
प्रतिफल, नियंत्रित उडुम्लपेठ से उक्त बन्तरक नियंत्रित  
दैवातिक रूप से अधिक कही गिया गया है—

(ए) बन्तरक दैवातिकी वाय की वाय, उक्त  
बन्तरक के अधीन कहा दर्शे के बन्तरक के व्यायित  
दैवातिकी वाय का उक्त व्याय में सूचिता के लिए;  
और/गा

अनुसूची

मूलि :—पोष्टिरी गाव, सं० 221/8, 221/ए, 221/11,  
उडुम्लपेठ—लेख सं० 2023, 2024, 2025/84 ।

(ए) एस० किया वाय वा किया भन वा व्यापा वासिताओं  
को, जिन्हें भारतीय आवकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा वन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे  
व्यापाजनार्थ बन्तरिती इवाय प्रकल्प नहीं किया गया  
वा वा किया जाना था, जिपाने भै सूचिता के लिए;

एम० सामुद्रेल  
सक्षम प्राधिकारी  
महायक आवकर आयूक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-2, मद्रास

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसर  
मा, जै उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपभारा (1)  
के अधीन, नियंत्रित व्यक्तियों, बधाहूँ :—

दिनांक : 27-4-1985

महर :

प्रस्तुत वाइ.टी.एन.एस. -----

(1) मैसर्स प्रोसेस सिस्टम्स एण्ड कंट्रोल्स प्राइवेट लिमिटेड।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), की धारा  
269-ष (1) के अधीन सूचना

(2) मैसर्स लक्ष्मी इसोसिएटेस।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 अप्रैल 1985

की यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख N 45 दिन की अवधि या तत्पञ्चन्थी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अर्जाद बल ये उमाय छोड़ती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख N 45 दिन की भाँड़र उक्त स्थावर व्यापारन में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिया जाता है।

लालौरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का एक उपर अधिनियम के अध्यय 20-के में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

निदेश सं० 195/सितम्बर 84/रेज-II—ग्रहण: मुझे, श्रीमती एम० सामुद्रेल,  
आयकर अधीनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
उक्त उक्त 'अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवाह करने का कारण  
है कि रथावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-  
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० तेलुगुपालयम तालूक एस० एफ० नं० 498/  
181 है, जो कोयम्बतूर तालूक में स्थित है (और इससे उपावद्ध  
अनुमूली में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के  
कार्यालय, कोयम्बतूर लेख सं० 3399/84 में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक  
सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाह करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से, एस० इयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एस० अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण अन्तरित में आस्थाविक रूप से कार्यत सही किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में किसी करने या उदाहरण देने में सहिता के लिए;  
जीव/जा

मुझे

(ब) एंसै किसी आय या किसी धन या अन्य आस्थाओं को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) द्वारा उक्त अधिनियम, या अन्य कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) द्वारा प्रयोगनार्थ अन्तरकों द्वारा इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुधिधा के लिए;

एम० सामुद्रेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

ग्रहण: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अनुसुन्धान में, दूर्वा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 27-4-1985

मोहर :

प्रसाद भाई टी. पन. शुभा - १०

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भाग 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-॥१. महास

मद्रास, दिनांक 27 अप्रैल 1985

निर्देश सं० 196/मित्रवर 84/रेज-II—श्रीमती एम० सामुवेल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) (जिस इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त वर्धनियम' कहा गया है), की भारत  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने के  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एस० नं० 8/1423, झज्जणस्वामी मुद्रालियार रोड, है, जो कोयम्बतूर टाउन में स्थित है (ओर इसमें उपावद्ध अनुमूली में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय कोयम्बतूर लेख मं० 3566/84 3568/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर 1948।

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मंदप्रतिष्ठा वा उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है है और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरिती (अन्तरितिशय) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीभित नहीं किया गया है :—

(क) बन्दरगां से हुए इक्सी शब्द की वायत, उस अधिनियम के अभीन कर दाते को भल्लरक के इसित्त में कमी करने वा उसके द्वारा ही एविधा के चित्र सौंदर्य।

(स) एसी किसी भाष्य या किसी धन या अन्य जांस्तरों को, जिसके भारतीय भाष्य-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अवकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग-नार्थ अन्तर्भूति हवार फ्रेक्ट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यदि, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण  
में, भैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित वस्तुओं सहित ।

(1) मैमर्स देवी बिल्डर्स बाये मंजिल पार्टनर्स पी० सी० तिमुलति।

( ग्रन्तरूप )

(2) पट्टोफिल्स को-आपरेटिव लिमिटेड ।

\* (अन्तरिक्षी)

का यह भूजना जारी करके प्रवौद्धत मप्रतिष्ठ व अधिन के लिए कार्बोरेट्यूं करू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोइ भी आकाश :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या नक्सलान्धि व्यक्तियों द्वारा सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पुराँहित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(६) इस सूचना के संबंध में प्रकाशन की तारीख वह 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हित-वद्य किसी अल्प लागतने द्वारा अपार्टमेंट्स के पास लोखित में किए जा सकेंगे।

**स्थानीकरण** — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-के में परिभ्राषित हैं, उहीं अर्थ दिया, कि उस अध्याय में दिया गया है।

四

भूमि :- कुण्डलियारा राड, श्री० एस० न० 8/  
1423, प्लाट न० 7, कोयम्बतूर टाउन कोयम्बतूर लेख स०  
3566/843568/84।

एम० सामुवेन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)  
प्रजन रेज-II, मद्रासा

दिनांक : 27-1-1985  
सोहर ५

प्रकाश लाइंस, दी. पा. एस. ---

(1) श्री एस० वैद्यनाथकुमार् और अन्यों  
(ग्रन्तरक)विधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-प (1) के अधीन सूचना(2) श्री आर० वैद्यनाथन  
(ग्रन्तरिती)

## भारत सरकार

कायांलय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़—, मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 अप्रैल 1985

निदेश मा० 199/मितम्बर 84/रेज-II—अत मुझे, श्रीमती  
एम० सामूवेल,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की भारा  
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवाहास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-/- से अधिक हैऔर जिसकी मा० टी० एस० ना० 7/139/1, सर्वे ना० 3100,  
3101 है, जो कुमारपालन्यम में स्थित है (और इसमें उपावड़  
अमूस्ची में और पृष्ठ स्थित है), रजिस्ट्रीकर्टा॒ अधिकारी के  
कायालय, कोयम्बत्तूर, लेख ना० 3708/84 में भाग्नीय रजिस्ट्री  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक  
सितम्बर 1984को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छह लाख  
रुपयों के निम्न अन्तराल की गई है और मझे यह विवाहास  
करने का कारण है कि यथोपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके अवसान प्रतिफल में, ऐसे अवसान प्रतिफल का पूछ  
प्रतिक्रिया से अधिक है और अन्तराल (अन्तराल) और बसरिसी  
(अन्तरिक्षितों) के बीच ऐसे अन्तराल के निम्न तथा बाजार मूल्य-  
कम प्रतिलिपित तदृशेष्वर है जबकि बाजार भिन्नता में अन्तरिक्षित  
मूल्य में कथित नहीं किया गया है —का यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सूचना के बर्जन के सम्बन्ध में ज्ञात भी बाहोप—

(क) इस सूचना के उपर्युक्त में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या नस्तम्बन्धी व्यक्तियों पर  
हृचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिके द्वाया,(ख) इस सूचना वा उपर्युक्त में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के तिर उक्त स्थान, सम्पत्ति में हित-  
द्रह्य किसी उन्न व्यक्ति द्वारा विद्युत संचारों के  
पाल लिंगण पर किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20 के में परिभाषित  
है, वहा॒ वथ होता जा उस अध्याय में दिया  
गया है(क) बनारण से हुई किसी बात की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने वे अंतराल के द्वायास  
में कठीन करने का नियम बसने में सविधा के लिए  
लाई जा सकती है।

अन्तर्भूती

(ख) किसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आमतयों  
को, जिन्हे भाग्नीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्राकृतिक अन्तराल के द्वाया तहीं किया  
जाया जा सकता जाना आवाहा है, छिपाने वे  
अविधा के लिएभूमि —टी० एस० ना० 7/139/1 सर्वे ना० 3100, 3101,  
कुमारपालन्यम नायम्बर नाडू/कोयम्बत्तूर लेख ना० 3708/  
84 ।एम० सामूवेल  
पश्चम प्राधिकारी  
गवर्नर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
प्रजन रेजन्सी, मद्रासउक्त अधिनियम की भारा 269-प के अन्तराल  
में में, प्रकाश अधिनियम की भारा 269-प की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धातः—दिनांक 27-4-1985  
मोहर :

प्रध्य आदौ, दी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-प (1) के अधीन सूचना

(1) श्री एस० वैद्यनाथकुण्ठन और मन्त्री

(अन्तरक)

(2) श्री एस० रामचन्द्रन ।

(अन्तरिती)

## पाइल दरबार

कार्यालय आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 अप्रैल 1985

निवेश सं० 200/सतम्बर 1984—अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी म० सर्वे न० 3100, 3101, न्यू सर्वे न० 139/1-386 सेट्स कुमारपालयम गाव है, जो कोयम्बतूर में स्थित है (और इसमें उगाचल अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बतूर, लेख सं० 3709/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक भितम्बर 1984

को प्रवृत्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अधिनायक अन्तिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथाषुवैक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इष्यमान प्रतिफल से, ऐसे इष्यमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बत्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ द्वारा किसी वाय की बावह उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के बायित्व में किसी करने या उभये बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) एसी किसी वाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, हिपाने में संभित के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना आरी करके प्रवृत्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइं भी आवेदन —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील भ. 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवृत्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध इसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**प्रत्यक्षकरण**—इसमें प्रवृत्ति शब्दों और वही का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

**भूमि** :—सर्वे नं० 139/1-3.86 सेट्स कुमारपालयम गाव, कोयम्बतूर -कोयम्बतूर/नंबर म० 3709/84।

एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, मद्रास

दिनांक : 27-4-85

माहूर :

प्रधान भाष्यक द्वारा लिखा गया

(1) श्री जी० रामचंद्रन

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-वा (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

साधारण अधिकार आपकर भाष्यक (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 अप्रैल 1985

निवेदण सं० 201/सितम्बर 84/रेज-II—आप॒ मुझे, श्रीमती  
एम० सामुद्रेन,आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
उपर्युक्त 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-वा के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विवाह संकरे का  
अरण है कि स्थावर विधान, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० टी० एस० नं० 175/1ए, 176/1 प्लाट  
नं० 70, है, जो कुण्डरामपुरम में स्थित है (और इससे उपावढ  
अन्तर्गत में और पूर्ण रूप से विप्रित है), नैजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
बाधालय, कोयम्बत्तूर लेख सं० 3725/84 में भारतीय रजिस्ट्री  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक  
सितम्बर, 1984की पूर्णीकरण सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विवाह सं  
करे का कारण है कि व्यापूर्वोंका संर्पण का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पूर्ण प्रतिकरण से अधिक है और अंतरक (अंतरकर) और अंतरिती  
(अन्तरितियाँ) के लिए ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-  
विकास रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी वाय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के मत्तरक  
दोषत्व में कमी करने या उनमें घटने में विभिन्न  
कानून, और/या(ख) इसी किसी वाय या किसी धन का अन्य आस्तीन  
की, जिन्हे भारतीय लाल-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के दोषत्वाद्य अन्तर्गत इकाय इकट्ठ नहीं किया  
गया या एकाय भाना बांहने या, तो कानून में  
दोषत्व की विभाग।

अन्तर्गत

भूमि—टी० एस० नं० 175/1ए, 176/1 प्लाट सं० 70,  
कुण्डरामपुरम/कोयम्बत्तूर/लेख सं० 3725/84।एम० सामुद्रेन  
सभी प्राधिकारी  
सहायक आपकर भाष्यक (निरीक्षण),  
अर्जन रेज-II, मद्रासअतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा के अन्तरण  
में, ये, उक्त अधिनियम को धारा 269-वा की अन्तरा (1)  
के अन्तर्गत लिखित अन्तर्गत, बनाये :—

15-8601/85

(1) श्री जी० रामचंद्रन

(अन्तरिती)

(2) श्रीमती कौ० गारदा और आनन्दकुमार

(अल्परक)

क्षे यह सूचना आर्द्ध करके पूर्वोक्त सम्बिल के अधिक के लिए  
प्राप्तिकरण करना है।

विषय सम्बन्ध के अंदर की सम्बन्ध से कोई भी विवाद :

(क) यह सूचना के अधिकार में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या उत्तरवाची अवधियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;(ख) यह सूचना के अधिकार में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति या इहत-  
व्यक्ति किसी अन्य अधिकार द्वारा अधारित आवाय के  
पास लिखित में "का जा भावना" :स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-के में परिचित हैं,  
वहाँ विवर होता, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

मूल—टी० एस० नं० 175/1ए, 176/1 प्लाट सं० 70,

कुण्डरामपुरम/कोयम्बत्तूर/लेख सं० 3725/84।

दिनांक : 27-4-85

संहिता :

प्रधान माइंटर, टी.एस., एस. ——————

(1) मेसर्से देवी बिल्डर्स

श्रीटनि और मेनेजिंग पार्टनर श्री पी० सी० तिथमूर्ति  
(ग्रन्तकर)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती कोमला रत्नम  
और श्री जे० एस० रत्नम

(ग्रन्तरिती)

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 अप्रैल 1985

निदेश सं 202/सितम्बर 84/रेज-II—अतः मुझे, श्रीमती  
एम० सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सकारा प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का  
आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
₹ 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं ० टी० एस० वार्ड नं ० ४, कुण्णस्वामी मुदलियार  
रोड, है, जो कोयम्बतूर में स्थित है (और इससे उपावड़ से और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
कोयम्बतूर लेख सं ० 3731/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर  
1984,

का प्रयुक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथाप्रयुक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल, से एसे दस्यमान प्रतिफल का  
पूर्ण प्रतिशत से अधिक है और कंतरक (कंतरकों) और अंत-  
रिती (अंतरितियों) के बीच एसे जंतरण के लिए तभी पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) कंतरण से इह किसी आय की वापरत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कार इने के अंतरके के  
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में मद्दता  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तय  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) मा उक्त अधिनियम, या बन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) द्वारा  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुनिया पक्ष की वित्त यदा  
या या किया जाना चाहिया था, दिलाई दी पुरी, एवं  
ही लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तराल  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधार्य (1)  
के अधीन निम्नलिखित, अवितर्यों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीय शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

### मनुसूची

भूमि :—टी० एस० न० ८, कुण्णस्वामी, मुदलियार रोड,  
कोयम्बतूर—कोयम्बतूर — लेख सं ० 3731/84।

श्रीमती एम० सामुवेल  
सकारा प्राप्तिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज-II, मद्रास।

दिनांक : 27-4-85

लेन्डर :

प्ररूप ब्राह्म.टी.एन.एस.-----

(1) श्रीमती अनन्तपूर्णि

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

(2) मेसर्सं जी० क० पेरियसामि, प्रोप्राइटर,  
श्री जी० क० पेरियसामि

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 अप्रैल 1985

निवेश न० 205/सितम्बर 84/रेज-II—प्रतः मुझे, श्रीमती  
एम० सामूद्रेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० न्यू टी एम न० 8/173 सैट न० 2, डोर न०  
28/40, आर० एम० पुरम है, जो पेरियसामि रोड, कोयम्बतूर  
में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बतूर  
लेख न० 3770/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर 1984,  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान  
प्रतिफल वे लिए अन्तरित की गई है और मूल्य से यह विष्वास  
करने का कारण है कि द्वयमान प्रतिफल संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से एसे द्वयमान प्रतिफल का पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और एसे अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पास गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप में कीर्ति नहीं किया गया है ।—

कां यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्येप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे ।

**स्वाक्षरीकरणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय से दिया गया है ।

मृदुली

(अ) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में  
कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,  
को जिहूं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भूमि और भकान ::—न्यू टी० एस० न० 8/173 सैट न० 2,  
डोर न० 28/40, पेरियसामि रोड, आर० एम० पुरम,  
कोयम्बतूर, लेख न० 3770/84 ।

एम० सामूद्रेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज-II, मद्रास

दिनांक : 27-4-85

गोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रकाश काइद़, टी. एन. एन. --

(1) श्री एम० नगदीगंत और अन्यों

(अन्तरक)

भारत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

(2) श्री पैल० जी० नित्यानन्द

(अन्तरक)

## भारत अधिकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायक्स (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 अप्रैल 1985

निदेश सं० 207/सितम्बर 84/रेज-II—अन् मुझे, श्रीमती  
एम० सामुवेल,भारत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ए के अधीन अलम प्राधिकारी को, महि विषवास करने का  
कारण है कि स्थावर उपायी, जिसका लाई, घोजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है।और जिसकी सं० गणपति गाव, टी० एम० नं० 165/1, 166/3,  
है, जो कोयम्बतूर में स्थित है (और इसमें उपावड़ ननुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय,  
कोयम्बतूर लेख सं० 3814/84 में भारतीय रजिस्ट्रीशन अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर 1984को प्रदिव्यक्त सम्पत्ति के दावेत बाहर भूमि से कम के अवधारण  
अधिनियम के लिए अन्तरिक की गई है और युक्त यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथाप्रावृत्ति सम्पत्ति का उचित बाहर  
भूमि, उपर्युक्त अवधारण प्रतिफल से, ऐसे अवधारण प्रतिफल का  
पढ़ा प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) ओर अलाइटी  
(अलाइटिंगों) के बीच एसे अवधारण के लिए तथा पास गया प्राप्त-  
कर्ता, निम्नान्वित उद्देश्य से इकत्र अन्तरण मिलित में वास्तविक  
रूप में कार्यकृत नहीं किया गया है:—को यह सूचना आवाह करके प्रावृत्ति सम्पत्ति के अवधारण के लिए  
कार्यालयीकरण करता है।

उपर सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन तक बर्बाद राजपत्र, जाकर, या दर  
सूचना की हामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
वर्षांध बाद से अपर्याप्त होती है, के भीतर प्रावृत्ति  
के कारण से किसी अकिञ्चित द्वारा;(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर अधिनियम में द्विवद्यम  
किसी जन्य व्याकुत द्वारा अधोहस्ताकरण के पास  
निर्दिष्ट अंक दो गये हों।प्रदिव्यक्ति — इसमें प्रदिव्यक्ति शब्दों और पदों का, जो उपर  
अधिनियम के अध्याय 21-वा पारमाण्यता  
है, वही अर्थ होता है उस अध्याय से दिया  
गया है।

## सम्पूर्ण

(क) अन्तरण से हटाया किया जाव को भारत, उक्त  
अधिनियम के अधीन करें इन के अंतरक के कार्यकृत  
में कमी करने या उससे अवधारण में सूचना के (स्पष्ट,  
क्षेत्र, जी)मूल ऑर मालान — टी० एम० नं० 165/1, 166/3,  
गणपति गाव, कोयम्बतूर, लेख सं० 3814/84।(ख) एसी किया जाव या किया भन या बन्ध जास्तिया  
का, जिसके भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रशोधनाथ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या विद्या अना जाहिए था, छिपान में भूमि के लिए;श्रीमती एम० सामुवेल  
मक्षम प्राविकारी  
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज-II, मद्रासअतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अन्तरण  
में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपकारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अवधारण :—

दिनांक : 27-4-85

साहूर :

प्रधान आदौ. टी एन शर्मा

(1) श्री दी. पृष्ठ० नाचिवमुतुचेदित्यार

(यन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-प (1) के बंधन सूचना

(2) श्री कौ. रामसर्मि

(यन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय भवान का आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 प्रैल 1985

नियंत्रण सं. 209/सितम्बर 84/रेज-11 अमे. मुमे श्रीमती  
एम० सामुवेल  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उद्दल अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य  
1,05,000/- रु. में अधिक है  
और जिसकी सं. ८० है, जो फोम्फटर में स्थित है (और इसमें  
उपावड़ में आर पूर्ण रूप में पर्याप्त है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी  
के कार्यालय फोम्बटूर लेख सं. 3875/84 में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नियंत्रण  
1984

को पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित आजार मूल्य स कम के द्वयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मम्म यह उद्दल  
करने का वारण है कि विधायकोंने सम्पत्ति का उचित आजार  
मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल का, एवं उद्यमान प्रतिफल का  
पूर्वान्तर स अधिक है और उत्तरक (अतिरिक्त) और उत्तरिकी  
(अतिरिक्तीय) के बीच एसे बताए जे लिए तथा पाया जाया  
प्रतिफल, विनियोगित उद्यमों से उद्दल अन्तरुग्म नियित म-  
प्राप्तिक रूप से कठित नहीं किया गया है।—

उद्दल सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आकाद —  
को यह सूचना आदौ. टी.एन. शर्मा के उद्दल के अर्जन के लिये  
कार्यालयों को बताया जाए।(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख ४  
45 दिन की अवधि वा तामस्यान्तो दिनियों ५  
सूचना की वासीन से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अधिक दाइर में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
दिनियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख +  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हैल्वेट  
कियी अव्यक्त द्वारा अधिनियम (1908)  
नियित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इनमें उद्दल और दोनों का, जो उद्यम  
अधिनियम के अन्तर्याम 20-के में पैशांशी,  
है, वही बंधन होया जो इस अध्याय में दी  
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बावत, उद्यम  
अधिनियम के अन्तर्याम के अन्तर्के ल-  
दीय ५ एवं लाली कानून ए उद्यम वर्जन के अधिक  
नहीं, और आभूमि और मकान—आर० एम० पुरम वेस्ट पेनियसामि  
रेंड, फोम्बटूर डाउन, फोम्बटूर लेख सं. 3875/84(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकी  
का, जिन्हे भारतीय अधिक आधारान्तर,  
1922 (1922 का 11) या उक्त आधारान्तर  
या वन-कर आधारान्तर, 1957 (1957 का 27)  
के प्रभावानार्थ अन्तर्राष्ट्रीय द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
एवं एसे नहीं दर्शाया जा सकते ताकि उन्हें  
के लिए,एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
भारत आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-2, मद्रास।अन्तरण, उद्दल अधिनियम की धारा 269-प के अन्तरण  
प्र, है उद्दल अधिनियम की धारा 269-प की उपकारण (1)  
के अधीन, विविध व्यक्तियों, अर्थात् —

प्र० १८

मोहर :

प्रधान बाहु. दी. पद. एवं एवं—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग  
269-व (1) के वधीन सूचना।

## सामग्री

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 अप्रैल, 1985

निदेश सं० 214/सितम्बर, 84/रेज 2—आतः मुझे, श्रीमती  
एम० सामुद्रेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व (1) के वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जी० एस० 3/1टी० एस० न० 390,  
अनुप्रणालयम गांव है, जो कोयम्बटूर में स्थित है (और इसमें  
उपायकर अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय कोयम्बटूर लेख सं० 3957/84 में भारतीय  
राजस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
सितम्बर 1985

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाथा गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) बन्सदुण्ड के हृष्ट किसी बाय की बाजार उक्त  
अधिनियम के वधीन कर देने के बन्तरक के शामिल  
में कमी करने या उसने बचने में सहिता के लिए;  
और/या।

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी बन या उक्त बासितियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भर-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ बन्तरक द्वारा इकट्ठ नहीं किया जाय  
या या किया जाना चाहिए था, किनारे वै सुविधा  
के लिए;

जस: अब, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भाग 269-व की उपधारा (1)  
के वधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् :—

(1) श्रीमती सूनू मोरडी और मन्यों

(अन्तरक)

(2) श्री अडेकलम चेटियार और श्रीमती पोनम्पाल

(अन्तरकी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचन के लिए  
कार्यकारिणी शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बचन के सम्बन्ध में कोई भी वालय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोस्ताथारी के  
पास तिलिखित में किए जा सकेंगे।

**सम्बोधकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही वर्ण होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मूलि और मकान :—जी० एस० 3/2टी, एस० न० 390,  
अनुधर पालयम गांव कोयम्बटूर। कोयम्बटूर लेख सं० 3957/84

एम० सामुद्रेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-2, मद्रास

तारीख : 27-4-85

माहूर ६

प्रस्तुत आई.टी.एम.एस. -----  
**लालकर अधिनियम, 1961 [1961 का 43] की**  
 भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

## भारत उत्तराखण्ड

कार्यालय, सहायक आयकर आद्यत (निरीक्षण)  
 अर्जन रेज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 अप्रैल 1985

निदेश सं० 226/मितम्बर 84/रेज 2—ग्रन्त: मुझे, श्रीमती  
 एम० सामुवेल,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
 इसके पश्चात् 'उत्तर अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
 269-ग के अधीन सकाम प्राधिकारी जो यह विवाद करने का  
 अधिकार है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
 1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० गस्ता पोलाईयी ठाँन, एस० नं० 5, पोल्लाईठाँन  
 है, जो तिक्कपुर टाउन में स्थित है (और उससे उपावस्थ अनुसूची में  
 और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्त्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
 पोल्लाईयी लेख सं० 1927/84 में भारतीय राजस्त्रीकरण अधि-  
 नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर 1984

का पूर्वोक्त संघित के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान  
 प्रतिशत के लिए अनुरूप की गई है और मूँहे वह विवाद स  
 करने का कारण है कि यथावृत्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
 मूल्य, उसके अवधार प्रतिशत है एवं अवधार प्रतिशत वे  
 एवं ही प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिक  
 (अंतरिकाँ) के बीच एवं अंतरक के लिए तथा पाया गया प्रति-  
 कर, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निवित में हास्तिक  
 रूप से कथित नहीं किया गया है।

(1) श्री तांडवमूर्ति गौड़र और अन्य

(अन्तरक)

(2) श्री के० मुख्यानंदम।

(अन्तरिकी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संघित को अर्जन के लिए  
 कारबाहिया दें।

उक्त संघित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षण्य :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
 सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी  
 अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त  
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-  
 बहुभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताकारी के  
 पास निवित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरण:**—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त  
 अधिनियम के विधाय 20 के में विविधत  
 हैं, वही वर्त होगा जो उस विधाय में दिये  
 गए हैं।

अनुसन्धानी

(क) अनुरूप किसी आय की बाबत, उक्त  
 अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरण के वायिष्व  
 में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए;  
 और/या

भूमि और मकान गस्ता पोल्लाईयी, सर्वे वाड नं० 5, पोल्लोयी  
 तिक्कपुर, पोल्लाईयी लेख सं० 1927/84

(क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य वासियों  
 को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
 (1922 का 11) वा उत्तर अधिनियम, या  
 अय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
 के प्रयोगशाले अनुरूपी द्वारा प्रकृत नहीं किया  
 गया या या किया जाया चाहिए था, जिसने वे  
 सुविधा के लिए;

एम० सामुवेल  
 सकाम प्राधिकारी  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेज 2, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण  
 में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)  
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 27-4-85

माहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एन.-----

(1) श्री नाच्चिमुतु गोडर

(अन्तरक) .

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भाग 269-व (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती पलनियम्मा और अप्पो

(अन्तरिक्षी)

भारत सरकार

कार्यालय, महाप्रश्न आयकर प्राधिकरण (नियोजन)  
अर्जन रेज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 अप्रैल 1985

नियोजन सं. 238/सिनम्बर 84/वंग 2—ग्रन्त मुझे श्रीमती  
एमो मामुवेल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे “ममो  
एके ग्रन्त उन्नति अधिनियम” कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवाह करने का  
आवाग है कि स्थापत्र सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,01,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं. ० पलंगरे गाव, अवनागि है, जो कोयम्बत  
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अन्तर्मुक्ती में और पूर्ण स्पष्ट में  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अवनागि लेख सं.  
1239/84 1238/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन सिनम्बर 1980  
को पूर्णिमा सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्षी की गई और मृद्दे यह विवाह  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पद्धति प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और  
अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ  
पाया गया शीतलक, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त नियोजन  
नियित रूप से कथित मर्ही किया गया है—

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया शूल करता है।

उक्त सम्पत्ति वह अर्जन के उद्देश में कोइं भी आक्षेप —

(क) इस सूचना वह राजनीति में प्रकाशन की तारीख में  
45 दिन की अवधि या गत्तमनी व्यक्तिर्याप  
सूचना की हामीन में 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद भी समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजात्र में प्रकाशन की तारीख में  
45 दिन के भीतर उक्त स्थापत्र सम्पत्ति में हित-  
वद्ध नियोजन व्यक्ति द्वारा, जो हास्ताना के  
पाय नियोजन में किया जा सकेंगे।

**प्रत्यक्षिकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, और अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होता, जो न प्राप्त कर दिया  
गया है।

(क) इन्हें किसी बाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अतरको ने  
दायित्व में कमी करने या उसमें बदलने में स्विभाव  
के लिए, और/या

(ख) एरी किसी बाय या किसी धन या अन्य आमित्यों  
को, जिहे भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का भन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगमार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, नियोजन में स्विभाव  
के लिए;

**मूलसूची**

**मूल:**—पलंगरे, प्रवनागि नालुक कोयम्बतूर ठीन,  
अवनागि, लेख सं. 1239 और 1238/84

एमो मामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहाय आयकर आयुक्त (नियोजन)  
अर्जन रेज-2, मद्रास

वह अन्, उक्त अधिनियम को धारा 269-व के अन्तर्गत  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व को उपभान (1)  
, अधीन, नियोजित राजितों, प्रधान —

नारीख 27-4-85

सोहर ४

प्रस्तुत आई.टी.एस.—

(1) श्री प्रारंभ कुरुदेवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एम० आर० रूपावदी।

(अन्तर्भूती)

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (नियोगण)  
अर्जन रेज 1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 22 सितम्बर 1985

निदेश सं० 7/सितम्बर/85—अतः मुझे, प्रेम मालिनी वासन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विवरण करने का कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. में अधिक है

ओर जिसकी सं० ठोर सं० ३ है, जो फस्ट, मेन रोड, अन्नानगर, में स्थित है (और इसमें उपावड़ में और पूर्ण रूप से वर्णित है) राजस्त्रीकर्ता अधिकारी के कायतिय ज० एस० आर० 1, वेलूर एस० सं० 3135/84 में भारतीय राजस्त्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अन्तर्गत सितम्बर 1985

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य ते कर के अन्यमात्र प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और भूमि वह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके अन्यमात्र प्रतिफल से, एस० अन्यमात्र प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बनारक (बनारक) और बंतुरिया (बंतुरिया) के बीच एस० अन्तरण के लिए तथा आम गदा प्रतिफल, निम्नलिखित उक्त उपराजन से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को दायित्व में किसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) एस० किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दबाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मन्त्रा या जिका

भूमि और निर्माण सं० 3, फस्ट मेन रोड अन्नानगर, वेलूर (एस० सं० 3135/84)

(प्रेम मलिनिवासन)  
सकाम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (नियोगण),  
अर्जन रेज 1, मद्रास

असः शब्द, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपथारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

16—86GII/85

तारीख : 22-4-1985

मोहर :

प्रधान मंत्री, टॉ. एम. एच. -----

(1) श्रीमती सिंहपोन्नम्मान ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती अमुदवली ।

(अन्तर्गती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
भारा 269-ग (1) के अधीन दृष्टा

भारत सरकार  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 22 अप्रैल 1985

निटेंग सं २५ भित्तम्बग/४— नं. भूमि, प्रेस मालिनि  
वासन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग  
269-ग के अधीन सकार साधिकारी को यह विवाद करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाहर मूल्य  
100,000/- रु. से अधिक है

ग्रीष्म जिसकी पं० टी० एग० म० 69, डो० स० 30 है तथा  
जो मोकम गाव मध्ये है (ग्रीष्म इसमें उपावड़ अनुमूल्यमें  
ग्रीष्म पूर्ण रुप १ वर्णित है) अजिल्लिकर्ता अधिकारी वे कार्यालय  
ज० एम० वा०-III गावम, इस्तावेज स० 1001/84 में  
रजिस्ट्रीब्रण अधिनियम 1908 (1908 वा० 16) वे प्रधीन  
तारीख गिनत्यार 1981

जो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाहर मूल्य से कम के दृष्टवान  
प्रतिष्फल के लिए अन्तरित की गई और मूल्य यह विवाद  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाहर  
मूल्य, उसके अधिनायक प्रतिष्फल से एक अवधार प्रतिष्फल का  
एक ही प्रतिष्फल से बाधित है और अन्तरक (अन्तरकी) और  
अन्तरिती (अन्तरितीय) के बीच इस अन्तरण के लिए तथा  
प्राप्त वस्तु का प्रतिष्फल, निम्नलिखित उद्देश्य के उचित अन्तरण  
लिखत में वास्तविक रूप जो कीजित नहीं किया जाता है ।

(म) कल्तारण में हुए किसी आय की वायत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने वे प्रतिष्फल के  
इतिहास में किसी अस्ते या उसमें वर्तने में सूचित  
के लिए, और/मा

अनुमूल्य

(म) एकी किसी आय या वित्ती भूमि या अस्ति अस्तित्वों  
को, विक्षु आयातीय आव-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या  
आव-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रश्नोत्तरार्थ अन्तरिती इसमा प्रकट नहीं किया  
जाता या या जिक्र जाता आर्थिक था, जिसमें में  
सूचित के लिए;

भूमि और निर्माण डोर स० 33, मेलम गाव  
(इस्तावेज स० 1001/84)

प्रेस मालिनि वासन  
सकार साधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, मद्रास

लग यह, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन अन्तरितिकर अधिकारी, अधीन —

दिनांक : 22-4-1985

मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. -----

(1) श्री ए० नौ० माला चट्टौयार।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

(2) श्री कौ० जनामलै।

(अन्तरती)

## भारत बहुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर विभाग (निरीक्षण)

अंजन रोड-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 22 अप्रैल 1985

निदेश स० 29 सितम्बर/84—अत मुझे, प्रेम मालिनि  
वासन,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सभी प्राधिकारी का गृह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी स० टी० एम० म० 6/3 है तथा जो आन्टीपट्री  
गाव मेलम से स्थित है (आंतर इस प्राधिकारी अनुसूची में और  
पूण रु० में वर्णित है) अन्नस्टीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
एम० आर० नादकपट्टी दस० म० 2687/84 म रजिस्ट्रेशन  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
सितम्बर 1984को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित रु० ग्र० है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापौक्त सम्पादन का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एम० दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रांतशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरीय  
(अन्तरीयों) के बीच इसे बंतरक के लिए दब पाया  
गया प्राप्तफल, निम्नलिखित उल्लेख से उक्त बंतरक लिखित में  
पास्तांत्रक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) बंतरक में हरै किसी आय की वारद, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में किसी करने वा जमाने वस्त्र में छींचा हो लिए;  
जो/या

अनुसूचा

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या वन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
अन्यकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगमार्थ अंतरीय दुकारा प्रकट नहीं किया  
गया वा या किसी आय जारीए वा छिपाने वा  
सुविधा नहीं लिए,भ्रम और निर्माण आन्टीपट्री गाव नाम 3 जून टी०  
एम० स० 6/3, (दस्तावेज स० 2687/84)प्रेम मालिनि वासन  
मद्रास प्राधिकारी  
सहायक शिवप्र जायुक्त (निरीक्षण)  
अंजन रोड-1, मद्रासअतः आय, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् :—

दिनांक : 22-4-1985

मोहर :

प्रकृष्ट भाई, डा. धन एस -

(1) श्री एम० आर० अरतनारि श्रीर अन्यों।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 22 अप्रैल 1985

निवेश सं 30 सितम्बर/84—अतः मुझे, प्रेम मार्लिन  
वासन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें  
इसके पश्चात् 'उन्न अधिनियम' कहा गया है), अन्न धारा  
269-व के अधीन सकारा प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. सं अधिक है

और जिसकी सं टी० एस० नं 6/3, 6/1 और 7 है तथा  
जो आन्ध्रप्रदी गांव जनदानपट्टी में स्थित है (मारू  
इसने उपावड़ नाम से भी जाना जाता है) गवर्नर्स्टी-  
कर्ता अधीकारी के अधिनियम नदकपट्टी दस्तावेज सं ० २६४८/८४  
में रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 (1908 का 16) के  
अधीन नारीख सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दस्तावेज  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्ण अन्य सम्पत्ति को उन्होंना बाजार  
मूल्य, इसके दस्तावेज दरकार से, १२५ दस्तावेज प्रतिफल का  
पूर्वोक्त सं प्रधिक है और अतरक (बंतरक) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाना गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया जाता है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन पर दर के अन्तरक, ह  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के क्षिए भाई/था

(ख) ऐसी किसी आय मा किसी भन गा जल्द शामिल्यों  
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या इस अधिनियम  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, इसमें क  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्तमान :—

(1) श्री एम० मुरकन श्रीर  
एन० वी० तरमालन्कम ।

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के उद्देश में कोई भी वाक्षप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं  
45 दिन की अवधि था तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
मूच्छना की तापील में 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तान्तरी अ  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

**अन्तरेकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

मद्रास

भूमि —अन्धीपट्टी गांव जनदानपट्टी टी० एस० नं ० ६/३,  
६/१ और 7 (दस्तावेज सं ० २६४८/८४)

प्रेम मार्लिन वासन  
सकारा प्राधिकारी  
सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, मद्रास

दस्तावेज : 22-4-85

ओहर ४

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्रीमती विं. बलकम्मे ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 22 अप्रैल 1985

निवेदण सं. 46 सिप्पर/84—प्रत: मुझे, प्रेम मालिनि वानन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन गम्भीर प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एस. सं. 4/1 वी है तथा जो मेखरायनमाले कुट्टर गांव में स्थित है (ग्राम इन्ह. उत्तर अनुसूची में और पूर्ण नं. १ वर्णित है) रजेस्ट्रार्ट अधिकारी के लायलिय एरकाट दस्तावेज सं. 239/84 में रजिस्ट्रीवरण नियमितम् 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1984

को पूर्वोत्तर सम्पत्ति के उचित आजार मूल्य से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृम्भे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोत्तर सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे द्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में में वास्तविक स्थि. में कथित नहीं किया गया है :—

(2) श्री विं. एल. रामनाथन ।

(अन्तरिती)

काँ यह सूचना जारी करके पूर्वोत्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्षेत्र भी बातें—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोत्तर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षकारी के पास लिखित अंतरिती (अन्तरिती)

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभासित है, वही वर्त्त होता जा उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुए है किसी आय की आबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

भूमि श्रीमण—सेखरायनमाले, कुट्टर गांव एरका० ट  
तालुक पट्टा सं. 6, एस. सं. 4/2, 3  
(दस्तावेज सं. 239/84)

प्रेम मालिनि वासन

सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथवा

दिनांक : 22-4-1985

माहूर :

प्रधान बाह्य-टी.एव.एड.

(1) श्री एम० जेकनादान।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना(2) श्री बी० पलनिष्ठपन और  
बि० देवराज और जन्मों।

(अन्तर्खती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजेंट रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 22 अप्रैल 1985

निकेश सं० 53 मितम्बर/84—जतः मुझे, प्रेम मालिनि  
वासन,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवरण करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० तथा जो कोन्कनापुरम गाव में स्थित  
है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित  
है) राजस्टीर्टी अधिकारी के कार्यालय डटपाटी (सेलम)  
दस्नावेज सं० 1088/84 में रजिस्टरेशन अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख नितम्बर 1984को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अव्याप्त  
प्रतिफल के लिए अन्तरित कर्ता गई है और इसे यह विवरण करने  
का कारण है कि अव्याप्तोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके अव्याप्त प्रतिफल से, एसे अव्याप्त प्रतिफल का मन्त्र  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा यथा गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में  
गास्त्रिक रूप से कठित नहीं किया गया है :—को वह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के तिथि  
कार्यवाहियों शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या सप्तमाही अवधियों पर  
सूचना की समीत से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
अवधियों में से किसी अवधि द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
प्रिवित में किए जा सकेंगे।उद्दीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभ्रान्ति  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।(क) अन्तर एं हैरू किसी आय की वस्तु, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शावित्र  
में कशी करने या उससे बदलने वाली वस्तु के नियम  
बोर्ड/या

मृगसूची

मूमि और निमणि—कोन्कनापुरम गाव  
(दस० सं० 1088/84)प्रेम मालिनि वासन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अजेंट रेंज-1, मद्रासजतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकार :—

दिनांक : 22-4-1985

मोहर :

प्रध्य आर्द्ध. टी. एम्. एव्व.-----

(1) श्री बी० के० विस्कवायन

(अन्तरक)

ब्राह्मकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री बी० वाल सुश्रमण्यन

(अन्तरिती)

**यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उच्चन के लिए  
कार्यवाहिया शुरू करता है।**

**मानुष संस्कार**

आर्यालय, महायक आयकर बाजार (निरीक्षण)

अर्जन रोड-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 20 अप्रैल 1985

निर्देश सं० 139/सितम्बर/1984—अतः मुझे, प्रेम मालिनि  
वासन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथावत् सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. में अधिक है  
और जिसकी मूल प्राप्ति 35 सं० 110 और 111 टी० प्राप्ति सं०  
35 है, जो प्लाट सं० 2852 नटुवकरै गांव में स्थित है (श्रीर  
इसने उपावड़ में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के लार्यालय, अद्या नगर एस० म० 3303/84 में भारतीय  
रजिस्ट्रीपारण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल श्री लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिती  
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हृदय किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
वायिक्षण में कमी करने या उसमें उच्चन में सुविधा  
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
हा या नहीं ना चाहा था दिखाने में गविधा  
के लिए;

अनुसूची

भूमि श्रीर निर्माण नटुवकरै गांव, एस० सं० 110 और 111  
(एस० सं० 3303/84)

प्रेम मालिनि वासन  
सक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रोड 2, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 20-4-1985

बाहर /

प्रकृष्ट आई. ई. एन. एस. — नं. ८५०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 अप्रैल 1985

निवेश सं० 142/सितम्बर/84—अतः मुझे, प्रेम मालिनि  
वासन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे सं० 7 प्लाट सं० 4868 है, तथा जो  
अरिन्कर अन्ना नगर मद्रास-40 में स्थित है (आंगूर द्वारा उपावड  
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), राजस्ट्रीटरी अधिकारी के  
कार्यालय में भारतीय राजस्ट्रीटिक्षण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन प्रप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथाप्रवृत्ति सम्पत्ति जो उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्त-  
प्रति (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अवलोकन किया गया है :—

(ए) अन्तरक से हाइ किसी बाब की बाबत, उक्त  
अधिनियम के क्षेत्र के अन्तरक के  
पारित्य में कमी करने का उपर्योग नहीं जुरिया  
के लिए, मौर/या

(ब) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आमितियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में समिक्षा  
के लिए;

अनुसूची

(१) श्रीमती एस० दलबामि

(अन्तरक)

(२) श्री वी० कन्का

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येष

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख भ  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा,

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताधरी के पास  
लिखित भौं किए जा सकते।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों वारे पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20 के में परिभासित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

भूमि और निम्नण प्लाट सं० 4868, अरिन्कर अन्ना नगर,  
मद्रास-40।

सर्वे सं० 7

(दस० सं० 3339/84)

प्रेम मालिनि वासन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रोज 1, मद्रास

अतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अन्तरण  
में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की रणनीति (1)  
के अन्तरित निम्नलिखित व्यक्तियों अवै-

तारीख : 2-4-1985

मोहर :

प्रकृष्ट आहुं टी एन एस.

(1) श्री नारो नवदेशनम् लैट्रियास

(एनएफ)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री सी० ब० प्रबुल हसीद

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

जगत रोड-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 अप्रैल 1985

निवेदण संख्या 2/मिनस्वर/84—उन सन्में प्रेम मालिनि

वासन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-थ के अधीन उस प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि म्यांगांगा चुर्चुक बाजार में 1,00,000/-रु से अधिक है।

और जिसनी संख्या पं 184/1, और 181/1, है, तथा जो बहुलान्तरन गाँव ग्राम भूमिकानुसार तालुक में मिलता है (पौर इण्डा उपायोग में और पुर्ण घप में बिंगन है), राजस्तोऽन्नी प्रतिरिदि तारीख गम, शारू दाटपाटि अम 3082/84 ने भारतीय रजिस्टरिकरण अधिनियम, 1908 (1908-61) के अधीन निवेदण 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्नीत वो गढ़ है और भूमि पठ विश्वास करने का कारण है कि इधाप्रवक्ति संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, एसे इस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्तविक रूप से कीर्ति नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण वो हूँ किसी आव या की वायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे उक्त वायत में संविभास के निए, और/या

(ख) इसी फिल्मी आव या किसी भन अन्य आस्तियों की जिहे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922-मा 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुक्रिया के लिए;

बनसूची

भूमि और निम्नण वठुकन्दान्कल गांव और मेलविलमूर गाव, कुठिमानम तालुक, नारन आरवाट लिस्ट्रीकट

(दस संख्या 3082/84)

प्रेम मालिनि वासन  
सक्षम प्राप्तिकारी  
सहायक आयकर प्राप्तक (निरीक्षण),  
जगत रोड-1, मद्रास।

बत एव उपर लिखियस नं 1 अम 269 ग के अन्तरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्तति —

17—86GT[85]

तारीख 2-4-1985  
मौहर

प्रस्तुत वाइ.टी.एन.एस.-----

(1) श्री वाल्टर, बलन सेन्टर

(ग्रा 123)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्रा प्रमो प्रभाव यांग रनेम पिले

(जनरियनी)

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (नियोक्षण)

अर्जन नंज-1 मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 अप्रैल 1985

निदेश नं 4/सितम्बर/1984—प्रन मझे, प्रेम मानिनि  
वासन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजाह मल्य  
1,00,000/- रु. में अधिक है

श्रीम जिम्बी म० मर्ड नं 42/2 है, जो विस्तारित ग्राव नार्थ  
ग्रामांड चिप्पितूर में स्थित है (श्रीम उमंड उमावड अनमंडी रोड श्री  
पूर्ण रुप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी वे कार्यालय वेल  
दम नं 2985/84 में भागीदार रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908-11-16) के अधीन मितम्बर 1981

का प्रतिफल सम्पत्ति के उपर्युक्त वाजाह मल्य ग्रा कम्प के उपर्युक्त  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित वाजाह  
मल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा  
पाया गया, प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कीथत नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी वाय की वापत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर खेने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
दायित्व के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयन-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या पन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोइं भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में भाग्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी क  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भ्रम श्रीम निमाण विस्तारित पुरा ग्राव  
(दम नं 2985/81)

प्रेम मानिनि वासन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकल (नियोक्षण)  
जिन रजि। गढग

तारीख 2-1-85  
माहर

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. - - - - -

(1) प्री वांग विजयाज।

(नन्तरता)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री पी. किप्रतलाल।

(नन्तरता)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 अप्रैल 1985

नंदेंज मं० 5/मन्त्रिमं०/84—या., मुझे, प्रेम मार्लिन  
वासन,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक हैप्रीर जिसकी मं० डॉर.म० 26 और 27 है जो पल्ली वीरपन्नर  
चेट्टीस्टी, वेलूर (नारत) में स्थित है (प्रीर इसने उपावड़ अनुसूची  
में पांच पूर्ण घट 1 वर्णित है), गजम्भीकर्ता नियिकारी के (यात्रिय  
बंडुल—दमा० म० 3000/84 में अन्तर्दीपण अधि-  
नियम, 1908 (1908 नं 16) के अधीन मन्त्रिमं० 1984का पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह पिशास छरन  
का कारण है कि यथा पूर्वांकित सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एंग  
इयगान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अतरक (अतरका) और अंतरिती (अंतरियत्वा) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नालिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से नहीं  
किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिस्ते भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर आयनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से सुविधा  
के लिए;भूमि ग्रांर निर्माण डॉर.म० 26 और 27 परनि वीरपन्नर  
चेट्टीस्टी, वेलूर (नारत)  
(दमा० म० 3000/84)प्रेम मार्लिन वासन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, मद्रासउत्त: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की ज्ञापना (1)  
के अन्तर्मित व्यक्तियों, अर्थात् :—

नामांक्ष 2-4-1985

माहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन्. पट्टा -----

(1) श्रीमती माला टी. मल्हूला

(अन्तरक)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा  
269-प (1) के अधीन सूचना

(2) श्री बी. एन० छृष्णन और अन्य

(अन्तरिती)

भारत बहुकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों शुरू करता है।

कार्यालय, राजकारणकार्यकारी बाजार (रिटायर्मेंट)

अर्जन रेज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 अप्रैल 1985

निवेद नं 6/मिनस्वर/84—अतः मुझे, प्रेम मालिनि वामन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाषा 269-प के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित 'बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है'

'आंग जिनकी स० सर्वे नं 2983 है तथा जो वेनूर नार्थ गाव, नार्थ ग्रामकाट डिस्ट्रिक्ट में स्थित है (आंग इससे उपावद्ध अनुमती में आंग पूर्णस्वप्न में वर्णित है), निम्नलिखित अधिकारी के कार्यालय, वेनूर द नं 30483049/84 में भारतीय रेजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 सितम्बर 84

को पूर्वोंति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई है और मूँझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पढ़ह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृह किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दावेष्वर में केमी करने या उससे बचन में सूचित के लिए, बौरु/या

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइं भी जाक्षण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधीय अक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भोवतु पूर्वोंति अधिकारी ने किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनदेश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्थावीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों आर पद्धर्न का, जो उक्त अधिनियम के अध्यात्म 2() के में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अंदर से दिया गया है।

अनुमती

भूमि आंग निर्माण वेनूर गाव नार्थ ग्रामकाट डिस्ट्रिक्ट।

(द० स० 3048 आंग 3049/84)

(प्रेम मालिनि वामन)

सक्षम प्राविधिकी

महायक आप्रवार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

(घ) एसी किसी बाय या किसी भन मा अन्य वासियों को, जिन्हे भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के द्वायनाथ अन्तोर्चना द्वारा ग्रहन नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिसने में सूचित थी निए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की भाषा 269-प के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भाषा 269-प की उभाषा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षा ६—

तारीख : 16-4-1985

मोहर :

प्रह्लद आर्ह. टी. एन. एस. -----

(1) श्रीमती वलि शाचाल

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कें० पुनितम

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 मार्च 85

निदेश सं० 8/पितम्बर/84—अन: मुझे, प्रेम मालिनि  
वासन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एस० नं० 100, 101 और 102  
है, जो कृष्ण नगर, वेलूर टाउन में स्थित है (प्रांग इमें  
उपांचल अनुसूची में प्रांग पूण्ड्रपुर में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण  
अधिकारी के कार्यालय, वेलूर दम० सं० 3131/84 में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908. (1908 का 16)  
के अधीन, नागरिक 17 मितम्बर 1984

का उचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्ष यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वक नमूनों का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एवं दृश्यमान प्रतिफल का  
पञ्चवृत्त प्रतिशत में अधिक है और बंतरक (बंतरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच पांचे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदाहरण में उक्त अन्तरण लिखित में  
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए इसी की बाय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविभा  
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी बाय की बाय की धन या अन्य वास्तवियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग-  
नार्थ अन्तरिती इवाए प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविभा  
के लिए,

की वह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित के लिए  
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के उचित के सम्बन्ध में हुई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के उचित में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधिवाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के उचित में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताकरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है :

अनुसूचा

भूमि और निर्माण कृष्ण नगर, मान वेलूर टक्कुन टी०  
एस० सं० 100, 101 और 102 (दम० सं० 3131/  
84)

प्रेम मालिनि वासन  
सक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, मद्रास

अव: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुत्तरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के मध्यम, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

नागरिक: 18-3-1985  
मोहर:

प्रधान मंत्री, टो. एस. प्रधान, वित्त विभाग

(1) श्री एम० प्रदाकरन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

(2) श्री दी० प्रकाश जैन

(अन्तर्गत)

प्राप्ति घटकः

कार्यालय, सहायक आयकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मद्रास

मद्रास दिनांक 2 अप्रैल, 85

निर्देश सं० ७/मित्रसर/८४—अन् महे, प्रेम मालिनि  
वासन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), वो भारा  
269-व (1) के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि अधिक सम्पत्ति, जिसका उपरित बाजार मूल्य  
1,00000/- रु. से अधिक है  
ग्रीष्म जिसकी सं० है जा वनूर टाउन ठार सं० 67 टेवरनन  
स्ट्रीट में स्थित है (ग्रीष्म इवाहु अन्तर्गत मण्डी पूर्ण  
रूप में विनियम है), गोस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
पोनूर दून सं० 1632/84 से नामाय निम्नाकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) व अधीन १० फिन्नर  
84

को पूर्ववित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई और भूमि यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वक उपरित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
घेसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है जो उक्त अन्तरक (अन्तरक) और अन्तर्गत  
(अन्तरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए नया पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उदाहरणों में उक्त अन्तरण निम्नलिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

को यह सूचना, बारी करके पूर्ववित उपरित के उपरित के लिए  
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अवैत के सम्बन्ध में कोइ भी जाक्षोप्तः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि वा उक्तमात्री अवैतमें पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, वो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, तो भीतर पूर्ववित  
अधिनियमों में से किसी अवित द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किये गये अवित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात्र  
लेखित ग्राहक द्वारा सक्त है।

**स्पष्टीकरण** —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### मूलसंक्षी

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

मूलि ग्रीष्म निर्माण डॉ० सं० 67, टेवरनन स्ट्रीट, वेलूर  
टाउन (दून सं० 1632/84)

(ख) एसो लोको ग्राम वा किसी धन वा बन्ध आंतरिकों  
का १००% भारी ग्राम-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
आयकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)  
से प्रवोक्तार्थ वस्तावती दृश्या प्रकट नहीं किया  
गया १००% करा जाना चाहिए था, छिपाने में  
दुष्कर्ता के लिए;

प्रेम मालिनि वासन

मध्यम प्राप्तिकारी

सहायक आयकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)

मुख्यमन्त्री, मद्रास

बहुत अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व (1)  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित ग्रन्तियों, वर्ता—

तारीख : 2-4-1885  
माहूर :

प्रूप आई टी एन.एस.-----

(1) श्री वी.० चैव पुदलियार

(प्रतारण)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
यारा 269-व (1) के अधीन सूचना

(2) श्रामिक नृ पूजार्ह ग्रम्भाल

(अन्तर्भिनी)

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 मार्च, 85

निदेश नं. 10/मिनम्बर/81—अन् मझे, प्रेम मालिनि  
वामनआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी म० मवें म० 126/ए० 4 ठोर स० 10 है,  
जो मानाकुपम गाव, आम्पुर वाणियमाठी तालूक मे स्थित  
है (और इसे उपावद्व अनुभवी मे और पांचव प मे वर्णित  
है) अजिल्टीर्नी अधिनियम का कार्यालय, आम्पुर दम० म०  
2090/84 मे. मानीय अजिल्टीवर्ग अधिनियम, 1908  
(1908 फै 16) के अधीन 16 मिनम्बर 84को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापवित्र सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल मे, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्गतो)  
और अन्तर्गती (अन्तर्गतियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित मे वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है —को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मे कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के गजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्प्रवधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील स 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों मे किसी व्यक्ति द्वारा,(ख) इस सूचना वे गजपत्र मे 'ज्ञाशन वा नारीव से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सपनि मे हितबद्ध  
किसी उन्न व्यक्ति द्वारा अधोग्रस्ताक्षरो के पांच  
लिखित मे किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण ——इसमे प्रयुक्त प्रयुक्त शब्दा वा वर्दों का जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जा उस अध्याय मे दिया  
गया है ;

## अनुसूची

## अनुसूची

भूमि और निर्माण ठोर म० 10 मानाकुपम गाव, आम्पुर  
वाणियमाठी तालूक (दम म० 2090/84)(क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बायत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के  
वायित्व मे कमी करने या उससे बचने मे सुविधा  
के लिए, और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगार्थ अन्तरि द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सुविधा  
के लिए;

प्रेम मालिनि वामन

मक्षम प्राधिकारी

(महायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)

अर्जन रेज-१, मद्रास

तारीख 18-3-1985

सोमा

अन अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
मे, मै, उक्त अधिनियम वे धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

## प्रकाश बाटौरी, डी.एस.एड.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आषक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 अप्रैल, 1985

निदेश सं. 15/गितम्बर/84—आन : मुझे, प्रेम मालिनि  
वामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. वाठ 8 है जो कान्टी रोड, डेनकनिकोटा  
ठवुन में स्थित है (ग्राउंड उपावड़ अन्तसूची में और पुर्ण  
रूप से वर्णित है, अजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
डेनकनिकोटा दा : सं. 1737/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 16 गितम्बर  
84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान  
प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृम्भे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इष्यमान प्रतिफल से एसे इष्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और  
अन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योगों से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वापर, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक द्वा  
रा शायित रूप से कमी करने या उससे बचने में सहित  
के लिए; और/या

(ख) एमी किसी भाव या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहो किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सहित के लिए;

(1) श्री बी. आर० कुप्रण सेठी

(अन्तरक)।

(2) श्री बी. दी. मिनिवाममूर्ति और अन्य  
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संघित के बर्बन के लिए  
कार्यान्वयित्वा करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आक्षणः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोलिखित के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**सम्पूर्णरूपः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्दी वा, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभ्रष्ट  
हैं, वही अर्थ दूर्घाजो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अन्तसूची

भूमि और निर्माण कान्टी रोड, डेनकनिकोटा (डम : सं.  
1737/84)

प्रेम मालिनि वामन  
सक्षम प्राधिकारी  
(सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, मद्रास

अन्त: अंत, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 13-4-1985

बोइँग :

प्रकृष्ट कालौं, टी. एन. एस. - - -  
आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मद्रास  
मद्रास दिनांक 2 अप्रैल 1985

निवेदण सं० 18/जित०/84—अतः मुझे, प्रेम मालिनी वासन, आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी म० भर्व० 290/3 है, जो जाकीर अम्मा पाल्यम गांव में स्थित है (और इस उपाधि अनुसूची में और ज० पूर्ण मूल्य से वर्णित है) रजिस्ट्रीरी अधिकारी के कार्यालय सं० दिन० म० 2082/84 में भारतीय रजिस्ट्रीरण अधिनियम,

1908 (1908 गा 16) के अधीन दिना—

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पश्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाला गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की आवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर होने के अन्तरक अंदियाल में कमी करने या उससे अन्तरे में सुविधा के सिए; बाँड़/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में संरित के लिए;

वल अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

18-86 GI/85

1. श्री एस० आरोमतलम,  
(अन्तरराष्ट्र)  
2. श्री जिं अन्तुमणि।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइं भी आक्षय :—

(क) इह सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितनदेश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताकारी के शाश्वतोक्तन पर किया गया हो।

**स्पष्टीकरण:**—हम प्रथम वार्ता और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहो अर्थ होंगा जो उस अध्याय पर लिया गया है।

मद्रास

भूमि और विर्ग जाकीर अम्मा.लधम, । सर्वे स० 290/3. (दिन सं० 2082/84)।

प्रेम मालिनी वासन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, मद्रास

दिनांक : 2 अप्रैल 1985

मोहर :

प्रकल्प बाहर टॉप एवं एच.—

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

फारमासियम, सहायक बायकर बायूक्स (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 मार्च 1985

निदेश सं० 20/सेप०/84—अनु : मृगे, प्रेम मालिन वामन,  
नाइकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ए के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विवास करने का  
कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 79/1 ए, और 1 बी है, तथा जो  
रेट्रियर, गाव, सेलम, त.तुक में स्थित है (और इसमें उप.बद्ध  
अनुसूची में और जो पूण स्वप्न से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कामील, सेलम, दस्ता० मं० 2103/84 में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक सितम्बर 1984

इस प्रभावकर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मुझे यह विवास  
करने का कारण है कि यथाप्रवृक्ष संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, वहके इयमान प्रतिफल से ऐसे इयमान प्रतिफल का  
पन्हुङ प्रतिकार से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिकी (अन्तरिकताएँ) के बीच अन्तरण के लिए तथा याया  
गदा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में असंविक्षण से कठित नहीं किया जाया है—

(म) अन्तरण में हुए किसी आय की बाबत लक्षण प्रतिफल  
विवर के अधीन कर देने के अन्तरक के शीघ्रता में  
कमी करने या उसके बजाए या सुनिकाल के लिए  
कौटुम्बिक;

(ग) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य बासिकों  
को, जिसे भारतीय बायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगभार अन्तरिकी इवाया प्रकट नहीं किया जाया  
या या किया जाना आविष्ट था, छिपाने या शुद्धिकरण  
की विधि;

अतः यदि, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अनुसर  
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उद्धारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अविक्तयों, अधिकारी :

1. श्री एस० पी० आरम्भक मुद्रनियार,  
(अन्तरक)
2. श्रीमती वनमा नटराजन और श. न्द. जोड़ी।  
(अन्तरिकी)

को यह सूचना जारी करने प्रभावकर सम्पत्ति के अर्थन के विषय  
कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त अधिनियम के अर्थन के विषय में कोई भी वाक्य नहीं—

(क) इह सूचना के राजपत्र में सकालन की तारीख ते  
45 दिन की अवधि का उत्तममध्यमी अविक्तयों पर सूचना  
की तारीख ते 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक  
बढ़ ये समाप्त होती है, के भीतर प्रभावकर  
अविक्तयों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ब) इह सूचना के राजपत्र में अकालन की तारीख ते  
45 दिन के भीतर उक्त स्थान संपत्ति में हुए-  
बद्ध किसी अन्य अविक्त द्वारा अधोहस्ताकारी के  
पास लिनीकरत में किए जा रहे हों।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### महाराजा

महाराजा रेट्रियार गाव सर्वे नं० 79/14, और 1 बी  
(दस्ता० सं० 2103/84)।

प्रेम म.लिनि व.सन  
मध्यम प्राधिकारी  
महाराजा आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, मद्रास

दिनांक : 13-3-1985  
मोहर

प्रस्तुप आर्द्ध. टी. एन. एस.

1. श्री रम स्वामी कौटटर, और अन्य  
(अन्तरक)2. मिटि आमील प्राइवेट लिमिटेड, कम्पनी  
(अन्तरिती)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज, मद्रास  
मद्रास, दिनांक 2 अप्रैल 1985

निदेश सं. 24/प्रित०/84—अतः मुझे, प्रेम मालिनि व.सन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसकोपशब्दात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
100,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सर्वे नं. 179/3 है, जो आदमन गांव, रसिपुरम,  
त.लुक, में स्थित है (और इससे उप.बाज अनुसूची में और जो  
पूरा रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के क.र्यालय सेलम  
दस्ता० सं. 1987/84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अवीत दिनांक प्रितम्बर, 1984

को पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पुनर्ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरकी (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
सिंहत में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से छुट्टे किसी वाय की बयत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में  
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(छ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों  
को जिस्त भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्बन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्बन के संबंध में कोई आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा; •
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रामित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि अवेर निर्माण आदापान गांव, रसिपुरम, तालुक  
(दस्ता० सं. 1987/84) ।

प्रेम मालिनि वासन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज-२, मद्रास

**कड़ :** अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व (1) के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, फिल्मसिलिंग, व्यक्तियों, अभास :—

दिनांक : 2-4-1985

माहर : [Signature]

प्रस्तुप थाइ, टी. एन. एल. -----

1. श्री निं. मार्टिप्पन,

(अन्तरक)

बाणकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

2. श्री मेलवनमणि ।

(अन्तरीनी)

भारत सरकार

कार्यालय, वाहायक आयकर बायकर बायकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज 1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 अप्रैल 1985

निदेश नं० 26/प्रिन०/84-...प्रन: मुझे, प्रेम मानिनि वा त्वं,  
वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. में अधिक है  
और जिसकी मर्वे सं० 303/2 है, जो अम्मापेट, गाव मैलम  
नालुक, में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और जो  
पूण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीर्ड अधिकारी के वायालिय सेलम  
ईस्ट, दस्ता० मं० 2241/84 में रजिस्ट्रीरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 11 अक्टूबर, 1984  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से एसे दस्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्स्कौ) और  
अन्तरीती (अन्तरीतियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
सिद्धित में वास्तविक रूप से कीर्ति नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीया करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वास्तव :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति भेंगे हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टोकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को  
दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

अनुसूची

भूमि अम्मापेट, सेलम, नालुक, मर्वे मं० 303/2 (दस्ता०  
मं० 2241/84)।

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगार्थ अन्तरीती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

प्रेम मानिनि वायन  
सक्षम प्राधिकारी  
वायकर आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-१, मद्रास

कह: जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 1-4-1985

मोहर :

प्रस्तुप काहौंटी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 मार्च, 1985

निवेद सं० 31/प्रिन०/84-अन: मुझे प्रेम मार्गि निवास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मूल्य टी० एम० मूल्य 6/3/, 6/1, 7, वठिंगच, ब्लॉक 13, आल्टीपट्टी गांव, सदाम में स्थित है (अंतर इसके पाँच अनुमूलीयों में अंतर जो पूरा रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के बार्याना, नड़पट्टी, दस्ता० मूल्य 2689/84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन निम्नवर, 1984

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंचह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा दाया गया प्रतिक्रिया के लिए अन्तरण से उक्त अंतरण निम्निकृत उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्निकृत में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण के हुए किसी बाय की वायल उक्त अंतरण अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्क मौजूदियत में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय का किसी भूमि या बन्द या बास्तविक का, जिन्हें भूर्तीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: बद, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की अनुसन्धान में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री ए० निवरामन और अन्य ।

(अन्तरक)

2. श्री क० पन्नीरचेलवम, और अन्यों

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अंजन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरभूमि व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है,

मृदृश्य

भूमि और निर्माण वारठ एच, ब्लॉक 13, आल्टीपट्टी  
सेलम, (दस्ता० मूल्य 2689/84)।

प्रेम मालिनि वासन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक : 13-3-1985

मोहर :

प्रस्तुति आईटी.एन.एस.-----

1. श्री एम० सन्मुक्तसुन्दरम्, और अन्यों

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-प (1) के अधीन सूचना

2. श्री एन० पेरमास और ए० सिन्हसामि

(अन्वरती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 अप्रैल 1985

निदेश सं० 33/सिन०/84—अतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी म० न० एस० न० 6/3 है, जो अन्टीपट्टी गांव अन्वदानन्दी, में स्थित है (और इसमें उपांवद अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नादकपट्टी, दस्ता० सं० 2691/84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर, 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूसरमान प्रतिफल से, एस० दूसरमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्तविक रूप से कार्यत नहीं किया गया है ।—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायकर भूमि की कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीनों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भूमि और निर्माण आन्टीपट्टी गांव अन्वदानन्दी। (दस्ता० सं० 2691/84) ।

प्रेम मालिनि वासन  
सहायक प्राधिकारी  
आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज I, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधार प्राप्ति सिद्धित व्यक्तियों, अर्थात् ।—

दिनांक : 2-4-1985

मोहर

इष्ट लाइ. टी. एव. एड.—

१. श्री एम० रविशंकर,

(अन्तर्क)

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना२. श्री एम० दुरे, और  
सिं. वेंकटाचालम।

(अन्तर्क्रिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (पिरिक्सन)

अर्जन रेंज I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 अप्रैल, 1985

निवेदण सं० 34/सेप०/84—अतः मुझे, प्रेम मालिनि बासन, आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एस० 6/3 है जो अनन्दानपट्टी में स्थित है (आंतर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायानियम तादकपट्टी, इस्ता० सं० 2692/84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर, 84, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थवरान प्रतिफल के लिए बन्दरीत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथार्थोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थवरान प्रतिफल से, ऐसे स्थवरान प्रतिफल का अन्तर अन्तरात से अधिक है और बंदरक (बंदरकों) और बंदरिती (बंदरितीयों) के बीच ऐसे बन्दरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उत्तरादेश से उक्त बंदरण विधित से बास्तविक रूप से कठित नहीं किया जाता है ॥

को यह सूचना आज्ञा करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्तन के लिए कार्यवाहियाँ करता है ।

इष्ट सम्पत्ति के वर्तन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पालनी व्यक्तियों द्वारा सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी बाबूध बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, जिसे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्थावरान :**—इष्ट प्रयुक्त छव्वें और दसों का, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभासित है, वही वर्त छोटा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण के दूर जिसी बाब की बाबत, उक्त विधिनियम के अधीन कर देने के बंदरण के स्थवरान से कर्ती बाबों द्वारा उक्त बंदरण में बूझा कर लिए; और/या

बास्तविक

भूमि और निर्माण आन्दीपट्टी गांव अनन्दानपट्टी (इस्ता० सं० 2692/84) ।

प्रेम मालिनि बासन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज I, मद्रास

अतः बब, उक्त विधिनियम की भारा 269-ए के बन्दुरण हैं, और, उक्त विधिनियम की भारा 269-ए की उपभाय (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्ता :—

दिनांक 2-4-1985

मोहर :

प्रस्तुत बाइ<sup>१</sup>, टी. एन. एम. -----

1. श्री एम० सन्मुक्त सुन्दरम् ।

(ग्रन्तिकर)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती वि० मीनाक्षी और रामलिङ्गम ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बाध्यकार (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 अप्रैल 1985

निदेश सं० 35/सित०/84—अतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य ₹1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एम० सं० 6/3 है, तथा जो आन्टीपटी गाव, मेलम तालुक में स्थित है (और इसमें उपावड अनुसूची में आंग जो पूर्णरूप भै वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक निम्नवर, 1984, को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का बहुत ही प्रतिशत से अधिक है और यह कि अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती वित्ती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ॥—

का यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहीहो द्वारा है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोइ भी आलोचना—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाल में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

**लाप्तीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ॥

(क) अन्तरक से हूइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

मृत्यु

भूमि और निर्माण आन्टीपटी गाव मेलम तालुक (क्षमा० सं० 2693/84) ।

प्रेम मालिनि वासन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, मद्रास

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ॥—

दिनांग 2-4-1985  
माहेर .

प्रस्तुप वाहै, टी. एन. एस. -----

1 श्रीमती तत्कस्माल और अन्य

(प्रनारक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

2 श्री के. पल्लिण यप्पन ।

(अन्वरती)

भारत सरकार  
कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रज्ञन रेज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 मार्च, 1985

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबभ में कोइं भी भासेष ।—

निदेश मं. 37/मिन०/84—अन: मुझे, प्रेम मालिनि वासन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्नात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मर्द सं. 63/1मी, टोर सं. 20, वी, 20/2, मे 20/6 है, जो तिहवेन्काट गाव में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची में और जो पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तिहवेन्काट, दस्ता० मं. 2346/84 में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मितम्बर, 1984,

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ।—

(क) अंतरण से हटाई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के द्वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में भ्रिधा के लिए।

भूमि और निर्माण वार्ट मं. 17, करेशि स्ट्रीट, डोर मं. 20 वी, 20/वी मे 20/6 तिहवेन्काट । (दस्ता० सं. 2346/84) ।

प्रेम मालिनि वासन  
मक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
प्रज्ञन रेज, मद्रास

अतः अब: , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अपार्टमेंट ।—

19-86 GI/85

दिनांक 18-3-1985

सोहूर :

प्रस्तुत वाई.टी.एन एम

१ श्री दीप के. पिंगल

(अन्तर्गत)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भाग 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निराकाश)

जिन रेज-1, मंत्रालय

मंद्रालय, दिनांक ३ अप्रैल 1985

निदेश सं 10/मित०/84—आ मझे, प्रेम, गान्धीजी वारान, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-व के अधीन मक्षम प्राधिकारी ने यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी मूल्य में स्थित है (यानि इसमें उपाखण्ड दस्तावेज से और जो पर्णमा में वर्णित है) गान्धीजी के निर्देश, निर्देशनों दस्ता मं २११/८५ ने रजिस्टरी रणनीति अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अंदर दिया, भूमिकर, 1981, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथार्वाक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एम दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक्त) और अंतरिती (अन्तररनियम) के बीच एम अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भास दिया एम स्थित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण म हुई किसी आय की भावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दन के अन्तर्क एम दृश्यत्व में कम हो करते हा उसम उक्त में माँवधा के लिए, कौर/या

(ख) एमी किसी आय था किसी धन या अन्य आस्तयों का, जिसने भारतीय आदरकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, १९ धन-कर अधिनियम, १९५७ (1957 का 21) के आजन्मध्य बनारस दृश्य प्रकल्प नहीं दिया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने पर माँवधा के लिए,

अब अब, उक्त अधिनियम का धारा 269-व के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपाधान (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिया अधिनि—

२ श्री ठाकुर

(अन्तर्गत)

यह यह सूचना जारी प्राक्ति प्रमाणित के अर्जन के लिए वायवित्ति शब्द करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वास्तेप :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**माझटीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अधाय २० के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अधाय में दिया गया है।

**अनुसृत**

मूल और निम्नलिखित दस्तावेज नं ११६/४,  
(दस्ता मं २११/८५) ।

प्रेम माँवधा वासन  
ग्राम प्राधिकारी  
निम्नलिखित आयकर आयुक्त (निरीकण)  
अंग रेज-1, बस्ती

नामोद 12-4-1985

साक्षर :

प्रलय आर्फ टी. एन. एस. ----

१ श्रीमती निम्बान

(ग्रन्तरब्ध )

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की  
नंगा २६९-ष (१) के अधीन सूचना

२ श्रीमती प्रत्यावृत्ति वरी,

(अन्तर्भूती)

## वायकर अधिनियम

कार्यालय, महावकर आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-१, मद्रास

मद्रास, दिनांक २ प्रत्रैत, १९८५

निंदेण स० १४/१०/८४—आन: मुझे प्रेम मालिनि वा. नं३२५  
आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
२६९-ष के अधीन सम्बन्ध प्राधिकारी का, यह विश्वास करन  
का कारण है कि भवावर सम्बोध, जिसव: उचित वाजार मूल्य  
१,००,०००/- रु. में अधिक है  
ओ० जि. की स० नामीरिपेट गाव में विधि है (और डॉम  
उन्नावड ग्रन्तुमुचा में और जा. पूज स्वयं में निश्चित है) रजिस्ट्रीर्नी  
अधिकारी के नायलिय नामीरिपेट, वाना० स० ७३५/८४ में  
रजिस्ट्रीर्नी अंवितम, १९०८ (१९०८-ता १६) के अधीन  
दिनांक ५१८वा, १९८१

का प्रावक्त सम्बति के उचित वाजार भूत्य स कम के व्यवहार  
गतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मैंने यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्बति का उचित वाजार  
भूत्य, उसके व्यवहार शतिफल से, एसे व्यवहार प्रतिफल का  
ऐसी प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अतरकी) और अंतरिती  
(अन्तरितीयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अतरण लिखित में वास्तविक  
स्वयं से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की वाक्ता, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
शारीरिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

अनुभूति

भूमि और निर्माण नामकिरिपट, गाव नमम सर्वे स०  
५९/१ दस स० ७३५/८४)।

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, १९२२  
(१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७) के प्रयोग-  
नार्थ अंतरिती इवाय प्रकार नहीं किया गया या  
या किया जाना चाहिए या लिपाने में सुविधा  
के लिए;

प्रेम मालिनि वामन  
भवाम प्राधिकारी  
महायन आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-१, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा २६९-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ष की उपधारा (१)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक ३-४-१९८५

माझे,

प्रस्तुप बार्फ़.डी.एल.एस.-----

1. श्रीमती बो० विजयलक्ष्मी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

2. मैसेस्ट जेम, कैल्टम।

(अन्तरिती)

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 अप्रैल, 1985

निवेदन सं० 47/नित०/84—अन्तः भूजे, प्रेम मालिनि वामन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पदचार्त 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-  
ग के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. में अधिक है  
और जिसकी सं० एग० सं० 22/10.2 पन्ड 22/1 मी है, तथा ज्ञा  
ग्रन्तियूर गाव मेरकाट तालुक सेलम, डिल्टिक्ट में स्थित है (और  
इसमें पावड़ ग्रन्तियूर में और जो पृष्ठ से वर्णित है) रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के नामान्य पराणठ, दम्ना० सं० 240/84 में  
रजिस्ट्री-एण अधिनियम, 1908 (1908-16) के अधीन  
दिनांक 5 अक्टूबर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है  
कि दृश्य पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और उत्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित  
नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण से हूँ किसी वाय की धरत, उसके  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दाँपत्य  
में कर्मी करने या उससे दूरने में सूचिता के लिए;  
बीर/वा

(ब) ऐसी किसी वाय या किसी भग्न या बल्य खासियतों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रबट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सूचिता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारण (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों अधारत :—

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के अन्तर्भूत में काहे भी जाहेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या लॉन्डमी व्यक्तियों पर  
दृक्षण की बातीज से 30 दिन की अवधि वा० भी भी  
अवधि बात वे बायक होती हो के भीतर पूर्वोक्त  
अवित्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ब) इस दृक्षण के उपरन से दृक्षण की बातीज से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितदृश्य  
किसी बन्द व्यक्ति इवाय, अधोद्वाकारी के बाब  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरण :**—इसमें प्रदृश्य शब्दों और पदों का, ये उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20 के परिवर्तित  
वार्ता अथे इरोग और उस अध्याय में दिया  
गया है।

बन्दसूची

भूमि ग्रन्तियूर, गाव, एरकाट तालुक, सेलम, डिस्ट्रिक्ट  
सर्वे सं० 22/1ए.1, तथा 22/1 मी (दम्ना० सं० 240/84)।

प्रेम मालिनि वामन  
मक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज 1, मद्रास

दिनांक : 2-4-1985

प्रोटोर

प्रकाश बाहौद्दी, टी. पॅन. एस.-----

वायकर वायकरियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ए (1) के वधीय सूचना

## भारत बालबाद

कार्यालय, संहायक वायकर वायकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 अप्रैल, 1985

निदेश सं. 50/मित०/84—आत मुझे, प्रेम मालिनि वामन, वायकर वायकरियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त वायकरियम' कहा गया है) कि भारा 269-ए के वधीय सभाम प्राधिकारी को, यह विवाहास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. सं. 88/1 है, जो रायमानद्यम गाव, कीराम्पुर, पं० आ० में स्थित है (और उसमें उपावद्ध अनुसूची में और जो पूण रुप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के शायीनंप, पशामनि भेलपुर, दम्ना० सं. 732/84 में रजिस्ट्री-वायण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के वधीय दिनांकित नम्बर, 1984

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अव्याप्त प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुझे वह विवाहास करने का कारण है कि पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके अव्याप्त प्रतिफल से, एसे अव्याप्त प्रतिफल के एन्हर प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चारण में उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त वायकरियम के वधीय कर देने के अन्तरक के दार्त्तत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए जारी/वा

(ख) एसे किसी जाय या किसी धन या अन्य वास्तविकों को, जिन्हे भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकर नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा हो जिए;

1 श्री एसम पालमुस्मामि।

(अन्तरक)

2 श्री विं जानवेल।

(अन्तरिती)

को वह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करूँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी वास्तेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्क्षेव वधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अन्तिम तारीख में भविष्यत हाती हुा, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाया,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में उक्त कारण की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें अंगृही

**स्थावरिकरण:**—इसमें प्रयुक्ति करने वाले 20 वर्षों का, जो उक्त अधिनियम, के वधाय 20 वर्ष में परिभासित है, वही बारी होगा, जो उस वधाय में दिया गया है।

भूमि गमनाला इम गाव, सं. सं. 88/1, (दम्ना० सं. 732/84)।

मध्यम प्राधिकारी  
मध्यम प्राधिकारी  
संहायक वायकर वायकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, मद्रास

अस्त: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1) के वधीय, निम्नलिखित व्यक्तियों, अस्त:

दिनांक 2-4-1 1985  
मोहर .

प्राचीन विद्या का अध्ययन

१ श्री मैत्र भरवणन,

( अस्त्रक )

प्राप्तकर अधिनियम १९६१ (१९६१ का ४३) की  
पारा २६९-१(१) के अधीन सूचना

३ श्री एम्० नटराजन

(अन्तरिक्ष )

वार्षिक विद्यालय

कार्यालय, रुद्रायक बाबू ए. आदित्य (निरीक्षण)

यशस्वी रेज-1, मद्रास

मंद्रा : दिनांक 28 नवंबर 1985

निवेश अ० 51/ि नं०/८४--- प्रता सुझे प्रेम मानिति वा इन  
जायकर अधिनियम, 1961 (1961 दण् 43) (जिसे इतने  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा रखा है) की भारा  
269-स के अधीन सकेम प्राधिकारी थे, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका अधिक बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिससे म० है, तभी जो भव्य हिंदि गाव से स्थित है  
 (आठ दशम उपाध्यक्ष प्राचीनों ने प्रारंभ में कर्णित है)  
 अजम्बैरी नीं प्रधि गर्मा न जारी है तो हिंदि दुर्ग म इसना०  
 म० ६६६६/४१ से अधिकारण प्रवित्रिम, १९०८ (१९०८  
 जा १६) के प्रधीन फ़िल्म लिटम्बर, १९४४

करे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अव्याप्ति ग्रन्तीकरण के लिए बन्तारित करें। यह ही बैंक मुक्ते यह विधायक करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त रूपपत्ति छा उचित बाजार मूल्य, उसके अव्याप्ति ग्रन्तीकरण के लिए खास ग्रन्तीकरण विधायक प्रतिक्रिया से विभिन्न है और बदलाव (बंटारका) और जातारती (बदलारती) के बीच एकेसे व्यवरुधा की। लिए तथा याकामया विधि-विधि विभावित उद्देश्य से उक्त बन्तारण लिए गए हैं—

को यह सुनना चारी करके पृथक्कित संपत्ति के अर्बन के विषय कार्यवाहिनी करता है।

सभा दलील के अर्जन के प्रयत्न में कोहौं नी बालों ॥—

(८) इस बुधवार के रात्रिपत्र में अकाहन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्वयी व्यक्तियों पर भूमध्य की तारीख से 30 दिन की अवधि, या भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भौतिक पूर्वान्तर व्यक्तियों वे किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस कृष्णा के राखपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त राखपत्र सम्पत्ति में हिन्दूप किरी अन्य व्यक्तित्व द्वारा, जधोहस्ताक्षरी द्वे पाठ्य लिखित पा० लिखा द्वा० संक्षेप ।

**प्राचीनकालम्:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्चत  
शब्दोंमें से हैं, का ११-३४ २०-के ग्रन्थभाषण  
है, वही वर्थ हासा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

क) अन्तरण से हाई कोर्ट की जाव की बाबत, उसका अधिनियम के अधीन कर देने के असरका के वादित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

भूमि और निर्माण मन्त्रीराज, गाव नाटाम्पालयम् (कस्ता०  
म० ६६६/८४)।

(क) एसौ किसी आय या किसी धन वा बच्चे बांधितों  
को, जिन्हें भारतीय आदेश अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम वा  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रभोजनार्थ बन्तरिती द्वाये प्रकल्प महीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने उसे  
मंडिता के लिए;

प्रेम मालिनि वामन  
मध्यम प्राधिवारी  
उर आयुष्ट (निरीक्षण)  
प्रजन रे ज- , मद्रास

जहत अब, उक्त अधिनियम की भाग 269-ए के अनुसार  
पृ. ३१, उक्त अधिनियम की भाग 269-ए का उच्चार (1)  
है अशीन, जिसनिविष्ट व्यक्तियों, अथवा ५—

卷之三 38-3-1985

मात्र : १

## प्रकल्प वार्षिक टी. पुनर्प्रकल्प —

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

## प्रातः शास्त्र

कार्यालय, संस्थायक आयकर बाध्यकात (निरीक्षण)

श्रीजन रोज़-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 अगस्त 1985

निहण मा० 52/मि०/८५-अन्तः मुझे, प्रेम मानिनि वामन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन संस्थम प्राधिकारी को यह विवाद करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० है, जो उनिरादितावल गाव में स्थित है (और इसमें पावड़ ग्रन्थालय में आगे जो पूण स्थान में वर्णित है) रजिस्ट्रीर्टी अधिकारी के व्यावधि, मन्दमन्दाजम, दस्ता० मा० 1358/84 में रजिस्ट्रीर्टन प्रतिनियम, 1908 (1908-प-16) के अधीन दिला० निम्न, 84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से ऐसे इश्यमान प्रतिफल का एन्डह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी वाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अनारक के दार्शन में कही छारने का लक्षण वर्षमें अंदिका के लिए; और/या

बन्दूकी

भूमि और निम्न उभिरमादितावल गाव (दस्ता० मा० 1358/84)।

(ल) ऐसी किसी वाय या किसी धन या वन्य आस्तीयों को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से दूरिता के लिए;

प्रेम मानिनि वामन  
प्रतिपादित वामन  
मन्दमन्दाज (निरीक्षण)  
श्रीजन रोज़-1 मद्रास

अन्तः वव, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अन्तरण में, भूमि, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 2-4-1985

ओहर

प्रकल्प आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री मिं आर० पदमनाबन और अन्य

(अन्तरक)

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

(2) श्री पं० मार्भमदाम और पं० पीटर ।

(अन्तर्गती)

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़- , मद्रास

मद्रास, दिनांक 19 अप्रैल 1985

वे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीहों करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सबूत में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश स० 94/मित०/84—यत्, मुझे, प्रेम मालिनि वासन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी म० आर० एस० म० 3562 है, जो 248, अन्काप नामकन स्ट्रीट, मुत्तमालपेट, जी०टी० मद्रास में स्थित है (और इसमें उपावद्व अनुसूची में और पूर्ण न्यू में वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय मद्रास नामत दम०—स० 2541/84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1984

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एम्बे अतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अतरण लिखित में वास्तविक रूप से काँथा नहीं किया गया है।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जधाहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, अर्द/या

अनुसूची

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्यकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या इसी आय का घाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भूमि और निर्माण स० 248, अन्काप नामकन स्ट्रीट, मुत्तमालपेट जी०टी० मद्रास (दम० स० 2541/84)।

प्रेम मालिनि वासन  
संक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज़-I, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अनुसारा मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्तमान

दिनांक : 19-4-1985

मोहर,

प्रधान बाहेरी दी.एन.एस. -----

(1) श्रीमती आरो एम० चिन्द्रामनि आचि।  
(अल्परक)भारत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ग (1) की वधीन सूचना(2) श्री पानियामा।  
(अल्परती)

## भारत उत्तरकाश

काग्रांतिय, भारतीय भाषकर भावुकत (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, भद्राम

मद्रास, दिनांक 9 अप्रैल 1985

निर्देश मा० 95/मन०/84—यह, मुझे, प्रेम भाविति वासन, भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इहके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ग के वधीन संक्षम ग्राधिकारी को यह विवरण करने का कारण है कि स्थावर मर्मान्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मा० आरो एम० मा० 46,1B3 है, जो मुद्रमण्डम प्रस्टेट, नेन्कल्ट गाव मेरकाट डिस्ट्रिक्ट, मे० स्थित है (श्रीम उक्त अनुसूची में और पूर्ण लिपि में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भद्राम नाम संखा० मा० 2539/84 में रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मित्रव्य, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के निए अंतरित की गई है और मूल्ये यह विवरण करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिद्धित ने वास्तविक रूप से कठिन नही० किया गया है :—

(क) अंतरण से हर्दू किसी भाय की दावत, उक्त अधिनियम की वधीन कर दिन के अनुसू० 19 दाविद्यम में की करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तीदों के, जिन्हे भारतीय भाषकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, ए अंतकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नही० किया गया था ए जिस जात चाहिए था, जिसमें मैं सुविधा के लिए;

को यह सूचना बारी करने पूर्वोक्त इमान्ति के वर्जन के विषय कार्यान्वयिता करता है ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवाय :—

(क) इस सूचना वे राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की वधीन या तत्सम्बन्धी अवित्तियों पर मूचना की तारीख से 30 दिन की वधीन, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, जो भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में किसी अवित्त द्वारा,

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संग्राही या हित-इदृष्टि किसी नये व्यक्ति द्वारा अधारस्थान से पाये जिसके में उक्त जा सकेग।

**स्वाक्षरण** ——इसमें प्रथम गद्यां और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्यय 20-के में परिभाषित हैं, उन लाभ लाये जा उम सायाय में नही० भवा है ।

अनुसूची

भूमि — मुद्रमण्डम प्रस्टेट, नेन्कल्ट गाव, मेरकाट डिस्ट्रिक्ट  
(दिना० मा० 2539/84) ।

प्रेम भाविति वासन  
भद्राम प्रा० बकारी  
भारतीय भाषकर भावुकत (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, भद्राम

/ अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1), अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
20-86 GI/85

दिनांक 9-4-1985

मंहूर :

प्रकृष्ट साहै. डी.एन.एस. -----

(1) श्री एन० जी० विस्वनाथन।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्री एल० दत्तवाल,

(अन्तर्भीक्षणी)

भारत सरकार

कार्यालय, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 अप्रैल 1985

निवेश सं० 100/सितम्बर/84—यतः, मुझे, प्रेम मालिन वासन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सुके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 69-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का गरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाषार मूल्य ₹,00,000/- रु. से ज्यादा है

और जिसकी सं० टी० एस० सं० 17, वार्ड है, प्लाट 8 है, जो पलपटी गांव, सेलम टाउन में स्थित है (और इससे उपाध्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास नारत—दस० सं० 2435/84 एंड 2438 म रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1984

ने पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाषार मूल्य से कम के दस्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास देने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाषार मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का द्वह प्रतिशत से बाधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरस्ती (अंतरीरातीयों) के बीच दोनों अंतरण के बीच इन पाया गया तेकल, निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अंतरण सिस्तम भौतिक रूप से कार्यसंगत नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को लाभीत से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाव में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अंतरण से कुछ किसी जात की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी भरने या उसके बच्चे में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी जात या किसी धन या अन्य आस्तीयों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

**भूमि**

भूमि और निर्माण पलपटी गांव, सेलम टाउन, टी० एस० सं० 17 (दस० सं० 2435/84 तथा 2438/84)।

प्रेम मालिन वासन  
सक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुपरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) अभीम, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 2-4-1985

घोषणा :

प्रस्तुत आदौ.टी.एन.एस.-----

(1) श्री ज्ञानचन्द्र बोहरा।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

(2) श्री नूर मुहम्मद यूसुफ और नूर मुहम्मद किजर।  
(अन्तर्गती)

भारत सरकार

कांगड़ालिङ्ग, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 19 अप्रैल 1985

निर्देश सं 101/सितम्बर/84-यतः, मुझे, प्रेम मालिनि वासना,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं आर० एस० सं 56/1 है, जो डोर सं ०  
२३ एंड २७, पूननो हाई रोड, मद्रास-३ में स्थित है (और इससे  
उपाध्य अनुमूल्यी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, पेरिमेठ—दस० सं ९२८/८४ में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
मित्तम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल वं लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्थह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निर्दिष्ट में बास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक के दायित्व  
में किसी करने या उत्तर से बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्ध आस्तीयों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजन-  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना आविष्ट था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

बदः बद, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1)  
से अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीक्षण ८—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्षा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीष  
45 दिन की व्याधि या तत्समानी व्यक्तियों  
सूचना की तात्परी से 30 दिन की अवधि, जो  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्ण  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीष  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्धि  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अचाहस्ताकरी के प्रा-  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभाषा  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुमूल्यी

भूमि और निर्माण डोर सं २६ एंड २७, पूनमलि हाई रोड  
मद्रास-३ आर० एस० सं ५६/१ (दस० सं ९२८/८४)।

प्रेम मालिनि वासन  
सधम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक : 19-4-1985

माहूर ४

प्रकृत बाईं. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
भारा 269-थ (1) के अधीन संचाला  
भारत सरकार

कार्यालय, महापक्ष आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 अग्रह 1985

निदेश सं० 110/सित० 84—अत. मुझे, प्रम मालिनि वासन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-थ के अधीन सभी प्राधिकार, को यह विवाह करने का  
कारण है कि अधिकारी 1, विवाह बाजार नल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

ओरार्जिसकी सं० आर० एम० स० 1368/30 है, जो 2, सुवाराय  
मुद्राल म्ट्रीट, पुडुपेट, मद्रास-2 से स्थित है (ओर इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और जो पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्टर्ड क्र. नं.  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाय शितघ्न  
1984

क्यों प्रावित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कह के दृष्टिकोण  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विवाह करने का कारण है कि यथाप्रावित सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृष्टिकोण प्रतिफल से ऐसे दृष्टिकोण प्रतिफल का  
एन्ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर, (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य सं उक्त अन्तरण  
निर्दिष्ट में वास्तुविक रूप से कार्यित नहीं किया गया है :—

1. श्रीमती मेमून बीवि

(अन्तरक)

2. श्रीमती सुशीला बामी

(अन्तरती)

को यह संचाला आरी करक प्रावित सम्पत्ति के अधीन के लिए  
कार्यवाहीय करता है।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के संबंध में कोई भी वाक्य :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या सत्त्वाभावी अविक्षयों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद से लगात होती है, के भीतर प्रावित  
विक्षयों में से किसी अविक्षय इतारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त अधिकारी गमीनत में हितप्रदृढ़  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्नाकर्ता के पास  
लिखित में किए जाएँ।

**सम्बोधित:**—इसमें प्रदृक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हूँ इ किसी आय की वाक्त उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर इन्हें के अन्तरक के  
दृष्टिकोण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
का जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं (किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाये में भवित)  
ही लिए;

भूमि और निर्माण 7, सुवाराय मुद्राल, म्ट्रीट, पुडुपेट,  
मद्रास-2 (दस्ता० सं० 859,84)।

प्रेम मालिनि वासन  
सभी प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज I, मद्रास

बत: जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ के, अन्तरण  
में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्षियों, वर्धात :—

दिनांक 2-4-1985

मोहर:

प्रस्तुत आर्ड, टी.एस.एस. -----

1. श्री के० दी० जै० प्रकाश।

(ग्रन्तरक)

श्रावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

2. श्री वी० मन्कलवरामन।

(ग्रन्तरक्ति)

मानव संरक्षण

कार्यालय, सहायक आयकर व्यापार (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 19 अप्रैल 1985

निवेश सं० 114/पवै/84—अनः मुझे प्रेम मालिनि वासन, कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विभे० इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा यथा है), की भारा 269-व के अधीन व्यापार प्राधिकारी था, यह विवरण करते का कारण है कि स्थायी सम्पत्ति, विमला उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० प्लाट सं० 28 टी० एस० सं० 52/1 है, जो मद्रास, कार्यालय, मद्रास में स्थित है (और इसमें उपावड ननुसूचा में और पूर्ण स्टूर्मे वर्गित है), राज्यप्रौद्योगिकी अधिकारी के कार्यालय, में भौमीयम दस्तावेज सं० 3305/85 में भर्ती द शुजूज़ीवारण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के छावड बाजार, द्वारा उक्त कर्ता के व्यवसाय प्रतिफल के लिए व्यक्तिगत की गई है और इसके यह विवरण करने का कारण है कि व्यापारीकृत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल स, एस० व्यवसाय प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अंतरक) और अंतरिक्षी (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अन्तरण जिल्हात में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) बन्धन से हुए नियम व्याप० सं० 52/1 द्वारा उक्त की अधिनियम के अधीन या देने के जारी के दारिद्र्य दो कमी करने या उनमें बचाव में सुविधा के लिए, और/या

मनुष्य

(ख) एपी नियमी कानून या विभी० द्वारा अन्य शासनियाँ को, जिन्हे भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1932 (1922 जा० 11) या उक्त अधिनियम, 1961 अनुकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा पठन नहीं किया गया था या किया जाना आवृत्त या व्यवसाय में सुविधा के लिए;

मूमि और निर्माण व्याक सं० 3 टी० एस० सं० 52/1,

ज्ञाट सं० 28 प्रश्न कार्यालय, मद्रास,

(दस्ता० सं० 3305/84)

प्रेम मालिनि वासन  
सक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर नायुक (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, मद्रास

लाल लाल, दृष्टि व्याप० सं० 1 द्वारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भवा० 269-व का उद्देश्य । (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अन्तियाँ, अपौर्ण —

तारीख : 19-4-1985

माहूर :

प्रकाश बाहुदी एन. एस. -----

1. श्री सवरन प्रसाद।

(अन्त)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ए (1) के विवेक सूचना

2. श्री ए० टी० सम्पत्त

(मन्त्र.)

संसद विभाग

क्रमांक संख्या (निर्देश)

अर्जन रेंज 1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 20 मार्च 1985

निर्देश सं० 117/संवै/84—ग्रत. मुझे प्रेम मालिनी  
वासन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ए के विवेक सूचना ग्राहिकारी को यह विवाह करने का  
कारण है कि स्थापत उड़ान, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० 45, तान्त्रिक रायन मुद्रालि स्ट्रीटन्टमार्टे  
मद्रास-4 में स्थित है (और इससे उपावढ अनुसूची में आं  
पूर्णस्प से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
रायपुरम दिस० सं० 1521/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर 1984  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाह करने  
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दरयान प्रतिफल से, एस  
दरयान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के निम्न दर पाया यक्का प्रतिफल, निम्नलिखित  
चुदायेय से उक्त अन्तरण निर्दिष्ट में वास्तविक रूप से अन्तरण  
नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी जात की वाला, स्थान  
अधिनियम के विवेक कर देने के अन्तरण से  
वासित्व में कमी करने या उक्त विवेक में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) एसी किसी जात या किसी भव या जन्म आत्मदो  
को, जिन्हे भारतीय बायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाया  
था या किया जाना चाहिए था, जिसमें में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1)  
के विवाह, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

कां मह सूचना वारी कुड़े पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तर्गत के  
विवेकाद्वयों करता हूँ।

उक्त विवेक के अन्तर्गत के उपावढ में कोई भी वास्तव :

(क) इस सूचना के राष्ट्रपति में प्रकाशन की तारी  
45 दिन की विवाह वा तस्वीरी व्यक्ति  
सूचना की तारीख से 30 दिन की विवाह,  
विवाह वाले में समाप्त होती हो, के भीतर  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राष्ट्रपति में प्रकाशन की तारी  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा विवाह स्थापित होती हो।

**स्वाक्षरीकरण:**—इसने प्रदूषत वस्त्रों और पर्वों का, जो  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि  
है, वही वर्थ होगा जो उस अध्याय में  
मता है।

मुद्रालि

भूमि और निर्माण 45, नाश्तवरायन कुड़ील  
नन्टमार्टेट, मद्रास-13।

(दस्तावेज सं० 1521/1

प्रेम मालिनी व  
मक्षम प्राधि  
सहायक आयकर आयकर (निरीद  
अर्जन रेंज-1, -

तारीख: 20-3-1985

मोहर :

प्रधान बाइंडर, टी.एस., पृष्ठ. ——————

1. श्री दी० सेनीलाल और अन्य।

(अन्तरक)

कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारत 269-व (1) के अधीन सूचना

2. मैसर्स टिम्बर्स रिसर्च सेल्टर फॉटिशन।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 अप्रैल 1985

श्री स० ११८/सेप/८४—प्रतः मुझे प्रेम मालिनी वासन अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें भारत 'उच्च अधिनियम' कहा गया है), की भारत के अधीन सूचना प्राप्तिकारी को यह विस्तास करने का कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100/- रु. से अधिक है

सकी स० आर० एस० स० 498/1 है, जो भा० दसव स्ट्रीट रायपुरम, मद्रास-13 में स्थित है (और पावडू अनुसूची में और पूर्ण सूप से वर्णित है) जर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुरम दस्ता० स० 34 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर 1984

त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को इस्तमान के लिए अनुमित की गई है और मूँहे यह विस्तास कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार के इस्तमान प्रतिफल से ऐसे इस्तमान प्रतिफल का शात से अधिक है और अंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (रो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय काया गया अनुसन्धानिक उद्देश्य से उक्त अंतरण स्थिति ये रूप से कठित नहीं किया गया है :—

अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उच्च अधिनियम की अधीन कर देने के अन्तरक वा बाहित्य में कोई करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तवों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसी अधिनियम, वा अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वा प्रयोजनात्म अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने वे मुक्ति के लिए।

उक्त अधिनियम की भारत 269-व के अनुसूचणा उक्त अधिनियम की भारत 269-व की उपधारा (1) निम्नलिखित व्यक्तियों, बायांत् २—

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधिन के लिए कार्यवाहीयों करता है।

उक्त संपत्ति के अधिन के संबंध में कोई भी वास्तेप :—

(क) इस दिन राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के अंतिम या नौमंधीरी व्यक्तियों पर सूचना के तात्पोत ने 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाष में भगाए होनी हो, ते भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;

(द) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के ताप लिखित ने किये जा सकते।

उपर्युक्त :—इनमें प्रमुख 'उत्तर प्रदेश, जा० उत्तर मध्य रियास ने अड्यार० १०० में परिवायित है, वही वर्ष होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

मध्यस्थी

भूमि और निर्माण स० 4, वेस्ट भाट स्ट्रीट, रायपुरम,  
मद्रास-13।

(दस्तावेज स० 1515/84)

प्रेम मालिनी वासन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, मद्रास

संदर्भ : २४-१९८५

शोहर

श्रीमृता शुभा<sup>१</sup>, टी. एन. एस. —  
आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ए (1) के अधीन सुचना

1. श्री एस० आर० शनमुखम्।

(अन्तरक)

2. श्रीमती दी० विमला रानो।

(अन्तरिती)

### भारत उच्चार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 मार्च 1985

निर्देश सं० 119/सेप/84—ग्रन्त मुझे प्रेम मालिनी  
वासन

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
दृष्टव्यान उक्त अधिनियम कहा गया है), की भारा  
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवरण करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भल्ला  
1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० डोर सं० 41 है, जो गुरुवर्षा चैट्टी स्ट्रीट  
चिन्टाद्रीपेट मद्रास-2 जो म स्थित है (और इसमें उपावड़  
अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय  
पेरीयाभेट दस्तावं सं० 967/84 के रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के  
कार्यालय में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1984

का प्रवर्तनी सम्पादन के उचित वाराण मूल्य में इस के दस्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवरण  
करने का कारण है कि यथापूर्वीकृत सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल स, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का  
पढ़ह प्रतिघत स अधिक है और अनुरक्त (अनुरक्ती)  
और अनुरिती (अनुरितियों) के बीच इस अनुरक्त के नित गया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दाशय में उक्त अनुरक्त निम्नलिखित  
मास्त्रिक रूप से की गई नहीं किया जाया है —

(क) अन्दरका दुर्दृश्य किसी वाय की वावल, उच्छृं  
अधिनियम के अधीन कर देने के व्यावरण के दावित  
में कभी करने पर उसके बचन में सुर्योग के लिए,  
जौर/शा

जनकी

(ब) एसी किसी वाय का किसी भन पर जन्म वास्तवियों  
का जिह्वा भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) पर उक्त अधिनियम, मा धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तोर्ती इनाम प्रक्र नामी दिया गया  
नं० २१ दिना त्र ८ अ० शा ना लिया रे र्या  
के लिए;

भूमि और निर्दोष डोर सं० 41, गुरुवर्षा चैट्टी स्ट्रीट,  
चिन्टाद्रीपेट, मद्रास-2।

(दस्तावेज सं० 967/84)

प्रेम मालिनी वासन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज 1, मद्रास

दत्त अव, जिस अधिनियम की भारा 269-ए के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित आक्षयों, अधीन —

तारीख : 12-4-1985

मोहर

प्रस्तुप आर्फ.टी.एन.एस.-----

1. श्रीमती गिवागामी और अन्य।

(अंतरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री एम० सुपारास।

(अन्तर्गती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 अप्रैल 1985

निर्देश सं० 120/सितम्बर/84—अतः मुझे, प्रेम मालिनी  
वासन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सूचना प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण तो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,70,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० आर० एम० सं० 305 है, जो 83, अस्ताचल  
नायकता स्ट्रीट, मिन्दारीपेट, मद्रास-2 में स्थित है (और इसमें  
उपांचढ़ी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, पेरिमेट दब० सं० 972/84 में भारीय  
रजिस्ट्रीरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती  
(अंतरितियों) की बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कीर्तित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाक्त, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
दर्शित दृष्टि कमी करने वा उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) दरें किसी आय या किसी छन या अन्य अस्तित्वों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रधोजनये अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या निया जाना चाहिए था, छिपाने पैं सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसन्धान  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

21—86GI 88

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीपूर्ण करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कहाँ भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना में राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन को लात्रिय या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
जवाब दाइ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना द्वे राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितद्रुष्ट  
दिनमें अथवा अधित द्वारा अधोहृणाकारी के पास  
लिखित भाँ किए जा सकेंगे।

२. इन्द्रजीत सिंह :—इसमें प्रष्ठान शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अध्याय 20-क में परिभाषित  
जाते हैं, जो उस अध्याय में दिये  
गए हैं।

अनुसूची

भूमि और निम्न-83, अस्ताचल नायकता स्ट्रीट,  
मिन्दारीपेट, मद्रास-2।

(दस्तावेज सं० 972/84)

प्रेम मालिनी वामन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 18-4-1985

माहूर :

दस्तावेज़ १५६

१. श्रीमती राविदा बी.।

(अन्तर्गत)

1961 का अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) की अधीन सूचना

भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्रीनगर रोज़-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 अप्रैल 1985

निरीक्षण नं. 123/पितम्भर/84—आ. मध्य, प्रेम म. निला वारान  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
अक्षय पट्टा १३ तथा १४ घ (प्राचीन दृष्टि द्वारा है), या धारा 269  
का अधीन लगाए प्राचीनकालीन का, ५५ अवधिकार अनुसार जारी की गयी है कि स्थावर वायुक्त उत्तराधिकार वाले भव्य  
1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिम्मे १० १७ लाख सेस्टर स्ट्रीट, मफूमान घारटन,  
मद्रास-१ से मिल हैं (जो इसे अपनाह अनुमती में थीं  
पूर्ण रूप से दर्जा हैं), निरीक्षिका गणि तरी के अधिनियम  
सौनारोड इम० १, १५०/८४ में पारित रखिया गया  
अधिनियम, 1908 (1908, १०) के अधीन निरीक्षण  
पितम्भर 1984

ओ पूर्वोक्त रामात्मक के उचित दावाएँ वाल्य से कर्म के दृश्यमान  
प्रतिष्ठन के लिए उत्तराधिकार वाले १० १७ लाख सेस्टर स्ट्रीट  
करने का नियम है और नियम द्वारा  
बूल्द, उसके अधिकारी के दृश्यमान प्रतिष्ठन का  
पूर्ण प्रतिष्ठान से प्राप्त है और उसका (अन्यरक्तों)  
और अंतरिती (अन्तरितियों) द्वारा दर्जा गया प्राप्त  
कर, निरीक्षिका उदाराधिकार ने १० जनरल निवित में वास्त-  
विक्षण करने की क्रिया गयी है।

(क) अन्तर्गत में हृदृष्टि की जग को दावत, उक्त वैधि-  
नियम के अधीन कर दिये के अनुरक्त के दृश्यमान  
में कमी ५३२८ घ (वाले में सुनिधार के लिए  
हृदृष्टि / ११

(ख) पारी १ ग्रामी आय का किसी धन या अन्य वास्तविक  
को जिहू भारीग आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 वा १) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
जा नियम जाना जानिया जा लियाने में भुविधा  
की जिग्म,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्,—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मृद्दना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद भा समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंग।

**पृष्ठीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 29-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होता जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण म० 27, अप्रैल सेस्टर स्ट्रीट मफूम घान  
घारटन, मद्रास-१।

(दस्तावेज़ स० 450/84)

प्रेम मालिनी वाला  
नाम प्राधिकारी  
गहायक आदाध आयुक्त (निरीक्षण)  
अवैन रोज़-१, मद्रास

तारीख 12-4-1985  
मोहर

प्रकाश नाइट, टी. एन. एस. ८ - - - - -

बाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भाग 269-म (1) के अधीन सूचना

1. श्रीमती अम्बणी और श्रव्य।

(अन्तराल)

2. श्रीमती लक्ष्मी के० जेन।

(अन्तरिती)

## भारत विद्यालय

कार्यालय, सहायक बायकर आयोग (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक: 9 अप्रैल 1985

निर्देश सं. 126/सितम्बर/84--अतः मुझे, प्रेम म.लिनी  
व.सन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उत्तर अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-म के अधीन सूचना प्राप्तिकारी को, यह विश्वाल करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

ओर जिसकी धर्म सं. 7207 है, जो मं० ५. तिम्पली स्ट्रीट  
जारज टाउन मद्रास-७९ में स्थित है (और इससे उपावट  
ग्रन्तियाँ में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी  
के कार्यालय सीकारेट दम्प सं. 464/84 से भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तरीके निर्वाचन 1984

को प्राप्तिकरण सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का बारण है कि यथापूर्वकित सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अस्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निर्मालित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में बास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है—

(अ) अन्तरण से हट किसी बाब की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में दरिद्र के लिए  
और/या

(आ) ऐसी किसी बाब मा किसी धर्म वा अस्तित्वों  
को, जिसे भारतीय बायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग-  
नार्थ अन्तरिती इवाय प्रकट नहीं किया गया या  
या किया जाना चाहिए था उसपाने में मुविधा के  
बिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसार  
वर्ष, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों बाबत—

का यह न्यून शारा कर्त्ता प्राप्तिकरण सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिक शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्बन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र भा० प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या उत्तममध्यमी व्यक्तियों पर  
सूचना की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में सधारन हानी भी, ले भीतर उप्राप्ति  
व्यक्तियों में मैक्सी अन्तिम दृश्यगत;

(ख) इस सूचना के राजपत्र भा० प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उसने स्थावर नमूना भी हित-  
दृष्टि किसी अन्य व्यक्ति द्वाया त्रिभास्ताकारी जै  
पात्र लिखित में लिए जा सकेंगे।

**प्राप्तिकरण** ——इसमें प्राप्तिकरण शब्दों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अन्तर्गत २० के अंग्रेजीय  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## लक्ष्मी

भूमि और निर्माण सं. 5, तिम्पली स्ट्रीट जारज टाउन,  
मद्रास-७९ धर्म सं. 7207।

(दम्प सं. 464/84)

प्रेम मालिनी वामन  
नक्षम पाठियारी  
सहायक बायकर अ.युक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तरीख 9-4-1985

माहूर :

प्रधान प. बाइ, टै. एन. एम. -----

1 श्रीमती रुक्मणी जनारदन।

(अन्तर्रात्रि)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

2 श्री एमो नावाराजन।

(श्रीमती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रोड-1, मद्रास

मद्रास, दिनोंह 27 मार्च, 1985

निर्देश सं 129/सितम्बर/84—अतः मुझे, एम मलिनी  
वासन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्ता अधिनियम' कहा गया है), भी आय  
269-व के अधीन स्थान ग्रामीणकारी को यह निकाश करने का  
कारण है कि स्थान विवित, ग्रामीण का नाम उत्तर भव्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं 129 लौ 1 डी०, है, जो नटुवन्करे गांव,  
अरिन्द्र अम्बा नगर से स्थित है (आख इस उपावद अगुन्धी  
में और पूर्ण रूप भवित्व देता है), रजिस्ट्री नियमित तथा  
अम्बा नगर दसं 3108/84 में भारतीय नियंत्रण एवं  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दारोख  
सितम्बर 1984

को पूर्विकता सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्रात्रि की गई है और मुझ यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एवं द्वयमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तर्रक (अन्तर्रको) लाइ  
अन्तर्रात्रि (अन्तर्रात्रिया) के बीच एस अन्तरण के लिए तथा  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छक्केदेश से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृष्ट किसी आय की आवत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर्द दल के अन्तर्रक के  
दायित्व में कभी कहने या उससे व्यवसे या लौटिया  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या विसी धन या अन्य आस्तीय  
को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तर्रात्रि  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ  
अन्तर्रात्रि द्वारा प्रबल नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए,

बत्त चन, उक्त अधिनियम नी आय 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की आय 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिशां, अर्थात् :—

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कायवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या उसकी व्यावरणी पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थान अपनी व्यक्ति द्वारा  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोन्तस्तानी के पास  
प्राप्ति भी किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रथम शब्द और पद का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस आद्य एवं द्वया  
भी होगा है।

अनुसूची

भूमि और निवास नटुवन्करे गांव, अरिन्द्र अम्बा नगर।

(दस्तावेज सं 3109/84)

एम मलिनी व.सन  
दाय ग्रामीणकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रोड-1, मद्रास

तारीख 27-3-1985

मंहूर :

प्रह्लाद आई. टी. एन. एस. -----

(1) श्री एट० प्रमिणपत्रन्।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री गोपाल पण्मुख।

(अन्तरिती)

भारत सरकार  
कल्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज़-1, मद्रास

मद्रास दिनांक 6 मार्च 1985

निःदेव सं० 130/सिव/84—प्रतः मुझे प्रेम भालिनी  
वामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० डॉर म० 3, युनाइटेड इन्डिया नगर पस्ट  
स्ट्रीट, अयनाराम में स्थित है (और इसके ऊपर अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से दर्शित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिवारी के  
विधिय, अल्लामगढ़, दस्तावेज सं० 3125/84 में भारतीय  
रजिस्ट्रीरण प्रतियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख सितम्बर 1984

को पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हस्यमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई  
है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके हस्यमान प्रतिफल से, ऐसे हस्यमान प्रतिफल का  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
प्रत्या गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्य में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीमें करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तापील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वान्तर  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विस्तृत में  
से किए जा सकेंगे।

**प्रबलोकरण:**—हस्ते प्रयृत शब्दों और पर्वों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण डॉर सं० 3, युनाइटेड इन्डिया नगर  
फस्ट स्ट्रीट, टी० ए५० भ० 94, प्लाट सं० 17।

(दस्तावेज सं० 3125/84)

प्रेम भालिनी वामन  
मक्षम प्राधिकारी  
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज़, मद्रास

तारीख: 6-3-1985

मालिक

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रलेप आई.टी.एन.एस.-----

1. श्री सी० विरुद्धनगडम।

(अन्तर्गत)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री एस० भास्कर और श्रीमती बो० भुवनेश्वरी।  
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 अप्रैल 1985

निरेंग सं० 131/फिल्म्बर/84--आ॒ मुझे, प्रेम मालिनी  
वामन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० एम० नं० 162/पार्ट टी० एस० सं० 85 है  
जो नदुवकरै गांव में स्थित है (और इसे उपावड़ अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-  
लय अन्नानगर दस्तावंश सं० 3135/84 में भारतीय रजिस्ट्रीलरण  
अधिनियम, 1908 (1908 नं० 16) के अधीन, तारीख  
सितम्बर 1984

करो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनाथे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अनुसूची

भूमि—नदुवकरै गांव, टी० एस० सं० 85, नाम नं०  
2290।

(दस्तावेज सं० 3135/84)

प्रेम मालिनी वामन  
मक्षम प्राधिकरी  
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण))  
अर्जन रेज-I, मद्रास

नोट: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

त.रीय. 9-4-1985

मोहर :

४०८ लाख १० दी० एवं ० एवं ०-

१ श्रीमती जेदम्भ भा और अच्युत।

आधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

२ श्री वी० ब्राह्मा राय।

(अन्तरिती)

## उच्चत सूचना

कार्यालय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 अप्रैल 1985

निर्देश सं० 132/मितम्बर/84—अन मध्ये, प्रेम मालिनि वामन आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उत्तर व्याधिनियम' कहा जाता है), की भारा 269-व ने अधीन मकान प्राधिकारी का यह विवेतास करने का कारण है कि आयकर सम्पादित जिम्मका उचित बाजार बूल्य 1,00,000/- रु से अधिक है

और जि 'वी० सं० एम सं० 207, पार्ट-2 है, जो निर्मलगंगा में स्थित है (ओर इसमें उपनिवास अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट में वर्णित है), जिसमें नियमित व्यक्तियों के आयलिय अम्भा नगर दस्तावेज सं० 3137 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन, तरीख मितम्बर 1984 को पूर्वोक्त सम्पादित के उचित बाजार बूल्य से कम ज्ञे आयमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विवेतास करने का कारण है कि आयपर्वादा सम्पत्ति का उचित बाजार बूल्य उसके आयमान अतिक्रम में एक आयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितीयों) के बीच एक अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्चत अनुरक्षण लिखित में दास्तावित रूप से कथित नहीं किया जाता है ॥

(क) अन्तरण से हटाई किसी बाय की बाबत, उच्चत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के आयितव्यों के कभी करने या उससे बचने वाले सूचियों के लिए, और/वा

(ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की 'उत्तर आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्चत अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवार प्रकट नहीं किया जाता या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचियों के लिए;

अत अब, उच्चत अधिनियम की भारा 269-व के अनुसारमें, याँ, उच्चत अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उच्चत सम्पादित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तेप ॥—

(क) इस सूचना के उच्चपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तलावधी व्यक्तियों पर सूचना वी० तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के उच्चपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाय अधिनियम में हितवदध किए अस्य व्यक्ति द्वारा अधाहन्ताभारी के पास लिखित में विद्या जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उच्चत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वहो अर्थ होता जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण—नियमगलम, नं० २०७।

(दस्तावेज सं० 3137/84)

प्रेम मालिनी वासन  
नक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-I, मद्रास

तारीख . 1-4-1985

मोहर :

प्रधान मंत्री, एवं प्रेस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 19 अप्रैल, 1985

निर्देश सं. 133/प्रितम्बर/84—अतः मंत्री, प्रेस मालिनि  
वासन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन, सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसी सं. आर० एम० नं. 40 है, जो प्रेसियाकुदल  
गांव में स्थित है (और इसके पश्चात् सूची से अंत पूर्ण स्पष्ट में दर्शाया गया है)  
उक्त सूची अधिकारी के पार्यान्, अचा नगर, दस्तावेज सं.  
3144/84 अनुसूची में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख प्रितम्बर 1984  
को पर्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और उसके मह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितीयों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(अ) अन्तरण से हटा किसी बाय की बाबस, उक्त  
अधिनियम की वायीन कर देवे की अवारक के  
पार्यान् दें करने या उससे बचने वाले अधिकार  
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य वास्तवियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के अनुसूची दर्शाया दर्शाया एकत नहीं किया गया  
भा एवं इसका दर्शाया भा, जिसमें वाले अधिकार  
के लिए;

1. श्री एम० थामि।

(अन्तरक)

2. श्री सरस्वती सीरिराजन।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना आरी करके पर्वोंक्त संपत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में ऊर्ध्व भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पर्वोंक्त  
व्यक्तियों में भी किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख ते  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अनाउनाइटी के लिए  
लिखित में किए जा सकते।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-ब में दर्शाया गया है, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण—आर० एम० नं. 40, प्रेसियाकुदल गांव।  
(दस्तावेज सं. 3144/84)

प्रेस मालिनि वासन  
सकाम प्राधिकारी  
रुहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, मद्रास

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-बी की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख: 19-4-1985

मोहर :

प्रह्लाद आई. टी. एन. एस.-----

1. श्री टी. विजयराम।

(अमारध)

अधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

आगंतुक रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 अप्रैल 1985

निर्देश सं 136/पर्व/84—आगंतुक, प्रेम मालिनि वामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन मक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी वृ. प्लाट नं 3235 वा। सं 940, टी. ०५०००० है जो आगंतुक नगर, मद्रास-40 में स्थित है (और इसने उत्तरावड़ में भी एक पृष्ठ स्तर में रुपिणि है), रक्षिती अधिकारी के बायां। आगंतुक नगर दस्तावेज सं 3374/84 में भास्तुता रजिस्ट्री रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) में आगंतुक नामी दिनांक 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिली (अन्तरिताँ) के द्वारा एस अन्तरण के लिए तथा पाथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में गस्तापिक रूप से कार्यत नहीं किया गया है ।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कई दर्जे के अन्तरक के अधिकारी में करने था उससे बचने में मूलिका के लिए, और/या

(ख) एस किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीनों ११, जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1952 (1952 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अन्तर्गत दर्जे के अन्तरक के लिए आय या किसी आना आहिए था, छिपाने में मूलिका के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अन्तरण से है, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।—

22—860/II85

2. श्री कौ. पटम नावन और रजिनि पटमनावन।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्त्वावधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अद्वाध बाद से समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधांहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण** —इसमें प्रदूषित शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि और निर्माण प्लाट नं 2235, आगंतुक नगर, मद्रास-40।  
इस्तावेज सं 3374/84)

प्रेम मालिनि वामन  
मद्रास प्राप्ति वरी  
गहाव आय र आयुक्त (निरीक्षण)  
आगंतुक रेज-1, मद्रास

तारीख 9-4-1985

मोहर

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 19 अप्रैल, 1985

निर्देश सं० 137/पव०/84—अतः मुझे, प्रेम मालिनि  
वासन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, \* जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० अमनावरम गांव, कुजीनाश्वक स्ट्रीट में  
स्थित है (और हमसे उपाध्व भूमि में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अब्बा नगर दस्ता० सं०  
3353/84 और 3354/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मितम्बर  
1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरत की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से की थित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृहृ किसी आय की वावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भूमि या अन्य आस्तीर्णों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रणोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के उन्नरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अन्तर्गत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एल० आर० विस्वेस्वर राव।

(अन्तरक)

2. श्री पी० वी० कोटा रामकापाल और सी० राम प्रिया  
देवी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपर्क के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवृष्ट  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही वर्त्त होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

ममूसूची

भूमि आर निर्माण—ममनावरम गांव, कुजी जामकान  
स्ट्रीट।

(दस्तावेज सं० 3353/84 और 3354/84)

प्रेम मालिनि वासन  
सक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज़-1, मद्रास

तारीख 19-4-1985

मोहर :

प्रध्य वाहौ, दी. एन., एस. ——————

1. श्री नाराचन्द जैन।

(अन्तरक)

बायकर और्धनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-वा (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती गीता जावर।

(अन्तरिक्त)

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

झज्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 अप्रैल, 1985

निर्देश सं. 140/सर्वे/84—भारत: मुझे प्रेम, मालिनि वासन बायकर और्धनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु से अधिक है और जिसकी सं. टी० एस० सं. 29/- एलाट नं. 549 है, जो अस्तित्वात् अस्तित्वात् नगर, मद्रास में स्थित है (और इसमें उपावढ़ में और पूणे रुप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के बायानिय अस्त्रा नगर दस्तावेज सं. 3346/84 से भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 नं. 16) के अधीन, तारीख मिन्हवर 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को अथवा अतिकरण के लिए अन्तरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके अस्तित्वान प्रतिफल से, ऐसे अस्तित्वान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिक्ती (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा यामा प्रतिफल, निम्नान्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तित्विक रूप से कठित नहीं किया गया है;—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापर, उक्त अधिनियम के अधीन कर दिये के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचन में सुविधा के लिए; और/या

अनुसन्धी

(ख) एक किसी आय या किसी धम या अन्य आस्तियों आ, 'अन्तरण' भारतीय आकार और्धनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतिरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

भूमि और निर्माण अस्तित्वान नगर, मद्रास-40 एलाट सं. 549।  
(दस्तावेज सं. 3346/84)

प्रेम मालिनि वामन  
सक्षम प्राधिकारी  
(सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण))  
झज्जन रेज-1, मद्रास

अस: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-वा (1) के अनुसार  
में उक्त अधिनियम की भारा 269-वा की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नान्वित अस्तियों, अर्थात् 1—

तारीख 12-4-1985  
सोहर ६

प्रधान बाई, टी.एन.एस.

1. श्री टी० विहगनानम्।

(अन्तरक)

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्री प्रधान सुन्दर दमनी और चार अन्य।

(अन्तरिती)

## सारल सूचना

शायांसम्, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 अप्रैल 1985

निर्देश सं० 143/पित०/84 —अन्तः मुझे, प्रेम मालिनि  
वान

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सम्भव प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसी मं० टी० एग० मं० 43, ब्लाक मं० 9 है, जो डोर सं० 18, 5 बालू स्ट्रीट, शेनोय नगर वेस्ट, मद्रास-30 में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीर्ड अधिकारी के कार्यालय अभ्यास नगर, इस्टावेज नं० 3335/84 में भारतीय रजिस्ट्रारण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख सितम्बर 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इसमान प्रतिफल को निए उन्नित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इसमान इतिफल से, एवं इसमान प्रतिफल या एवं प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाह्या करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में बाई भी लाभेतः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या उत्तमवन्धि व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद परमात्मा होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त अधिनियम सम्पत्ति में हिस्सेदारी किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवाहन्त्राकरण के पास लिखित मात्राएँ पार करने।

**स्पष्टोकरणः—**इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभासित हैं, वही वर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि जीर निर्माण सं० 18.5 ग्रा बालू स्ट्रीट, शेनोय नगर  
वेस्ट, मद्रास-30।

(इस्टावेज सं० 3335/84)

प्रेम मालिनि वान  
सम्भव प्राधिकारी  
भारतीय आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, मद्रास

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में किसी करने वा उसमें बदलने में सुविधा के लिए;

(ब) एरी किसी आय या किसी अन्तरण को, जिस्त-भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, आधिकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने वा सुविधा के लिए;

**बतः** अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसर से, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीक्षितः—

तारीखः 2-4-1985

माहूर :

प्रधान बाहरी, टी. पर्स. प्रस. - - -

1. श्रीमती प्रत्यला राधा बाई।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती त्रिपा लक्ष्मी।

(अन्तरिती)

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जीन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 19 अग्रेल 1985

निर्देश नं. 144/मित्र०/84-अन: मुझे, प्रेम मालिनि  
वामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी वारे, यह विषयास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी मूल डॉर मूल 12, लक्षी पुरम फस्ट म्हीट,  
नया अबादी म्हीट, विद्याकम्भ मद्रास-4 में स्थित है (अंग  
उपायुक्त अनुसूचा में जौः पूर्ण डॉर में वर्णित है),  
र्जस्ट्रीलरी अधिकारी के गार्डलिंग अब्रा लग, दस्तावेज सं.  
3332/84 में भारतीय रजिस्ट्रीलरण अधिनियम 1908  
(1908 नं 16) के अधीन, लारीड मिनिस्टर 1984

कीं पूर्वोक्त सम्भावि के उचित बाजार मूल्य सं कम के इयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विषयास  
कारण का कारण है। क यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य इसके इयमान प्रतिफल से ऐसे इयमान प्रतिफल का  
मन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती  
(अंतरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृषि किसी दाय की वापर उक्त अधिनियम  
जी अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
जौः/या

(ख) ऐसी किसी दाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
की, इसके भरनी आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या ख-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाता जाता है या, जिसने में सुविधा  
के लिए

धर्म: अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की वन्देश्य  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त उपर्योग के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्भावि के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों द्वे से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अंतरिती के पार  
लिंगित में किए जा सकते।

स्पष्टोकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20 के यथा परिभासित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय से दिया  
गया है।

## ननूसूची

भूमि और निर्माण सं-12, लक्ष्मीपुरम, फस्ट म्हीट, नया  
अबादी रोड विलीवाक्कम, मद्रास-40।  
(दस्तावेज सं. 3332/84)

प्रेम मालिनि वामन  
नक्षम प्राधिकारी  
महायक्त आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जीन रेंज-1, मद्रास

तारीख 19-4-1985  
मोहर ४

प्रधान आई. टी. एस.,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 मार्च 1985

निदेश ० 147/सिप/84—अतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके  
इसके पश्चात् 'जनक अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ए के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विवास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० सर्वे नं० 221/1 प्लाट सं० 945, एन० स्ट्रीट  
है, जो अस्ता नगर वेस्ट तिलमन्क नाम भारास-40 में स्थित है (और)  
इसमें उपावद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अस्ता नगर दस सं० 3/84/84  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, दिनांक सितम्बर 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल की लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उससे दृश्यमान प्रतिफल से, एवं दृश्यमान प्रतिफल का प्रबंह प्रतिश  
से प्रधिक है और अन्तर (अन्तरहो) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच देखे अन्तरण के लिए तथा पाया याया प्रतिफल, निम्नलिखित  
ठोकर से उचित घन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से लिखित वही  
किया जाया है।—

(क) उक्त रूप से हौई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने की अन्तरुक वा  
दायित्व में किसी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) एसे किसी आय या किसी घन था अन्य अस्तित्वों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, जिपने में सुविधा के  
लिए; और/या

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्तरण  
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की अधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् ८—

(१) श्री के० पिरमनायकमार्पिल

(अन्तरक)

(२) श्री के० के० अब्दुल जबार

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरौ करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के द्वारा  
कार्यालयीय रूप से कराया है।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वापर नहीं है—

(क) इस सूचना के दृश्यमान में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविकल्पी पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि द्वारा में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
अधिकारी में से किसी अविक्त इवाइ;

(ख) इस सूचना के दृश्यमान में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
दृश्य किसी अन्य अधिक द्वारा, अधोहस्ताकारी के  
पास लिखित रूप से किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो इसके  
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
दिया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण प्लाट सं० 945, 17 त स्ट्रीट, अस्ता नगर<sup>१</sup>  
वेस्ट, तिलमन्कलम, मद्रास—40  
(घर सं० 3184/84)

प्रेम मालिनि वासन  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, मद्रास

तारीख: 27-3-1985

प्र०

प्रस्तुत आई. टी. एम. एस. -----

(1) श्री वि० रामद्वृष्णन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-प्र (1) के अधीन सूचना

(2) श्री मुहम्मद राजवि

(प्रतरिती)

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर सम्पत्ति (निरीक्षण)  
अर्जन रोज़-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 अप्रैल 1985

मिंदेश सं० 149/सेप/84—अतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प्र की अधीन सभी सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का अरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट सं० 4467, टी० एम० सं० 653 है जो मुलम गांव में स्थित है (और इससे उपावड़ में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अन्नानगर दस : सं० 3230/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1984, कां प्रवैक्षण सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय मैसूर में धारा 269 का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरिताओं) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त असरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वक सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आक्रमण ॥—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सप्ताहांशी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वक स्वीकृतियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य अविक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वीकरणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उसी अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूचिता के लिए; और/या

अन्तर्ज्ञी

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तीय के, उचित भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भवकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचिता के लिए;

भूमि और निर्माण —मुलम गांव अन्ना नगर टी० एम० सं० 653 ।

(दस : 3230/84)

प्रेम मालिनि वासन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुत (निरीक्षण)  
अर्जन रोज़- मद्रास

अलौः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प्र के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प्र की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकृत ॥—

‘तारीख : 2-3-1985

मोहर ॥

प्रस्तुत वाइ. ट्रै. ३८ एवं

(1) श्री डॉ. भारतसुक्त

(प्रत्यक्ष)

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री एन० कोदंडराम

(लालता)

## प्रात्पुर वरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज़-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 मार्च 1985

निवेदा सं. 150/मर्वे/84—अन्तर्गत नम्रं, प्रेम मालिनि वासन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके प्रत्येक 'उक्ता अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-घ के अधीन व्यक्त व्यक्तिगत वा, यह विशेष करने का  
कारण है १०५ मालिनि अधिनियम, 1961 का ८८ भारत मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिगती सं. मर्वे सं. 9/2 है, जो पोटन्य लाइटी गांव,  
मैत्रस तलुआ में स्थित है (आर इमों चन बाड़ में अंगूष्ठ पूर्ण हृष्ट में  
विषित है), जिसमें अधिक १०८ के अधिक, यूरमन्त्र लम्ब  
दम सं. 1910/84 में भारतीय राजस्टी.रेण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अन्तीम दिना, फिर्मवा 1984,

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तित वारान मूल्य में कम के इसमाल  
प्राप्तिफल के लिए अन्तरित की गई है और यहे यह विवाह  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार  
मूल्य एवं इसमाल प्राप्तिफल ८०८ में इसमाल प्राप्तिफल ८०८  
एवं ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरितियाँ) के तीन एवं अन्तरण के लिए यह पाया गया  
प्रतिफल, निमालिनित उद्देश्य से उच्च उन्नाश निर्णय ८०८  
वामपांचक रूप में कठित नहीं किया गया है।—

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैन के लिए  
कार्यवाहीहृदया बरता है।

उक्त सम्पत्ति के अवैन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र भर्त प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होता है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोत्साक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी वाद की वादत उक्त अधिनियम के अन्तरक के अन्तरक के अधित्त में  
कमी करने पा जाएं वहाँ वर्षने में संविधा के लिए,  
क्षेत्र/वा

नमूसूची

भूमि और निर्माण—पटिनायकांती गांव नम्बर ९/२  
(दस मं. 1910/84)

(ख) एसी किसी वाय या किसी धन या अन्य कास्तियों  
को, जिसे भारताय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, तिगांने में संविधा  
के लिए;

प्रेम मालिनि वासन  
मक्षम प्राप्तिनी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
नगरजरेज-I, मद्रास

अस: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1)  
के क्षेत्र निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत :

दिनांक : 29-3-85

मोहर :

प्रधान व्यापक टी. एम. एच.

(1) श्री आरो परमकर्मसम्म

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री मेष्ट एन० हेमा

(अन्तरिती)

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, मद्रास

म.पा.स. दिनांक 13 मार्च 1985

नियंत्रण सं० 15/सतम्बर/84—अतः मुद्रा, प्रेम मालिनि  
वासन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
उक्तके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा भया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्रम प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

आरो जिसकी सं० मर्वे नं० 106/5A है, तथा जो अलकापुरम गांव,  
सेलम तालुक में स्थित है (आरो इसमें उपावड़ अनुमूली में आरो पूर्ण स्थप  
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरभद्र न भ  
दस : सं० 2013/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर 1985,  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूँहे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संबंधि का उचित बाजार  
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से, ऐसे छयमान प्रतिफल का  
पूँछ प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और  
अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कार्यित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्बाद के  
लिए कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मंदिर में कोई भी वाक्येप :—

(क) इस सूचना के गुणपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या सेलम तालुक की व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद से युक्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
अंतरिती में निर्दिष्ट किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध  
किसी वन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाय  
निर्वित में किए जा सकेंगे;

**स्वाक्षरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रामित हैं,  
वही अर्थ द्वारा जो उस अध्याय में दिया  
गया है,

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की वापसी, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूचिपा  
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिसके भारतीय बाव-कार अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकाट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, किसान में  
सूचिपा के लिए;

भूमि आंश निर्माण अलकापुरम गांव, सेलम तालुक (दस  
सं० 2013/84) ।

प्रेम मालिनि वासन  
सक्रम प्राप्तिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, भू उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

23—8661185

तारीख : 13-3-1985

माहूर

प्रकाश लाइ. टी. एन. एड.

(1) श्री ब्रह्मोकुमार और अन्यों।

(अल्परक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

(2) श्री ववरसाल और अन्यों।

(अन्तरिक्षी)

## शास्त्र उत्तराधिकार

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकार (विवरण)  
अर्जन रेज़—।, मद्रास

मद्रास, दिनांक 19 अप्रैल 1985

निर्देश सं० 153/सि.न०/84—जन: मुनि, प्रेम मालिनी वासन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी जो, यह विवराद्य करने का  
कारण है कि स्थानकर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मूल्य 53 है, जो 53 डिफलपन स्टीट, मद्रास-24 में  
स्थित है (आर इसमें उगावड़ अनुसूची में और पृष्ठ रूप में वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मद्रास सेट्टल दस: सं०  
932/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, दिनांक मित्तम्बर 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथागतोंका सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान  
प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक्ष)  
और अन्तरिक्षी (अन्तरिर्तिय) के बीच ऐसे अन्तरण के नियं  
त्रण पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है :—

(अ) अन्तरक वे हृदै किसी बात की 'आदत, उत्तर  
प्रतिलिपि' के अधीन कर देने के उत्तराधिकार के  
दस्यमान धौं अद्वैत उक्त उक्त उपर्युक्त धौं व्यविधा  
के लिए; कौर/84।

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1925  
(1925 का 11) या उक्त अधिनियम, एवं  
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
जो प्राधिकारी अन्तरिक्षी बाजार उक्त गहरों किया  
क्या था या किया जाना आहिए या कियाने में सुविधा  
नहीं लिए।

जन: अष्ट, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष उपधारा (1)  
मैं अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्त  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के उक्त उक्त सम्बन्ध में कोई भी वाक्योप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वे  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वे  
45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्थावरोकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभ्राषित  
हैं, वही वर्थ हैं। वे उक्त अध्याय में, दिया  
गया है।

## अनुसूची

(निर्माण सं० 53, डिफलसन स्टीट मद्रास-21 है।  
(दस : सं० 932/84)।

प्रेम मालिनी वासन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज़,, मद्रास

दिनांक : 19-4-85

मोहर :

प्रस्तु आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री वै. आरम्भगम

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

(2) श्री एम. पा० करणपेया पिफल

(अन्तर्गती)

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-१, मदुराई

मदुराई, दिनांक 19 अप्रैल 1985

निदेश स० 55/सितम्बर/84—अतः मुझे, वी० एम० मुत्तूरामलिङ्गम,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एम० स० 4, पुन्चा भूमि है, जो दिङ्कल  
टाउन में स्थित है (और इसमें उपावड्ह अनुसूची में और पूर्ण स्वयं  
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिङ्कल  
दस : सं० 1490 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1890 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर 1984,  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अधिकार  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके अधिकार प्रतिफल से,  
ऐसे अधिकार प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतर-  
रक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितिवाँ) के बीच ऐसे अंत-  
रण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं गया  
है ।

को यह सूचना आरी बरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया शुरू करता है ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी वाक्यप ।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पढ़  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि आव में समाप्त होती है, वे भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

ममूल्यांकी

(क) अन्तरण से है किसी आय की बावजूद, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धर्या या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

पुन्चा भूमि से टी० एम० न० 4/दिङ्कल दस : स० ० 1490/

84 ।

वी० एम० मुत्तूरामलिङ्गम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मदुराई

अतः अक्ष, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण  
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 19-4-1985

मोहुड़

प्रस्तुप आइं.टी.एस. -----

(1) श्री ए. सक्केर आसारी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अंजन रेंज, भद्राई

भद्राई, दिनांक 19 अप्रैल 1985

निवेश सं. 56/सितम्बर/84—अतः मुझे, वि.० एम० मुत्तु-  
रामलिङ्गम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा जाता है), को धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि और मकान में टी० एस० 65 है, तथा जो  
दिङ्कल टकन में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिङ्कल  
दस : सं. 1459, 84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और जूझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से ऐसे इस्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
तिथि में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के  
द्वारित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य कास्तयों  
के, जिन्हे भारतीय आद-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

(2) श्रीमती पद्मवती अममाल और अन्यों

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अंजन के लिए  
कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अंजन के संबंध में कोई भी वापरण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरभी व्यक्तियों पर  
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हित-  
बूध किसी व्यक्ति द्वारा, अधारस्ताधारी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में पर्याप्ति है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

मनुसूची

भूमि और मकान में टी० एस० 65 वार्ड सं. 3, दिङ्कल  
टाउन (दस : सं. 1459, 84) ।

वि.० एम० मुत्तुरामलिंगम

सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अंजन रेंज-, भद्राई

असः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभाग (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीक्षित :—

दिनांक : 19-4-1985

मोहर :

प्रकल्प आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री डी० चन्द्रसेकरन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री चिन्मयाले और अन्यों

(अन्तरिली)

भारत सरकार

काशीनव, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मदुराई

मदुराई, दिनांक 19 अप्रैल 1985

निवेश स० 57, सितम्बर, 84—अतः मुझे, वी० एम० मुक्तू-  
रामलिंगम,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी स० टी० एस० स० 782, भूमि और मकान  
है, जो दिल्ली टाउन—4 वारड में स्थित है (और इससे उपावढ़  
अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
काशीनव, दिल्ली दिन : स० (1660/84) में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक भितम्बर, 1984,को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अस्थमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके अस्थमान प्रतिफल से, ऐसे अस्थमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
पाका गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक स्पष्ट से कार्यत नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आदि की, बावस, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दावित्य में कमी करने या उससे बचने में हाविधा  
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आदि या किसी धन या वस्तु वास्तियों  
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैन के लिए  
कार्यवाहिका करता है।

उक्त सम्पत्ति के अवैन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अधिक द्वादश में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इससूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी दाय व्यक्ति द्वारा बधाहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्थानकरण :—इसमें पूर्वोक्त वस्तुओं और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट  
है, वही वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है :

वन्मुक्ति

भूमि और मकान में टी० एस० स० 7821, वारड स० 4,  
दिल्ली (दिन : स० 1660/84)वी० एम० मुक्तूरामलिंगम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, मदुराईअतः धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधारि. ५—

दिनांक : 19-4-1985

माझे

## प्रस्तुत गाइडलाइन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
भारा 269-प (1) के वर्धीम सूचना

## संशोधन लक्षण

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मदुरै

मदुरै, दिनांक 19 अप्रैल 1985

निदेश सं. 58/सितम्बर/84—अतः मुझे, वी. एम. एमुशुरामलिंगम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके दसवात 'उच्च अधिनियम' कहा जाये है), की भारा  
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवराप्रति करने का  
कारण है कि स्थायीर सम्पत्ति, विवासक उचित वाचार मूल्य,  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि टी० एस. सं. 2064/1, 2064/2,  
2066/ए तथा 2067 है, जो दिल्लीकल में स्थित है (और इससे  
उपरांत अद्युती में और पूर्ण रूप से विनियम है), रजिस्ट्रीकरण  
व धारारी के कार्यालय, दिल्ली दस्ता० : सं. 1652/84 में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन सितम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाचार मूल्य से कम के इसमें  
प्रतिफल के लिए अंतरिक्ष की गई है और यह विवराप्रति  
करने का कारण है कि यथापूर्योक्त संपत्ति का उचित वाचार  
मूल्य, उसके अवमान प्रतिफल से, एस. अवमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (बन्तरको) और  
बंतरिकी (अंतरिक्षीयों) के बीच एसे बंतरण के लिये तथा पाया  
या प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण अधिकृत व  
प्राप्तिविक रूप से कार्यित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृष्ट किसी आव वा वाचार, अस्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के  
वायप्रति भूमि की अवायो या उक्त से वर्णन वा दर्शाया  
विषय; वी.एम.एम.

(क) एसी किसी आव वा किसी अन्य वाचिकारों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा  
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगमार्ग अन्तरिक्षीय उपाय इकल वहीं किया  
या वा वा किया जाना आहिए वा, छिनान वा  
दूसरा के लिए,

बहुत अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-प के अनुसरण  
में, दौ, उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री पी० अलगरसामी ।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० एम० वी० मानिकम माडार ।

(अन्तरिक्षीय)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवन के लिए  
कार्यवाहियों द्वारा करता है :

उक्त सम्पत्ति के अवन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते  
15 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, और भी  
अवधि वाद में उभास्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों द्वारा किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते  
45 दिन के भीतर उक्त स्थान उचित सम्पत्ति में हितवद्धु  
लियी वा व्यक्ति द्वारा उभास्त व्यक्ति द्वारा साकेत वा  
विवित द्वारा विक्री करते वा सकेत ।

**लक्षण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों वा वर्द्धा का, जो उसके  
अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित हैं,  
उही वर्द्ध होगा औ उस अध्याय में दिया गया है:

## लक्षण

भूमि में टी० एस. सं. 2064/1; 2064/2, 2066/1 ए  
तथा 2067 में दिल्ली (दस्ता० : सं. 1652/84)

वी. एम. एमुशुरामलिंगम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मदुरै

दिनांक: 19-4-1985

संग्रह ।

राज्य बाई. डी. पी. एस. ——————

(1) श्रीमती आरो कमला थाई अममाल।

(अन्तरक)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के वधीन सूचना

(2) श्री जे० हमराना इब्राहिम और अन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोंतर समझौते के बारें का विषयाधिकारी करता है।

## सूचना उद्देश्य

सारांशित, सहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, मदुरै

मदुरै, दिनांक 19 अप्रैल 1985

निदेश सं० 59/सितम्बर/84—अतः मुझे, वी० एम०  
मुथुरामलिंगम,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के वधीन सूचना प्राधिकारी को यह विषयात् करके का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एस० सं० 54/1, वार्ड सं० 1 है, जो  
दिल्लीकल टाउन में स्थित है (ग्रोर इससे उपावद अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
दिल्लीकल दस्ता० सं० 1627/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 20-9-84  
का पूर्वोंतर सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के उपर्याप्त  
प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और  
अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय  
किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तरेय से उक्त अंतरण  
नियम में वास्तविक रूप से कीचित वर्णन किया गया है :—

(क) अंतरण से हट्टे किसी वाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कठु दर्जे के अन्तरक के  
सार्वत्र ने कठी करते या उन्होंने उन्हें नै सूचित  
की विद्युत अंतरक।

(ख) एंसों किसी वाय का किसी वाय का वाय अंतरकों  
को विद्युत आरोप बायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रबोधनार्थ अंतरिती इवारा प्रफल नहीं किया गया  
या या किया वाया चाहिए वा, किपाने में सुविधा  
के लिए,

अनुसूची

भूमि और मकान में टी० एस० सं० 54/1 वार्ड सं० 1  
दिल्लीकल (दस्ता० सं० 1627/84) ।

वी० एम० मुथुरामलिंगम  
मकान प्राधिकारी  
सहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, मदुरै

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 19-4-1985

मोद्दुर :

प्रधम प्राइ.टी.एस.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

(1) श्रीमती एरमाल और हशणदेवी के ० बालचन्द्रन  
(अन्तर)

(2) श्री कुदरीलता चाटकी  
(अन्तरिती)

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

ग्रांड रेंज, मदुराई

मदुराई, दिनांक 19 अप्रैल 1985

निदेश सं० 60/सितम्बर/84-अयः मुझे, वी० एम०  
मुन्त्रामलिगम्,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सकार प्राधिकरी जो यह विषयाल फरमे का  
कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित वाकार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० टी० ए४० सं० 16, 17ए/1 और 17ए(3)  
है, जो ऑटनस्तीरम पलनी से विषय है (और इससे उपाध्य  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीयर्स अधिकारी के  
कार्यालय, ऑटनस्तीरम दम सं० 848/84 से भारतीयजिस्ट्रीयरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक  
6-9-84,

को प्रयुक्त सम्पत्ति के उचित वाकार मूल्य से कम के इत्यमात्र  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विषयाल  
फरमे का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाकार  
मूल्य, उसके इत्यमात्र प्रतिफल से, ऐसे इत्यमात्र प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाता गया  
प्रतिफलीलालित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्वित में  
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(अ) अन्तरण से हुई किसी वाय की बावजू, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दिने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा  
के लिए; वाई/या

(ब) ऐसी किसी वाय या फिसी धन या अन्य अस्तित्वों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अयकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अवित्याओं, अधीन :—

को यह सूचना यारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
अधिकारीहीन एकुक फरमा है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तलावन्धी व्याप्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधिक बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उदत्त स्थान या स्थान से हिन्दूधर  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए गए नक्ते।

**लक्षणकरण** :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-के विषयालिक  
हैं, वही अर्थ होंगे जो उस अध्याय में दिया  
या है।

मदुसूची

भूमि में टी० ए४०-७८, ७७ए/१ और ७७ए/३ दम सं०  
848 और ८४९/८४।

वी० ए४० मुन्त्रामलिगम्  
नक्षम प्राविभागी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
ग्रांड रेंज, मदुराई

दिनांक, 19-4-1985

मोहर :

प्रस्तुत वाई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री पंत० पी० अरुलाचलम् ।

(अन्तरकः)

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहीयक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, मदुराई

मदुराई, दिनांक 19 अप्रैल 1985

निदेश मं० ८१/पितम्बर/४४—अतः मुझे, वी० एम०  
मूसूरामलिंगम्,  
आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (प्रिस. इसमें  
इसके पहचान 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को उह विवाद करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नामांक मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० टी० एम० स० १७१/१ भवि है, तथा जो एम्मैनाय  
कनपट्टी गाँव, पलनी तालुक में स्थित है (और उसी उपावड़ अनुसूची  
में और पूर्ण स्पष्ट भूमि है), रजिस्ट्री अधिकारी के कार्यालय,  
चट्टीरपट्टी, पलनी तालुक द१. म० ५२६/४१ में भारतीय रजिस्ट्री-  
कारण अधिनियम, 1908 (1908 शा 16) के अधीन, दिनांक  
३०-९-१९८४,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरामात्र  
प्रतिफल के लिए अन्तरक की गई है और  
मुझे यह विवाद करने का कारण है  
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूसरामात्र  
प्रतिफल से, ऐसे दूसरामात्र प्रतिफल के फौदह प्रतिघत से अधिक है  
और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आपकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगजनार्थ अन्तरिती दबाना प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के उन्नतरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपशारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधार :—

24—8651185

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वास्तविक :

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्धभ  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदृश्याभारी के पाल  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होतेगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

मूसूरामलिंगम्

वी० एम० मूसूरामलिंगम्  
मदम प्राधिकारी  
सहायक आयार आयक्षण (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मदुराई

दिनांक 19-4-1985

मोहर :

प्रकाश अर्थ टी एन एस

(1) श्री लक्ष्मण चट्टोदाहर और अन्यों

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज मंडिर

मुंबई, दिनांक 19 अप्रैल 1985

निदेश नं. 62/f/कावर/84—ग्रात मंडे, वी.पा.म०  
मुनूगमनिगम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी नं. भूमि दण नं. 226/84, 227/84, 228/84  
तथा 229/84 है, जाइडासार्टेट, पासी नानूक में स्थित है (और  
इसने उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से नामित है), गजिस्ट्री-  
सर्वीसवी अधीकारी का अधीन; डड्पास्टट पलनी नानूक में भारतीय  
गजिस्ट्री रज अधिनियम 1908 (1908 नं. 16) के अधीन  
दिनांक 15-4-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान  
प्रतिफल के लिए अंतिरित की गई है और मैंने यह विश्वास  
करने का दारण है कि पथापर्वका पंपित का अधिकार वास्तव  
मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से ग्राम घट्यमान प्रतिफल का  
मन्दह प्रतिवधत ग और अपक है। अन्तरक (अन्तरक) और  
अन्तरिनी (अन्तरिनी) प्रतिफल, निम्नलिखित लक्ष्यदेश से उक्त बन्तरम  
प्रतिफल में वास्तविक रूप से संक्षिप्त नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हाइ किसी ग्राम को बोबत, 30व  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने या उससे उक्त मौजिमा  
के लिए, और/या

(ख) एसी किसी ग्राम या किसी धन या अन्य आस्तीनों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
वर अधिनियम 1951 (1951 का 27) के  
प्रभावात्मक रूप से दारा प्रकल्प या किसी तरा  
ए के लिए रानी, या दूरी या दूरी के लिए

(2) श्री ईरपत्र और अन्यों

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित  
कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के उचित के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येः—

(क) इस सूचना के राजपत्र जे प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र की प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिस्ताकारी के पास  
कराया गया जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि से अद्वृतभूमि, डड्पाकोटे दण नं. 226/84, 227/  
84, 228/84 और 229/84

वी.पा.म० मुनूगमनिगम  
राज्य प्राविकागी  
महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, मुंबई

दिनांक 19-4-85

मोहर

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
पर, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन—

प्रकल्प बाई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री जे० राणी और अन्यों

(अन्तरक)

उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की;  
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्री के० एम० एम० एम० चीन्मया और अन्यों।  
(अन्तरिती)

## भारत सरकार

कार्यालय, महावकर आयकर बाबूकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मदुराई

मदुराई, दिनांक 20 अप्रैल 1985

निदेश म० 63/नितव्वर/84--प्रत: मुझे, वी० एम०

मुत्तूरामलिंगम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी म० भूमि और मकान में दृष्टि सं० 941/84 है, तथा जो अमनतुरै, दिल्ली नगर नियम में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्वयं में वर्णित है), रजिस्ट्रीर्टा अधिकारी के कार्यालय, चट्टपट्टो द५ म० 941/84 में भारतीय रजिस्ट्रीरण अधिनियम,

1908 (1908 वा 16) के अधीन, दिनांक 15-९-८४, का प्रवृत्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूल्य यह विवास करने का कारण है कि यथाप्रवृत्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अंतरण निमित्त में बास्तविक स्वयं से कठिन नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण के दृष्टि बाद की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर हने के अन्तरुक वायित में कठी करने या उससे बचने में हुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी कठी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को इन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे प्रयोगनार्थ जनतार्गती इवारा प्रकल्प नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

प्रत: अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अविक्षयों, अवति :—

को यह सूचना आरी करके प्रवृत्ति सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपैपे :—

(क) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख त 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या श्री अधिकारी बाबू में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवृत्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाया;

(ख) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख त 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्क में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखि में लिए जा सकें।

ल्पष्टाकरण —इसमें प्रदूक्त नम्बरों वाले पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही वर्थ होंगा जो उस अध्याय में विवा गया है।

मदुराई

भूमि और मकान में टी० एम० सं० 31/1, 36/2, 36/3  
37/1, 37/2, 37/3, अमनतुरै, चीन्नालपट्टी, (दस : सं० 941/  
1984)।

वी० एम० मुत्तूरामलिंगम  
सक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
ग्रजन रेंज, मदुराई

दिनांक 20-4-1985  
माहूर

प्रस्तुप आर्ट टी एन एस ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय मदायक व्यापक बायकर ("वारोहण")  
अर्जन रेज, मदुरई

मदुरई, दिनांक 19 अप्रैल, 1985

निदेश सं 64/सितम्बर/84—अत मुमे, वी० एम०  
मुन्तुराम लिगम,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विह १९८५)  
इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) को धारा 269-ए के  
अधीन सकार प्राधिकारी को, यह विवाह करने का कारण है  
कि स्थावर ममतिस, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000  
रु. अधिक है

और जिसकी सं 47248 है, जो कोडकोम्मम से स्थित है  
(और इससे उपादान अनुसूची में और जो पूर्ण सूच से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद-रजिस्ट्रार, कोडक  
कानल दस सं 524/84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 15-9-1984

को पूर्वोक्त सम्बित के उचित बाबा० भूम्य स कम के दृष्टिकोण  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूम्य सूच विवाह  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्बित को उचित बाबार  
मूल्य, उसके दृष्टिकोण प्रतिफल से, एसे दृष्टिकोण प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और  
अन्तारती (अन्तारतीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा  
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उत्तरेय से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से है विद्वान आप की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को शामिल  
में करने का उससे बचने में ज़्यादा के लिए;  
और/या

(ख) एसी किसी आप या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को, जिन्हे भारतीय बायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वाया प्रकट नहीं किया था,  
या या किया जाना चाहिए था, जिसने में वृद्धियों  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए को उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकृतः—

1. श्री रावेट, नारज, अलकस्टूर, और अन्य  
(अन्तरक)

2. श्री सुबद्ध गनाडा और अन्यों।  
(अन्तरिती)

का यह दृचना आरोपित व्यक्तियों समर्तत के बचन के लिए  
उपयोग करता है।

उम्मत भव्यांत के बचन के उपयोग भी जात्ययः—

(क) इह सूचना जै सम्बन्ध में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के अन्तर वा तस्वीरनी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 70 दिन लाई अधिक आ या अधिक  
बाहे भी अन्तर इतनी ही, जो भौतिक पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी अधिक सुधारणा;

(ख) इस सूचना के राखपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भौतिक उक्त अन्तर अन्तर अधिकतम में हितमूल्य  
किसी अन्य अवित द्वाया अधोहस्ताकरी के पाल  
प्रतिष्ठा में किया जा सकते।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
उपर्युक्त अन्तर 20 अ भी अन्यायित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अन्याय में विद्या  
पाया है।

अनुसूची

भूमि म काउंकानल ।

वी० शी० मुन्तुराम लिगम  
सकार प्राधिकारी  
महायक आयरकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, मदुरई

दिनांक : 19-4-1985  
मोहर

प्रस्तुत वाइ. डी. एस. एस. -----

1. श्री राबर्ट, जार्ज ग्रेगोरी डर, और अन्य

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

2. कन्यामुमारी ट्रेटर

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मदुरै

मदुरै, दिनांक 19 अप्रैल, 1985

निदेश 65/ सितम्बर/84—अत. मुझे दी० एम० मुत्तु-  
राम लिंगम्,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० टी० एस० सं० 47/2ए. (भूमि) है, जो  
कैड कानून में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और जो  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
कौड़कानल दस्ता० सं० 527/84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 15-9-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थान  
प्रतिफल के लिए बन्तरित के गई है और मूले यह विषयास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके स्थानान्तर प्रतिफल से, ऐसे स्थानान्तर प्रतिफल का  
एक्स्ट्रा प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरीती  
(अंतरीतियाँ) के बीच ऐसे अंतरक के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
क्षय से कठित नहीं किया गया है :—

(क) स्थानान्तर के लिए आव की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
विविध में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
की जिह; और/या

(क) ऐसी किसी आव या किसी धन या अस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वाया प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में युविधा  
के लिए;

जहाँ बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरर्ज  
में, वे उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अविक्तयों, अधारैव :-

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त उपर्युक्त वृत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाईयाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येष ;—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्थानीकरण :**—इसमें प्रदूषक सम्बोधी और पदों का, जो स्थावर  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रामित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

मृत्तुच्छी

भूमि में टी० एस० 47/2ए, (दस्ता० मं० 527/84)

बी० एम० मुत्तुरामलिंगम  
मक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मदुरै

दिनांक 19-4-1985

मोहर :

प्रस्तुप भाई, टी. एन. एस. -----  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
 धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेज, मदुरै,

मदुरै, दिनांक 19 अप्रैल 1985

निदेश सं. 66/सितम्बर/84—अतः मुझे वी० एम० मुत्तु-  
 राम लिङम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
 'इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धाय  
 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
 ₹1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि और मकान टी० एस० सं. 82/1 है,  
 जो कोडेकानल टाउन में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनु  
 सू. भी मैं और जो पूर्ण रूप से बणित है) रजिस्ट्रीलरी अधिकारी के  
 कार्यालय, कोडेकानल दस्ता० सं. 544/84 में रजिस्ट्रीरण  
 अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक

15-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास  
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
 अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया  
 गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित  
 पैं वास्तविक रूप से की गया गया है ।—

(क) अन्तरण से हैं ऐसी बाय की वादत, उक्त  
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
 दायित्व और कमी करने या उससे अवृत्त में सुविधा  
 के लिए; और/या ।

1 नीला सुवर्णप्राण यम ।

(अन्तरक)

2. श्री पी० परमेश्वरन,

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
 कार्यवाहियाँ करता है ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वास्तेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
 मूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
 अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वायाग;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
 किसी अन्य व्यक्ति द्वायाग अधोहस्ताक्षरी के पास  
 लिखित में लिखा जा सकेगे ।

**लिख्नेकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
 अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित  
 हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
 गया है ।

मनुसूची

भूमि और मकान में एस० सं. 82/1, 83/21, 84 और  
 84 और 85, कोडेकानल टाउन, (दस्ता० सं. 544/84) ।

वी० एम० मुत्तुरामलिङम,  
 सक्षम प्राधिकारी,  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
 अर्जन रेज, मदुरै

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अनुसरण  
 में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभारा (1)  
 के अधीन, निम्नलिखित अविवादी, अर्थात् ।—

दिनाक: 17-4-1985

मोहर:

प्रकृष्ट भाई, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-प (1) के अधीन सूचना

2. श्री ओ० एम० एम० राजभणि कक्ष नाडार  
(अन्तरक)

2. श्री ओ० एम० एम० पलमिचामी, नाडार।  
(अन्तरिक्षी)

### भारत बरकात

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर अधीनकारी (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, मदुरै

मदुरै, दिनांक 19 अप्रैल 1985

निदेश सं० 67/सितम्बर, /84—अमे० मुक्ते वी० एम० मुक्ते-  
राम लिंगम,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इहके पश्चात् 'जबत अधिनियम' कहा जाता है), की भारा  
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि और मकान में टी० एस० 204, 205  
है, जो मदुरै टाउन में स्थित है

(बौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है  
रजिस्ट्रीकर्ता आधिकारी के कार्यालय मदुरै, (दस्ता० सं०  
111/4909/84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन दिनांक 30-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अव्याप्त  
प्रतिफल के लिए बंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके अव्याप्त प्रतिफल से, ऐसे अव्याप्त प्रतिफल का  
एनाह प्रतिकात से अधिक है और बंतरक (बंतरको) और बंतरिती  
(बंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्दरेक है जबत बंतरण निम्नित में वास्तविक  
मूल्य से कमी नहीं किया जाता है ॥

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करता है ।

### उच्च सम्पत्ति के बर्जन के लिए भूमि भवानी वाले

(क) इह सूचना के उच्चसे भूमि प्रकाशन की तारीख सं०  
45 दिन की अवधि या उत्तमान्धि व्यक्तियों द्वारा  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं०  
45 दिन के लालार उच्च स्थावर सम्पत्ति में हितवृष्टि  
किसी वन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकारी के पास  
सिल्लित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रदूषित क्षेत्रों और पश्चों का, जो उच्च  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

(क) बन्तरण में हूँ इसे किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत वे  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

### बन्तरण

भूमि और मकान में टी० एस० सं० 204, 205, 209,  
मदुरै, टाउन, (दस्ता० सं० 111/4909/84) ।

टी० एम० मुन्तुराम लिंगम

मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मदुरै

दिनांक 19-4-1985

मोहर #

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-प के अनुसरण  
में, भू. जबत अधिनियम की भारा 269-प की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकृत :—

प्रस्तुत वाहौ. टी. पर. एड.-

1. श्री एन० एम० आर० विं महोदेवरन् ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मदुरे

मदुरे, दिनांक 19 अप्रैल, 1985

2. श्री एम० एम० जगप्रकाश ।

(अन्तिमिति)

निदेश सं० 68/भितम्बर/84—अत. मुझे थी० एम० मुत्तु-  
रामलिङ्गम,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिवका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. ते जीधक हैऔर जिसकी सं० टी० ए० सं० 2581/ए६, भूमि और मकान  
है, जो मदुरे टाउन में स्थित है (और इससे उपावश्यक अनुसूची में  
और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
मदुरे, (दस्ता० सं० 2025/84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 30-8-84को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अवधारण  
प्रतिक्रिया के तिए अन्दरूनीत की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके अवधारण प्रतिफल से, ऐसे अवधारण प्रतिफल के  
फलहर प्रतिक्रिया से अधिक है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती  
(बंतरितीयों) के बीच ऐसे अवधारण के लिए तथा पाया गया प्रतिक्रिया  
का निम्नलिखित अद्वेय से उक्त अन्दरूनीत लिखित में वास्तविक  
रूप से कीपत नहीं किया गया है :—(क) बंतरण से हुई किसी वाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन भर दरने के अन्दरकल के दायित्व  
में कभी करने वा उससे दरने में सूचिता के लिए;  
और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी वाय वा इसी वाय की बाबत, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-  
लर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगभार अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
वा वा किया जाना चाहिए वा, जिसमें में सूचिता  
के लिए;भूमि और मकान में टी० ए० सं. 2587/ए६, मदुरे,  
टाउन, (दस्ता० सं० 5055/84) ।मुत्तुरामलिङ्गम  
सभी प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, मदुरेवक्त: वक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 19-4-1985

संहार :

प्रधान भारतीय लोक रक्षा

1 श्री परम मिश्र, और अन्य

(मन्त्रिक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

2 श्री आरो सुदर्दी

(मन्त्रिरती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (नियोजन)  
अर्जन रेज, मुंबई

मुंबई, दिनांक 19 अप्रैल, 1985

निवेदण सं० 69/सिनस्पर/84—अत मुझे वी० एम०

मूल्यांकित अधिकारी

भारत नियोजन 1961 (1961 का 43) द्वारा उत्तर इसमें अनुसूची में अंग जो, व्यापक व्यापार में व्यापार करने के अधीन संकाय प्राधिकारी को यह विवराद्ध करने के लिए किया जाता है व्यापार के अधीन सं० 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि और मकान में टी० एस० सं० 188/2 और 188/3, है, जो मुंबई, टाउन में स्थित है (और इसमें उपावक्ता अनुसूची में अंग जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, मुंबई, (दस्ता० सं० 4555/84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 15-५-८४

को प्रवृत्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अंतरिक की गई है और मुझे यह विवराद्ध करने का मान है कि यकृपूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूला, जा०, इसने उसे अंतरिक के रूपमान प्रतिफल के अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिकी (अंतरिकीयों) जो वीक्षणमें अन्तरण के लिए तथा याता याता प्रतिफल नियोजित उदाहेय से उचित अन्तरण नियोजित या वार्तात्मक रूप से कार्यत नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, सकूल अधिनियम के अधीन कर दाने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

मुंबई

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को विन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसके अधिनियम, या उस की अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अंतरिकी बाजार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्री० एस० मूल्यांकित अधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (नियोजन)  
अर्जन रेज, मुंबई

उत्तर भव नक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) का नियोजित अधिकारी, लगाता हूँ—  
25- 86GT/85

दिनांक 19-४-1985  
माहर

प्रमुख सचिव, टी. एस. एस.

1. श्री रत्नेन्द्र, चेन्नायार।

(ग्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ए (1) की वधीन सूचना

2. मूरती और मणी।

(ग्रन्तरिती)

## भारत बाजार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
प्रज्ञन रेंज, मदुरे

मदुरे, दिनांक 19 प्रैल 1985

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अवज्ञ के लिए कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अवज्ञ के संबंध में कोइ भी आशेष —

निर्देश सं. 70/सितम्बर/84—अतः मुझे वी. एम.

मुत्तुरामलिङ्गम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें 'इसके पश्चात् 'द्वितीय अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ए के वधीन सकाम प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विषमका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि और मकान टी० एस० सं. 1933 है, जो मदुरे, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मदुरे (दस्ता० सं. 4771/84) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 15-३-८४

को पर्यावर्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य संकेत के अन्तर्फल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अवसरण लिखित में वादृतांशक रूप से अधित नहीं किया गया है। —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की गयी अवधि 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की गयी अवधि 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर गत्यात्मा में हितबद्ध किसी भूमि व्यक्ति द्वारा वाहनाभासी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण** ——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अन्याय 20-के में परिभ्रान्त हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अवसरण के हौस किसी आप का बाबत। उक्त अधिनियम के वधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

भूमि और मकान में टी० एस० सं. 1933/84, मदुरे (दस्ता० सं. 4771/84)।

(क) ऐसी किसी आप या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अचक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाके में संविधा के लिए।

वी. एम० मुत्तु राम लिङ्गम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
प्रज्ञन रेंज, मदुरे

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अनुसरण में, वै, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अवधि :—

तारीख 19-4-1985  
मंदा

प्रस्तुत बाईं, दों पत्. एस.

1. श्री टी० एस० बालाम्बाल और अन्य

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

(ग्रन्तिरक)

2. श्री के० आर० कुपुमूरती

(ग्रन्तिरती)

## भारत सरकार

क्षेत्रालय, सहायक आयकर आयकल (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मदुरै

मदुरै, दिनांक 19 अप्रैल 1985

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मम्पति के वर्जन के लिए कार्यवाह्य प्राप्त है।

उक्त सम्बति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइँ भी आक्रमण ॥—

निदेश सं० 71/सितम्बर, 1984—अतः मुझे, वी० एम० मुत्तुरामलिङ्गम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवरण करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० 2587 भूमि और मकान टी० एस० सं० 4577/ए-2 वी, है, जो मदुरै में स्थित है (और इससे उपायद्वारा अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है मदुरै (दस्ता० सं० 4577/84) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 15-9-1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के डाक्टर बाजार मूल्य स कम के इयमान प्रतिफल के लिए बन्तारित को गढ़ है और मूँझे यह विवरण करने का कारण है कि इयमान प्रतिफल सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से, एस इयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (बंतरक्त) और अंतरिती (अतीर्तिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पांच वर्ष प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित भा वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है ॥—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्स्थानी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृष्टि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रदूषित शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही बर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## लक्ष्मूर्ती

(क) अवृत्ति से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कुरदाने के बन्तारक के दायित्व में कमी करने या उससे अन्य दो सूचियाँ की लिए; और/या

भूमि और मकान में टी० एस० सं० 2587 मदुरै, (दस्ता० सं० 4577/84) ।

(ख) एसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-का वांधानदम, 1957 (1957 का 27) के प्राप्तेनार्थ बन्तारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाएँगे था, छिपाने में सुनिधा की जाए।

वी० एम० मुत्तुरामलिङ्गम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मदुरै

तारीख : 19-4-1985

मोहर :

इन्हर वाई. टी. एव. एव. —

1. श्री एम० टी० चन्द्र रेकरण और अन्य ।

(ग्रन्तिरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वाप  
269-व (1) के अधीन सूचना

2. एम० सल्लुना देवी, ।

(ग्रन्तिरकी)

भारत राजपत्र

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मदुरे

मदुरे, दिनांक 19 मार्च 1985

निदेश सं० 72/सितम्बर/84—ग्रातः मुझे, वी० एम०  
मुनुश्चारमालिगम,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उद्धत अधिनियम' कहा गया है), वी० धारा  
269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विवाद करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि और मकान टी० एस० 2372/1 है  
जो मदुरे में स्थित है (और इससे उपाखण अनुमूल्य में और जो  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय  
मदुरे, (दस्ता० सं० 461784) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 15-9-84

का पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के अस्वाभ  
प्रतिफल की लिए बन्तरित को बहु है और मूल्य यह उद्देश्यकाल करने  
का कारण है कि वथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके अप्यमान प्रतिफल से, इसे उद्देश्यकाल प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिफल से अधिक है और बन्तरित (बन्तरिकों) और बन्तरिती  
(बन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया  
शाहीक्षण, निम्नाधिकार उद्देश्यों से प्राप्त अस्तरण जिसका  
मौजूदा स्थानिक रूप हो कठित नहीं किया गया है ।—

को वह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए  
कार्यवाहिया करता है ।

इन्हर सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वापेप ।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन को अवधि या तत्समानी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
वर्तमान वाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों वे से किसी व्यक्ति द्वारा;

(छ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
मिलित में किए जा सकेंगे ।

**स्वाक्षरीकरण :**—इसमें प्रदत्त सब्दों और पार्टों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभ्रान्ति  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
दिया है ।

मनुष्यों

(क) बन्तरित है किसी वाल की वापेप, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के बन्तरित के सावित्री  
में किसी करने वा उक्त वापेप में सुविधा के लिए;  
वी०/वा

भूमि और मकान में टी० एस० सं० 2372/1, मदुरे  
(दस्ता० सं० 4617/84) ।

(छ) दोस्री किसी वाल वा किसी वन वा वन्दे वासिताओं  
को बिन्हूं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा वन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
वा वा किया जाना आवृत्त था, कियागे में सुविधा  
के लिए;

वी० एम० मुनुश्चारमालिगम  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मदुरे

ग्रातः अब, उक्त अधिनियम की पारा 269-व के अन्तर्गत  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नाधिकार व्यक्तियों, अपार्ट ।—

वारीख : 19-4-1985

माहर ।

प्रस्तुप बाहर्. टी. एन. एस. ----

1. श्रीमती रुपा पी. कमलम और अन्य

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती एस. पुष्पम

(अन्तरिक्त)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, मदुरै

मदुरै, दिनांक 19 अप्रैल, 1985

निवेश सं. 73/सितम्बर/84—ग्रत: मुझे, वी. एम.

मुत्तुरामलिङ्गम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके उपचार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सधार्थ प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. ८० टी० एस० है 17/13, भूमि और मकान है,  
जो मदुरै में स्थित हैं (और इसमें उपावड़ अनुपूर्वी में और जो  
पूर्ण रूप से वर्णित हैं) राजस्वीकृती अधिकारी के कार्यालय  
मदुरै (दस्ता० 4695/84) में रजस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 15-9-84  
को प्रबोक्ति संपत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के निए अतिरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथाप्रवृत्ति संपत्ति को उचित बाजार मूल्य  
दसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ती  
(अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अतिरिक्त के बिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में  
वास्तविक रूप से कीर्ति नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ किसी वाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व से कमी करने या उससे बचने में श्रुतिभा  
के निए; और/या

(ख) ऐसी किसी वाय या किसी भन या अन्य वास्तवियों  
को किन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनाथ अंतरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, जिसमें सूचिभा  
के निए;

बहुत बड़ा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपचारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बद्धता प्र---

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वास्त्रेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, और भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बूझ किसी व्यक्ति द्वारा, अभद्रहस्ताक्षरी के पास  
निश्चित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

बूमि

भूमि और मकान में टी० एस० सं. 17/13 मदुरै  
(एस सं. 4695/84)

वी० एम० मुत्तुरामलिङ्गम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण).  
अर्जन रेज, मदुरै

तारीख: 19-4-1985

बंधुर ॥

प्रधा नाहौ. टी. एन. पटु

1. श्री एम० के० सवरमण्यम्।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

2. श्री जे० एन० जोतीकृष्णन।

(अन्तरित)

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज मदुरै

मदुरै, दिनांक 19 अप्रैल 1985

निदेश सं० 14/सितम्बर/84—अतः मुझे, वी० एम०  
मुत्तुरामलिङ्गम्,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-८ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विद्या का उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसी सं० टी० ए० सं० 606 भूमि और मकान  
है जो मदुरै में स्थित है (और इसमें उपावड अनुगूची में  
और तुर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीडर्टी आधिकारी के वार्यालय  
मदुरै (दस्तावेज सं० 4712/84) है रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15  
सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान  
प्रतिफल के लिए मन्त्रीरूप की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
करने का कारण है कि वधाएँवैक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से, इस इयमान प्रतिफल का  
पल्लू प्रतिशत से अधिक है और अतरक (ब्रह्मरक्षों) और अन-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्त्रण लिखित अंत-  
वास्तुविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) बंतरण वं० हुदूर कियारी आद लौ आयकर, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक वे  
दायित्व में कभी करने या उसमें वचन में भवित्व  
के लिए; और/या

(क) जिसी किसी आय का किसी भल या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ बंतरिती इयाय प्रकद नहीं किया  
गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने या  
दूरीवास के लिए.

ममृत्यु

भूमि और मकान में टी० ए० सं० 606 मदुरै।  
(दस्तावेज सं० 4712/84)

वी० ए० मुत्तुरामलिङ्गम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, मदुरै

अद्य तत्त्व, उक्त अधिनियम की धारा 269-८ के अनुसर  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-८ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 19-4-1985  
मोहर :

ग्रन्थ नामः टी. एम. एस. १९८५-१०

१. श्री सेमसुन्दरम चेट्टीयार और अन्य।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

२. श्री मी० सेपुरासन।

(अन्तरिती)

## भारत वरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीकण)  
अर्जन रेंज, मदुरै

मदुरै, दिनांक १९ अप्रैल १९८५

निदेश मं० ७५/सितम्बर/८४—अतः मुझे, वी० एम०  
मुशुराम्लिंगम,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
हमके पैचाना 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ष के अधीन सकम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
₹ 1,00,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० भूमि और निर्माण में टी० एस० मं० ७४६  
और ७४८ है, जो मदुरै में स्थित है (और इससे  
उपावन्द अन्तर्गती में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय में मदुरै (दस्तावेज सं० ४७३७/  
८४) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन तारीख १५ सितम्बर १९८४

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह दिश्याम  
करने का कारण है कि दस्यमान वर्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का  
पूर्ण प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरांकों) और अंतरिती  
(अन्तर्प्रतिनिधियों) के बीच ऐसे अन्तरक के निए तब पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विस्तृत में  
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(ए) अंतरण से इस विली आव की बाजार, उक्त सम्पत्ति के अधिनियम के अधीन कर दिए के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के (जिए, और/वा)

(इ) एंसी किसी भाव या किसी भन या अन्य जास्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1921  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-व्यव  
वाधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ  
इन्हींनी दबारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोहै भी बाष्पेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
४५ दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर  
सूचना की तापील से ३० दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(छ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभावहानाभावी के दार  
लिखित में किए जा सकते।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रमुख शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होता जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

मदुरै

भूमि और निर्माण से टी० एस० सं० ७४६ और ७४८  
मदुरै।

(दस्तावेज सं० ४७३७/८४)।

प्रकृष्ट बाहु<sup>१</sup>, दी. एम. एच.-----

1. श्रीमती शारदा अम्माल।

(अन्तरक)

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

2. श्री शिव कुमार।

(अन्तरिती)

## शारदा सूचना

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मदुरै

मदुरै, दिनांक 19 अप्रैल 1985

निर्देश सं. 76/सितम्बर/84—अत., मुझे, वी० एम०  
मुथुरामलिंगम,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं. भूमि और निर्माणमें टी० एम० सं. 868/72  
और 868/6 है, जो मदुरै में स्थित है (और इससे उपावड़  
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रेशन अधिकारी वे  
कार्यालय मदुरै (दस्तावेज सं. 4513/84) में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
15 सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूँहे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और  
अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा  
वापा गया प्रतिफल, विभिन्निकित उद्योग से उक्त बम्परण  
बांक्षत एवं वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है।

(क) बम्परण से हुए इसी वाय की बाबत, उक्त  
अधीनियम के अधीन कर देने के अन्तरक वे  
संवित्त वे की करते या उद्योग वर्षे वे हौदीवा  
के लिए; बाटु/या

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी जन या अन्य जास्तियों  
को, जिहे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जावा आहिवे या, छिपाने वा  
संवित्त के लिए;

जल: जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अन्तरण  
में, ये, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उच्चारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधों:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बंध में कोई भी व्याप्तिपै :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में सपात होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर पूर्वोक्त उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्याकृत द्वारा अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा गएं।

स्थानकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और एदों का जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

यन्त्रसूची

भूमि और निर्माण में टी० एम० सं. 868/7-2 और  
868/6, मदुरै।

वी० एम० मुथुरामलिंगम  
मक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, मदुरै

दिनांक . 19-4-1985

मोहर

प्रस्तुप बाई<sup>१</sup>, ट. एन. एस. - ---1 श्री एस० पी० आर० एम० रामनाथन चेट्टियार और  
अन्य।

(अन्तरक)

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

2 श्री ए० यूसुफ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक लायकर भायकत (निरीक्षण)

जैन रेंज, मदुरे

, मदुरे, दिनांक 19 अप्रैल, 1985

निर्देश स० 77/सिसम्बर/84—अतः, मुझे, वी० एम०  
मुथुरामलिङ्गम,  
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ष के अधीन सभ्यम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि सामान्य सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० भूमि और निर्माण में टी० एस० स० 86  
है, जो मदुरे टाउन में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और  
पूर्ण रूप में वर्णित है), राजस्ट्रीलर्ना अधिकारी के कार्यालय मदुरे  
(दस्तावेज स० 4227/84) में भारतीय राजस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15 -  
मिन्हम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के द्वयमान  
प्रतिफल के लिए कन्त्रित की गई है और यह विश्वास  
करने का कारण है कि द्वयमान प्रतिफल सम्पत्ति का उचित वाजार  
मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे द्वयमान प्रतिफल का  
पूर्वह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और  
अन्तरिती (बन्तरितियां) के बीच गंभीर अन्तरण के लिए तथा  
गया गया गंभीर अन्तरण, निर्मालित उदादेश्य से उक्त बन्तरण  
लिखित में आस्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी बाय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के बन्तरक के द्वयमान  
की कमी करने वा उगमन बचाने में गुणिता ए निरा,  
वाई/दा

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य वास्तवों  
को बिन्हे भारतीय भायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) द्वे  
प्रयोगनार्थ बन्तरिती वाया प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुनिध  
के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए  
कार्यवाहिया रूप करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वायोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि द्वा नामांकनी व्यविधाया पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाहर में स्थान होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
अधिनियम द्वारा कियी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
नदूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्नाक्षरों द्वा  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रधानांकरण — द्वयमान प्रतिफल की बायों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या  
गया है।

मदुरे

भूमि और निर्माण में टी० एस० स० 86 मदुरे।  
(दस्तावेज स० 4227/84)

वी० एम० मुथुरामलिङ्गम  
मक्कम प्राधिकारी  
भायकर भायकत (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, मदुरे

अतः अब, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के उक्तसरल  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अन्ते, निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् ।—

इन्द्र बाई, दी. एस. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत वरकार

कालालिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, मदुरै

मदुरै, दिनांक 19 अप्रैल 1985

निर्देश सं० 78/सितम्बर/84—अतः, मृझे, वी० एम०  
मुथुरामलिङ्गम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ए के अधीन संबंध प्राप्तिकारी को यह विवाह करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिमकी सं० डॉर सं० 30/डी है, जो मासी स्ट्रीट मदुरै  
में स्थित है (श्रीर इससे उपाधि अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कालालिय सध-  
रजिस्ट्रार पुदुमण्टपम, मदुरै, (वस्तावेज सं० 2270/84)  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन तारीख सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरमान  
प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है कि मृझे यह विवाह  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से ऐसे दूसरमान प्रतिफल के  
एन्ह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरको) और  
बन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरक के लिए तब  
यादा गया प्रतिफल, विवाहित उत्तरेश्य से उक्त बन्तरण  
विवित में बास्तविक रूप से कानून वहीं किया गया है—

(क) बन्तरण से हाई किसी वाय को बाबू, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के बन्तरक के  
दायित्व में करने या उससे बचते हों छविया  
के लिए; और/वा

(ब) ऐसी किसी वाय या किसी भन या बन्व बास्तवियों  
के लिए भारतीय आय कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
उनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाता था, लियाँ हों अंतिक्षय  
के लिए;

\* अतः बह, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अनुसर  
है, ये उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उल्लंघन 'ए'  
के अधीन, विवाहित व्यक्तियों, वर्ततः—

- 1. (1) श्री रत्नानंद अम्माल।
- (2) श्रीमती बेनी अलयास राजमाणी कम्माल।
- (3) श्रीमती सुशीला अलयास मीताली।  
(अन्तरक)

- 2. श्री कल्याणसुदर्शन माले।  
(अन्तरिती)

को यह भूमना बारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कावेवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना को तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधांहस्ताक्षरों के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

ल्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, जो अध्याय 20-के ये परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगा और उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मकान में डोर सं० 30/डी० मासी स्ट्रीट, मदुरै एस० आर०  
ओ० पुदुमण्टपम मदुरै: (नम० स० 2270/84)

वी० एम० मुथुरामलिङ्गम  
मल्लीम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त। (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, मदुरै

12

दिनांक : 19-4-85

माहूर।

प्रस्तुत आई.टी.एस.-----

1. श्री एम० सुव्यंया नेवर।

(अन्तरक)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती हेमलता।

(अन्तरिक्षी)

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, मदुराई  
मदुरै, दिनांक 19 अप्रैल 1985

निर्देश सं० 79/सितम्बर/84—अतः, मुझे, वी० एम०  
मुथुरामलिङम  
बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० एस० सं० 75/1 और 75/2 (भूमि) है, जो  
पुदुमण्टपम मदुरै में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्टीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
पुदुमण्टपम, मदुरै (दस्तावेज सं० 2314/84) में भारतीय  
राजस्टीकर्ता अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 30 मितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान  
प्रतिफल के लिए बंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से, ऐसे छयमान प्रतिफल का  
पूर्ण प्रतिपथ से आधिक है और बंतरक (अंतरक) और बंत-  
रिती (बंतरितीय) के बीच ऐसे बंतरण के लिए तब पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी वादों :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि था उससम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, की भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र वे प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर स्थानीय सम्पत्ति में हितवृष्टि किसी  
अन्य व्यक्ति-द्वारा वधोहस्ताक्षरी या पात्र लिखित में  
किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रदत्त वाक्यों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभासित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### मृत्युचंद्री

(क) अंतरण से हुई किसी वाय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक को वायिक्षण में  
कठीं करने वा उससे बचने में सुविधा के सिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी वाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भतकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ  
बंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, जिसमें में सुविधा के लिए.

भूमि और टी० एस० सं० 75/1 और 75/2 मदुरै।  
(दस्तावेज सं० 2314/84) .

वी० एम० मुथुरामलिङम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, मदुरै

**अर्थ:** अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 19-4-1985  
मोहर :

प्रेस्प्र आई.टी.एन.एस.-----

1. श्री ए० सरोजा।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

2. श्री एस० अशोक।

(अन्तरिक्ती)

भारत सरकार

प्रत्यालिय, सहायक आयकर बायक्स (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मदुरै

मदुरै, दिनांक 19 अप्रैल 1985

निर्देश सं० ८०/सितम्बर/८१—अन् मृष्ट, वी०, एम० और  
मुथुरामलिङ्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) विले इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-व के अधीन संखम प्राधिकारी को वह विवास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि और निर्माण में टी० एस० स० ३४  
और ९५/२, है जो तीर्णगल गांव में स्थित है (और इससे उपावड  
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के  
कार्यालय तीर्णगल (दस्तावेज स० 1368/84) में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 15 सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अव्याप्त  
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्त की गई है और मुझे वह विवास करने  
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके अव्याप्त प्रतिफल से, ऐसे  
अव्याप्त प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निर्मानिकृत  
उद्योग से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कमित  
नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से है किसी आव की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के  
शायित्य में कमी करने या उसके बचने में संविधा  
के लिए; और/या

(क) ऐसी किसी आव या किसी भूमि या वन्य जास्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आव-कर अधिनियम, 192<sup>१</sup>  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में संविधा  
के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपेक्षा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित कार्यकारी है।

उक्त संपत्ति के उचित के संबंध में कोई भी वाक्येप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तिया पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि वाले में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों द्वारा किसी व्यक्ति द्वारा,

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थान पर संपत्ति में हित  
किसी इन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्त  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

मनूसूची

भूमि और निर्माण में टी० एस० स० ९४ और ९५/२  
तारीखनगल।

(दस्तावेज स० 1368/84)

घी० एम० मुथुरामलिङ्ग  
संक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, मदुरै

तारीख: 19-4-85

मोहर :

प्रस्तुप आर्फ.टी.एन.एस.-----

1. श्री सोमसूदर नाडार।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती मंथुला।

(अन्तरिक्त)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

जर्जन रोज, मदुरे

मदुरे, दिनांक 19 अप्रैल, 1985।

निर्देश सं 81/सितम्बर/84—अत. मुझे, वी० एम०  
मुथुरामलिङ्गम,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, प्रिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि और निर्माण में टी० एम० 1/1488/ए  
है, जो नीश्चन्तन में स्थित है (यीर इससे उतारदृ अनुसूचा में  
और नृग्रन्था न रखा है), जन्मीली व धनारी के कार्यालय  
तीरुन्नगल (दस्तावेज सं 1475/84) गेंभरतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30  
सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त समंतिका के उचित बाजार मूल्य से कम के विश्वास  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त समंतिका का उचित बाजार  
मूल्य, उसके विश्वास प्रतिफल से, ऐसे विश्वास प्रतिफल के पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर अंतरण के लिए तथा पाया जाया गया  
करन, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

क्ये यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त समंति के अजन के लिए  
कार्यवाहिया करता है।

उक्त संपत्ति के बाबन के संबंध मे कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों द्वा  
रा सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि के बाद मे समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मे हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित मे किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:-**—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया  
गया है।

मदुरे

(क) अन्तरण से हुहूं किसी आम की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के  
दायित्व मे कमी करने या उससे बचने मे सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आम या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगभार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने से सुविधा  
के लिए;

भूमि और निर्माण मे टी० एम० 1488/ए।  
(दस्तावेज सं 1475/84)

वी० एम० मुथुरामलिङ्गम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अजन रोज, मदुरे

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण  
मे, मे उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)  
के अर्थात्, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख: 19-4-1985

अंतर :

प्रदर्शन भाई, टोटी, एवं एवं-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भाग 269-प (1) के अधीन मृत्युना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अंजन रेज, मदुरै

मदुरै, दिनांक 15 अप्रैल 1985

निर्देश सं. 82/सितम्बर/84—वात सुझे, वी० एम०  
मुथुरामनियम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (यिहे इसमें  
इसके प्रदर्शन 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग  
269-प के अधीन सकान प्राधिकारी को यह चिकाओ लगे का  
कारण है कि स्थावर समस्ति, जिकाव उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. भवे सं. 7571/डी० 3ए५ है, जो सिवकासी  
में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण स्प से  
वर्णित है), राजस्ट्रीकृती अधिकारी के कार्यालय सब-रजिस्ट्रार  
सिवकासी (दस्तावेज सं. 2496/84) में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
सितम्बर 1984

को प्रवृत्तित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बाजार  
प्रतिकल से लिए अन्तरित की रहे हैं और अन्ते वहाँ विषयक वार्ता  
का कारण है कि यथाप्रवृत्ति उचित बाजार मूल्य  
इसके बजायान प्रतिकल है, एवं यथावाद उचितक का उच्च  
प्रतिशत से अधिक है और बन्दरक (बन्दरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्दरण के लिए तब यात्रा गया  
प्रतिकल, निम्नालिखित चुनौतीय से उक्त अन्दरण निवित ने  
वास्तविक रूप से कठित रहीं किया गया है ।—

1. श्री गोपाल शौर के० मृत्युना।

(अन्तरक)

2. श्री ए० आर० पीरपांडे।

(अन्तरिती)

मैं यह सूचना काढ़ी करके प्रदर्शन उचित के बहुत बिधि  
कार्यवाहिकों सुन करता हूँ।

उचित समरित के बहुत कोई भी वास्तव—

(क) इह सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अवित्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद से सबसे होती है, के भीतर प्र० अधिक  
अवित्तियों में से किसी अवित्त इवारा;

(ब) इह सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हिताहित  
किसी वर्ष अवित्त इवाय बभोहताकारी के पाव  
निवित में किए जा सकें।

**सम्बोधित:**—इसमें प्रवृत्ति वाली और उसी का, जो उचित  
अधिनियम के अध्यय 20-क में परिभाषित  
है, वही वर्ष होगा जो उस अध्यय में दिवा  
गया है ॥

**विवरण**

(क) बन्दरण से हूँदूर किसी आय की बावत उचित  
अधिनियम-के अधीन कर देने के अन्दरक को  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ल) एंसी किसी आय या किसी धन या बन्ध आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दिवाय प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

रामि में ए० सं. 7571/डी० 3ए५ सिवकासी  
सब-रजिस्ट्रार, सिवकासी।

(दस्तावेज सं. 2496/84)

वी० एम० मुथुरामनियम  
मकान प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अंजन रेज, मदुरै

वात: यह, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण  
में, भौं, उक्त अधिनियम की भाग 269-प की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नालिखित अवित्तों, वर्णय ।—

तारीख: 15-4-1985

मोहर

प्रस्तुत वाहौ, टौ. एम.एस.-----

(1) श्रीमती हेमलक्ष्मी।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भाव 269-व (1) के अधीन सूचना

(2) सौयद फानुमाल।

(अन्तरीक्षी)

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, मधुरे  
मधुरे, शिरांक 15 अप्रैल, 1985

निर्देश सं. 83/मिसम्बर/84—अतः मुझे, वी.० एम.०  
मुतुरामनियम,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाव  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवरण करने का  
कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं. वार्ड नं. सं. 15, वाराणसी-रट्टीट रामनाथ  
पुरम टाऊन है, (और इससे उपावन्ध अनुसुची में और पूर्ण रूप  
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, जवाहैट सीबी-  
रजिस्ट्रार रामनाथपुरम (दस्तावेज सं. 933/84)  
है भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, 'तारीख सितम्बर 1984)

को पूर्वान्तर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण विवेद के अन्तरार बंतान्तर कीगई है  
है और मैंने यह विवेद करने का कारण है कि यह पूर्वान्तर  
पूर्वान्तर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल  
के एकह ही प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकर्ता) और  
बन्तरीती (अन्तरीतियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तब पाता  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कीषत नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्येण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाहर में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
अविक्षियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन भी भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-  
वृद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रथम कर्ता और पर्दा का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही बर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

(क) बन्तरक से हुई किसी आय की वादत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के बन्तरक को  
दायित्व में कीषी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; बाई/वा

(ब) ऐसी किसी आय या किसी शन या अन्य जास्तियों  
को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ बन्तरीती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
आ या किया जाना चाहिए था, जिसमें मैं सुविधा  
के लिए;

मकान में वार्ड सं. 15, वणणरककार स्ट्रीट रामनाथ  
पुरम टाऊन।

जवाहैट सब रजिस्ट्रार-II रामनाथपुरम।

(दस्तावेज सं. 933/84)

पी.० एम.० मुथु रामलिङ्गम  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, बम्बई

तारीख: 15-4-1985

मोहर

प्रकल्प आई.टी.ए.एस. -----

(1) श्री पुगलेंदी।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

(2) श्री दूरेराज

2. नेहश्वकाश

37ए, पी० सेलप्पा नगार।

(अन्तरक्ती)

भारत सचिवालय

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मदुरै

मदुरै, दिनांक 15 अप्रैल 1985

निदेश सं० 84/सितम्बर 84—अतः मुझे, बी० एम०

मुन्युरामर्लिंगम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को गह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी भ० सर्वे नं० 18/21 है तथा जो मंगरपेरी गांव, बालनायकनपट्टी तल्लुकोरिम में स्थित है (और इसे उपावद अनुमति में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय यटि भब-रजिस्ट्रार-3 तुन्नुकोरीम दस्तावेज सं० 905/84 में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छायाचान प्रतिशत के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके छायाचान प्रतिफल से, ऐसे छायाचान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से उधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के शीज ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य गे उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीथित नहीं 'क्या गया है'—

(क) अन्तरण से है किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों का, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कि यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यादियां करता हूँ।

उक्त संबंधित के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षण :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-धूम विस्तीर्ण व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण** —इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान में एस०स० 18/2 डोर सं० 109,  
बालनायकनपट्टी, टूटीकोरिन।

बी० एम० मुन्युरामर्लिंगम  
मश्रम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मदुरै

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण में, भू. उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्ता :—

दिनांक 15-4-1985

माहूर :

प्रस्तुत आई. टी., इम्. एम्. 1985

(1) एस० एम० टी० राजाराम।

(अन्तरक)

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

(2) एन० आर० के० आर० रवीन्द्रन।

(अन्तरिती)

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मदुरै  
मदुरै, दिनांक 15 अप्रैल 1985

निवेश सं० 85/सितम्बर 84—अतः मुझे, वी० एम०

मुत्तुरामालिङ्गम,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर मम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे मं० 377/4, डोर सं० 2/73,  
और 2/73ए है तथा जो एनोथेवेन्ट्रम एट्रियापुरम तालुक  
में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सब रजिस्ट्रार  
एट्रियापुरम दस्तावेज सं० 16/84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1984,  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं० कम के द्वयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके द्वयमान प्रतिफल से, एस० द्वयमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अतरकों) और अत-  
द्विती (अंतरितीयों) के बीच एस० अतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अतरण लिखित में  
वास्तविक रूप में कीदित नहीं किया गया है :—

(क) बृहत्तुण वं हृष्ट किसी काव की वापर, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर वने के बत्तरक वं  
वास्तविक में कभी कुत्ते वा उससे वृद्धे में भूमिका  
के लिए, दौड़ाया

(ख) एस० किसी आय या किसी पन वा नन्य वास्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिया था, छिपान में  
भूमिका के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णात :—  
27—86GJ|85

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सपत्स के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येष .

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख उ  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख उ  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताभरी के तार  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**तथा करना:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

मदुरै

भूमि और मकान; में डोर सं० 2/73 और 1/73ए  
और सर्वे नं० 377/41एनोथेवेन्ट्रम गाव, एट्रियापुरम तालुक  
एस० आर० ओ० एट्रियापुरम दस्तावेज सं० 1-16/84 ।

वी० एम० मुत्तुरामालिङ्गम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मदुरै

दिनांक : 15-4-1985

लोहर :

आमंत्रण अधिकारीयता, 1961 (1961 का 43) को  
दण्डा 69-प्र (1) के अधीन सम्बन्धी

( 1 ) श्री १८० नटराजन ।

( भ्रातरक )

(2) डी० कैलट ।

(अन्तरिक्षी)

५४८

१० अप्रैल १९४८ विधायक छायाचक्षर प्राप्ति (निरीक्षण)

अजेंट रेज, मदरे

मर्हे, दिनांक 15 अप्रैल 1985

ਨਿਵੇਸ਼ ਮ. 86/ਚਿਤੰਬਰ 84—ਅਤ; ਮਸ਼ੀ, ਕੀ. ੦ ਏਮ.

मृत्तरामलिगम्

जातकर्ता वे दिनांक १९८३ (१०) का ४३) (विसे) इसमें  
उनकी "प्रति" (प्रतिक्रिया या उत्तर) को भार  
२५०/- के बास पर प्राप्त हो को एवं विवरण उसने का  
आवाहन है। अब यहाँ इसके बाबत मन्त्र्य  
१,८०,०००/- रुप से अधिक है।

और जिसकी मं० एस० मं० 309 है तथा जो नागलगोदा  
गाल नेम्मामी नालूक मिथ्यत है (और इसमे उपावच्छ अनुभूची  
मे कौर पुणे रप से बणित है) रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के  
कार्यालय च्यायट गवर रजिस्ट्रार -२, लक्काररी दस्तावेज मं०  
710/४४ के रजिस्ट्रीकरण अधिकारी 1908 (1908 का  
का 16) के अनीन तारीख बितम्हर 1984,

का यह सूचना आरी भरके पूर्वानुष्ठान का उद्देश्य कार्यप्राप्ति करना है ।

उक्त भम्पति के अर्जन के संबंध में काइ भी बाध्य ।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की दारोंख 45 दिन की अवधि या तत्समावधि व्याप्रदत्तपा सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो अवधि बाक में ऐमप्लान्ट हटाई गई, के भीतर पूढ़ाये। व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिका इदाया;

(स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख का 45 दिन के भीतर उक्त स्थान परम्पराले वे हिन्दूदर्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, जधाहम्मातरी के गोपनीय सूचनाएँ नहीं आयी जा सकती।

**प्राप्तिकरणः**—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, ने अध्याय 20-क में पारभाषित हैं, वही बथ द्वारा जो नये लाभाद्य हैं दिए गया हैं।

(क) अन्तर्राष्ट्रीय संस्थानों के द्वारा आवश्यक उत्पत्ति के लिए, जिसमें विद्युत ऊर्जा का उपयोग विशेष रूप से विकसित किया जाता है।

अनुसन्धान

(x) एसो फ़र्मी आय या किसी धन द्वा अन्य आस्तीनो  
ले, १९२३ भारती आद कर अधिनियम, १९२२  
(१९२२ का ११) द्वा भवित्व, या धनकर  
अधिनियम, १९५२ (१३५, का १२) के प्रयोग-  
से इसी नी लागू कर ही विद्या गया था  
परंतु जाग नहीं था लियार्ड मैटिल के  
विद्यार्थी।

कृप्य भूमि मै सर्वे सं० 309, नागनगोडा नाग तेक्कासी तालुक  
तिष्ठेलवेली ज्वार्हिट सब-रजिस्ट्रार-2 तेक्कासी दस्तावेज सं०  
710/84।

वी० एम० मुद्रारामलिंगम  
भक्तम् प्राधिकारी  
पकर आयुषन (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मदरे

लक्षण एवं उन परिस्थितियाँ की धारा 269-ए के अनुसरण  
या, ६, एन फिल्म १-ए 269-ए के उपचार (1)  
इ अर्थात् फिल्म-परिस्थिति ग्रन्थ द्वारा, अर्थात् —

दिनांक : 15-4-1985

मोहर :

प्रधान अमेरिकी डॉ. एम. एस. —————

(1) श्री एमो क० ग्राहो रेतीवस्मै।

(अन्तरक)

ग्राहक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-४ (1) के अधीन सुचना

(2) श्री क० वासुदेवन।

(ग्रन्थरक्ती)

## भारत राष्ट्रपति

काशीविल, भग्नायक आमदार बाबूलत (निरीकण)

ग्रंथांतर: रेज, मदुरै

मदुरै, दिनांक 15 अप्रैल 1985

निदेश सं० 87/सितम्बर/84—ग्रंथांतर: मुझे, बी० एम०  
मुन्तुरामलिङ्गम,भाग्यलक्ष्मी अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इनके पश्चात् 'भारत अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-४ के अधीन संसाम प्राधिकारी को यह विवास करने का  
पारण है कि स्थानीय बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० म्युनिसिपल सर्वे नं० 5603 है तथा जो  
भाग्य कोर्ट स्ट्रीट, पुडकोट्टू मे स्थित है (और इससे उपावद्ध  
आनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है) राजस्त्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय ज्यायट सब-रजिस्ट्रार पुडकोट्टू दस्तावेज मे  
राजस्त्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख सितम्बर 1984कि उपर्युक्त सम्बन्धित के उचित बाजार मूल्य के कारण  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और यह विवास  
कारण के कारण है कि बाधायौक्त बन्धनित के उचित बाजार  
मूल्य, उचित करने का प्रांतफल से, ऐसे छायमान प्रांतफल का  
पञ्चवें प्राधिकार से अधिक है और बंतरक (अंतरको) और अंतरिक्षी  
(अन्तरार्दीयां) के बीच एस जन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्राप्तिकल; निम्नलिखित उल्लेखों से उचित अन्तरण लिखित मे  
रास्तायिक रूप से कठिन नहीं किया गया है :—(क) अन्तरुक्त वे हुए किसी वास की वालह उचित अधिनियम  
में अधीन कर दन के अन्तरक के बायायस्य मे  
की अहम या उचित वापने के उचिता के लिए;  
और/या(ख) एकी किसी वास का किसी भन वा अन्य आस्तकी  
की, जिन्हे भारतीय आमदार अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उचित अधिनियम, वा  
पन-न्तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के अन्तर्वाचय अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था वा किया जाना चाहिए था, जिसने मे  
रास्तायिक के लिए,उचित सम्बन्धित के अज्ञन के कारण मे कोई भी वालह ;—  
जो यह सुचना करने के लिए अन्तर्वाचय के अन्तर्वाचय के लिए  
करना है(क) इस सुचना के अन्तर्वाचय के अकालीन नी तारीख से  
45 दिन की अवधि पर तत्परवाची व्यालिंग। वर  
सुचना को तारीख से 30 दिन का अवधि, जो भी  
व्याधि बाइ भी समाप्त होती हो, के भीतर उपोक्त  
अधिकारी मे प्राप्ती व्यालिंग द्वारा,(ख) इस सुचना के ३ अन्तर्वाचय से अन्तर्वाचय से 45  
दिन के भीतर उचित बाजार मूल्य के उचित  
कहाँ तिक्षी नी वापन द्वारा व्यालिंग १ के  
पास लिनीवाले अन्तर्वाचय के लिए जाने।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रत्येक द्वारा जो पदों की, जो उचित  
अधिकारी, जो अन्तर्वाचय से ३० दिन से राज्यालय  
है, वही अधीन कर दन के अन्तर्वाचय के लिए  
जाने।

मृदुली

गृह सम्पति माउथ पोरणन भारत भारत कार्य रद्दों पुढ़ुवों  
दातन म्युनिसिपल सर्वे नं० 5603/84 ओर नं० 74।बी० एम० अमुर सर्वियम  
मन्त्रम बी० कारी  
महायन ग्राम्यक ग्राम्यक (निरीकण)  
ग्रंथांतर: रेज, मदुरै

दिनांक : 1-4-1985

मात्रा :

सह अद, उचित अधिनियम की भारा 269-४ के अन्तरण  
मे, मे, उचित अधिनियम की भाय 269-४ की उपधारा (1)  
मे बधीन, ('नम्मालिंगित व्यक्तियों, अर्थात् ए—

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

### उत्तर सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

ग्राहन रेंज, मदुरै

मदुरै, दिनांक 15 अप्रैल 1985

निवेदा सं. 88/सितम्बर 84—अतः मुझे, वी. एम. मुन्युरामिंगम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), 'की धारा 269-प के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है' कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. टी. एस. सं. 4239 है तथा जो माउथ III स्ट्रीट टाउन में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ज्वायट म्ब रजिस्ट्रार 1, पुदुकोंटै दस्तावेज सं. 2484/84 में राजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एम्बे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अतरकाँ) और अतारिटी (अन्तरिटीयाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उत्तरदृश्य से उक्त अन्तरण में लिंग्वेत वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(1) श्री अणामलै चेटीयार।

(अन्तरक)

(2) श्री के० एम० विशालक्ष्मी।

(अन्तरिटी)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाल्क में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में द्वितीय अन्तरिटी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात्र लिखित में लिए जा सकेंगे।

**प्रत्येकरण:**—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(ए) अन्तर्कृत व उत्तर किसी वाय की वापर उक्त व्यक्तिवद्वय के अधीन कर, देने के अन्तरक व्यक्तिवद्वय में किसी कानूने या उसके बचने में हुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ब) ऐसी किसी आद या किसी धन का अन्य वास्तुओं का, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिटी द्वारा प्रकट नहीं किया गया। या या किसी जाल भाँझे का, छियाने में सुदृढ़ि के लिए;

गृह सम्पत्ति साउथ थड़ स्ट्रीट, पुदुकोंटै टाउन टी. एस. सं. 4329 वार्ड सं. 14 दस्तावेज सं. 2424/84।

वी. एम. मुन्युरामिंगम  
सक्रम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)  
ग्राहन रेंज, मदुरै

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह—

दिनांक : 15-4-1985

मात्र

प्रकल्प वाहौँ, टी. एस. एड. -----

(1) ए० मुवारक निशा।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

(2) एम० जेहाबार और अन्यों।

(अन्तरिक्षी)

## भारत लृपकार्य

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मदुरै

मदुरै, दिनांक 15 अप्रैल 1985

निदेश सं० 89/सितम्बर 84—अतः मुझे वी० एम०  
मुत्तुरामलिङम,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-व के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

अग्रीर जिसकी सं० आर० 212/4ए है तथा जो  
पुदुकोट टाउन में लिया है (अग्रीर इसमें उपावड़ अनुसूची में  
ग्राम पूर्ण रूप से वर्णित है) राजस्ट्रान्तरी अधिकारी के अधिनियम  
जायर्ट संब-राजस्ट्रार-1, पुदुकोट दस्तावेज सं० 422/84  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के  
अधीन तारीख सितम्बर 1984

को पूर्वान्तर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अधिनियम  
प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापर्वत सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके अधिनियम प्रतिफल से, एंस अधिनियम प्रतिफल का  
पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती  
(अन्तरितिया) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
है वास्तविक रूप से कर्तित नहीं किया गया है ॥

(क) अन्तरण से हूँ है किसी बाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
है लिए; और/वा

(ख) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्द्र आस्तियों  
को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगान्वय अन्तरिती इवाय प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था इसाने में सुविधा  
के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अन्तरण  
में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अक्षितयों अन्तर्गत ॥

को यह सूचना बादी करके पूर्वान्तर संपत्ति के अर्जन के तिथि  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में काई भी आवंप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
4.5 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**प्रबोक्षण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

ममृत्यु

पुन्चा भूमि में आर० 212/4 पुदुकोट टाउन

वी० एम० मुत्तुरामलिङम  
सभी प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, मदुरै

दिनांक : 15-4-1985

माहूर ५

प्रकृष्ट शाह, टॉ. एन. एफ.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(1) एस० पी० मुख्यमंत्री और मुख्यमंत्रियन्

(अन्तरक)

(2) श्री के० एम० नागप्पा वेंटीयार ।

(अन्तरिक्ती)

## भारत लक्षण

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मदुरै

मदुरै, तितान 15 अप्रैल 1985

निदेश स० 90/संस्थर/84—उक्त मुक्ति वी० एम०  
मुत्तुरामलिङ्गम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थानीय अधिनियम, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु से ऊपरी है

ओर जिसपै भ० टी० एम० 5279/ग्र बांड म० 81 है  
तथा जो भारतान्डपुरम् दूसरी स्ट्रीट पुदुक्कोट में स्थित है  
(और इस उपायक नुगूचा रोड पूर्ण तरफ भवित है)  
राजस्तीकृती अधिकारी के अधीन ग्रायट स्वर्नजल्दार  
पुदुक्कोट (दस्तावेज स० 254/84) म भारतीय राजस्तीकृत अधि-  
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख संस्थरण

1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भावे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एस० दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिक्ती  
(अन्तरिक्तीयों) के बीच एस० अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँह किसी आय की वायर, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर हने के अन्तरक वा  
वायित्व में कमी करने या उससे अन्तरण में सुविधा  
की दिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकों  
का, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थं अन्तरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

को इह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तरण के लिए  
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अन्तरण के सम्बन्ध में कोई भी कांठें, —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीख  
से 45 दिन की अवधि या उत्तराधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होता है, के भावतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी शावित द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भावतर उक्त अपार अन्तरण 2 के अन्तर्वद  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा द्वारा अन्तरिक्ती द्वारा लिखित में किए जा सकें।

**लक्षणीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्द यह है यह अ., जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-ए में पौरमालित  
है, वही अर्थ हांगा जो अन्याय में नहीं गया  
है।

## अनुसूची

ग्रह सम्पत्ति टी० एस० 5379/2ए बांड म० 18,  
भारतान्डपुरम्-2, स्ट्रीट पुदुक्कोट दस्तावेज म० 2549/84

एम० वी० मुत्तुरामलिङ्गम

मध्यम प्राधिकारी

हायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मदुरै

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 15-4-1985

मोहर :

राजपत्र आई. टी. एम., एस.-----

(1) एन० लगायले चेट्टीयार।

(अन्तरक)

द्वारा भारतीय अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

(2) एन० लगमे शाल्ची।

(अन्तरित)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मदुरे

मदुरे, दिनांक 15 अप्रैल 1985

निदेश स० 91/सिनम्बर 84/—अतः मुख्य वी० एम०  
मुत्तुरामलिङ्गम,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
“ए० पद्धति” भी कहा जाता गया है), की धारा  
269-व के अधीन प्रश्न प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. में अधिक हैऔर जिसकी स० टी० एम० स० 4136 है तथा जो पुढ़कोट है  
में स्थित है (ओर इसमें इसाबद्द अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है) राजस्त्रीयनीयतारी के वार्षिक जायन्ट सब-  
रेप्लियर-1, पुढ़कोट (दस्तावेज स० 2588/84) में  
राजस्त्रीयनीयतारी 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख निर्देश 1984के पूर्वावल सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्तावेज  
ए० पद्धति का नियम है। मैं यह विश्वास  
करता हूँ कि उक्त स्थावर प्राप्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दस्तावेज प्राप्ति के गमे दस्तावेज प्रतिफल का  
पूर्व प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितों) के दस्तावेज के लिए तब पाया गया  
प्रतिफल, जिसनियत उद्देश्य से उक्त अंतरक प्रिवित ये  
अधिनियम से क्षमित नहीं किया जाता है ॥(क) अंतरक प्राप्ति किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वार्षिक से कमी करते या उससे अधिक से सुविधा  
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी भव्य या अन्य वास्तवियों  
का अंतरक भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(12-व न० 11, वा 32 वार्षिकम, या धर-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था तो 12-व वा 32 वार्षिक या धरकर के  
लिए;इस अद्य, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अन्तरण  
में ए० एम० लगायले नीलामी की धारा 269-व की उपधारा (1)  
में अनुकूल अधिनियम विस्तरीय वर्णन ॥को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति वा अर्जन के सम्बन्ध में जीते भी आमंत्रण ॥

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन तक अवधि जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के नाम प्राप्ति  
दाता का नाम तथा वार्षिक दस्तावेज ॥(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के अन्तर उक्त स्थावर प्राप्ति में हितबद्ध  
किसी भव्य व्यक्ति द्वारा भाषोहस्ताक्षरी के लाल  
चिह्नित में दिख जा सकें ॥स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही वर्त होगा जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है ॥

## मृत्यु

गृह सम्पत्ति दी० एव० स० 4136 पुढ़कोट टाउन दस्तावेज  
स० 2588/84 ।दी० एव० मुत्तुरामलिङ्गम  
संघम प्राप्तिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मदुरे

दिनांक : 15-4-1985

मोहर :

प्रस्तुप ब्राह्म.टी.एन.एस. -----

(1) ए० कान्चना ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

(2). श्रीमती जी० पदमावती ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मदुरै

मदुरै दिनांक 15 अप्रैल 1985

निदेश सं० 92/सितम्बर 84—अतः मुझे वी० एम०  
मुत्तुरामलिङ्गम,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-व के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विष्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
100,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० टी० एस० 121 है तथा जो तील्ले नगर  
तिरुच्ची में स्थित है (आ० इसमें उपावढ़ अनुसूची में और  
पूर्ण रूप में वर्णित है) एजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
सब-डिप्टी इन्स्पेक्टर ग्रौपर (दस्तावेज सं० 2989/84) में भारतीय  
रजिस्ट्री इन्स्पेक्टर अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
सितम्बर 1984को प्रवाक्ता सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान  
प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मूँफे यह विष्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल के  
पन्थ प्रतीक्षण से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य व्यक्तियों  
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसारण  
में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ जाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र पर प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में दिया जा सके।प्रष्टकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।गृह सम्पत्ति टी० एव० सं० 12, तील्लैनगर तिरुच्ची-18  
(दस्तावेज सं० 2989/84) एस० आर० श्री० श्रीरेपुरा ।वी० एम० मुत्तुरामलिङ्गम  
सदम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मदुरै

दिनांक : 15-4-1985

मोहर :

प्रस्तुप माझे टो एन.एस. -----

( 1 ) भा यु त्वेव ।

( ग्रन्थारक )

• भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

( 2 ) श्री हाम्पव्यलाल एम दोरा ।

( एवं राजनीति )

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, मदुगाय

मदुराय, दिनांक 15 अप्रैल 1985

निदेश सं 92/भितम्बर 84—अत मूले वी, अम०

मूलरामलिंगम्

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विवाह संरचना का कारण है कि स्थावर ममता, जिसका उचित बाजार माला 1,00,000/- रु. से अधिक है

आंग जिम्बाकी स० टी० एग० म० ३ है तबा या निलै रामा  
तिस्वर्चा। भ इति है (आः इसन उपाध्य अमुमनी से गोप  
पूर्ण लघु से कणिका ह) रजस्त्रुर्ज्ञा दृष्टिर्ज्ञा दृष्टि विद्य  
सब-रजस्त्रुर्ज्ञा औरेयुर, दस्त म० 2988/४। ;भारतीय राजनी-  
करण अधिकारियम 1908 (1908, 1, 16) के प्रीत वार्ता।  
16 सितम्बर 1984

जो पूर्वान्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अहरित की गई है और सभी यह रिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वान्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्तर्ह प्रतिशत से जटिक है और अन्तरक (अन्तरको) आ अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, जिन्हें खिल उदादृश्य से उक्त अन्तरगति लिखित भूमास्त्रिक हृष्ट से कथित नहीं क्या गया है।—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त ममति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त समाज के वर्षन के सम्बन्ध में फोटो भी लालसा ~

(क) हस मूँचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अवधि<sup>में</sup> तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूँचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवैद्य बाब में समाप्त होती हो, के भीतर प्रयोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ब) इस सचिना के राजपत्र में प्रकाशन वा तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर समीक्षा में हित-इद्यु किसी अत्य व्यक्ति द्वारा, वग़ाहनामा के सभ लिखित भांकए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण** ——इसमें प्रयत्न शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधाय २३-वे में परिभ्रामित हैं वही वर्थ हालांकि इस प्रधाय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम को अधीन कर देने के अन्तर्गत का दायित्व में कमी करने या उसमें बदलाने में सा वा दायित्व के लिए, और/या

प्राची

गढ़ गर्वि ई० प्रप्. य० ३, तलनगर, इलवी तम्म  
य० २९४८/४४ एम्. आर० ओ० अंगिरेयुर ।

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य मालिनीयों के जिन्हें भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-वर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

दी प्रम मुरामनिगम  
क्षम प्रधि। अर्दि  
महाय ह आयहर आयुक्त (निरोक्षण)  
पर्जन रेज, भद्राय

卷之四，15—4—1985

४०८

प्रकृष्ट वाहन दी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-प (1) के विवेत सम्बन्धी

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आपकर आयद्वत्ता (निरीक्षण)

अर्जन रेज मदुरै  
मदुरै, दिनांक 15 अप्रैल 1985

निर्देश सं 94/सितम्बर 84—अत मुझे, वी० एम०  
मत्तुरामलिंगम

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उचित अधिनियम' कहा गया है), को धारा  
269-वाले अधीन सकारात्मकारी को यह विषयास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीराज जिसकी स० म्युनिसिपल टी० एस० स० 73, न्यु ब्लाक 28 है तथा जो तिलैनगर निरुची में स्थित है (श्रीराजस उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीवर्ती अधिकारी के वायतिथ सब-रजिस्ट्रार श्रीरेयर दस्तावेज स० 2953/84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 वा 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अनुरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य इसके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और वन्नरिती (वन्सरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में ग्रास्तादिक रूप से कथित नहीं किया गया है ।

(क) बन्दूत्तम वे हर किसी लाल की बाबत, उसके अधिनियम को बचाने कर रहे के बन्दूत्तम के धारित्व में किसी कानूने या उद्देश्य व्यवस्थे में हासिला के निम्नलिखित हैं।

(क) एसी किसी जाम वा किसी भव वा अन्य वास्तुओं  
को छिन्ह भारतीय आद-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती दृश्या प्रकट नहीं किया गया  
था वा किया जाना चाहिए था, इनमें में से भी  
को लिए।

(1) श्रीभृति दा० वा० दुर्जाभूति ।

( 2 ) श्री जसनाथलम् ।

( ۲۷۷ )

( ୪୮୫୯୮୮ )

को यह सूचना भारी करके दूसरी गम्भीर के लाभनु के निष्ठा कार्यवाहिका करता है।

उच्चत सम्पत्ति के अर्बन के सम्बन्ध में श्राव्य भी जक्षय ...

(क) इस सूचना के अनुपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन का बताया गया है तात्पर्यधा । १८ दिन सूचना का लोगिल में 30 दिन का । १५, । अवधि वाला में समाप्त होता था, । २५। व्याकरण में किसी आंदोलन इवान्।

(क) इस सूचना के योग्यता में प्रकाशन करी नारंगी 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर समर्पित हो जाए। किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रदृष्ट हो जाए। लालित गाँव किंवद्बा गांव :

**स्वर्गाकरण** — इसमें प्रयोग करने में पात्र होना चाहिए ताकि अध्यात्म २१ के प्रतीक शब्दों का अर्थ जाना सहज हो।

三

गृह सम्पत्ति न्यू टी० एस० ७३ न्यू ब्लाक २८, 'तल्लैंगण'  
तिरुच्ची।

(दसावें सं २९५३/८१) एस, रार्, श्री, श[रण]

वी० एस० गुल्मी नाम  
नम् निःः  
महाया० तगहा० श्रावका० (१२५३)  
तिर्ण १०१२

असः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अनुसरम  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1)  
के कथीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।—

दिनांक : 15-4-1985  
माहेर :

प्रस्तुप बाहर टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मदुरै  
मदुरै, दिनांक 15 अप्रैल 1985

निम्न मं० 95/सिनम्बर 84—अतः मुझे, वी० एम०  
मुल्तुरामनियम  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
109 द्वारा सभी अधिकारी को यह विवास छवि का  
मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ३० टी० एम० सं० ११ है तथा जो वडवूर गाव,  
गोपी नदी क्षेत्र है (गोपी इसमें उपादान अनुसूची में ऑर्पूर्ण  
रूप लिखा है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी वे कार्यालय सब-  
एन्स्प्रार ऑरेंजुर दस्तावेज सं० 2946/84 में रजिस्ट्रीकरण  
की गयी थी 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर  
1984

का प्रौद्योगिक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है  
और मुझे यह प्रिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पाद्त का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बतारक  
(बतारकों) और और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के  
लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तर-  
ण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदै किसी भाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धम या जन्य आस्तियों  
का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपने में  
प्रतिवधा थी जिसु;

अर० अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसुन्दर  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ॥—

(1) श्री एस० रंगराजन ।

(अन्तरक)

(2) श्री वी० शमस्वामी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वास्तेप ॥—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है॥

88 सेट वडवूर गांव टी० एम० सं० 11, तिरुच्ची जायट-३  
रजिस्ट्रेशन डिस्ट्रिक्ट दस्तावेज सं० 2946/84 एस० आर० ग्रो०  
गौरेशुर ।

वी० एम० मुल्तुरामलिङ्गम  
सहम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मदुरै

दिनांक : 15-4-1985

मोहर ॥

प्रधान मार्द. दी. एम. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(1) श्री आर० एस० लक्ष्मण ।

(अन्तरक)

(2) श्री पी० कृष्णन ।

(अन्तरिक्त)

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर व्यापक (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मदुरै

मदुरै, दिनांक 15 अप्रैल 1985

निर्देश सं० 96/सितम्बर 84—उत्तम: मुक्ते, वी० एम०

मुल्तुरामलिंगम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
शाके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और 1 लाख डॉर सं० 20, 21 घाट सं० 21 है तथा  
जो 3, स्ट्रीट एम० एस० कालोनी मदुरै में स्थित है (ग्रांट इम्प्रै  
डामबैठ अनुसूची में आंग पुर्ण स्पैष्ट दर्याली है) रजिस्ट्रेशन ती  
व्याधिकारी के कार्यालय जायन्ट मदर रजिस्ट्रार-1, मदुरै, दिन  
सं० 5668/84 में रजिस्ट्रीफरण अधिनियम 1908 (1908 का  
16) के अधीन तारीख 26-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छोमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा  
प्रत्यक्ष राजपत्र का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवहार प्रतिफल  
के लिए अन्तरित को गई है और  
जनरक्ष (अन्तरक) और अंतरिक्ती (अंतरिक्तश्वारी) के बीच एस० अंत-  
रण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदाहरण स  
उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है :—

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निष  
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वापर :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हित्यवृद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-के परिमाणित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

गृह सम्पति सं० 21, डॉर सं० 20-21, 3 स्ट्रीट सेम-  
सुल्दरम कालोनी, मदुरै, दस्तावेज सं० 5668/84 जायन्ट  
एस० आर० एम० मदुरै ।

(क) अन्तरण से हुई किसी वाय की वावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दिने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा  
के लिए; और/मा

(ख) ऐसी किसी वाय या किसी धन या अन्य आस्तीयों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) द्वारा अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या उक्या जाना चाहिए था। छिपाने में  
सुविधा के लिए;

वी० एम० मुल्तुरामलिंगम  
सक्रम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, मदुरै

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 15-4-1985

मोहर :

प्राप्त धर्म, टी एन.एम.-----

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की  
धारा २६९-प (१) के अन्तर्गत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, संस्थापक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मदुरै  
मदुरै, दिनांक १५ अप्रैल १९८५निर्देश मा० ९७/गितम्बर ८४—अतः मुझे, वी० एम०  
मुल्तुरामलिंगमआयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (डिजे॒ इसमें  
इसके पदचारी 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा  
२६९-प के अन्तर्गत सकान प्राधिकारी को यह विवाद करने का  
आवश्यक है तक स्थापत्र सम्पादित, जिसका उचित बाबार मूल्य  
१,००,०००/- रु. से अधिक है

गांव जिल्ही सं० ए० प्र० मा० १६७४/२, १६९८, १६७६, १६८०,  
१६८५, १६७०, १६७५, १६७९, १६६९, गांव १६८१ है नथा  
जो गुरुनगर नाम से जिल्हे है (गांव डॉ॑ उमाइ नेतृत्वी  
में आर पूर्ण रूप न जिल्हा है) एवं नेतृत्वी नामांकन के  
पार्यावर्ण जायिन्ट सं० १ सबन जन्माया कटूर दस्तावेज सं० १०५२,  
१०५५, १०७१ से १०७४, १०८५/४४ में ग्रजिस्ट्री हरण अधिनियम  
१९०४ (१९०४ नं १६) के द्वारा निर्वाचित १०५२-१०८५/४४  
के प्रदोक्षित सम्पत्ति के उचित राजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाद करने  
का कारण है कि यथा प्रदोक्षित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत  
में अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियों)  
के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रातिफल, निम्नलिखित  
उक्तदस्तावेज से उक्त अन्तरण विवित में वास्तविक रूप से की थी त  
नहीं किया गया है :—

(६) अन्तरण से हटाए गए कीसी धारा की वाली, उक्त सम्पत्ति के इनीत कर इसके कानून के  
सामूहिक में कीसी कानून या उपाय उक्त धर्म से विभिन्न  
के लिए; और/या

(७) ऐसी कीसी धारा या कीसी धर्म या अन्य आग्रहित  
को, जिन्हें भारतीय नाम-कर अधिनियम, १९२२  
(१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम, वा  
नम-कर अधिनियम, १९५७ (१९५७ का १७)  
के प्रदोक्षित अन्तरिती द्वारा प्रकट हहा किया गया है  
या या किया बाना जाए है या, छिपाये हैं भूमिका,  
के लिए;

अतः धर्म, उक्त अधिनियम की धारा २६९-प के उपसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा २६९-प की उपधारा (१)  
र अन्तर्गत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—

(१) श्रीमती शक्तार्दीप अम्माल ।

(अन्तरक)

(२) श्री टी० तेजप्पन ।

(अन्तरिती)

का यह सचना लाहौ करके एगोम्बस सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यशालियों परता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के बाबा मा० काइ० भी आकाश :—

(क) इस सचना है राजाव भा० नामका की नारीषं से  
४५ वर्ष की अवधि या उत्तमवारी व्यक्तियों पर  
उक्त सचना जी नामों ने ११ दिन की अवधि, जो भी  
अवधि नाम से नामसे हाली है, «भीतर प्रदोक्षित  
प्रतिफलों में से १८ सी अविक्षित इवारा:

न भूमि के राजाव भा० नामका ने ११ दिन के भीतर इकल स्थावर भागीसे में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकते।

**अज्ञानकरण**—इसमें प्रदोक्षित व्यक्ति और पदी का, जो उक्त सम्पत्ति  
के १०५५, १०७४, १०८५/४४, १०८२ में दिया  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मंजा भूमि पुलियूर गांव कटूर तालुक २५.६२ एकड०  
रास १६७४/३, १६९८, १६७२, १६८०, १६७०, १६८२, १६८५,  
१६७९, १६६९, १६८१, दस्तावेज सं० १०५२ से १०५५/४४,  
१०७१ से १०७४/४४, १०८२ में १०८५/४४।  
जायन्ट १ सब-जिल्स्टार, कटूर।

वी० एम० मुल्तुरामलिंगम  
सकान प्राधिकारी  
संस्थापक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मदुरै

दिनांक : १५-४-१९८५

माहूर :

प्राप्ति 374, १८ वर्ष ५५

(1) श्रीमती सुखदा बीवी

(प्रतिक्रिया)

साक्षकर अधिनियम, 1961 (1961 का १०१ लो धारा  
269-ए (1) के अधीन सुधरा

(2) के० मेमूनीन

(प्रतिक्रिया)

भारत का राजपत्र

साक्षकर अधिनियम, 1961 (1961 का १०१ लो धारा

अर्जन रेज़, भट्टौ

मदुरै, दिनांक 15 अप्रैल 1985

निदेश सं ९८/निम्नपारा/८४—ल. नं. वी० एस०  
मुद्घुरामलिङम

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का ४३) (प्रत्येक इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ए के अधीन धारा १०१ का प्रति निम्नलिखित कारण का  
कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति विभाजा जाना चाहिए बाजार मूल्य  
100,000/- रु. गे अधिक है।

और जिनकी सं० नं. १७/३६ द्वारा उक्त समिति गार  
प्रस्तावों ने दूरा है (मार डर उक्त उपर्युक्त सुधरी  
में और पूर्ण स्पष्ट न दिया है) रोपहीनी अधीक्षा के  
अधीनियम अन्तर्गत इसकी दसविंश सं० 1872/८४  
में राजस्थानीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख सितम्बर 1984

को प्रयोक्ता सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इथमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और इसे यह विश्वास  
करने को उपर्युक्त अधीक्षा के अन्तर्गत अन्तरित  
मूल्य, उपर्युक्त शास्त्रानुसार ५ रुपयां का प्रतिफल का  
पृथक्ष प्रतिष्ठत अधिक ५ और अन्तरित (अन्तर्गत और लगातारी  
(अन्तरितिया) के रूपां अन्तरित अन्तरित से उक्त अन्तरित विशिष्ट में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरित से हुई किसी आय की वापत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक  
शायत्व में किसी दरमां ० रुपय वर्षान् पर संविधा  
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी रुपय या अन्य आमिश्रा  
का, जिह भारत १९०८ वर्षान् १०१ (१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम या  
धन-कार १०१ नियम, १९७८ (१९८८ का)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रदान करा दिया  
गया या किया जाना गई है, उक्त विधान में  
प्रतिक्रिया के लिए

अनुसूची

भूमि और मकान में सर्वे नं० १७/३६, १४९, फैलतवार  
मणिकिलान गाव जरत्तानी।  
(दसविंश सं० 1872/८४ एस० जा० ओ ग्राम जरत्तानी)

वी० एस० मुत्तुरामार्तान  
सम्म प्राप्ति निर्णय  
सहायक आयकर आयकर (निर्विधि)  
अर्जन रेज़, भट्टौ

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्तरित  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा २६९-ए की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थि :—

दिनांक : 15-4-1985

माहूर ४

भ्रह्म बाहू, टी. एन. एस. -----

(1) ५० के सामान्य तरीकों ।

( श्वराम )

आधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सम्बन्ध

(2) एवं प्रथम खंडाती मोहिदोन ।

(अन्तर्रिती)

भारत सरकार

को यह मूलता जारी करके पूर्वोक्त सम्प्रति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया भर लगता है।

## कैरोलिना, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण) जॉन रेज़, मदर्स

उक्त गम्पति के अर्जन के सबध में काँहँ भी आक्षेप :—

गढ़रै, दिनांक 15 अप्रैल 1985

निरेन म. 99 अट्टूवर 84—अत. मुखे, वी. एम.  
सुनुगमार्गिशम,  
प्रा. त्र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इनक गया है। उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
209-म वे अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है एक लायर समाजि, जिसका उचित बाजार मल्य  
1,000/- रु. से अधिक है

(क) इस सर्जने के शास्त्रान्वयन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन से अधिक या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सधा ने गमा म 30 दिन की अवधि, जो भी अपर्याप्त लाभ या समाज हाती हो, के भीतर पूर्वक स्वीकृत्या या म किसी व्यक्ति द्वारा;

गांग जिले की स० अक्षर पुजे एवं स० 135/3ए है तथा  
तो नवम्बर, १९८० में स्थित है (श्रीर इसमें उपाधिक  
लाल रंग वाले वृषभ में वर्णित है) रजस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के नाम इन्हें : श्रीरम्भूर दस्तावेज स० 2839/84  
२८/१०/८१ में रजस्ट्रेट कर्ता नम्बर 1908 (1908 का 16)  
है त्रिपुरा राज्य प्रबन्धन 1984

(४) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त म्यावर मम्पिंग में हितबद्ध किसी गल्ल वर्षानि द्वारा अभाद्रम्भाक्षरी के पास लिखित में चिए आ सबंधे।

४ २१८८ सप्ताह के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान  
में, भी नाग अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विद्वास  
का १००% कि धथापवोक्त सारणी का उचित बाजार  
माना, जिसके इस्यमान प्रतिफल से ऐसे इस्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत मध्यिक है और कन्तरक (अन्तरको) और  
यन्तरिनी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा  
दशा गया पतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निम्न से दास्ताविक रूप से की थी नहीं किया गया है:—

**स्पष्टोकरण** — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अंगैतियाम्, के अध्याय 20-के में परिभ्राषित  
हैं, वही अर्थ हाया जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

(ब्र) बन्नराण से हुई किसी आवाय की बाबत, उक्त अधिकारियस के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने था उससे अच्छने में सहिता के लिए; और/या

अनुभवी

भूग योर। नर्मण से अयल पुन्ज सर्वे सं 135/3,

तिरुवेरम्बूर, तिरुप्पी (कर्मापद सं 2839/2840/84

मा-टी-त्रास्ट्रार, तरुवरम्बूर।

(अ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतिरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाते में सुविधा के हिए,

३० एम०

अथा प्राविदारी  
नहायक आयत्त आयुष्म (निरीक्षण),  
मर्जन रेंज, मदूरे

अत अंड, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अनुसार इस अधिनियम की धारा 269-ष के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)

प्रकृष्ट ब्राह्म, लौ. एम. इंड.

(1) ए० रहंस वीरा।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की  
269-वा (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती सलिहा वंशी।

(अन्तरिक्ती)

भारत राजपत्र

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकारी (विरोक्ति)

अर्जन रेंज, मदुरै

मदुरै, दिनांक 15 अप्रैल 1985

निदेश मं० 100/सिलस्वर 84—अन्तः सूचना, वी० एम० मुत्तुरामलिङ्गम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (सिलस्वर के प्रभावात् 'उक्त अधिनियम' कहा जाया है), की धारा 269-वा के अधीन सूचना प्राप्तिकारी को यह विवरण करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे सं० 135/2ए है तथा जो तिल्केरम्बूर गांव, तिरुच्ची में स्थित है (अग्र इसमें उपावल अनुसूची में और और पूर्ण स्थ से जपित है) राजस्ट्रीटरी अधिकारी के लापलिय सब-रजिस्ट्रार तिल्केरम्बूर इन्वेज सं० 2837/84, 2838/84 में रजिस्ट्रीटरकरण अविनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सिलस्वर 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उपावल बाजार मूल्य से बास के दरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की भई है और इसके यह विवरण करने का कारण है कि पथापूर्वक अधिनियम उचित बाजार मूल्य, उसके दरमान प्रतिफल से, ऐसे दरमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत संस अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में व्यापक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाजार, उक्त अधिनियम के अधीन कर दिए वे अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा है लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीय को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर आयनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनामे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भूमि और निर्माण एम० एफ० मं० 135/2ए, तिल्केरम्बूर गांव लिखा इन्वेज सं० 2838 2837/84 एस० आर० ओ० तिल्केरम्बूर।

वी० एम० मुत्तुरामलिङ्गम  
सहायक आयकर अधिकारी,  
आयकर अधिकारी, अर्जन रेंज, मदुरै

मत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा के अनुसरण में, जैसे, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 15-4-1985

मोहर :

प्रस्तुत आइ.टी.एन.एस. -----  
प्रायकर अधिनियम 1981 (1981 का 43) की धारा  
269-व(1) के अधीन सूचना

(1) श्री अगमलतु चेट्टीयार ।  
(अन्तरक)  
(2) श्रीमती वी. इदिरा ।  
(अन्तर्भीनी)

वार्तालाय, सहायक आयकर व्यापक (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मदुरै

मदुरै, दिनांक 15 अप्रैल 1985

निवेश सं. 101/गवर्नर 84—गत. मुझे, वी. प्रम. मुल्तुरामलिङम,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसके  
इसके पहलात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) को धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर मंपरीत, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है ।

और जिसकी मं. टी.प्रम. 1363 है तथा जो 2 रा वार्ड  
6वां डिवीजन, मोहल्ला माहीब स्ट्रीट कल्लर टाउन में स्थित है (और  
इसमें उपावड़ ननुस्ची में ग्राम पूर्ण व्यप म वर्णित है)  
रजिस्ट्रेशन अधिकारी के वार्तालाय जायन्ट सब-रजिस्ट्रार  
कम्पनी दस्तावेज सं. 936/84 में रजिस्ट्रेशन अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के ग्रामीण तारीख मितम्बर 1984  
को पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के असमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे, यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके उसमान प्रतिफल से, एसे उसमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती  
(अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित मे  
यान्त्रिक व्यप से कथित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना आरी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयों करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी वास्तव :

(क) इस सूचना के अधिकार में प्रकाशित की तारीख से  
45 दिन की अवधि या उसका अधिकारी के  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वान्तर  
सम्पत्तियों में से किसी अविकृष्ट इकाई;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सेदार  
किसी व्यप अधिकत द्वारा बाहेहस्तानी के पाव  
विवित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
जाता है ।

(क) अन्तरण से होई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने की अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) एसी किसी आय या किसी भव वा अन्य आविष्कारों  
का, प्रिन्ट भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11 वा 21 अप्रैल, 1922 का 10 अप्रैल, 1922)  
कर-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
रखा था या किया जाता थाहिए था, छिपाने से  
कर्तव्य रुक्ष है ;—

भूम और मकान टी.प्रम. सं. 1363 2रा वार्ड 6, वा  
डिवीजन मुल्ला माहीब स्ट्रीट कल्लर दस्तावेज सं. 836/84  
जे.प्रम. आर.ओ.-10 कल्लर ।

वी.प्रम. मुल्तुरामलिङम  
नक्षम प्राधिकारी  
प्रधान अग्रणी आयवत (नियमित)  
अर्जन रेज, मदुरै

दिनांक 15-1-1985

मोहर,

वह अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, भूमि, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रस्तुत आई. टी. एस. एस. -----

(1) श्रीमती रहमतीनसा, बंगल।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

(2) शनी पात्र विजयाभासन।

(न्तर्गती)

भारत सरकार

कार्यालय, महाप्रबल आयकर आयकर (निरीक्षण)  
राजन रेज, मदुर

मदुर, दिनांक 15 अप्रैल 1985

निदेश सं 102/मितम्बर 84—अतः मुझे, वी० गम०  
मुत्तुरामनिगम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उद्योग अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ए  
के अधीन सकार प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी भ० सर्वे न० 137 है तथा जो के अभियेकपुरम  
में स्थित है (और इसमें उपांडठ अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट  
में वर्णित है) निम्नलिखी अधिकारी के कार्यालय अभियेक  
पुरम में राजस्टीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के  
अधीन नारीब पितम्बर 1984

को पर्वतीकरण के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विवास करने  
का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित मा-  
वास्तवीकरण स्पष्ट से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से इन्हें किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम को अधीन ऊट देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने, या उसमें बदलने में सांबंध के लिए,  
और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी दस या अन्य कास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
ग्रामजनाश अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सांबंध  
के लिए,

भूमि और मकान सर्वे सं 137 अभियेकपुरम,  
निम्नलिखी नालुक दम्नावेज सं 5783/84 जायन्ट मव-रजिस्ट्रार-J  
निम्नलिखी ।

वी० गम० मन्तुरामनिगम  
सक्षम प्राधिकारी  
महाय (आयकर अधिकारी (निरीक्षण))  
राजन रेज मदुर

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम (ग्राम "69" को १५ ग्राम (1)  
के सम्बोधन, निम्नलिखित अधिकारों का अधीन —

दिनांक 15-4-1985

माहर

बक्तव्याद्. दी. एन. एस. ----  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

(1) वी. ओ. कामाचि अम्माल।

(अन्तरक)

(2) कौ. चेल्लाम्माल।

(अन्तर्गत)

भारत सरकार

काशीतिय, सहायक आयकर आड्डा (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मदुरै

मदुरै, दिनांक 15 अप्रैल 1985

निदेश सं. 103/भितम्बर 84—अन्तः मुझे, वी. ओ. एम.  
मुत्तुरामलिङ्गम,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि. स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी मं. ब्लाक सं. 24, टी० एस० मं. 1570 है तथा  
जो गांव और पुतूर तिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावड़  
अन्तर्गती में और पूर्ण रूप में वर्णित है) जिण्टीकर्ता अधिकारी  
के कांगलिय मव-रजिस्ट्रायर बोरीयूर, दस्नावेज सं. 2935/84  
में नियमित अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख सितम्बर 1984को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपचित बाजार मूल्य में वरा के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पूर्वह  
गतिशत सं अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-  
रितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
नियमित उदाहरण से उक्त अंतरण नियमित में वास्तविक  
एप से कठित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हृहृ किसी बाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक क  
कार्यित्व में कभी करने या उससे बचाने में सुविधा  
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य बास्तवियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती इवाय प्रकट नहीं किया गया था या किया  
गया था अहित था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) वी. ओ. कामाचि अम्माल।

(2) कौ. चेल्लाम्माल।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त संघित के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्येष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोक्षताकरी के पास  
नियमित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20 के में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अन्तर्गत

भूमि और निर्माण टी० एस० मं. 1570 पुतूर गाव,  
बोरीयूर तिल्ली, तालुक दस्नावेज सं. 2935/84 एस० आर०  
ओ० बोरीयूर।वी. ओ. एम० मुत्तुरामलिङ्गम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मदुरै

दिनांक : 15-4-1985

नोट :—

अन्तः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, नियमित व्यक्तियों, अर्जन :—

प्रस्तुत वाइटी दोष एवं

1. श्री अब्राहम

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

2. श्रीमती विन्दपूर्णा आची अम्मा

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 अप्रैल, 1985

निर्देश सं 104/पिन्नम्बर/84—अतः मुझे, वी० एम०

मुनुरामलिंगम

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43). (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), का धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं १० एम० मख्या 19/ए है, जो कोट्टपट्टु  
मुब्लियमपुर्नम, पोम्मण, निरुचि में स्थित है (और इसमें  
उपाबद्ध अनुसूची में आग पृष्ठ स्था० में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, जामट मब रजिस्टार दिन ० सं 6011/  
84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का १६)  
के अधीन सितम्बर 1984

के पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दद्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वान्तर संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दद्यमान प्रतिफल से, ऐसे दद्यमान प्रतिफल का  
पञ्चव प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ  
यामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निर्धित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजू, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के बावजू  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अधि, उक्त अधिनियम की धारा 269-व का अनुसरण  
मं. मौ. उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1)  
के अधीन अन्तरिती व्यक्तियों, अथवा (2) —

को यह सूचना आरी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अंतर के लिए  
कार्बाहियों पर लगा देता है।

उक्त सम्पत्ति के अंतर के लिए में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाहर में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वान्तर  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तराकारी के पास  
निवित में किए जा सकेंगे।

**स्थावीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

भूमि और मकान अव्यय पुनर्नवें सं 19/4ए—कोटपट्टू  
गाव सुम्मणियम पोष्टमपूरम तिरुचि :

दस्तावेज सं 6011/84, जायट एम० आर० ओ० तिरुचि

वी० एम० मुनुरामलिंगम  
सक्षम प्राधिकारीसहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, मद्रास।

तारीख : 15-4-85

माहूर ॥

प्रस्तुप, बाई. टी., पर. एवं - अ. - अ. - अ.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ए (1) के विरुद्ध सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मदुराई

मदुराई, दिनांक 15 अप्रैल, 1985

निर्देश सं० 105/मितम्बर/84—अतः मुझे वी० एम०

मुत्तुरामलिंगम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा जाया है), की धारा  
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मूल्य पूर्ण गांव, विरानिमले कुलापुर टालुक में स्थित है (और इसमें उपावड़ में प्रौढ़पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मितम्बर 1984  
को पूर्णिमा सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का पूर्छ प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित द्वदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया जाता है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी बाय की वायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के द्वारित्व में कमी करने या सहसरे बचने में द्विभाव दे दिया जाए/वा

(ख) एसो किसी बाय मा किसी धन या अन्य आस्तियों का, विहृत भारतीय लाय-फर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) दा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाम अन्तरिती द्वारा शक्त नहीं किया गया दा किया जाना चाहिए था, जिसने मे द्विभाव दे दिया।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—

1. श्री गंगोत्री

(अन्तरक)

2. श्री जोसफ महेन्द्रन

(अन्तरिती)

को वह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयन करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कांस्ट भी जाष्टेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की विविध या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की विविध, जो भी विविध बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृष्टि किसी वस्त्र व्यक्ति द्वारा, वधोहत्याकारी के पास लालू में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में पर्याप्ति है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मुत्तुराम

भूमि और पम्पसेट एस० सं० 86 वाडकापट्टी गांव विरालीमट्टी  
दस्ता० सं० 808 से० 812/84 एस० आर० ओ० विरालीमलाई।

वी० एम० मुत्तुरामलिंगम  
सदम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, मदुराई।

तारीख : 15-4-85

गोदावरी

लोक सभा वै ए प्र०

(1) श्री ए० एम० पी० सुश्रमनियम

(अन्तर्गत)

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की  
भारत 269-वा (1) के अधीन संचयन।

(2) श्री ए० सरवनननणा

(अन्तर्गत)

को यह सूचना आदी करके पूर्वोक्त व्यक्ति के अवैन के लिए  
कारबाहिया करता है।

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मदुराई  
मदुराई, दिनांक 15 अप्रैल, 1985

निर्देश स० 106/सिनम्बर/84—अतः सझे वी० एम०  
मृत्तुरामलिंगम

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस अधिनियम के प्रतीक्षा 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-के अन्तर्गत सभी प्रांथकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पनि, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी म० टी० एम० है, जो नाय राजा रमेश पुडुकोट्टई में स्थित है (यार इसमें उपांचाल अनुसूची में प्राप्त पूर्ण रूप से वर्णित है) राजस्टानकी अधिनायी कार्यालय जमीन भवन, रजिस्ट्रार पुडुकोट्टई स० १०० 3/84 भारतीय अधिनियम अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन निर्देश 1984 को पूर्वोक्त सम्बन्धित को उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और इसके यह विश्वास करने का कारण है कि अधिनियम अनुसूची में लोचन बाजार, पूर्ण, उसके इयमान प्रतिफल से, एसे इयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अतरकों) और अन्तरीर्ण (अन्तरीर्ण), के बीच ३८ अन्तरीर्ण के लिए तदा गया प्रतिफल, 'कमांगियन चूड़ी' ग. ८८ अन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से कार्यत नहीं किया गया है।—

उक्त सम्बन्धित के अवैन के लिए काइ भी वालेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब से सधारत होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) यह सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध होनी व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताकरी % पास १५% में किए जा सकें।

**प्रत्यक्षीकरण**—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त सूचनाके अध्याय 20-के में प्रयोगित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुए एकसी आव फो अवैन, उक्त अधिनियम के अधीन कर देव जो अन्तरण से वायिक्य में कमी करने पर अपरे नवे में रायित, के लिए बार या/

वालेप

(ख) एसी किसी बाब या किसी भन या अन्य आयित्या वाय, जिन्हे भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 नं 11) द्वारा अन्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 नं 77) के प्रयोजनाय अन्तार्यामी इवाग प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुनिभा के लिए;

मूल श्री निमाणी टी० एम० म० 2814 नाय राजा स्ट्रीट पुडुकोट्टई इस्ता स० 2248/84 जमीन एम० आर० ओ००-१ पुडुकोट्टई।

वी० एम० मृत्तुरामलिंगम  
मध्यम प्राधिकारी  
सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, मदुराई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-के अन्तरण में, जैसे, उक्त अधिनियम की धारा 269-की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धतः—

तारीख: 15-1-85

माहूर

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस. - - - - -

## १. श्री मृत्तु अंतर्याम मुत्तुकरुपन चेटियार।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-प (1) के अधीन सूचना

## २. श्री गव्यो गद्याकला ।

(अन्तर्क)

( अन्तिमी )

३२८४

कार्यालय, सहायक आवाहन भाष्यका (निरपेक्ष)

अर्जन रेजा, मदुगा

मदराई, दिनांक 15 अप्रैल 1985

निवैश मं० 107/मित्रभर/84—अतः मझो बी० एम०  
मत्तुरामलिंगम

और जिसकी सं० टी० प्र० सं० 5530 है, तथा जो मदून—१, स्ट्रीट पुदुकोट में स्थित है (और इसमें उपवाद में और पूर्ण रूप में वर्णित है) गजिस्ट्रीफर्टा अधिकारी के कार्यालय जायटिंग-भवन-स्ट्रीट पुदुकोट दम. सं० 301/84 में भारतीय रजिस्ट्रीफर्म अधिनियम, 1908 (1908 आ 16) के अधीन सिवत्स्वर 1984

को पूर्वोंका सम्पर्क के उचित बाहर मृत्यु में अमा के द्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्यु वह निष्काश करने का तरण है कि वयस्त्रौंकर जगतीन का उन्नित बाहर मृत्यु, इसके द्वयमान प्रतिफल में, एवं द्वयमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (बंतस्त्रकों) और अंतरितीरती (बंतरितीरतीयों) के बीच एवं अंतरण के लिए तथा दाया यज्ञ प्रतिफल विभिन्निक रूपोंमें उक्त अंतरण विभिन्न त्रयों की कार्यकारीता द्वयमान शब्द है।

को यह सूखला जारी करके प्रवर्द्धन ममता के अर्थमें सिए कार्यवाहीशक्ति बरता है।

उससे अंपाईट के लकड़ी के समान हो जाते हैं भी आवश्यकः—

(क) इस सम्बन्ध के अधिकार में प्रबोधन की तादौल है।  
एवं तिज की व्यक्ति या तस्वीरदारी व्यक्तियों का  
सम्बन्ध की व्यापार में 30 दिन की अवधि, जो भी  
प्रदर्शन वाले या उन्हें लगातार है, के भाग प्रबोधन  
व्यक्तियों में एकसी व्यक्ति द्वारा।

(स) एक संग्रह जो राजनीति और इतिहास की भावी गतिशीलता के १५ दिन की अधिक उम्मीद वाली राजनीति में विद्युतीय विकास की ओर दर्शाता हो। इसका उद्देश्य यह है कि भारत की राजनीति में विद्युतीय विकास की ओर दर्शाता हो।

**स्पष्टीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
कानूनियत के अध्यात् 20-के परिभाषित  
हैं, वे अर्थ होगा जो उस सामाजिक में दिया  
गया है।

(क) अन्तरण से हुई विशेषता यी बोला, कृष्ण  
जीभीवदम् से वापीस कर देवे के विहारम् वे  
वापित्वं परं वापीस वापीस इ, उपरि वापीस ॥ ; वा  
के लिया; और/ग।

四百三

(५) उत्तरी किसी ग्रन्थ पा अंक १ व २ में १०४ शास्त्रीयों  
को, जिन्हे भारतीय आपकार कहा जाता है, १९  
(१९२२ का १) ए उल्लं लर्णामध्यम, भा-  
धनकार विधानसभा, १९५७ (१५७ सं.)  
के प्रयोगसाध बतारितो द्वारा, १५८ (१५८ सं.)  
गया था ए किसान जना साहित्य वि. विवि. ए  
विविधा के २३

गृह सम्पर्कन में टीएम ५५३० ५५३० भवन ४ स्ट्रीट पुढ़कोटी  
जायस्टि सब-जिस्टार, पद्मकोटी -५८० २३०/८४।

१०७८० मन्त्रालयार्थ

२५ अधिकारी

कृष्ण नाथ एवं उनकी प्रायोगिकता (प्रश्नापत्र)

अर्जुन रेता, महाराष्ट्र

卷之三

अतः यह, उक्त विधिविषय की दारा २०५-व के अनुसार  
६, है, इस प्रधिविषय की दारा २०५-व के अनुसार ।  
वै विधि विधिविषय की दारा २०५-व

नागीखः १५-१-३३  
आदर :

प्रस्तुप आइ. टी. एन. प्रब. -----

(1) श्री कुलनंदे फैरनान्डे

(अन्तरक)

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की**  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री सीनीवामन

(अन्तरित)

**भारत सरकार****कार्यालय सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण) बैली**

अर्जन रेज, मदुराई

मदुराई, दिनांक 15 अप्रैल, 1985

निदेश सं० 108/प्रितम्बर/84—अतः मुझे वी० एम०

मुख्यमंत्रिमण्डप

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सूचना प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैकि स्थावर संपर्क जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-  
रु. में अधिक हैऔर जिसकी मूल्य मूल्य मूल्य 390/8 है, जो पोनिङ्गुनि गांव  
आलगुडी में स्थित है (और इसमें उपाध्यक्ष अनुसूची में शामिल पूर्ण रूप से  
वर्णित है, गजिल्टो हीनी अधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रार  
दम० सं० 142/84 में भारतीय गजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन मितम्बर, 1984

को प्रक्रियता सम्पूर्ण के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टिमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और युभे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापर्वत संपर्क का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृष्टिमान प्रतिफल से ऐसे दृष्टिमान प्रतिफल का  
पूर्वह प्रतिशत से अधिक है और बंतरण (अंतरकर्ता) और  
अंतरिती (अंतरितार्थी) के बीच ऐसे अंतरण के जिए तब यात्रा  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—(क) अंतरण से हुए किसी जाय की बावजूद उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कठित नहीं या उसमें नहीं दी मरिधा के लिए  
जाई।**अनुसूची**(क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य अस्तित्वों  
का, जिन्हें भारतीय द्वायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11, या उक्त अधिनियम, 1957  
के पर्यावरणीय अंतरिती द्वायक प्रकट नहीं किया  
गया ।) या किया जाना आविष्ट था, जिसमें दी  
मरिधा नहीं कियाभूमि—मूल्य मूल्य 399/8—पोनिङ्गुनि वाव आलगुडी  
दम० सं० 142/84 मूल्य 390/8 अंतरक अंतरक आलगुडी

वी० एम० मुख्यमंत्रिमण्डप

मंत्रम् प्राधिकारी

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),

अर्जन रेज, मदुराई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में सौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अनुसार, निम्नलिखित व्यक्तिमानों, अर्थात् :—

तारीख : 15-4-85

नोटर :

प्रस्तुत आहे. टी.एन.एस., राज्यपत्रप्रबोधकालिका

(1) श्री रमां जानकी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

(2) नावलंगेचियार

(अन्तरिति)

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मदुराई

मदुराई, दिनांक 15 अप्रैल, 1985

निर्देश सं० 109/मितम्बर 1984—अतः मुझे वी० एम०  
मुकुरामालिगम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-व के अधीन संख्या प्राधिकारी को यह विवाद करने का  
उक्त है कि स्वामर संचालन के उचित बाहर भूल  
1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिमकी सं० नयू वार्ड कं० ब्लाक 4 टी० एस० सं० 24  
है, जो वारमरस रोड, निश्चि में स्थित है (श्रीरहस्य से उपर्युक्त  
अनुसन्धी में और पुर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के  
कार्यालय जायपीडी सब-रजिस्ट्रार निश्चि 6083/64 से भारतीय  
रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्बन्ध के उचित बाहर भूल से कल के उच्चान  
प्रतिकल के लिए अस्तीति की गई है और मुझे यह विवाद  
करने का कारण है कि व्यापकौल संचालन के उचित बाहर  
भूल, उक्ते दृष्टिकोण से एके दृष्टिकोण के  
पश्चात् प्रतिकल से अधिक है और बन्दरक (बन्दरकों)  
और बन्दीरी (बन्दीरीतरी) के बीच के एके बन्दरण की लिए उक्त  
पाता गया प्राणिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्दरण  
निर्दिष्ट में वास्तविक रूप से कार्यकारी किया गया है—

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां सुरू करता हूँ।

उक्त संचालन के वर्जन के तर्बे में कोई भी वास्तव—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या भी  
अवधि बाद में बढ़ाया होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते  
45 दिन के भीतर उक्त स्वामर संपत्ति में द्वितीय  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पात  
लिखित में किए जा सकते।

**स्वामीकरण:**--इसमें प्रदर्शन वालों और पदों का, जो उक्त  
व्यक्तिवाल के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही वर्ष होगा जो उक्त अध्याय \*में दिया  
गया है।

अन्तर्गत

(क) अन्वरण से हुए किसी वाद की वाहन, उक्त  
व्यक्तिवाल जो अपूर्ण वर्ष होने वे उच्चार वे  
वादित्व में कली वर्तने वा उत्तर वर्तने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों  
को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रत्येकार्थ बन्दीरी द्वारा प्रकट नहीं किया जा-  
या या किया जाना चाहिए था, जिसने में सुविधा  
के लिए।

अतः यद्युपर्याप्त अधिनियम की भारा 269-व के, उपर्युक्त  
में उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

30—86GI/85

ग्रह सम्पत्ति में सं० 21, वारमरस रोड तिश्चि नयू वार्ड के  
ब्लाक संग 4 टी० एस० सं० 24, जायर्टि सब-रजिस्ट्रार  
निश्चि इस० सं० 6083/84

वी० एम० मुकुरामालिगम  
संघ प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मदुरे

तारीख: 15-4-85

माहर ॥

## प्रस्तुत आइटी, फैन, एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन उच्चता

## उच्चता व्यक्ति

कार्यालय, उच्चता व्यक्ति वाक्तव्य (विद्वान्)

अर्जन रेंज अमृतसर कार्यालय

अमृतसर, दिनांक 20 अप्रैल 1985

निर्देश सं. अमृतसर 85-86/3—यह मुझे एम० सी०  
कपिल, आई० आर० एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विहे इह दो  
हस्ते पश्चात 'उक्त अधिनियम' यह यथा है), की धारा  
269-व के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विवाद करने का  
कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, विद्वान् उचित वाक्ता वाक्ता वृत्त  
1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं. एक जायदाद है तथा जो हाल वाजार,  
अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपावद अनुसूची में और  
स्पष्ट में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन नारीख मित्रमंडल 1984 को

को पूर्वोत्तरी सम्पत्ति के उचित वाक्ता वृत्त से कम के उच्चता  
प्रतिफल के लिए बंतरित की यह है और यह विवाद  
करने का कारण है कि यथार्थवेत्ता सम्पत्ति या उचित वाक्ता  
वृत्त उक्ते उच्चता प्रतिफल से, ऐसे उच्चता प्रतिफल या  
पन्नह प्रतिक्रिया से अधिक है और बंतरक (बंतरकों) और  
बंतरिती (बंतरितियों) के बीच ऐसे अंतर यह निम्न वया वाक्ता वाक्ता  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त उच्चता वृत्तरण सिखित  
में वास्तविक स्पष्ट सही यित्रा यथा है—

(क) उच्चता वृत्त है किसी वाक्ता की वाक्ता, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने वाले बंतरक के  
वाक्तिकाल में किसी करने वाले उच्चते में संविधा  
के लिए; और/वा

(ख) दोस्री किसी वाक्ता या किसी भव या वन्य वासिन्य  
को विहृत भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रशेषनार्थ अनुरिती इवारा प्रकट नहीं यित्रा यथा  
या या जिया जाना चाहिए था, छिपाने में उच्चता  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1)  
के अपील, निम्नलिखित अधिकारी, व्यक्ति द्वा-

(1) श्री गुरुवर्णा मित्र पूर्व  
था, ग्राम लिंग  
हाल वाजार,  
अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती ग्रामजीन कौर डीगा पत्नी  
क्वलजीन मिह डीगा  
80 कैन्ट्री पूर्वन्दी  
अमृतसर।

(अन्तरक)

(3) जैमा जार सं. 3 में कोई किलादार हो  
1. मैमसं कोल्ड रिलायबल सीडस फार्म  
45/- महीना  
2. मैमसं सरदार हृषी  
110/- महीना।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में  
समाज है)।

(4) और कोई

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पादन में हितबद्ध  
है)।

को यह सूचना भारी कठोर पूर्वानुसार सम्पादित के अर्जन के लिए कार्य-  
वाहिका करता है।

उच्चता संचालन के अर्जन के अंतर्गत भी आवश्यक—

(क) इस सूचना के राखने में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या सत्त्वांशी अवधियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि या दो समान होती हो, के भीतर पूर्णकृत  
अधिकारी द्वारा दो किलो अधिकत ब्लॉड;

(ख) इस सूचना के राखने में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्वाक्षर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी वन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
सिखित में किए जा सकते।

**स्पष्टीकरण:**—हस्ते प्रदूषक घटनों और पदों का, जो उक्त आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-व में परिभ्राषित है, वही अर्थ होगा जो  
उस अध्याय में दिया गया है।

## अन्तर्गती

जायदाद जो हाल वाजार, अमृतसर में है जैसा सेल  
डीड नं. 4169/14-9-84 रजिस्टर्ड अध्याधीती अमृतसर में  
दर्ज है।

एम० सी० रघुनंदन ग्राही० आर० एम०  
प्रकाश अधिकारी  
महायक आयकर वाक्तव्य (निरीक्षण)  
प्रर्जन रेंज, अमृतसर

लारीब० 20-4-85  
नोट

MINISTRY OF PERSONNEL & TRAINING,  
ADMINISTRATIVE REFORMS AND PUBLIC  
GRIEVANCES AND PENSION  
DEPARTMENT OF PERSONNEL & TRAINING,  
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION,  
New Delhi, the 8th May 1985

No. 3/15/85-AD.V.—Shri E. S. Garudachar, Crime Assistant, Central Bureau of Investigation is appointed to officiate as Office Superintendent in the Central Bureau of Investigation with effect from the forenoon of 1st May, 1985 and until further orders.

The 9th May 1985

No. A/19036/8/76/AD.V.—The services of Shri Kewal Singh, Dy. Superintendent of Police in Central Bureau of Investigation are placed at the disposal of the Food Corporation of India, Chandigarh with effect from April 20, 1985 afternoon for appointment as Dy. Manager (Vigilance) on deputation.

R. S. NAGPAL  
Administrative Officer  
CBI

LAL BAHADUR SHASTRI NATIONAL ACADEMY OF ADMINISTRATION

Mussoorie, the 22nd April 1985

No. 2/7/81-EST.—Smt. Manjulika Singh, a permanent Hindi Instructor and presently working as Assistant Professor of Hindi on ad-hoc basis, in the Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Mussoorie, is appointed on a regular basis to the post of Assistant Professor of Hindi (Gp. 'B'—Gazetted) in the scale of pay of Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300 with effect from 1-4-1985 and until further orders.

S. K. SEN  
Dy Director (Senior)

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DIRECTORATE GENERAL, CRPF

New Delhi-110003, the 7th May 1985

No. O.II-899/76-Adm-3.—Shri M. R. Lakhara, Administrative Officer of the Directorate General, CRPF has been promoted to the grade of Joint Assistant Director (Acta.) in the P&AO, CRPF, New Delhi, with effect from the afternoon of 28th February, 1985.

No. O.II-903/77-Adm-3.—Shri Umrao Singh, Section Officer of Directorate General, CRPF has been appointed as Audit Officer, Internal Audit Team (North Zone) Delhi, purely on adhoc basis, with effect from the forenoon of 26th April, 1985.

The 8th May 1985

No. O.II-4/85-Adm-3.—Shri R. D. Sharma, Assistant of the CRPF has been promoted to the grade of Section Officer in the Directorate General, CRPF, New Delhi with effect from the forenoon of 30th April 1985.

KISHAN LAL  
Dy. Director (Adm.)

New Delhi-110003, the 7th May 1985

No. O.II-2009/85-Estt.—The Director General, CRPF, is pleased to appoint Dr. B. V. Ramana as Junior Medical Officer in the CRPF on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 19-4-1985 for a period of 3 months or till the

recruitment to the post is made on regular basis whichever is earlier.

ASHOK RAJ MAHEEPATHI  
Asstt. Director (Estt.)

BUREAU OF POLICE RESEARCH & DEVELOPMENT

New Delhi-110001, the 7th May 1985

No. 3/10/85-Adm.1.—The President is pleased to appoint Shri Ramkrishna Roy IPS (WB—SPS) as Vice-Principal in the Central Detective Training School Calcutta with effect from the forenoon of 18th April, 1985, until further orders.

The 9th May 1985

No. 3/11/85-Adm.1.—The President is pleased to appoint Shri R. S. Sahay IPS (UT—1968) as Deputy Director in the Bureau of Police Research & Development, New Delhi with effect from the afternoon of 3rd May 1985 in the pay scale of Rs. 2000—2250 until further orders.

S. K. MALLIK  
Director General

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 10th May 1985

No. 10/5/82-Ad.L.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, the President is pleased to appoint, by promotion, Shri K. R. Unni, Deputy Director (Programme), who is at present working as Joint Director (Programme) on ad hoc basis, in the office of the Registrar General, India, New Delhi, to the post of Joint Director (Programme), on a regular basis, in temporary capacity, in the same office with effect from the forenoon of the 24th April, 1985, until further orders.

2. The headquarters of Shri K. R. Unni shall be at New Delhi.

V. S. VERMA  
Registrar General, India

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

New Delhi, the 3rd May 1985

No. AN/II/2606/84.—The Controller General of Defence Accounts regrets to notify the death of Shri G. Shankaranarayanan, Pt. Accounts Officer (O/234) on 14-4-1985 (AN).

Shri G. Shankaranarayanan is struck off the strength of this Department with effect from the same date.

The 9th May, 1985

No. AN-I/1402/4/Vol. II.—The President is pleased to appoint the following officers of the Indian Defence Accounts Service to officiate in the Senior Fime Scale of that Service (Rs. 1100-50-1600) with effect from the dates shown against them, until further orders :

Sl. No.	Name	Date from which appointed	1	2	3
S/Shri					
1.	V. P. Jain	02-01-84	.	.	.
2.	S. K. Chari	02-04-84	.	.	.
3.	D. L. Kanodia	30-06-84	.	.	.
4.	N. Subramaniam	17-09-84	.	.	.

1	2	3
5.	V. Sekar	01-10-84
6.	Nihar Ranjan Dash	30-01-85
7.	Rakesh Ranjan	05-01-85
8.	Banwari Swarup	19-03-85
9.	Sua Lal Bunker	16-01-85

A. K. GHOSH  
Addl Controller General of Defence Accounts (AN)

**ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA**  
**(KHAN VIBHAG)**  
**GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA**  
Calcutta-16, the 10th April 1985

No. 3880B/A-32013(SO)80/19A.—Shri B. C. Shyam Roy, stores Supdt. (Tech. Selection Grade), Geological Survey of India has been appointed by the Director General, Geological Survey of India on promotion as Stores Officer in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810 EB -35-880-40-1000-EB-40-1200, in a temporary capacity with effect from the forenoon of 8-2-85, until further orders.

A. KUSHARI  
Director (Personnel)

**INDIAN BUREAU OF MINES**

Nagpur, the 3rd May 1985

No. A-19012(207)85-Estt.A.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, Shri Tapan H. Banerjee, has been appointed to the post of Assistant Research Officer (OD), in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 18-4-85.

No. A-19012(210)85-Estt.A.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, Shri Siva Kumar Gaddam has been appointed to the post of Assistant Research Officer (OD), in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 18-4-1985.

The 7th May 1985

No. A-19011(18)84-Estt.A.—On his retirement after attaining the age of superannuation Shri Amir Singh, Regional Controller of Mines is relieved of his duties in the Indian Bureau of Mines with effect from the afternoon of 30th April, 1985 and accordingly his name has been struck off the strength of establishment of this department.

No. A-19011(54)85-Estt.A.|PP.—It is informed with profound sorrow that Shri C. M. Doshi, Regional Mining Geologist expired on the afternoon of 5th April, 1985. As such his name has been struck off the strength of the Indian Bureau of Mines.

No. A-19012(209)85-Estt.A.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, Shri M. Inayath Hussain has been appointed to the post of Assistant Research Officer (OD) in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 22-4-1985.

G. C. SHARMA  
Asstt, Administrative Officer  
for Controller General  
Indian Bureau of Mines

**DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO**

New Delhi-1, the 9th May 1985

No. 4(7)84-SI.—The Director General All India Radio hereby appoint Shri P. K. Jha as Programme Executive at All India Radio, Darbhanga in a temporary capacity with

effect from 22nd April, 1985 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-1200.

H. C. Jayal  
Dy. Director of Administration  
for Director General

**MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING**  
**FILMS DIVISION**

Bombay-26, the 3rd May 1985

No. A-32014/2/84-RC.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee, the competent authority has appointed Shri M. S. Patwari, Officiating Cameraman, Films Division, Bombay to officiate as Cameraman (CFU) in the same office on a pay of Rs. 1040/- p.m. in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from the forenoon of 15-4-1985, until further orders.

N. N. SHARMA  
Administrative Officer  
for Chief Producer

**MINISTRY OF AGRICULTURE & RURAL DEVELOPMENT**

**DEPARTMENT OF AGRICULTURE & COOPFRATION**  
**DIRECTORATE OF ECONOMICS AND STATISTICS**

New Delhi-1, the 3rd May 1985

No. 7-1/79-E.I.-ES.—Shri A. K. Biswas, Market Intelligence Officer (ad hoc) is reverted to his regular post of Senior Market Intelligence Officer with effect from 18-3-85 (A.N.).

S. P. MALHOTRA  
Chief Administrative Officer  
for Economic & Statistical Adviser

New Delhi-1, the 13th May 1985

**CORRIGENDUM**

No. 7-1/79-E.I.-ES.—In the notification No. 17-79-E.I.-ES dated 03-05-1985, for the words "Senior Market Intelligence Officer", the words "Senior Market Intelligence Inspector" may be substituted.

S. P. MALHOTRA  
Chief Administrative Officer

**(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)**

**DIRECTORATE OF MARKETING AND INSPECTION**

Fazabad, the 9th May 1985

No. A-12026/2/84-A-III.—Shri Ram Kanwar, Accounts Officer of the office of Controller of Defence Accounts, S. C. Pune, has been appointed as Accounts Officer in this Directorate at Faridabad with effect from 1-4-1985 (F.N.) on deputation basis on usual terms and conditions of deputation with effect from the date of his relief from his parent office viz. 21-3-85 (AN).

The 10th May 1985

No. A-19025/20/81-A.III.—On the recommendations of D.P.C. (Gr. B) Sh. K. T. Rajurkar, Senior Inspector, has been promoted to officiate as Assistant Marketing Officer (Gr. I) on regular basis in this Directorate with effect from 17-4-85 (F.N.) until further order, by the A.M.A. to the Govt. of India.

J. KRISHNA  
Director of Administration  
for Agricultural Marketing Adviser  
to the Govt. of India

BHARAT ATOMIC RESEARCH CENTRE  
PERSONNEL DIVISION

Bombay-400 085, the 3rd May 1985

No. K/2115/CWS/Lstt.I/1254.—Shri Sairus Kavas Kalapesi relinquished charge of the post of Scientific/Engineer-Grade SB on 29-3-1985 AN consequent on resignation.

K. VENKATAKRISHNAN  
Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY  
NUCLEAR POWER BOARD

Bombay-5, the 21st March 1985

No. NPB/3(283)/83-Estt.I/4479.—Director (Engineering), Nuclear Power Board, Bombay hereby appoints Shri V. B. Vyapari, a permanent Assistant Accountant and officiating Assistant Accounts Officer of this Board as Accounts Officer-II in the same Board in a temporary capacity on an ad-hoc basis with effect from the forenoon of February 15, 1985 until further orders.

The 29th April 1985

No. NPB/3(262)/84-Estt.I/4576.—Executive Dirn. (R), Nuclear Power Board, Bombay hereby appoints Shri S. A. Belhe, a permanent Section Grade Clerk of this Board as Assistant Personnel Officer in the same Board in a temporary capacity with effect from the forenoon of March 25, 1985 to the afternoon of April 26th 1985 vice Shri T. S. Aswal, Assistant Personnel Officer promoted as G.A.C.

No. NPB/3(262)/83-Estt.I/4478.—Executive Director (R), Nuclear Power Board, Bombay hereby appoints Shri T. S. Aswal, Assistant Personnel Officer in the same Board in a temporary capacity with effect from the forenoon of March 25, 1985 to the afternoon of April 26, 1985 vice Shri R. V. Bajpai, General Administrative Officer proceeded on leave.

R. V. BAJPAI  
General Administrative Officer  
for P.E.D.(R)

ATOMIC MINERALS DIVISION

Hyderabad-500016, the 9th May 1985

No. AMD-16/1/85-Recit.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri O. Bharathan, a permanent Senior Stenographer, Atomic Minerals Division as Assistant Personnel Officer in the same Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of April 16, 1985 until further orders.

S. PADMANABHAN  
Sr. Administrative & Accounts Officer

TARAPUR ATOMIC STATION

PO. TAPP, the 27th April 1985

No. TAPS/1/34(1)/76-R(Vol. XIII).—The Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station appoints Shri M. Murali, a temporary Scientific Assistant (C) in the Tarapur Atomic Power Station as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in a temporary capacity in the same Power Station with effect from the forenoon of February 1, 1985, until further orders.

V. P. NAIK  
Administrative Officer-II

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 18th April 1985

No. A.38013/1/85-EA.—Shri M. P. Paul, Senior Aerodrome Officer, Office of the Controller of Aerodromes, Nagpur

retired from Government Services on the 31-3-85 on attaining the age of superannuation.

G. B. LAL  
Assistant Director of Administration  
or Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 26th April 1985

No. A.35018/15/83-EI(i).—Shri K. C. S. Negi, Company point Shri Arun Talwar, Senior Communication Officer in the grade of Assistant Director of Communication on adhoc basis for a period of six months with effect from 31-1-1985 or till the post is filled up on a regular basis, whichever is earlier and to post him in the Aeronautical Communication Directorate in the Office of the Director General of Civil Aviation, New Delhi.

The 27th April 1985

No. A.32013/6/83-EC(.).—The President is pleased to appoint the following Officers of the Civil Aviation Department in the grade of Deputy Director/Controller of Communication on a regular basis with effect from the date indicated against each and until further orders :

S.No.	Name	Station of posting	Date of taking over charge
1	S/Shri V.K. Choudhury, ACS, Calcutta Asstt. Director of Comm.	4.3.1985 (FN)	
2.	Sushil Kumar, ACS, Nagpur Asstt. Director of Comm.	26-2-1985 (AN)	
3.	R. K. Sood, O/o, R.C.C. Asstt. Director of Comm., ACS, Madras.	28-2-1985 (FN)	

The 2nd May, 1985

No. A. 32013/4/84-EC(.).—The President is pleased to appoint the following Technical Officer of the Civil Aviation Deptt. in the grade of Sr. Technical Officer on ad hoc basis for a period of six month with effect from the date shown against each or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier and to post them at the station indicated against each :—

Sl. No.	Name	Station to which posted	Date of appointment
1	2	3	4
1.	S/Shri M. K. Verma CATC Allahabad.	ACS, Trivandrum.	9-2-1985 (FN)
2.	B. N. Chawla ACS, Mangalore.	ACS, Delhi	11-3-1985 (FN)
3.	K. Ganesan ACS, Calcutta	O/o, R. C. C. Calcutta	17-1-1985 (FN)
4.	Arjun Singh CATC, Allahabad.	ACS, Triruchirappalli.	8-2-1985 (FN)
5.	M. L. Chakraborty, ACS, Calcutta	ACS, Calcutta	17-1-1985 (FN)

The 3rd May 1985

No. A.35018|15|83-EL(i).—Shri K. C. S. Negi, Company Commander in the Central Reserve Police Force is appointed in the post of Senior Security Officer in the Civil Aviation Security Organisation of the Civil Aviation Department on deputation basis for a period of three years with effect from 12-3-1985 (F.N.). The terms and conditions of his deputation will be governed in accordance with Ministry of Finance (Department of Expenditure) O.M. No. F.1(11)E.III(B)/75, dated 7-11-1975 as amended from time to time.

No. A.35018|15|83-EL(m).—In continuation of this Office Notification No. A.35018|15|83-EL, dated the 23-1-1985, the deputation period of Shri S. L. Arva in the grade of Senior Security Officer is further extended to the fourth year for a period of one year from 24-4-85 to 23-4-86 (A.N.).

V. JAYACHANDRAN  
Assistant Director of Administration

## OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay the 5th May 1985

No. 1|421|85-EST.—Shri D. P. Khanna, Assistant Engineer, Madras, retired voluntarily from Service, with effect from the afternoon of the 2nd February, 1985.

The 5th May 1985

No. 1|357|85-EST.—Shri V. V. Varadan, Assistant Engineer, Madras, retired voluntarily from Service, with effect from the afternoon of the 29th February 1985.

R. K. THAKKER  
Dy. Director (Admn.)  
for Director General

## FOREST RESEARCH INSTITUTE &amp; COLLEGES

Dehra Dun the 8th May 1985

No. 16|436|85-Ests-I.—The President, Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun is pleased to appoint Shri T. B. Chatterjee, Forest Ranger, Andaman and Nicobar Administration, Forest Department as Assistant instructor, Eastern Forest Ranger College, Kurseong, with effect from the forenoon of 22nd March 1985, until further orders.

J. N. SAXENA  
Registrar,  
Forest Research Institute & Colleges

## COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS  
VADODARA

Th. 1st May 1985

No. 2|1985 Shri L. H. Vaidya, Examiner of Accounts, Central Excise and Customs, (Group 'B') of Audit Branch, Hdqrs., office, Vadodara, has retired on attaining the age of superannuation pension in the afternoon of 30-4-1985.

The 1st May 1985

No. 9|85.—Shri M. V. Vasaikar, Examiner of Accounts, Central Excise and Customs, (Group 'B') of Audit Branch, Hd Qrs., office, Vadodara, has retired on attaining the age of superannuation pension in the afternoon of 30-4-1985.

No. 4|1985.—Shri C. M. Naik, Administrative Officer of Central Excise & Customs, (Group 'B') of Division-I, Vadodara, has retired on attaining the age of superannuation pension in the afternoon of 30-4-1985.

N. B. SUNAVANE  
Collector

Bengaluru, the 10th April 1985

No. 1/85.—In exercise of the powers conferred on me by Rule 5 of Central Excise Rules, 1944, I hereby empower the Central Excise officers specified in column 4 of the table hereto to exercise within their jurisdiction the power of Collector under the provisions of the Central Excise Rules shown against therein column 2 of the table subject to the limitations set out in column 5 of the table.

Sl. No.	Central Excise Rules	Nature of power Delegated	Officer to whom delegated	Limitations
1	2	3	4	5
1.	173-L & 173-M	(i) Power to relax storage of goods (ii) Power to extend the period for return of goods (iii) Collector's other powers.	Additional Collector/ Dy. Collector Deputy Collector	
2.	192	(i) Power to grant permission (ii) Power to issue licence and fixing of bond amount and security.	Officer mentioned in remission notification, otherwise Asstt. Collector, Licensing Authority	

D. P. ARYA

Collector, of Central Excise

MINISTRY OF SHIPPING & TRANSPORT  
DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING

Bombay-400 038, the 6th May 1985

No. 11-TR(7)|81.—The President is pleased to accept the resignation of Shri A. K. Bhattacharyya, Engineer Officer, Directorate of Marine Engineering Training, Calcutta with effect from 16-4-1984 (F.N.).

A. CHANDRA  
Dy. Director General of Shipping

## (SHIPBUILDING &amp; REPAIR DIVISION)

New Delhi, the 3rd May 1985

No. SW/SBR/1(10)|85.—In partial modification of Government of India, Ministry of Industry (Department of Heavy Industry) Notification No. 16-11|76 HM.II dated 25th February, 1980, it has been decided to appoint M/s Goa Shipyard Limited, Goa as Leader of West Coast Consortium of Trawler Builders in place of M/s Maragon Dock Limited, Bonibay.

MISS SOMI TANDON  
Director (Shipyards)

## CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110056, the 3rd May 1985

No. A-19012|1084|85-Estt V.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group-B), Chairman, Central Water Commission appoints Shri B. C. Sabu,

Supervisor, to the grade of Extra Assistant Director/Asstt. Engineer (Engg.) in the Central Water Commission on a regular basis in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the forenoon of 18-4-1985 until further orders.

(2) The above mentioned officer will be on probation in the grade of E.A.D/A.E. in the Central Water Commission for a period of two years with effect from the aforesaid date.

The 8th May 1985

No. A-19012/1082/85-Estt.V.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group B), Chairman, Central Water Commission appoints Sh. Arun Kumar, Design Assistant to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engg.) in the Central Water Commission on a regular basis in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the forenoon of 30-3-1985 until further orders.

(2) The above mentioned officer will be on probation in the grade of E.A.D/A.E. in the Central Water Commission for a period of two years with effect from the aforesaid date.

MEENAKSHI ARORA  
Under Secy. (C)  
Central Water Commission

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF WORKS

CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 15th April 1985

No. 12/3/84-EC.IX.—The Director General of Works is pleased to confirm the following officers in the grade of Assistant Architect/Technical Officer (Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-4-1000-EB-40-1200) in the General Central Service group 'B' in the Central P.W.D. with effect from the dates noted against each :—

S. No.	Name	Date of confirmation
1	2	3
<b>Assistant Architects</b>		
1.	J.P. Saxena	1-4-77
2.	Y.P. Popli	1-4-77 (Retd.)
3.	A. Ganguli	1-4-77
4.	A.R. Karandikar	1-4-77
5.	M.B. Das	1-4-77
6.	A. Sanyal	1-4-77
7.	V.S. Mahajan	1-4-77
8.	H.K. Walia	1-4-77
9.	S.B. Kalkar	1-4-77
10.	A.K. Gupta	7-5-77
11.	R.K. Kakkar	7-5-77
12.	K.B. Kulkarni	7-5-77
13.	R.H. Khobragade (SC)	19-5-77
14.	M.M.L. Sharma	19-5-77
15.	Dev Dutt (SC)	1-4-78 (Retd.)
16.	A.N. Devikar (ST)	1-9-78
17.	A.R. Joshi	1-9-78
18.	V.P. Lokender (SC)	1-9-78
19.	A.K. Sood	21-2-79
20.	S.P. Singh (SC)	21-2-79
21.	Ram Prashad (SC)	21-2-79
22.	O.P. Bhardwaj	7-1-80
23.	S.C. Meshram (SC)	12-4-80
24.	Y.S. Sardar	29-4-80
25.	T.R. Anand	29-4-80
26.	G.C. Sharma	29-4-80
27.	S.K. Basu	29-4-80
28.	I.K. Popli	29-4-80

1	2	3
29.	T. Srinivasulu	17-8-81
30.	R.N. Kanodia	17-8-81

TECHNICAL OFFICER

1. G. S. Bhogal	1 4.80
1. R. K. Sazena	2.9.80

M. M. DAS  
DEPUTY DIRECTOR OF ADMINISTRATION

CENTRAL RAILWAY

Secunderabad, the 30th April 1985

No. P/GAZ/185/Accts.—The following officiating Class-II (Group 'B') Officers of Accounts Department of this Railway are confirmed in Class-II Service of that Department with effect from the dates mentioned against each :—

Sr. No.	Name	Confirmed w.e.f.	Remarks
1	S/Sri		
2.	S. Viswanatham	1-4-1980	Retired.
2.	S. Venkataiah	1-4-1980	IRAS confirmed and retired.
3.	D. Nagaraja Rao	17-5-1980	Retired.
4.	T.V. Mannarkrishnan	27-5-1980	Retired.
5.	Y. Satyanarayana	27-5-1980	IRAS confirmed and retired.
6.	S. Subramanian	27-5-1980	Retired.
7.	K.R. Subramanian	1-7-1980	Retired.
8.	K.B. Rajanarayana	1-7-1980	—
9.	N. Subramanian	21-9-80	Retired.
10.	T.V. Raghavachari	1-12-1980	—
11.	G. Laxmanan	1-7-1981	Retired.
12.	K. Vaigiswaran	14-7-1981	Retired.
13.	N. Thiagaraj	2-9-1981	Retired.
14.	G. Balaram	24-7-1982	Retired.
15.	C.V. Kashikar	1-9-1982	—
16.	M.S. Raman	1-12-1982	
17.	R. Varadarajan	23-3-1983	
8.	S. Balasubramanian	1-4-1984	

GULSHAN RAI,  
General Manager

MINISTRY OF INDUSTRY & COMPANY AFFAIRS  
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)  
COMPANY LAW BOARD  
OFFICE OF THE REGISTRAR COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956, and of\*  
M/s International Imex Agents Pvt. Ltd.

New Delhi, the 23rd April 1985

No. 1737/14779.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s International Imex Agents Pvt. Ltd unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the Company will be dissolved.

SATYENDER SINGH  
Asstt. Registrar of Companies  
Delhi and Haryana

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME TAX  
INCOME-TAX DEPARTMENT

Cochin, the 5th May 1985

INCOME-TAX

ORDER

No. 1/85-86.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) and (2) of section 124 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Commissioner of Income tax, Cochin, hereby abolishes the following Circles at Ernakulam.

1. Companies Circle.
  2. Ernakulam Circle.
  3. Special Circle.
  4. Survey Circle.
2. This Notification shall take effect from 10-5-1985.
- No. 2/85-86.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 124 of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) the Commissioner of Incometax, Cochin, hereby directs that the following new Incometax Offices at

Ernakulam shall be created with the wards shown in the Schedule below :—

SCHEDULE

Sl. No.	Name of the Circle	Name of the Wards	IAC's Range
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	I.T. Office, Circle-I, Ernakulam.	ITO, A-Ward, ] ITO, B-Ward, ] ITO, C-Ward, ] ITO, D-Ward, ]	IAC, Ernakulam Range
2.	I.T. Office, Circle-II, Ernakulam.	ITO, A-Ward, ] ITO, B-Ward, ] ITO, C-Ward, ] ITO, D-Ward, ] ITO, E-Ward, ]	IAC, Ernakulam Range.

2. this Notification shall take effect from 10-5-1985.

M.J. MATHAN,  
Commissioner of Incometax, Cochin.

**FORM ITNS**

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI,  
TAYLOR ROAD AMRITSAR

Amritsar, the 20th April 1985

Ref. No. ASR/85-86/3.—Whereas, I, S. C. KAPIL, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

One property situated at Hall Bazar, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S. R. Amritsar on Sept., 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Gurbax Singh  
S/o Shri Bishan Singh, Hall Bazar,  
Amritsar.  
(Transferor)
- (2) Smt. Jagjit Kaur Dhingra,  
w/o Ehri Kanwaljit Singh Dhingra,  
r/o 80, Kennedy Avenue,  
Amritsar.  
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants as under.  
1. M/s. Kaul's reliable Seeds Farm. Rs. 45/- p.m.  
2. M/s. Sardar Hatti. Rs. 110/- p.m.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any Other.  
(Person whom he undersigned knows to be interested in the property).

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Property situated at Hall Bazar, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 4169 dated 19-9-1984 of registering authority, at Amritsar.

S. C. KAPIL, IRS  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —  
31—86G/85

Dated : 20-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI,  
TAYLOR ROAD AMRITSAR

Amritsar, the 20th April 1985

Ref. No. ASR/85-86/4.—Whereas, I,  
S. C. KAPIL, IRS,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing No.  
One property situated at Lawrence Road, Amritsar  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
S.R. Amritsar on Sept., 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(1) Shri Sham Sunder Kapur,  
s/o Shri Rattan Chand, 1/o 224 Queens Road,  
Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Manwinder Singh,  
s/o Shri Bhupinder Singh, No. 53,  
R. B. Parkash Chand Road, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any Other.  
(Person whom he undersigned knows  
to be interested in the property).

Objections, if any to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

1/5th charge of Property in Khasra No. 112, situated  
at Lawrence Road, Amritsar, as mentioned in sale deed No.  
4376 dated 28-9-84 of registering authority, Amritsar.

S. C. KAPIL, IRS  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons namely :—

Dated : 20-4-1985

Seal :

## FORM LT.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI,  
TAYLOR ROAD AMRITSAR

Amritsar, the 20th April 1985

Ref. No. ASR/85-86/5.—Whereas, I,  
S. C. KAPIL, IRS,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. One property situated at Nimak Mandi, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S. R. Amritsar on October 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Hira Lal,  
s/o Shri Mukand Lal, Gali Kandharian, Wali,  
Nimak Mandi, Amritsar.  
(Transferor)

(2) Shri Madan Lal Vohra,  
s/o Shri Bihari Lal Vohra, Gali Kandharian, Wali,  
Nimank Mandi, Amritsar.  
(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any Other.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Property No 679/8 & 1056/8, situated in Gali Kandharian Wali, Nimak Mandi, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 5099 dated 30-10-84, of registering authority, at Amritsar.

S. C. KAPIL, IRS  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Amritsar

Dated : 20-4-1985

Seal :

## FORM ITNS —————

(1) Shri Inderjit Singh &/o Shri Jaswant Singh,  
Gate Sheran Wala, Amritsar.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI,  
TAYLOR ROAD AMRITSAR**

Amritsar, the 20th April 1985

Ref. No. ASR/85-86/6.—Whereas, I  
S. C. KAPIL, IRS,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. One property situated at New Partap Nagar, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at S. R. Amritsar on October 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shri Kanwaljit Singh Bajaj,  
&o Shri Shanti Lal, Smt. Jasbir Kaur,  
w/o Shri Kanwaljit Singh, r/o 40 Rani-ka-Bagh,  
Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any  
(Person in occupation of the property)(4) Any Other.  
(Person whom he undersigned knows  
to be interested in the property).**Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

**THE SCHEDULE**

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property No. 59-60, situated at New Tarpur Nagar, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 5124 dated 31-10-84 of registering Authority, at Amritsar.

S. C. KAPIL, IRS  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Amritsar

Dated : 20-4-1985

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 20th April 1985

Ref. No. ASR/85-86/7.—Whereas, I,

S. C. KAPIL, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Plot of land situated at East Mohan Nagar, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Amritsar on 13-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Anup Chand Kapur, Mall Road, ASR; Shri Surinder Nath Kapur, Ridge Road, Bombay; S|Shri Davinder Kapur, Varinder Kapur, Vipan Kapur, Narinder Kapur and Vikram Kapur, residents of Cooper Road, Amritsar.  
(Transferors)

(2) Shri Hardian Singh,  
s/o Shri Mohan Singh, Sultanwind Road, Amritsar.  
(Transferee)

(3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any  
(Person in occupation of the property)

(4) Any Other.  
(Person whom he undersigned knows  
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.**

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

**THE SCHEDULE**

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Plot of land measuring 2000 sq. yds., situated at Sau Footee Road, in East Mohan Nagar, Amritsar. The agreement has been registered by the Competent Authority vide order No. 37-HE/15 dated 13-12-1984.

S. C. KAPIL, IRS  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Amritsar

Dated 20-4-1985

Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING  
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, 3-CHANDIR PURI,  
TAYLOR ROAD AMRITSAR

Amritsar, the 20th April 1985

Ref. No. ISR/85-86/8.—Whereas, I,  
S. C. KAPIL, IRS,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing  
One property situated at Tarn Taran Road, Amritsar  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
S. R. Auditor on December 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration thereon by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated  
in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act  
in respect of any income arising from the transfer,  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
money or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of the notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons namely :—

- (1) Shri Harjit Singh &/o Shri Parduman Singh,  
1473/7, Dhab Wasti Ram, Amritsar.  
(Transferor)
- (2) Shri Daljit Singh &/o Shri Puran Singh,  
Tarn Taran Road, Amritsar.  
(Transferee)
- (3) As, at S. No. 2 above tenants as under :—  
1. M/s. Narinder Cycle Works, Rs. 40/- p.m.  
Amritsar.  
2. Sh. Sohan Singh, Amritsar Rs. 100/- p.m.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any Other.  
(Person whom the undersigned knows to  
be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property situated at Tarn Taran Road, Amritsar, as mentioned  
in sale deed No. 6724 dated 26-12-1984 of registering  
authority, Amritsar.

S. C. KAPIL, IRS  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 24-4-1985

Seal :

## FORM ITNS

- (1) Shri John Anton D'Souza & Others,  
Sunder, Madivali, No. 7 at Vadavali, Malodivali,  
(Transferor)
- (2) Shri Pitamber Kunayalal Khatav,  
714, Linkin, Roil Khar, Bombay  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

## ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 12th April 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/Def./S.D./1984-85.—  
Whereas, I, ANIL KUMAR,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing  
Survey No. 47, Hissa No. 3, Village Barampur, Vasai situated  
at Vasai  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
I.A.C. Acq Range, Pune in April, 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30  
days from the service of notice on the respective  
persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or;

## THE SCHEDULE

Survey No. 47, Hissa No. 3, Village Barampur, Vasai, Distt.  
Thana. (Area 9621 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered  
in the office of the I.A.C., Acquisition Range, under docu-  
ment No. Def. S.D./1984-85 in the month of April 1984).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Date : 12-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 12th April 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/Def/84-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Survey No. 47, Hissa, No. 3, Barampur, Village Vasai, District Thana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer I.A.C., Acq Range, Pune in Oct. 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri John Anton D'Souza & Others,  
Sardar Madhwada, No. 8 at Vadavali, No. 9 at  
Mulgaon, Tal Vasai,  
(Transferor)  
(2) Shri Kanayakal Nanamal Khatre & Others,  
711, Linking Road, Khar, Bombay.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Survey No. 47, Hissa No. 3, Barampur, Village Vasai, Thana (Area 9621 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. Def/SD/84-85 in the month of April 1984.)

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Date : 12-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

- (1) Smt. Mradulabai Uttanchand Pujani,  
Adinath Co-operative Society, Pune-37.  
(Transferor)
- (2) Shri Krishnalal Ramlal Oswal,  
Adinath Co-operative Housing Society,  
Pune-37.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 12th April 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|10230|84-85.—

Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

One flat at Building H Flat No. 155 of Adinath Co-operative Society, Pune Satara Road, Pune-37 situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune in February 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

One flat at Building H flat No. 155 of Adinath Co-operative Society, Pune Satara Road, Pune-37.  
(Area 796 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 10230|84-85 in the month of February 1985).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
32—86GI|85

Date : 12-4-1985

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 12th April 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5[9451]1984-85.—

Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 25, Matru-Shakti Subhash Road, Vishnu-Nagar, Dombivli (W) Tal. Kalyan, District Thana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune in October 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s. Patel Construction Co.,  
66 Nagindas Master Road,  
9 Parakh Vora Chambers,  
1st Floor, Fort, Bombay.

(Transferor)

(2) Shri Karsan Harji Patel,  
11 Ambica Bhuvan, New Maneklal Est.,  
I. B. Shastry Marg, Chatkopar, Bombay-86.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 25, Matru-Shakti Subhash Road, Vishnu-Nagar, Dombivli (W) Tal. Kalyan, Distt. Thana.  
(Area 830 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 9451]1984-85 in the month of October, 1984.

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Ass't. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Pune

Date : 12-4-1985  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

## FORM ITNS

- (1) Shri Sampat Laxman Gaikwad,  
Near B.B.R.C. Road, Gaikwad Mulla,  
Nasik Road.  
(Transferor)
- (2) M/s Jay Ganesh Land Development Co.,  
Nityanand Deep, Near P.E. School,  
Nashik Road.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 12th April 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-S/37EE/308/84-85.—

Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Property situated at Village Deolaligaon, Datta Mandir Road, within the limits of Nasik Municipal Corporation, S. No. 36/2 situated at Nasik

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

IAC, Acqn., Range, Pune on August 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Property situated at S. No. 36/2 of Deolali Village, within the limits of Nasik Municipal Corporation, Nasik.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 308/84-85 in the month of August 1984).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Date : 12-4-1985  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 14th April 1985

Ref No IAC ACQ[CA-5]10901|84-85|37EE.—Whereas, I,  
ANIL KUMAR,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs.  
1,00,000/- and bearing  
Flat No. F-1 on first floor at S. No. 4/1 Erandwana, situated  
at Pune.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer  
at I.A.C., Acqn. Range, Pune on March, 85.

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of ——

(1) Shri Anant Pursuhottam Joshi,  
Sharad Apartment, First floor,  
Neat Model Colony Post Office,  
Shivajinagar,  
Pune-16.

(Transferee)

(2) M/s Aukar Enterprises,  
Plot No. 23, Anamaya Apartments,  
Ideal Colony,  
S. No. 129, Kothrud,  
Pune.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(17 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957),

Flat No F-1 on First floor at S. No 4/1 Erandwana, Pune  
(Property as described in the agreement to sale registered  
in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under  
document No 10901|84-85 in the month of March 1985)

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Pune

Date : 11-4-1985  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely : ~

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri S. Ravi,  
21, Miram Nagar,  
Kopri Colony,  
Thane.

(Transferor)

(2) Shri Dinesh Velji Shah,  
King Tailors,  
Near S. T. John School,  
Thana.

(Transferee)

## ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

ACQUISITION RANGE, PUNI-  
Pune, the 11th April 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5 3/EE 12118/1984-85 —Whereas, I ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No 21, Building No. E Ganesh Nivas Co-operative Housing Society, Jodhali Baug, Chatai, Thana situated at Thana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at I.A.C. Acqn. Range, Pune in Jan., 85. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 21, Building No. E. Ganesh Nivas Co-operative Housing Society, Jodhali Baug, Chatai, Thana  
(Area 450 sq ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 1218/84-85 in the month of January, 1985)

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, in the following

Date: 11/4/1985  
Sd/-

## FORM ITNS-

(1) Natakar Gandhi & Co.,  
1206 B/15 Shivajinagar,  
Deccan Gymkhana,  
Pune-4.

(Transferor)

(2) Shri Shreenivas Ramchandra Shenolkar,  
Smt. Suhasini Shreenivas Shenolkar,  
699/2 Shivajinagar,  
Deccan Gymkhana,  
Pune-4.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 19th April 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/7005/1984-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. T-5 on third floor at 42A/18 Erandwana, situated at Pune, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at I.A.C., Acq. Range, Pune in Oct. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. T-5 on third floor at 42 A/18 Erandwana, Pune. (Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 7005/1984-85 in the month of Oct., 1984).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

48

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 19-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Chopde Suhas Yeshwant,  
Prop. Chopde, Engineers & Contractors,  
1622 Sadashiv Peth,  
Pune-30.

(Transferor)

(2) Mr. S. J. Patankar and  
Mrs. A. S. Patankar,  
13, Pasaydan Bangalow,  
Girijashankar Housing Society,  
Dhankawadi,  
Pune-43.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 19th April 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/6932/1984-85.—Whereas, t,  
ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 13, 2nd floor, S. No. 129, Plot No. 35, Ideal Colony Kothrud, Pune-29 situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune in Oct., 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Flat No. 13, 2nd floor, at S. No. 129, Plot No. 35, Ideal Colony, Kothrud, Pune-29.  
(Area 630 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 6932/84-85 in the month of Oct., 84).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 19-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 19th April 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/12197/1984-85.—Whereas, I  
ANIL KUMAR,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the said 'Act') have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000 and bearing No.  
Flat No. 6 Building No. A/1 First floor, Raghuvir Park,  
Bhagirathi Jaganath Apartment, Uttar Saher situated at Thane  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer  
at I.A.C., Acq. Range, Pune in Jan., 1985.  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reasons to  
believe that the fair market value of the property is afore-  
said exceeds the apparent consideration therefore by more  
than fifteen percent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

(1) Shri S. A. Palekar,  
C/o Sawant Fisheries,  
Majiwada,  
Thane.

(2) Shri Balraj R. Patil,  
Bhagirathi Jaganath Apartment,  
Raghuvir Park, Samant Wadi,  
Uttarsaher,  
Flat No. A/1 6.  
Thane.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter

## THE SCHEDULE

Flat No. 6 Building No. A/1 First Floor, Raghuvir Park,  
Bhagirathi Jaganath Apartment, Uttar Saher, Thane.  
(Area 587 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered  
in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under  
document No. 12197/84-85 in the month of January, 1985).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Date : 19-4-1985  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, PUNE**

Pune, the 19th April 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/6927/1984-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Flat No. 6, 1st floor Rear Side building, area 770 sq. ft. consists of 4 rooms, 1 WC & 1 bath situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority IAC, Acq Range Pune on August 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) D. G. Samant & Associates,  
8/2, Ravi Building,  
Sadashiv Peth, Pune-30.

(Transferor)

(2) Dr. R. Y. Mulay,  
Smt. S. Y. Mulay,  
Mts. R. N. Mulay,  
232, Sahakar Nagar, Pune-9.

(Transferee)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 6, 1st floor Rear side building, area 770 sq. ft. consists of 4 rooms, 1 WC 1 bath.

(Area 770 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 6927/84-85 in the month of Oct 1984).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Pune

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—  
33—86GI/85

Date : 19-4-1985.

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
PUNE

Pune, the 20th April 1983

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/6754/84-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Shop at Ground floor at 143/4 Parvati, Pune-9 situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, I.A.C., Acq. Range, Pune on Oct. 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s. Khinvasara Chavan,  
Vijay Apartments,  
22 Mukund Nage, Pune-37

(Transferor)

2) Popatil Jatraj Dangi & Govind Popatil Dangi,  
484/3, Mitra Mandal Colony,  
Pune-9.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Shop at Ground Floor at 143/4 Parvati, Pune-9.  
(Area 325 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 6754/1984-85 in the month of Oct. 1984)

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Poona

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 20-4-1985.  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) M/s. Navyug Promoters,  
20/2, Navi Peth,  
Pune-30.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
PUNE

Pune, the 22nd April 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/7421/1984-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act") have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

S. No. 1180 final plot No. 558, Sub Plot No. 1, Shivaji Nagar, Pune situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn, Range, Pune on Nov. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Miss Shaila Mahadeo Deshpande,  
751 (New) Sadashiv Peth, Bhatwada,  
Pune-30.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

S. No. 1180 Final Plot No. 558, sub plot No. 1, Shivaji-nagar, Pune

(Area 460 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 7421 84-85 in the month of Nov. 1984).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date . 22-4-1985  
Seal .

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE,  
PUNE**

Pune, the 22nd April 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/8955/1984-85—  
 Whereas, I, ANIL KUMAR,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S. No. 3A, Hissa No. 5, S. No. 19, Hissa No. 1, S. No. 64, Hissa No. 3 Part. Dombivli (E) Tilak Nagar, Tal. Kalyan, Dist. Thane  
 situated at Thane  
 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acq Range, Pune on Oct 1984  
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Shri V. R. Kale,  
 Bhagydav Building,  
 Ram Nagar,  
 Dombivli (E),  
 Dist. Thane

(Transferor)

(2) M/s Patel Construction Company,  
 66 N. M. Road,  
 9 Parekh Vora Chambers,  
 1st floor, Fort,  
 Bombay

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

**THE SCHEDULE**

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Gajbandhan Pathasla, S. No. 3A, Hissa No. 5, S. No. 19 Hissa No. 1 S. No. 64, Hissa No. 3 Part Dombivli (1) Tilak Nagar, Tal. Kalyan, Dist. Thane

(Area 3843 sq. yards)

Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 8955/84/85 in the month of Oct 1984)

ANIL KUMAR  
 Competent Authority  
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range  
 Pune

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 22-4-1985  
 Seal

## FORM ITNS

(1) Mahajan Bhilare Associates,  
180, Narayan Peth,  
Pune-30.

(Transferor)

(2) Shri Ashok Shankar Punde,  
Parvati Nirwas  
Nehrunagar,  
Pimpri  
Pune-18.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
PUNE

Pune, the 22nd April 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5 37EE 6215/1984 ad -

Whereas, I, ANIL KUMAR,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing No.

Flat No 3 on 2nd floor Building No 2, Bhaum Nath  
Nagar, Plot No 1, 2 and 4 C.T.S. No. 737/738 & 740  
situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer  
at I.A.C., Acq Range, Pune on Sep 1984

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer is agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the date of notice on the respective persons

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION.**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

Flat No 3 on 2nd Floor Building No 2 Bhaum Nath  
Nagar, Plot No. 1 2 and 4 C.T.S. No 737/738 and 740  
(Area 520 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in  
the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune under  
document No 6215/84-5 in the month of Sep, 1984)

ANNEXURE II

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Pune

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under  
subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely:

Date 22-4-1984  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Mahajan Bhushan Associates,  
180, Narayan Peth,  
Pune-30.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Narayan Vithal Mahajan,  
Eknath Kudle Chawl,  
Behind Kudale Engg. Works,  
Pimprigaon,  
Pune-17.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
PUNEObjections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Pune, the 22nd April 1984

Ref. No. IAC ACQ CA-5|37EE/6214/1984-85.—

Whereas J. ANIL KUMAR,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as  
the said Act), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing  
Flat No. 6 on 2nd floor Building No. 2 Bhairav Nath Nagar,  
Plot No. 1, 2 and 4 C.T.S. No. 737/738 and 740  
situated at Pune  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
I.A.C., Acq Range, Pune on Sep., 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair mar-  
ket value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

Flat No. 6 on 2nd floor, Building No. 2 Bhairav Nath  
Nagar, Plot No. 1, 2 and 4 C.T.S. No. 737/738 and 740

(Area 520 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in  
the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune under  
document No. 6214/84-85 in the month of Sep., 1984)

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range  
Pune

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-  
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
person, namely :—

Date : 22-4-1985.

Sd/-

## FORM NO LT.N.S.—

(1) Billimoria Constructions Pvt. Ltd.  
Wankhede Stadium,  
North Stand,  
D Road, Churchgate,  
Bombay-20.

(Transferor)

(2) Mrs. Aruna S. Sahai  
Building No. 213/5755,  
4th floor,  
"Arun" Ninety Feet Road,  
Ghatkopar East,  
Bombay.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
PUNEObjections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned —

Pune, the 22nd April 1984

Ref. No 1AC ACQ/CA-5/37EE/8919/1984-85.—  
Whereas, I, ANIL KUMAR,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Flat No. 22, Second floor, Building Kuber, Plot No. 43,  
Sector 17 at CIDCO, Vashi, New Bombay situated at  
New Bombay  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred  
under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office  
of the Registering Officer at  
I.A.C., Acq Range, Pune on Sep., 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immo-  
vable property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as  
defined in Chapter XVA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

Plot No. 22, Second Floor, Building KUBER, Plot No.  
43, Sector 17 at CIDCO, Vashi, New Bombay  
(Area 643 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in  
the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under  
document No. 8919/84-85 in the month of Sept., 1984).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Pune

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 22-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
PUNE

Pune, the 22nd April 1984

Ref. No. I.A.C. ACQ/CA-5/37EE/8920/84-85.—  
 Whereas, I, ANIL KUMAR,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the  
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
 as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
 property having a fair market value exceeding  
 Rs. 1,00,000/- and bearing  
 Flat No. 14, first floor, building KUBER Plot No. 43, Sector  
 17, at CIDCO, Vashi, New Bombay situated at Vashi  
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
 1908) in the office of the Registering Officer at  
 I.A.C., Acq Range, Pune on Sep. 1984  
 for an apparent consideration which is less than the fair  
 market value of the aforesaid property and I have reason to  
 believe that the fair market value of the property as aforesaid  
 exceeds the apparent consideration therefor by more than  
 fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
 consideration for such transfer as agreed to between the  
 parties has not been truly stated in the said instrument of  
 transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
 of the transferor to pay tax under the said Act, in  
 respect of any income arising from the transfer;  
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
 moneys or other assets which have not been or  
 which ought to be disclosed by the transferee for  
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
 Act, 1957 (27 of 1957).

(1) Billimoria Construction Pvt Ltd  
 Wankhade Stadium,  
 North Stand,  
 D Road,  
 Churchgate,  
 Bombay-26.

(Transferor)

(2) Mrs.L. A. V. Nathan  
 5 Surajaya Co-operative Housing Society,  
 Son(e),  
 Bombay-22.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
 may be made in writing to undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
 of 45 days from the date of publication of this  
 notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
 from the service of notice on the respective persons,  
 whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
 property, within 45 days from the date of the publica-  
 tion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
 are defined in Chapter XXA of the said  
 Act, shall have the same meaning as given  
 in that Chapter

## THE SCHEDULE

Flat No. 14, first floor building KUBER, Plot No. 43,  
 Sector 17 at CIDCO, Vashi, New Bombay.

(Area 559 sq ft)

(Property as described in the agreement to sale registered  
 in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under  
 document No 8920/84-85 in the month of Sept., 1984).

ANIL KUMAR  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range  
 Pune

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
 persons, namely:—

Date : 22-4-1985

Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. Future Enterprises  
29, Keshavji Naik Road,  
2nd floor,  
Bombay-9

(Transferor)

(2) M/s. National Engineering Industries  
Prop. of Navnitai Jivanlal Shah,  
3, Jay Bharat Society,  
5th floor Khar,  
Bombay-52.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
PUNE

Pune, the 22nd April 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/10362/84-85.—

Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Unit No. 19 on ground floor of Dewan &amp; Shah Industrial Complex No. 1 at Waliv Vasai (W) on S. No. 74 situated at Vasai

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

I.A.C., Acn. Range, Pune on Nov., 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Unit No. 19 on ground floor of Dewan & Shah Industrial Complex No. 1 at Waliv, Vasai (W) on S. No. 74

(Area 1280 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 10362/84-85 in the month of Nov. 1984).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Pune

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
34—86GII/85

Date : 22-4-1985

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s Mutha Apartments,  
"Hingiri" 322/11 Shankshet Road,  
Pune-2.

(Transferor)

(2) Santoshkumar Nathmal Jain,  
68 New Timber Market, Pune-2.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE

## PUNE

Pune, the 22nd April 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/7502/1984-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No S-2, F.P. No. 473, Sub Plot No. 18/B Gultekadi, Pune-37 situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Nov. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferee to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or may moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. S-2, F.P. No. 473, Sub plot No. 18/B Gultekadi, Pune-37.  
(Area —)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune under document No. 7502/1984-85 in the month of Nov. 1984)

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Pune

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 22-4-1985

Seal :

## FORM ITNS—

- (1) Sathe Godse,  
1244 Sadashiv Peth, Pune-30.  
(Transferor)
- (2) Mr. Sanjeev M Deshpande,  
19/284 Laxmanya Nagar, Pune-30.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
PUNE

Pune, the 22nd April 1985

Ref. No. IAC|ACQ|CA-5|37EE|10267|2984-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 5 in building under construction at Plot No. C 4+5 S. No. 88|1|5 Parvati, Pune-9, situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acq. Range, Pune on Feb. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Flat No. 5 in building under construction at Plot No. C 4+5 S. No. 88|1|5 Parvati, Pune-9.  
(Area 600 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune under document No. 10267|1984-85 in the month of February 85)

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Pune

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by this issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 22-4-1985

Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s Union Products, 102 Kakad Chamber, 132 Dr. Annie B Road, Wardi, Bombay-18.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s National Engineering Industries,  
Prop. Navrupal Jivanlal Shah, HUFS,  
3 Jay Bharat Soc. 5th floor,  
Khar, Bombay-52.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
PUNL

Pune, the 22nd April 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/19705/1984-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 17 on ground floor of Dewan & Shah Industrial Complex No. 1, at Waliv, on S. No. 74, situated at Waliv, Vasai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn Range, Pune on Nov. 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 17 on ground floor of Dewan & Shah Industrial Complex No. 1 at Waliv, on S. No. 74,

(Area 1460 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune under document No. 10705/1984-85 in the month of Nov. 1984.)

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 22-4-1985  
Seal.

## FORM ITNS—

- (1) Smt. Parvatibai D. Bibawee & Others,  
446 Kasba eth, Pune.  
(Transferor)
- (1) M/s Unity Builder, 408/6 Gultekadi Road,  
Shanti Chambers, Pune-37.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
PUNE

Pune, the 22nd April 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/11392/1984-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and being  
No. S. No. 681/4 B-1 at Bibawewadi, Pune-37  
situated at Pune  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred  
under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office  
of the Registering Officer at  
I.A.C., Acqn., Range, Pune on April 1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of . . .

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION**.—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of A.D.'s income arising from the transfer;  
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957).

S. No. 681/4 B-1 at Bibawewadi, Pune-27.  
(Area 7200 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in  
the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune under  
document No. 11392/1984-85 in the month of April 1985)

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Pune

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Date : 22-4-1985  
Seal .

## FORM ITNS

(1) Smt. Parvatibai Dharmaji Bibawe & Others,  
446 Kasba Peth,  
Pune.

(Transferor)

(2) M/s. Unity Builders,  
408/6 Gultekadi Road,  
Shastri Chambers,  
Pune-37.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
PUNE

Pune, the 22nd April 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/11393/1984-85.—Whereas, I ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing 681/1-B at Bibwewadi, Pune-37, situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I. A. C., Acqn. Range, Pune in April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair-market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

S. No 681/1-B at Bibwewadi, Pune-37.  
(Area 57,028 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 11393/84-85 in the month of April 1985).

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferee to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1923 (11 of 1923) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 22-4-1985

Seal

## FORM ITNS—

(1) Smt. Parvatibai Dharmaji Bibawc & Others,  
446 Kasba Peth,  
Pune-11.

(Transferor)

(2) M/s. Unity Builders,  
408/6 Gultekadi Road,  
Shastri Chambers,  
Pune-37.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
PUNE

Pune, the 22nd April 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA 5177/FB/11394/84-85 —Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 678/11 at Bibawewadi, Pune-37 situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I. A. C., Acq. Range, Pune on April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDEULE

678/11 at Bibawewadi, Pune-37.  
(Area 25824 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 11394/84-85 in the month of April 1985).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269 D) of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 22-4-1985  
Seal :

## FORM IINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
PUNE  
Pune, the 22nd April 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-3/37EE/10725/1984-85.—Whereas, I,

ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Land building and Plant & Machinery situated at Plot No 12-B, in Kalyan-Bhiwandi Road, Industrial Area of MIDC, Village Saravali, Bhiwandi, Dist. Thane  
situated at Thane

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (6 of 1908) in the office of the Registering Officer at I. A. C., Acq. Range, Pune on Dec. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Maharashtra State Finance Corporation,  
New Excelsior Building,  
Amrit Keshav Nayak Marg,  
Fort, Bombay-1.

(Transferor)

(2) M/s. Ajanta International Pvt. Ltd  
(Prop. Ajanta Synthetics) Gopal Bhavan,  
4th Floor, 199 Shamdas Gandhi Marg,  
Bombay-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land, Building and Plant and Machinery, situated at Plot No. 12-B, in Kalyan-Bhiwandi Road, Industrial Area of MIDC Village Saravali, Bhiwandi, Dist. Thane.

(Area 3350 sq. mtrs.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 10725/84-85 in the month of Dec. 1984).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 22-4-1985

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
PUNE

Pune, the 22nd April 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/11612/1984-85.—Whereas, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 2 in A1 building at Chintaman Nagar, S. No. 128/1 Aundh, Pune-7, situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Feb. 85 for an apparent consideration which is, less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Nikhil Enterprises,  
14 Bombay Poona Road,  
Near Bajaj Auto Showroom,  
Wakadewadi, Shivajinagar,  
Pune.

(2) Mr. Umesh Khanna,  
Flat No. D/10,  
3 Aundh Road,  
Pune-3.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 2 in A1 Building at Chintaman Nagar, S. No. 128/1 Aundh, Pune-7.

(Area 960 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 11612/1984-85 in the month of Feb. 1985).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
35—86GI[85]

Date : 22-4-1985

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
PUNE

Pune, the 22nd April 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE.11935/1984-85.—Whereas, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding R [25 000/-] and bearing Flat No. 7 in "C" Building at Chintaman Nagar S. No. 128/1 Aundh, Pune-7, situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Feb 85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therfor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Nikhil Enterprises,  
14 Bombay Pune Road,  
Near Bajaj Auto Showroom,  
Wakadewadi, Shivajinagar,  
Pune.

(Transferor)

(2) Mr. A. G. Patil,  
Nisarg, 13th Lane  
Rajarampuri Kolhapur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 7 in "C" Building at Chintaman Nagar S. No. 128/1 Aundh Pune-7.  
(Area 820 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No 11935/84-85 in the month of February 1985.

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to following persons, namely :—

Date : 22-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
PUNE

Pune, the 22nd April 1985

Re. No. IAC ACQ/CA-5|37EE|6689|1984-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. E-8 on the 4th floor in the Building E of the Hermes Park Co-operative Housing Society Ltd, 30 Bund Garden Road, Pune-1, situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Oct 84 market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s. Ramesh Construction Co. (India) Dhiraj Chambers, 9 Waud by Road, Bombay-1.  
through its partner  
Shri Mathuradas N Thakkar.

(2) Mrs. Dolly R. Engineer,  
2 Mangaldas Road,  
Pune-1.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

**EXPLANATION**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Flat No. E-8, on the 4th floor in the building E of the Hermes Park Co-operative Housing Society Ltd, situated at 30 Bund Garden, Pune-1.

(Area 1550 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 6689/84-85 in the month of Oct. 1984).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

Date : 22-4-1985  
Seal :

## FORM NO. ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
PUNE

Pune, the 23rd April 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|11908|84-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Tika No. 2. C. S. No. 317, Thane.  
situated at Thane  
(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acq. Range, Pune on Jan 85.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(1) Sahas Builders,  
Ratan House,  
Opp. Rly Station, Thane.

(Transferee)

(2) Ramesh Popatlal Raja, H.U.F.  
Karta R. P. Raja,  
112 Girraj Housing Society,  
Navpada, Thane.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Tika No. 2 C. S. No. 317, Thane.  
(Area ——)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 11908|84-85 in the month of Jan. 1985).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Date : 23-4-1985  
Seal :

**FORM ITNB****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE,  
PUNE**

Pune, the 23rd April 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|10345|1984-85.—Whereas, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 202, 2nd floor Nilgiri Apartments, 42A|1B Erandwana, Pune.

situated at Pune  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Feb 85  
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s. Natekar Gandhi & Co.  
1206-B|15 Shivajinagar,  
Deccan Gymkhana,  
Pune-4.

(Transferor)

(2) Narayan Govind Gadgil.  
Flat No. 202, Nilgiri Apartments,  
42A|1B, Karve Road,  
Pune-38.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Flat No. 202, 2nd floor, Nilgiri Apartment, 42A|1B, Erandwana, Pune-38.

(Area 1000 sq. ft.)

Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 10345|84-85 in the month of Feb, 1985.

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 23-4-1985  
Seal :

### FORMS—

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE,  
PUNE.

Pune, the 23rd April 1985

Ref No IAC ALQ/LA-5/37EE/6917/1984 85 —Whereas  
I, ANIL KUMAR,  
being the Comptroller under Section 269B of  
the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) hereinafter referred  
to as "I" do hereby declare to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and being  
2010A Ghati Bunglow, Plot No 9 on the  
floor,  
situated at Punc  
(and more fully described in Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration of 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registration Officer at I.C., Agra  
Range Punc on the 1st day of April  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the said property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
foresaid is the true and exact consideration therefor by  
more than 10% of the said apparent consideration  
and that the consideration is to transfer it agreed to between  
the parties to this instrument as in the said instrument  
of transfer with the object of—

- (1) M/s Jain Sharma Builders,  
549 Guruwar Peth  
Opp Bandiwani Maruti,  
Pune

(2) Mrs. Rashida Taher Kapadia,  
C/o L. N. Kanchwala,  
604 Raviwar Peth,  
Pune-2

(Transferor)

**(Transferee)**

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned —

(2) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

**EXPLANATION**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

2010 A, Gafar Beg Street, Camp, Pune-1 Flat No 9 on  
6th floor

(Property as described in the instrument to sale registered in the office of the IAC, Acquisition Range, Pune, under document No. 6917184 on in the month of October 1984)

- (b) detailing the concealment of any income or any money or other property which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**ANIL KUMAR**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub section (1) of Section 269B of the said Act, to the following persons, namely —

Date 23-4 1985  
Seal

## FORM ITNS

(1) Mr. Jitendra Patel  
299 Chidambaram Opp. Mandwan  
Maruti, Pune

(Transferor)

M. S. S. & Associates  
173 Ravivari Peth, Pune-2

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 23rd April 1985

Ref No IAC AC Q/C A-5/37L/ [6920]1984-85.—Whereas, I ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No No 2010A Gafar Peth Street, Camp, Pune-1 Flat No 7 on 6th floor situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acq Range, Pune in Oct. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument or in conformity with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

**EXPLANATION**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

2010 A Gafar Ben Street, Camp, Pune-1 Flat No 7, on 6th floor

Property as described in the agreement to sale registered in the office of the Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Pune, under document No 6920/6-2 on in the month of Oct 1984)

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range Poona

Date : 23-4-1985  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, PUNE**

- (1) M/s. Vishal Construction Co.  
37 Jawaharnagar, Goregaon (W)  
Bombay-62. (Transferor)
- (2) Shri K. A. Mangalorewala,  
35 L. M. Merchant Road, "Shaheen Mansion",  
Khadak, Bombay-9. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Pune, the 23th April 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|9940|1984-85.—Whereas, I ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 3 "Vishal Darshan" Plot No. 33, S. No. (10) (11) & (12) Part. Sai Nagar Scheme, Vasai (W) Dist. Thana situated at Thana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), & (12) Part. Sai Nagar Scheme, Vasai (W) Dist. Thana has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acq. Range, Pune in Nov. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION.**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

**THE SCHEDULE**

Flat No. 3, "Vishal Darshan" Plot No. 33, S. No. (10) (11) & (12) Part. Sai Nagar Scheme, Vasai (W) Dist. Thana. (Area 615 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 9940|84-85 in the month of Nov. 1984).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 23-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 23th April 1985

Ref. No. IAC ACQ[CA-5]37EE|9941|84-85.—Whereas, I ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 7, 'Vishaal Darshan' Plot No. 33, S. No. (10) (11) & (12) Part. Sai Nagar Scheme, Vasai (W) Dist. Thana situated at Thana (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acq. Range, Pune in Nov. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

i) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

ii) minimizing the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, In pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

36—86GI|85

(1) M/s. Vishal Construction Co.  
37 Jawaharnagar, Goregaon (W)  
Bombay-62.

(Transferor)

(2) Shri Ismailji Gulam Husein Mangatorewala,  
246 Nishan Pada Road, Kader Mansion, Khadak,  
Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 7 "Vishaal Darshan" Plot No. 33, S. No. 10(11) & (12) Part. Sai Nagar Scheme, Vasai (W) Dist. Thana. (Area 670 sq. ft.)

(Property is described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 9941/84-85 in the month of Nov. 1984)

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Pune

Date : 23-4-1985  
Seal :

## FORM NO. I.T.N.S.—

(1) Atul Enterprises,  
31 Sheelavihar Colony,  
"Ruturaj" Paudphata, Pune.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
PUNE

Poona, the 23rd April 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|10439|1984-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 38, S. No. 26, Dahanukar Colony, Kothrud, Pune-29, Flat No. 8, third floor situated at Pune, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acq. Range, Pune in February 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Mr. Vithal Yellappa Chavadekar,  
C/o C.S. Patil, Sadhna Apartments, Flat No. 3,  
Ideal Colony, Kothrud, Pune-29.

(Transferee)

*Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—*

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Plot No. 38, S. No. 26, Dahanukar Colony, Kothrud, Pune-29 Flat No. 8, Third floor  
(Area 768 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 10439|84-85 in the month of February 1985).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Date : 23-4-1985

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, o the following persons, namely :—

**FORM ITNB**

(1) Sathe-Godse,  
1244 Sadashiv Peth, Pune-30.  
(Transferor)

(2) Smt. Vidula M. Deshpande,  
19/284 Lokmanyanagar, Pune-30.  
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE  
PUNE**

Poona, the 23rd April 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/12705/1984-85.—Whereas, I ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing

Flat No. 10 in building under construction at Plot No. C 4 and 5 S. No. 88/1/5 Parvati, Pune-9 situated at Pune, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acq. Range, Pune in February 1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Flat No. 10 in building under construction at Plot No. C4 and 5 S. No. 88/1/5 Parvati, Pune-9.  
(Area 600 sq. ft.)

Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 12705/84-85 in the month of February 1985.

**ANIL KUMAR**  
**Competent Authority**  
**Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax**  
**Acquisition Range, Poona**

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 23-4-1985

Seal :

## FORM IANS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Mrs Rosary Grafikar  
191 M.G. Road, Camp Pune-1

(Transferor)

(2) Mr. Murli G. Mayani & Mrs. Asha M. Mayani,  
8/7 Navjeevan Colony, Mori Road, Malad,  
Bombay

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING AND COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
PUNE

Poona, the 23rd April 1985

Act No. IAC ACQ/CA 53/LF/10264/84-85 Whereas, I, Anil Kumar, being the Competent Authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Re. 1,00,000/- and bearing No. 302/A on third floor at CTS No. 16/C-2 & 15/C Wellaaly Road, Puna-1 situated in full and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act 1908 (10 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acq Range Puni in February 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property so aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

Residential flat No. 302/A on third floor, at CTS No. 16/C-2 and 15/C Wellaaly Road, Puna-1 (Area 1340 sq ft.)

(Property is described in the title deed to the registered in the office of the I.A.C., Regd. no. P.M. Puna-1 and document No. 10264/84-85 in the month of February 1985.)

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely—

Date 23-4-1985  
Seal.

## FORM ITNS—

- (1) Chopde Proprietor,  
Chopde Engineers & Contractors.  
1622 Sadashiv Peth, Pune-30.  
(Transferor)
- (2) Mr. V. V. Patankar & Mrs. M. V. Patankar,  
879/80 Budhwar Peth, Pune-2.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING  
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 24th April 1985

Ref. No. IAC ACT/CA-S/10347/84-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 4, Plot No. 35, S. No. 129, Ideal Colony, Kothrud, Pune-29, situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acq. Range, Pune (Feb. 1985) for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 4, Plot No. 35, S. No. 129, Ideal Colony, Kothrud, Pune-29.

(Area 600 sq. ft.)  
(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 10347/84-85 in the month of February 1985).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 24-4-1985.  
Seal :

## FORM ITNS—

- (1) M/s. Shilpashree Builders,  
C/o M/s. D. P. Amrute & Sons.  
Station Road, Thane.  
(Transferor)
- (2) M/s. Shree Ram Builders,  
25 New Bhattacharya,  
Opera House, Bombay-4.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 24th April 1985

Ref. No. IAC[ACQ]CA-5|8876|1984-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot of land A ditch typed and half filled in bearing survey No. 401 Hissa No. 5 and 3 situated lying and being at Village Kalwe within the limits of Thane situated at Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn., Range, Pune in Sept. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot of Land, A Ditch typed and half filled in bearing Survey No. 401, Hissa No. 5 and 3 situated lying and being at Village Kalwe within the limits of Thane Municipal Corporation.

(Area 5552 Sq. ft.)  
(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 8876|84-85 in the month of Sept. 1984).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 24-4-1985.  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE  
PUNE

Pune, the 24th April 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|6935|1984-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 5A/A3 New Sujata Co-operative Housing Society Ltd., Bund Garden Road, Pune-1, situated at Pune, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acq. Range Pune on October, 1984. Officer at I.A.C., Acq. Range, Pune, on October, 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mr. V. K. Singh,  
5A/A3 New Sujata Co-operative Housing Society Ltd.,  
Bund Garden Road,  
Pune-1.

(Transferor)

(2) Mr. Ismail Sahebdin Mulji,  
Mrs. Nargis Esmail Mulji,  
B-12 Vijay Apartment, Near Petrol Pump,  
Thana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 5A/A3 New Sujata Co-operative Housing Society Ltd., Bund Garden Road, Pune-1.  
(Area-840 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the IAC, Acquisition Range, Pune, under Document No. 6935/84-85 in the month of Oct. 1984).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Poona

Date : 23-4-1985

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE  
PUNE

Pune, the 24th April 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/6443/84-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. "Premolk Park" Flat No. 5 Building No. 65, Plot No. 65, A Type Chinchwad Akurdi Road, Chinchwad, Pune-33, situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acq. Range, Pune on September, 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Urban Land and Housing Pvt. Ltd., "Nirankar" 1st floor, 1133/5 F. C. Road, Shivajinagar, Pune-16.

(Transferor)

(2) Shri V. P. Sreedharan, C/o Thermax (P) Ltd., Heat Recovery Division, Chinchwad, Pune-19.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Premolk Park, Flat No. 5 Bldg. No. 65, Plot No. 65, A Type, Chinchwad Akurdi Road, Chinchwad, Pune, 33.  
(Area-781 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 6443/84-85 in the month of September 1984)

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Pune

Date : 24-4-1985

Seal :

## FORM ITNS

(1) Mr. Krishnarao S. Kulkarni,  
4 Yugandhar Housing Society, 233B[4]1  
Patvati, Pune-9.

(Transferor)

(2) Mr. Suhas R Barve and Mrs. Sushama R. Barve,  
C/o. Shri K. N. Desai, 759/118 A Deccan Gymkhana,  
Poona.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE  
PUNE

Pune, the 24th April 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA15/37EE/7520/84-85.—Whereas, I,

ANIL KUMAR,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 4, Hyde Park, S. No. 106/2A/11 Sub-Plot No. 4 & 5 Chaturshringi, Bhamburda, Pune-16, situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acq Range, Pune on November, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 4, Hyde Park, S. No. 106/2A/11, Sub Plot No. 4 Chaturshringi, Bhamburda, Pune-16.

(Area-725 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 7520/84-85 in the month of November, 1984.)

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Poona

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

37--86GI/85

Date : 24-4-1985.

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE  
PUNE**

Pune, the 24th April 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/2017/83-84/Deb.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. D-5 in "Ashoka Co-operative Housing Society CTS No. 3/1 & 3 (Part), Naylor Road, Pune-1, situated at Pune, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune in March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

**THE SCHEDULE**

Flat No.D-5 in "Ashoka Co-operative Housing Society CTS No. 3/1 & 3 (Part) Naylor Road , Pune-1, (Area-1000 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 2017/83-84 in the month of March 1984).

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 24-4-1985.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri M. R. Joshi,  
Partner M/s Om Builders,  
43/4, Bandwana,  
Pune-4,

(Transferor)

(2) Smt. H. A. Dhivan,  
Sanjeevan Hospital, Karve Road,  
Pune-4.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 25th April 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5[37EE/10518/1984-85.—  
Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 9 third floor, at C.T.S. No. 257/258 Erandwana, Pune-4 situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acq. Range, Pune in Feb. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 9 third floor at C.T.S. No. 257/258 Erandwana, Pune-4.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range Pune, under document No. 10518/84-85 in the month of February 1985).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 25-4-1985  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 25th April 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/10461/1984-85.—  
 Whereas, I, ANIL KUMAR,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the  
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
 to as the 'said Act'), have reason to believe that  
 the immovable property having a fair market value  
 exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing  
 No. B-12 on the IIId floor in Hermes Complex situated at  
 F. P. No. 203, S. No. 349 & part of 349 A1 Bungalow No.  
 6 Sir Bhandarkar Road, Pune City, situated at Pune City  
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
 has been transferred  
 under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office  
 of the Registering Officer  
 at I.A.C., Acqn. Range, Pune in Feb. 1985  
 for an apparent consideration which is less than the fair  
 market value of the aforesaid property and I have reason to  
 believe that the fair market value of the property as aforesaid  
 exceeds the apparent consideration therefor by more  
 than fifteen per cent of such apparent consideration and  
 that the consideration for such transfer as agreed to between  
 the parties has not been truly stated in the said instrument  
 of transfer with the object of :—

(1) M/s Hermes Agencies,  
 of 93 Family House, J. I. Road,  
 Bombay-14.

(Transferor)

(2) Shri Ramchand Atmaram,  
 Suresh Atmaram,  
 Dilipkumar Atmaram,  
 Fedder Road, 22 Deepak Building,  
 Bombay-26.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
 may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
 45 days from the date of publication of this notice  
 in the Official Gazette or a period of 30 days from  
 the service of notice on the respective persons,  
 whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION**—The terms and expressions used herein as  
 are defined in Chapter XXA of the said Act,  
 shall have the same meaning as given in that  
 Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
 of the transferor to pay tax under the said Act, in  
 respect of any income arising from the transfer;  
 and/or

**THE SCHEDULE**

B-12 on the IIId floor in Hermes Complex situated at  
 F. P. No. 203, S. No. 349 & part of 349 A1 Bungalow No.  
 6 Sir Bhandarkar Road, Pune City  
 ((Area 1075 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered  
 in the office of the I.A.C. Acquisition Range Pune, under  
 document No. 10461/84-85 in the month of February 1985).

ANIL KUMAR  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
 (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
 persons, namely :—

Date : 25-4-1985  
 Seal :

## F.O.C.M. ITNS.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 25th April 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/10157/1984-85 - -  
 Whereas, I, ANIL KUMAR,  
 being the Competent Authority under Section 269B of  
 the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
 to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
 property, having a fair market value exceeding  
 Rs. 1,00,000/- and  
 Land bearing S. No. 199, Hissa No. 1, 2, 3, 4, 5A, 5B, 5C,  
 6, 7 & 8 S. No. 204 Hissa No. 1, 2A, 4, 3A S. No. 205,  
 S. No. 206 Hissa No 1, S. No. 209, Hissa No. 1 of Village  
 Lohogaon situated in Lohgaon  
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
 1908) in the office of the Registering Officer at  
 I.A.C., Acq. Range, Pune on Feb. 1985  
 for an apparent consideration which is less than  
 the fair market value of the aforesaid property, and I  
 have reason to believe that the fair market value  
 of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-  
 tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent  
 consideration and that the consideration for such transfer as  
 agreed to between the parties has not been truly stated in the  
 said instrument of transfer with the object of--

(1) Gera Resorts Pvt. Ltd. a Pvt. Ltd. Company registered under the companies Act of 1956 having its registered office at 8/352 Boat Club Road, Pune-1 through its Managing Director, Kumar P. Gera.  
 (Transferor)

(2) Wg. Cdr Parakid Premkumar,  
 C/o Mr. K. B. Nath,  
 36, C/11 I.A.C., Colony, Kainna,  
 Bombay-29.

(Transferee)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property  
 may be made in writing to the undersigned :--**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :--**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

Land bearing S. No. 199, Hissa No. 1, 2, 3, 4, 5A, 5B, 5C, 6, 7 & 8 S. No. 204 Hissa No. 1, 2A, 4, 3A Survey No. 205 S. No. 206 Hissa No 1, S. No. 209, Hissa No. 1 of Village Lohogaon, Dwelling No. AA2 Gera Vihar.  
 (Area 932 sq. ft.)

Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range Pune, under document No. 10157/84-85 in the month of February 1985).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

ANIL KUMAR  
 Competent Authority  
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range,  
 Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date : 25-4-1985  
 Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 25th April 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37E/9735/1984-85.—  
 Whereas, I ANIL KUMAR,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S. No. 284/1 Plot No. 10, Chinchwad, Pune-33 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acq. Range, Pune on Feb. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (1) Shri Gajanan Damodar Garde,  
Sahasrabudhe Building,  
Lele Ali, Near Vinayak Printing Press,  
Tilak Chowk,  
Kalyan.  
(Transferor)
- (2) M/s. Kulkarni & Kulkarni,  
2153 Sadashiv Peth, Vijaynagar Colony,  
Pune-30.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

S. No. 284/1 Plot No. 10, Chinchwad, Pune-33.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No 9735/84-85 in the month of Jan. 85).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 25-4-1985  
Scal :

## FORM ITNS

(1) Nihil Enterprise,  
14 Bombay Poona Road,  
Near Bajaj Auto Showroom,  
Waladewadi, Shivajinagar,  
Pune.

(Transferor)

(2) Mr. R. G. Desai &  
Mrs. S. R. Desai,  
217, Aumdhon, Tata Camp,  
Pune-7.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 25th April 1985

Ref. No. IAC ACQ[CA-5]37EE/11611]1984-85.—  
Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No.

Flat No. 1 in B1 Building B Wing, at Chintaman Nagar, S. No. 128/1 Aundh, Pune-7.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at I.A.C., Acq. Range, Pune on Feb. 1985  
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 1 in B1 Building B Wing, at Chintaman Nagar, S. No. 128/1 Aundh, Pune-7.  
(Area 535 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No 11611]1984-85 in the month of February 1985).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 25-4-1985  
Seal :

**FORM I.T.N.S.****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, PUNE**

Pune, the 25th April 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/7168/1984-85.—  
 Whereas, I, ANIL KUMAR,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the  
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
 as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
 property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
 and bearing  
 Flat No. 14 in A Wing B3 Building at Chintaman Nagar  
 S. No. 128/1 Aundh, Pune-7.  
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
 of 1908) in the Office of the Registering Officer at  
 I.A.C. Acq Range, Pune on Feb. 1985  
 for an apparent consideration which is less than the fair  
 market value of the aforesaid property and I have reason to  
 believe that the fair market value of the property as aforesaid  
 exceeds the apparent consideration therefor by more than  
 fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
 consideration for such transfer as agreed to between the  
 parties has not been truly stated in the said instrument of  
 transfer with the object of :—

(1) Nihil Enterprises,  
 14 Bombay Poona Road,  
 Near Bajaj Auto Showroom,  
 Wakadewadi, Shivajinagar,  
 Pune.

(2) Mr. Suhas B. Patil,  
 C/o B. S. Patil.  
 Shree Shubh Mangal Co-operative Housing Society,  
 Bldg. No. 1, Block No. 1, Senapati Bapat Road,  
 Pune-16.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property  
 may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
 45 days from the date of publication of this notice  
 in the Official Gazette or a period of 30 days from  
 the service of notice on the respective persons,  
 whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
 able property, within 45 days from the date of the  
 publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as  
 are defined in Chapter XXA of the said Act,  
 shall have the same meaning as given in  
 that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
 of the transferor to pay tax under the said Act, in  
 respect of any income arising from the transfer;  
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
 moneys or other assets which have not been or  
 which ought to be disclosed by the transferee for  
 the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922  
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
 Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Flat No. 14 in A Wing B3 Building at Chintaman Nagar  
 S. No. 128/1 Aundh, Pune-7  
 (Area 515 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered  
 in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune, under  
 document No. 7168/84-85 in the month of Oct. 1984).

ANIL KUMAR  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
 persons, namely :—

Date 25-4-1985

Seal :

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 25th April 1985

Ref. No. IAC ACQ/C A-5/37EF/6536/84-85—Whereas, I ANIL KUMAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1 in B Wing, B1 Building a Chintaman Nagar, S. No. 128/1 Aundh, Pune situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Sept 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Nikhil Enterprises, 14 Bombay Poona Road, Near Bajaj Auto Showroom, Wakadewadi, Shivajinagar, Pune (Transferor)  
 (2) Mrs. Madhuri S Areas, 453 Shaniwai Peth, Pune-30. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 1 in B Wing, B1 Building, at Chintaman Nagar S. No. 128/1 Aundh, Pune. (Area 535 sq. ft.)  
 (Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune under document No. 6536/84-85 in the month of Sept. 1984)

ANIL KUMAR  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range, Poona

Date : 25-4-1985  
 Seal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate Proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

38-86GI/85

## FORM I.T.N.S.—

(1) Shri & Smt. K. J. Mhatre, Atmanand, Saraswat Colony, Santacruz (W) Bombay-54.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 25th April 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EF|10483|1984-85—Whereas, I ANIL KUMAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. 273304 sq. Mtrs. out of S. No. 24|1A-3 & 1-B Vacant Land under section 21 of UIC Act 1976 situated at Nasik (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Nov. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ...

(2) Shyamal Gupta, Ajay Gupta, Krishna Kumar Parashampuria, Hemant Parasrampuria, Promoters of Parashampuria & Gupta Builders Pvt. Ltd (Proposed) 1363 Shanti Sadan, Gupta Marg, Trimbuk Road, Nasik.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor to the Income-tax Act, 1921 (11 of 1921) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 10483|84-85 in the month of Nov. 1984).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 25-4-1985

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Jai Constructions, Bhayandar, Dist. Thane

(Transferor)

(2) Shri Krishnakumar N Aggarawal, Agarsen Road, Bhayandar, Dist. Thane.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 25th April 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5|9755|1984-85.—Whereas, I ANIL KUMAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 202, "Hing Laaj Building" Bhayandar (W) Dist. Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer I.A.C., Acqn. Range, Pune on Oct. 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Ojections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 202, 'Hing Laaj Building' Bhayandar (W) Dist. Thane (Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 9755|84-85 in the month of Oct. 84).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 25-4-1985

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, PUNE**

Pune, the 25th April 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/8922/Thane/84-85.—

Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Sector-17, Plot No. 43, CIDCO, Vashi, New Bombay, Flat No. 66 on 6th floor of Bldg. "Kuber" situated at Vashi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer I.A.C., Acqn. Range, Pune on Sept. 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) M/s. Billimoria Construction Pvt. Ltd.  
Wankhede Stadium "D" Road, Churchgate,  
Bombay-20.  
(Transferor)
- (2) Mrs. Ritadevi Shamsundar Bhasin,  
107/702, "Shiv-Om" 10th Road, Khar (W)  
Bombay.  
(Transferee)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—**

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice the service of notice on the respective persons, in the Official Gazette or a period of 30 days from whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Sector-17, Plot No. 43, CIDCO, Vashi, New Bombay, Flat No. 66 on 6th floor of Bldg. "Kuber". (Area 1850 sq. mts.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 8922/84-85 in the month of Set. 84)

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Date : 25-4-1985  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune the 26th April 1985,

Ref No IAC ACQ CA 5/37FE/16240/1984 85—Whereas I ANIL KUMAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No Vacant land of 430 sq yards out of Nos 46/1 46/3, 46/4 61/3 and 62/2 of G B Patharli Tikka No 42 C S No 9906 to 9913 in limits of Kalyan Municipal Corporation situated at Kalyan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I A C Acq Range Pune on Mar 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely —

(1) Shri G V Pathak 2 Shri P P Lawate, 3 Shri P N Patil 4 Shri V V Jain, M/s Gaj-Laxmi Constructions (Un R F) Vatve Building Manpada Road Dombivli (E) (Transferor)

(2) M/s Mahagauri & Co (Registered firm) 1 Dinesh S Purohit, 2 G R Nagpal 3 Bhurat D Purohit, Shop No 1 Shanti Sageti Apartments Opp Municipal Garden Nehru Road Dombivli (E) (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

## EXPLANATION

The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant land of 430 sq yards out of Nos 46/1, 46/3 46/4 61/3 and 62/2 of G B Patharli Tikka No 42, C S No 9906 to 9913 in limits of Kalyan Municipal Corporation and some construction on it (Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I A C Acquisition Range Pune under document No 16240 1984 85 in the month of March 1985)

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range Poona

Date 26/4/1985  
Seal

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri P. N. Kothari & K. P. Kothari,  
Kothari Family Trust, 9 Ellora Shopping Centre,  
Daftary Road, Bombay-97.  
(Transferor)
- (2) LILA Properties, 199 Gujurat Society, Lila Nivas,  
Sion, Bombay-22.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 26th April 1985.

Ref. No. IAC/ ACQ/CA-5/37EE/176/1984-85.—Whereas, I ANIL KUMAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Kothari Family Trust, Chitalsar Manpada, Tal. & Dist. Thane situated at Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on June 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

: 100S

## THE SCHEDULE

Kothari Family Trust, Chitalsar Manpada, Taluka & Dist. Thane. (Area 19920 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 176/1984-85 in the month of June 1984)

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property b) the issue of this notice under "the" section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 26-4-1985

Seal :

## FORM I.T.N.S.—

- (1) Mis Hermes Agencies,  
793 Family House,  
Jame Jamshed Road, Bombay-14.  
(Transferor)
- (2) Smt. Manisha R. Gopalani,  
Flat No. 201 Karpak Aspen, Bandra,  
Bombay.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 27th April 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/10154/1984-85.—Whereas,  
I, ANJL KUMAR,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value  
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing  
Flat No. 11 on the third floor in the Building  
"A" Hermes Complex situated at Final plot No. 203 New  
S. No. 349 & part of 349 A-1 Bhandarkar Road, Pune  
situated at Pune  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
I.A.C., Acq. Range, Pune on Feb. 1985  
for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the property  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

Flat No. 11 on the third floor in the building "A" Hermes  
Complex situated at Final Plot No. 203 New S. No. 349 &  
Part of 349 A-1 Bungalow No. 6 Bhandarkar Road, Pune.  
(Area 1075 sq. ft.).

Property as described in the agreement to sale registered  
in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under  
document No. 10154/84-85 in the month of February 1985.

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

ANJL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 27-4-1985  
Seal :

**FORM ITNB****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 27th April 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-S/37EE/9793/1984-85 — Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Gut Nos. 59|1 (Part), 59|21, 59|17, 59|28, 59|29, 59|22, 59|24 of Chitulsar Manpada, Dist Thane situated at Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acq Range, Pune on Oct. 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of . . .

(1) P. N. Kothari, & K. P. Kothari,  
Director of D. Dahayabhai & Co. Pvt. Ltd  
9 Ellora Shopping Centre, Daftary Road,  
Malad (E) Bombay

(Transferor)

(2) M/s. Parekh Properties,  
112-B Maker Towers, Cuffe Parade, Bombay-5,  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION** — The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

**THE SCHEDULE**

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

D. Dahayabhai & Co. Pvt. Ltd Gut Nos 59|1(Pt), 59|21, 59|17, 59|28, 59|29, 59|22 59|24 of Chitulsar Manpada, Dist Taluka Thane.

(Area 22760 sq. ft.).  
(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune, under document No. 9793/84-85 in the month of Oct 1984).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 27-4-1985  
Seal

**FORM ITNS**

(1) Shri J. H. & P. C. Parckh,  
408 A Ghopade Peth, Pune-2

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Ashvayug Hotels (P) Ltd Panchgani,  
Dist Satara

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

### ACOLISITION RANGE, PUNE

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Ref. No IAC ACQ/CA/37EF/11607/1984 85—Whereas  
I, ANJU KUMAR,  
being the competent Authority under Section 269B of the  
Income Tax Act, 1961 (37 of 1961) (hereinafter referred  
to as the "Competent Authority"), believe that the immovable  
property being a flat market value exceeding  
Rs 100/- is not bona fide.  
S. II. S. 27(4), T.I. Scheme No. 2,  
Punjab & Haryana  
stated at Panchkula  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).  
It is further stated that the Property in A-1908  
(15c) is now held by the Revenue Officer at  
IAC, Agra, pursuant to  
for a period of time which is less than the fair  
market value of property and I have been  
notified in the instrument of the property as aforesaid except the present consideration therefor by more  
than half a price of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XYA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any of the amounts due by such transferor and/or

## THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income Tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Weisheit Act, 1957 (27 of 1957).

S No 76-A Plot No 4, T P Scheme No 2, Panchgani,  
Dist Satara  
(A.L.A.)  
(Plot No 4) registered in the government to sale registered  
in the name of Mr. L. A. C. Agarkar in Rmp. Pune, under  
document No 116078485 in the month of February 1985.

**ANIL KUMAR**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-  
39-86G185

Dated , 27 4-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s Gurukrupa Builders,  
"Shat Tarka" Baji Prabhu Despande Marg,  
Vishnu Nagar, Naupada, Thana,  
(Transferor)

(2) M/s Raj Rajeshwari Builders,  
C-14, Mahavir Jyot,  
Vallabh Baug Lane Extn, Ghatkopar (E)  
Bombay-77.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 29th April 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/16166/1984-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. At Kolbad Gavthan, Tikka No. 8, CTS No. 193 & 195, Thane situated at Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acqn. Range, Pune on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

At Kolbad Gavthan, Tikka No. 8, CTS No. 193 & 195, Thane.  
(Area 28215 Sq. yards).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 16166/1984-85 in the month of March 1985)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Dated : 29-4-1985  
Seal ;

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE  
PUNE

Pune, the 29th April 1985

Ref. No. IAC|ACQ|CA-5|37EE|16308|1984-85.— Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Block No. H-10, Aaditya-Shilpa Co-operative Hsg. Society Ltd. Murbad Road, Kalyan, Dist. Thane, situated at Thane (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer I. A. C., Acq. Range, Pune in March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri M. P. Thankkar, Partner of M/s Subhash Builders, Aaditya-Shilpa Co-operative Hsg. Society Ltd. Murbad Road, Kalyan, Dist. Thane. (Transferor)  
 (2) Shri Alexander Adam D'souza, Sangam Villa, Mahadev Patil Wadi, Ghatla Road, Chembur, Bombay-71. (Transferee)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—**

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;  
 (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Block No. H-10, Aaditya-Shilpa Co-operative Housing Society Ltd. Murbad Road, Kalyan, Dist. Thane.  
(Area 607 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I. A. C., Acquisition Range, Pune, under document No. 16308/84-85 in the month of March 1985)

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
ACQUISITION RANGE  
Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 29-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Ms. Khinvasara-Chivani,  
22 Mukund Nagar, Poona-37

(Transferor)

## U. I. UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE  
POONA

Pune, the 30th April 1985

Ref. No. IAC-AQO/CA/S/371/10503/984/85.—Whereas,  
 I ANIL KUMAR,  
 Inspecting Assistant to the Commissioner of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) do hereby believe that the immovable property mentioned below exceeds in value Rs. 1,00,000/- and do, by  
 No. IAC-AQO/CA/S/371/10503/984/85 dated the 30th April 1985,  
 Schedule I hereto (hereinafter referred to as the Schedule),  
 (including the property mentioned in Part II of Schedule I hereto)  
 in accordance with section 269C(1)(b) of the said Act,  
 IAC-AQO/CA/S/371/10503/984/85 dated the 30th April 1985,  
 for in the opinion of the transferor is less than the fair market value of the said property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds its original cost or the value by more than ten per centum or is more than the duration of ten years from the date of acquisition of the property has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Flat No. 9 on 2nd floor on proposed building at S. No. 271 Plot No. 24 in Shridhavagur Chinchwad Pune 19 (Area 72 sq. ft.)

(Property acquired in the aforesaid date registered in the name of the I.A.C. Acq. Range Pune under document No. 10503/1984/85 in the month of February 1985)

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
ACQUISITION RANGE  
Poona

Now therefore in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 30-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS

- (1) Shri P. A. Limaye, S/o A. S. Ashoka Apartments,  
3 Nayak Road, Pune-1.  
(Transferor)
- (2) Mr. J. M. Patel, C/o Mr. R.S. Chahal,  
Flat A, 7th floor, Paramount Convent  
Housing Society, 1981 Convent Street,  
Pune-1.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE- PUNE

Pune, the 30th April 1985

Ref. No. IAC AV QL A.5/37 PT [753] 1984-85.—Whereas, I  
Anil Kumar  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,000/- and bearing  
No. Flat F B 1 on 6th floor of Paramount Housing Society,  
1981 Convent Street, Pune-1  
situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
(and more fully described in the Schedule annexed thereto) has  
been transferred by me on or after 1st Oct 1984 (1st Oct 1905)  
in the name of K. A. Limaye  
at I.A.C., Acq. Range, Poona, dated 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration thereon by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
money or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons namely :—

**Objections, if any, to the acquisition of the said property**  
may be made in writing to the undersigned :

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of  
publication of this notice in the Official Gazette

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XVA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat F B 1 on 6th floor of Paramount Housing Society,  
1981 Convent Street, Pune-1.

Area 633 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered  
in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under  
document No 7539/1984-85 in the month of Nov, 1984)

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Date : 30-4-1985

Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. Mutha Apartments,  
322/11 Shankshet Road, Pune-2.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Shantilal Nathmal Jain,  
68 New Timber Market, Pune-2.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE- PUNE

Pune, the 30th April 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/7512/1984-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. S-7, F.P. No. 473, Sub Plot No 18/B Gultekadi, Pune-37 situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acq. Range, Pune on Nov. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. S-7, F.P. No. 473, Sub Plot No. 18/B, Gultekadi, Pune-37.

(Area).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 7512/1984-85 in the month of Nov. 1984.

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Due: 30-4-1985

Seal :

## FORM ITNS

- (1) M/s. Renuka Builders,  
Kulgaon Post, Tal. Ulhasnagar, Dist. Thane.  
(Transferor)
- (2) Mr. Suresh Madhavrao Rupaji,  
336 J.S. Road, Thakurdwar, Bombay.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE- PUNE

Pune, the 30th April 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/9104/1984-85.—Whereas, I ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. I-20 at Plot 62/16, 87/2 etc. at Kulgaon situated at Kulgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Oct. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

I-20 a Plot 62/16, 87/2 etc. at Kulgaon. (Area 665 sq ft.)  
(Property as described in the agreement to sale registered in the office of th I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 9104/1984-85 in the month of Oct. 1984)

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

No v, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Due : 30-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) M/s Renuka Builders,  
Kalyan Port, Tal. Ulhasnagar, Dist. Thane.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr Devendra Madhavrao Rupani,  
336 JS Road, Thakurwadi, Bombay-2  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE- PUNE

Pune, the 30th April 1985

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

R.F. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/9101/1985—Whereas, I ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "Said Act") has reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. I/21 at Plot No. 82/7 at Kalyan situated at Kalyan

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration Officer at at I.A.C., Aman Range, Pune on Oct 15/84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 3 months from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

I/21 at Plot No. 82/7 at Kalyan (Area 665 sq. ft.)  
(Property was issued in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Aman Range, Pune, under document No. 9101/1984-85 in the month of Oct 84)

(b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 30-4-1985  
Seal:

**FORM ITNS—**

- (1) Hariyav Pralhad Joshi, Prop. M/s H.P. Joshi & Co. 674 Sadashiv Peth, Pune-30.  
(Transferor)
- (2) Mrs Jayshree Janardhan Sure, "Matri Kripa" Block No. 20, 962 Sadashiv Peth, Near Nagnathpur, Pune-30.  
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE- PUNE**

Pune, the 9th April 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/6966/1984-85.—Whereas, I

**ANIL KUMAR**

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Flat No. 11 on the IIInd floor in the proposed housing Scheme at Plot No. 645 & 646 Sadashiv Peth, R.B., Kumthekar Road, Pune-30 situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Oct. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Flat No. 11 on the IIInd floor in the proposed housing Scheme at Plot No. 645 & 646 Sadashiv Peth, R.B. Kuthekar Road, Pune (Area 526 sq. ft.).

Property as described in the agreement to sale registered in the office of th I.A.C. Acquisition Rang, Pune, under document No. 6966/84-85 in the month of Oct. 1984)

**ANIL KUMAR**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Date : 9-4-1985  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 9th April 1985

Notice No. 902/84-85.—Whereas, I,  
**R. BHARADWAJ,**  
 being the Competent Authority under Section 269B of  
 the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred  
 to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
 property, having a fair market value exceeding  
 Rs. 100,000/- and bearing  
 C S No. 139

situated at Asif Gunj, Opposite Vegetable Market, Gulbarga  
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
 has been transferred  
 under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office  
 of the Registering Office at Gulbarga  
 under document No. 1600/dt, 22-9-1984  
 for an apparent consideration which is less than the fair  
 market value of the aforesaid property, and I have reason  
 to believe that the fair market value of the property as  
 aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
 more than fifteen per cent of such apparent consideration  
 and that the consideration for such transfer as agreed to between  
 the parties has not been truly stated in the said instrument  
 of transfer with the object of :—

(1) 1. Shri Ajit Kumar S/o Shivalal Mehata,  
 2. Indiraji S/d Shivalal Mehata,  
 3. Sanjeevakumar S/o Shivalal Mehata,  
 all resident of Gazipura,  
 Gulbarga.

(2) Shri Akbar Ali Khan S/o Md. Shair Ali Khan,  
 r/o House No. 1-125, Station Bazar,  
 Gulbarga.

(Transferee)

(Transferor)

Objection if any to the acquisition of the said property  
 may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
 of 45 days from the date of publication of this  
 notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
 from the service of notice on the respective persons,  
 whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
 property, within 45 days from the date of the  
 publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
 are defined in Chapter XXA of the said  
 Act, shall have the same meaning as given  
 in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
 of the transferor to pay tax under the said Act, in  
 respect of any income arising from the transfer;  
 and/or

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1600 dated 22-9-1984]  
 The property situated at Asif Gunj, Gulbarga bearing  
 municipal No 3-139 admeasuring 18181 sq. ft.

(b) facilitating the concealment of any income or any  
 moneys or other assets which have not been for  
 which ought to be disclosed by the transferee for  
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
 Act, 1957 (27 of 1957);

R. BHARADWAJ  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
 persons, namely :—

Date : 9-4-1985

Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE  
BANGALORE-560 001

Bangalore-56 001, the 9th April 1985

Ref. Notice No. 903/84-85.—Whereas I,  
**R. BHARADWAJ,**  
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing  
 No. Door No. 18  
 situated at Vijayalalmi Road, Davanagere  
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
 has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at  
 Davanagere under document No. 3275/dt. 12-9-1984  
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Sannappa Kuruvattappa Gadagimathad,  
 2. G. Vishwanath S/o Sannappa Gadagimathad,  
 3. G. Shanmukappa S/o Sannappa Gadagimathad,  
 4. G. Murugesh S/o Sannappa Gadagimathad,  
 all r/o 5th ward Middle class colony,  
 Davanagere.

(Transferor)

(2) Shri A. Kotreppa S/o Andanoor Channappa,  
 4th ward, 6th division, Davanagere City.  
 Davanagere.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3275 Dated 12-9-1984.]

Building situated at Vijayalakshmi Road, Davangere city door No. 18 admeasuring 112' X 14'.

**R. BHARADWAJ**  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 9-4-1985

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 9th April 1985

Ref. Notice No. 904/84-85.—Whereas I,  
**R. BHARADWAJ**,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. R. S. No. 200/1  
situated at Hindawadi, Belgaum  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority  
Belgaum under document No. 2375/dt. 26-9-1984  
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sow. Shakuntala Maruti Jadhav,  
r/o 1228, Konawal Galli,  
Belgaum.

(Transferor)

(2) Shri Shaitharam Damodar Vernekar,  
Kore Golli Shahapur  
Belgaum.

(Transeree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

[Registered Document No. 2375 Dated 26-9-1984.]

Open plot situated at Hindawadi Belgaum under R. S. No. 200/1, Plot No. 74 admeasuring 5124 Sq. Feet.

**R. BHARADWAJ**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 9-4-1985

Seal :

**FORM I.I.N.S.—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE  
BANGALORE-560 001**

Bangalore-560 001, the 9th April 1985

- (1) Smt. Sulochana Sangappa Kuppasad and her 6 children  
 2. Rajkumar Kuppasad,  
 3. Nataraj Kuppasad,  
 4. Mallikarjun Kuppasad M/g by Smt. Sulochana Sangappa Kuppasad,  
 5. Basavaraj Kuppasad M/g by Smt. Sulochana Sangappa Kuppasad,  
 6. Mahantesh Kuppasad M/g by Smt. Sulochana Sangappa Kuppasad,  
 7. Smt. Rajeshwari w/o Shankarappa,  
 r/o Shimoga GPA holder Smt. Sulochana Sangappa Kuppasad,  
 14th Cross, Margosa Road,  
 Door No. 42-1A, Malleshwaram extension,  
 Bangalore.

(Transferor)

- (2) A. S. Veeranna s/o Athani Shantha Veerappa,  
 M. C. C. B. Block, door No. 2877,  
 Davanagere,

(Transferee)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(iv) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

[Registered Document No. 3236 Dated 13-9-1984.]  
 Open site situated at M. C. C. Block No. A Davanagere measuring 85' x 142'.

R. BHARADWAJ  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range, Bangalore

Date : 9-4-1985  
 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 9th April 1985

Ref. Notice No. 906/ 84-85.—Whereas I,  
**R. BHARADWAJ**,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the  
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
 to as the 'said Act'), have reason to believe that  
 the immovable property having a fair market value  
 exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing  
 No Door No. 612  
 situated at 1st ward, 1st Division, Davanagere City  
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
 Davanagere under document No. 3368/dt. 17-9-1984  
 for an apparent consideration which is less than the fair  
 market value of the aforesaid property and I have reason to  
 believe that the fair market value of the property as  
 aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
 more than fifteen per cent of such apparent consideration and  
 that the consideration for such transfer as agreed to between  
 the parties has not been truly stated in the said instrument  
 of transfer with the object of —

(1) Sri Bikkikatti H. Choudappa  
 s/o B. Hanumantappa  
 r/o 5th Ward, Vinobhanagar Extension  
 Housing Board quarters,  
 Davanagere.

(Transferor)

(2) Shri  
 s/o L  
 2. Ishwarappa s/o Late Shivappa Uppin  
 3. Chandappa s/o Late Shivappa Uppin  
 all resident of 1st ward, Kayipeth,  
 Davanagere.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
 may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
 45 days from the date of publication of this notice  
 in the Official Gazette or a period of 30 days from  
 the service of notice on the respective persons,  
 whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
 able property, within 45 days from the date of the  
 publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as  
 are defined in Chapter XXA of the said  
 Act, shall have the same meaning as given  
 in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
 of the transferor to pay tax under the said act, in  
 respect of any income arising from the transfer;  
 and/or.

(b) facilitating the concealment of any income or any  
 moneys or other assets which have not been or  
 which ought to be disclosed by the transferee for the  
 purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax,  
 Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3368 Dated 17-9-1984.]

One building situated at first division Kayipeth Davanagere  
 under municipal No. 612 and measuring (135' x 134')  
 2125 sq. ft.

**R. BHARADWAJ**  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
 Act, I hereby intiate proceedings for the acquisition of the  
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
 ing persons, namely :—

Date : 9-4-1985  
 Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) K. T. Lokanathan s/o Late Sri Tangavelu,  
10 Door No. 62/D, Hudko Colony,  
Bhadravathi.

(Transferor)

(2) Dr. P. Kanesh s/o G. Pundalik  
c/o Sharada Clinic & Laboratories,  
K. J. J. Nagar Extension,  
Davanagere.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 9th April 1985

Ref. Notice No. 907/1984-85.—Whereas I,  
R. BHARADWAJ,being the Competent Authority under Section 269-B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing No.Khata No. 3333/S. No. 3748,  
situated at B. H. Road, Bhadravathi town  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has, been transferred under the Registration Act, 1908, (16  
of 1908) in the Office of the Registering Office at  
Badravathi under document No. 494 dt. 5th December 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen percent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the pub-  
cation of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 494 Dated 5-12-1984.]

Building situated at B. H. Road, Bhadravathi Town under  
khata No. 3333 admeasuring 128' × 95'.R. BHARADWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, BangaloreNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—Date : 9-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s Southern Travelling Co. Ltd.,  
19/2 Cunningham Crescent Road,  
Bangalore-560001.

(Transferor)

(2) M/s Asta Offset Printers (P) Ltd.,  
214/33, 7th Main Vasanthanagar,  
Bangalore-560052.

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**  
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT**  
**COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**  
**ACQUISITION RANGE,**  
**BANGALORE-560 001**

Bangalore-560001, the 15th April 1985

Ref. No. C.R. No. 62/R-1614/37EE/84-85/ACQ/B.—  
 Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 50 cents in R.S. No. 60.7 situated at Hosabettu Panchayat, Hosabettu Village, Bangalore Taluk,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Bangalore under Registration No. 1384 Dt. 15-4-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION.**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

**THE SCHEDULE**

(Registered Document No. 1384/85-86 Dated 15-4-85).

50 Cents in R. S. No. 60.7 Hosabettu Panchayat, Hosabettu Village, Mangalore Taluk, South Kanara.

R. BHARDWAJ  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range,  
 Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 15-4-1985  
 Seal :

**FORM ITNS**

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**  
**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560 001**

Bangalore-560001, the 11th April 1985

Ref. No. C.R. No. 62|Notice No. 804|84-85|ACQ|B—  
Whereas, I, R. BHARDWAJ,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as  
the "said Act"), have reason to believe that the immoveable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing No.

Survey No. 20|1 situated at Corlim Village, Goa  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Ilhas, Goa under Document No. 764|201 Dt. 15-9-1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of .

- (1) Domingos Jose Crissanto Charles Fernandes and  
his wife Ana Severina Fernandes,  
Bamon Vaddo, Candolim,  
Bardiz, Goa.  
(Transferor)
- (2) Malaquias Gabrich de Meruzes,  
H. No. 304, Gaon Karvaddo, Belim.,  
Ilhas, Goa.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of  
the publication of this notice in the Official  
Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in the Chapter.

(a) facilitating the reduction, or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,

**THE SCHEDULE.**

(Registered Document No. 764|201 dated 15-9-1984).

All that plot No 1 of the property known as "Chad  
Oiteral" (under Survey No. 20|1) admeasuring about 729.25  
sq. ms situated at Fla, Parish of St. Luzia, Grampanchayat  
of Corlim Village. Tioiwadi Taluk, Sub Dist of Ilhas, Goa.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Bangalore

Date : 11-4-1985  
Seal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons namely :—

H—86GI/85

**FORM ITNS**

(1) Mr. Joseph Michael Pereira,  
Siolum, Bardiz,  
Goa.

(Transferor)

(2) Rajanikant Rama Borkai,  
Salvador de Mundo, Bardiz,  
Goa.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560 001**

Bangalore-560 001, the 11th April 1985

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:**

Ref. No. C.R. No. 62/R-1358/37EE/84-85/ACQ/B.—

Whereas, I, R. BHARDWAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

Plot No. 15, Survey No. 3-A situated at Mapura Barz, Goa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Bangalore under Registration No. 1250/84-85 dt. 24-9-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

(Registered Document No. 1250/84-85 dated 24-9-84).  
Plot No. 15 admeasuring about 390.07 sq. ms. Property known as "Como Soddo" situated in the town of Mapusa, Sub Dist of Bardiz Taluk, District of Goa bearing Survey No. 3-A.

R. BHARDWAI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. Rajesh Enterprises,  
Managing Director,  
Sri L. Srichand, 834, Mount Road,  
Madras-600002.

(Transferor)

(2) Mr. Abdul Nasir and  
Mr. Abdul Khalil  
11, Andree Road, Shanthinagar,  
Bangalore-560027.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560 001

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Bangalore-560 001, the 16th April 1985

Ref. No. C.R. No. 62/R-1591/37EE/84-85/ACQ/B.—

Whereas, I, R. BHARDWAJ,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. C 9th floor situated at 28, Sankey Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Bangalore under Registration No. 1377/84-85 Dt. 23-2-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1377/84-85 dated 23-2-85).

Flat No. C on 9th floor, Golfink Apartments 28, Sankey Road, Bangalore.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 16-4-1985  
Seal .

**FORM IIMS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX**ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th April 1985

Ref. No. 6[Sept. 84]R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

R. S. No. 4246[2 situated at Mylapore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras Central[Doc. No. 889|84 on Sept. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sri S' P. S. S. Pichappa,  
s/o Shanmuganathan,  
6, II St., Sait Colony, Egmore,  
Madras-8.

(2) Sri V. J. Rooban,  
s/o Vadivelu,  
5, Kamacasar Salai,  
Ramakrishnanagar,  
Madras-28.

(Transferor)

(Transferee)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

I land at R. S. No. 4246[2, Mylapore,  
Madras Central[Doc. No. 889|84,

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 29-4-1985  
Seal.

**FORM ITNS**

(1) Sri Akila Balan,  
26, 6th Main Road,  
Madras-28.

(Transferor)

(2) Dr. V. K. Ashok,  
No. 9, Sanskrit College Road,  
Madras-4.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th April 1985

Ref. No. 8[Sept. 84]R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Vacant land in Plot No. 18, S. No. 6144 Palavakkam Village Saidapet Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Madras Central Doc. No. 907[84 on September 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Vacant land in Plot No. 18, S. No. 614A, Palavakkam Village, Saidapet Taluk.  
Madras Central Doc. No. 907[84.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 29-4-1985

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQISITION RANGE-II  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th April 1985

Ref. No. 10/Sept. 84/R-II.—Whereas, I,  
MRS. M. SAMUEL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing  
No. 7, North Gopalapuram, I St., situated at Madras-86  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer  
Madras Central Doc. No. 978/84 in September 1984  
Date : 29-4-1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(1) Shri P. Prabhakar and others,  
No. 7 North Gopalapuram,  
First St., Gopalapuram,  
Madras-86.

(Transferor)

(2) Shri A. Rajamani,  
No. 2, 4th St., Gopalapuram,  
Madras-86.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
money or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land and building 7, North Gopalapuram, I St., Madras-86.  
Madras Central Doc. No. 978/84.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 29-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS

- (1) Shri R. Jayaraman,  
45, Subramania Iyer St.,  
Abhiramapuram, Madras-18  
(Transferor)
- (2) Smt. N. Parvathi Ammal,  
1, Mandapum St., Madurantakam,  
Chingleputt District  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING  
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th April 1985

Ref. No. 58|September 84|R-II.—Whereas, I,  
MRS. M. SAMUEL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
5, First Loop St. Mandavelipakkam, situated at Madras-28  
R. S. No. 4131  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, (16 of  
1908) in the Office of the Registering Office at  
Mylapore|Doc. No. 1225|84 in September 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration to such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

Land and building :—Door No 5, First Loop St. Man-  
davelipakkam, Madras-28.  
Mylapore|Doc. No. 1225|84

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act  
1957 (27 of 1957).

MRS. M. SAMUEL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Date : 29-4-1985  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of section 269D of the said Act to the following persons  
namely :—

**FORM ITN3****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-II  
MADRAS-600 006**

Madras-600 006, the 29th April 1985

Ref. No. 59|Sept. 84|R-II.—Whereas, I,  
**MRS. M. SAMUEL**,  
 being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing  
 No. 21, Narasimhapuram Saiba Colony, situated at Madras-4  
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore|Doc. No. 1257|84 in Sept. 1984  
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri A. R. Krishnan,  
 Shri A. R. Srinivasan,  
 Sri A. R. Gopal,  
 Sri A. R. Varadarajan,  
 No 21, Narasimhapuram Madras 4  
 (Transferor)

(2) Sri S. N. Iyer,  
 12, Mandaveli S'. Madras-28.  
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

**THE SCHEDULE**

Land and building 21, Narasimhapuram Saiba Colony,  
 Madras-4

R. S. No. 3584|1,  
 Mylapore-Doc No. 1257|84.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**MRS. M. SAMUEL**  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range II  
 Madras-600 006

Date - 29-4-1985  
 Seal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

(1) Sri R. Rangarajan and Ramarajan,  
No. 8, Appu Mudali St., Extn  
II Lane, Dadiyur.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th April 1985

Ref. No. 62/Sept. 84/R-II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing R. S. No. 2561 situated at Mylapore Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Mylapore[Doc. No. 1282/84] in September 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Sri M. Jagadeesan,  
Klathambade Post,  
Thiruthuraiapandi Taluk,  
Thanjavur Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and / or

## THE SCHEDULE

Land and building : Mylapore Village comprised in R.S. No. 2561 of an extent of 1 ground 600 sq. ft.  
Mylapore[Doc. No. 1282/84].

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range II  
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

42-86GI/85

Date : 29.4.1985

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th April 1985

Ref. No. 64/Sept. 84/R-II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 484, Mandaveli, Mylapore situated at Mylapore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mylapore-Doc No. 1318/84 in September 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sri S. Ramachandran,  
20, 4th Frost Cross Street,  
Mandavelipakkam,  
Madras-4.

(2) Mrs. Revathy Ramakrishnan  
No. 15, Norton St.,  
Madras-28.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferee;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

Land and building : No. 484, Mandaveli, Mylapore-Extent : 2400 sq. ft. Mylapore|Doc. No. 1318/84.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 29-4-1985

Seal :

## FORM IIIS—

- (1) Smt. Mallika Raman,  
11, Bhaktavatsalam, Madras-20.  
(Transferor)
- (2) Sri P. B. Aravamudha Iyengar, and  
2. A. Jagannathan, residing at  
4. Nainiappan St., R. A. Puram.  
Madras-28.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th April 1985

Ref. No. 72/Sept. 84|R.-II.—Whereas, I,  
MRS. M. SAMUEL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
11, Bhaktavatsalam Nagar, III St. situated at Adyar,  
Madras-20 T. S. No. 46  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Adyar[Doc. No. 2413|84 in September 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property is  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transfer to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

Land and Building : No. 11, Bhaktavatsalam Nagar, III  
St., Adyar, Madras-20, T. S. No. 46.  
Adyar[Doc. No. 2413|84,

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range II  
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under  
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the  
following persons, namely :—

Date , 29-4-1985  
Seal:

## FORM LT.NS.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
  
ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006

(1) Smt. Deivanayaki alias Valliammal,  
W/o K. Natesa Chettiar,  
No. 102, Lattice Bridge Road, Adyar,  
Madras-20.

I

(Transferor)

- (1) Sri P. P. Kunhavaran,  
380, Anna Salai,  
Madras-15.
2. Sri P. P. Ibrahim,  
S/o Mr. Pokker, M  
No. 110, Chambers Road, Tohnampet,  
Madras-18.
3. Sri P. Hassan,  
S/o Mr. Kunhikoya,  
No. 133, Flower St., Saidapet,  
Madras-15.

(Transferee)

Madras 600 006, the 29th April 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. 77/Sept.84/R.11.—Whereas, I,  
MRS. M. SAMUEL,  
being the Competent Authority under Section 269AB of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Door No. 102 (Old Door No. 34) Lattice Bridge Road,  
or Dr. Muthulakshmi Salai, Adyar, Madras-20  
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
Adyar/Doc. No. 2467/84 on Sept. 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
monies or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land and building : Door No 102, Old Door No 34,  
Lattice Bridge Road, also known as Dr. Muthulakshmi Salai  
Adyar, Madras-20.

Adyar/Doc No 2467 84

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Date : 29-4-85

Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. S. Laxmi. Ammal  
41, T.P. Koil Street.  
Madras-6.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri B. Sasthuri,  
63, C, N. Krishnaswamy Road,  
Madras-600005.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600006

Madras-600006, the 29th April 1985

Ref. No. 88/Sept.84/R.H. Whereas, I,  
MRS. M. SAMUEL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing No.  
41, T.P. Koil Street, Madras-600005  
Ward 2 situated at K. R. Puram Joint II Sub-Dist.  
and more fully described in the Schedule annexed hereto,  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
Joint II Petham II Karaiyadi—Doc. No. 1634/84  
Triplicane Doc. No. 598/84 on Sept. 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument or  
transferred with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer,  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
money or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XVA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building : 41, T.P. Koil Street, Madras-600005.  
Triplicane/Doc. No. 598/84

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 29-4-85  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006**

Madras 600 006, the 29th April 1985

Ref. No. 128/Sept.84/R.H.—Whereas, I,  
**MRS. M. SAMUEL**,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S. No. 1382/A in Vellachery Village situated at Mamblam—Gunindy Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vellachery Village, Mamblam—Gunindy Taluk, Saidapet/Doc. No. 930 84 on Sept. 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Dr. Hameed Hussain  
117, Mount Road, Saidapet,  
Madras-15.

(2) Messrs. Vijay India Construction,  
Rep. by—  
Mr. V. Gunasekaran,  
10, Second Avenue, Indira Nagar,  
Madras-20.

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

**THE SCHEDULE**

Land and building : 10,226 sq ft in S. No. 1382/A in Vellachery Village, Mamblam—Gunindy Taluk.

Saidapet—JSR-II, Doc. No. 930/84

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**MRS. M. SAMUEL**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 29-4-85  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II.  
MADRAS-600 006

Madras 600 006, the 29th April 1985

Ref. No. 188/Sept.84/R.H.—Whereas, I,  
MRS. M. SAMUEL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing No.

R.S. Puram, situated at Coimbatore-2 extension  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
Coimbatore/Doc. No. 4204/84 & 4207/84 on Sept. 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen percent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(1) Sri Shyamji Jamnadas Dutia,  
S/o Late Jamnadas Dwarkadas,  
13/75, West Ponnurangam Road,  
R.S. Puram,  
Coimbatore-641002.

(Transferor)

(2) Smt. Chandra Ashok Daga  
W/o Ashok Damji Daga,  
51, Arokiyaswamy Road,  
R.S. Puram,  
Coimbatore-641002.

2. Sri Asok Damji Daga  
Son of Sri Damji Velji,  
51, Arokiyaswamy Road,  
R.S. Puram,  
Coimbatore-641002.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Land and building . Old ward No 8, New Ward No. 19,  
T.S. No 349, R.S. Puram, Coimbatore-2.  
Coimbatore/Doc. No. 4204 /4207/84

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons namely :—

Date : 29-4-85

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006

Madras 600 006, the 29th April 1985

Ref. No. 213|Sept.84|RJI.—Whereas, I,  
MRS. M. SAMUEL,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-  
able property having a fair market value exceeding Rs.  
1,00,000/- and bearing  
S.F. No. 1043 & 144, Site No. 84, Coimbatore Taluk,  
Anupparpalayam village  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
Coimbatore/Doc No. 3946/84 on Sept. 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to bet-  
ween the parties has not been truly stated in the said instru-  
ment of transfer with the object of :—

(1) Sri K. Noor Mohamed  
S/o I. S. Kader Moideen,  
7, Khondul Moideen Colony,  
Bypass Road,  
Coimbatore.

(Transferee)

(2) Sri M. A. Kuddes S/o M. Mohamed,  
22, Ramaswamy Naicken St., Fort,  
Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

Land : S.F. No. 143 and 144, Site No. 84, Anupparpalayam  
Village, Coimbatore Taluk.

Coimbatore Do No. 3946/84

(b) facilitating the concealment of any income of any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 29-4-85  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006

Madras 600 006, the 29th April 1985

Ref. No. 237/Sept.84/R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1 00 000/- and bearing No. 19th Ward, Kamraj Road situated at Thiruppur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Tiruppur/Doc. No. 1643/84 on Sept. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
43—86GT/85

- (1) Sri S. K. Kader  
S/o Syed Sagan Sayubu  
Angeripalayam Road,  
Azad Manzil,  
Thiruppur Town.
- (2) Sri K. Syed Haroon Rasheed,  
Sri K. Syed Salik,  
Sri K. Syed Yakathusman,  
Sri K. Syed Hosir Hamsa,  
S/o S. A. Kader, Azad Manzil,  
Angeripalayam Road,  
Thiruppur Town.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building : 19th Ward, Kamraj Road, Palladam Taluk, Thiruppur Village, Thiruppur.  
Tiruppur/Doc. No. 1643/84

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Madras-600006

Date : 29-4-85  
Seal :

## FORM NO. ITNS

(1) Sri M. Veerappa Mudaliar,  
94A, M. T. P. Road.  
Coimbatore.

(Transferor)

(2) Smt. R. Subbulakshmi,  
W/o A. S. Ramasamy,  
101 R. C. M. Lay out,  
Kattoor.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAXACQUISITION RANGE-II  
MADRAS-600 006.

Madras, the 27th April 1985

Ref. No. 156|Sept. 84|R.II.—Whereas, I,  
MRS. M. SAMEUL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing  
S. No. 242|1, S. F. 41|1A,  
situated at Sanganoor Village, Coimbatore Taluk.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhipuram|Doc. No. 3347|84 on September 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and Building S. No. 242|1, S. F. 41|1A, Sanganoor Village, Coimbatore Taluk, Gandhipuram|Doc. No. 3347|84.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Date : 27-4-1985  
Seal :

## FORM ITN8

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II  
MADRAS-600 006.

Madras, the 27th April 1985

Ref. No. 157|Sept. 84|R.II.—Whereas, I,  
**MRS. M. SAMEUL**,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
 situated at Naickanoor Village : Coimbatore,  
 (and more fully described in the Scheduled annexed hereto)  
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer  
 Gandhipuram Doc. No. 3362 84 on Sep. 1984  
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Secretary, The Chintamani Employees' Cooperative Building Society, SLMHSG 23, Sri Purushothaman, S/o Thirumalaisamy Kumarar, R. S. Puram, Coimbatore Taluk.

(Transferor)

(2) Sri K. Narayanan, S/o Sri Karuppanchettiar, The Coimbatore District Consumers Cooperative Wholesale Stores Ltd. No. K. 881, Special Officer, Sri K. Narayanan, R. S. Puram, (P.O.) Coimbatore Town.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land : S. No. 407 and 399, Naicknoor Village, Coimbatore Taluk, Gandhipuram|Doc. No. 3382|84.

MRS. M. SAMUEL  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range-II  
 Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 27-4-1985  
 Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II  
MADRAS-600 006.

Madras, the 27th April 1985

Ref. No. 172|Sep. 84|R.II.—Whereas, I,  
MRS. M. SAMEUL,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs.  
1,00,000/- and bearing No.  
Land Ponneri Village.  
situated at Ponneri Village.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Udumalpettai|Doc. No. 2023, 2024, 2025|84, on Sep. 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to be  
between the parties has not been truly stated in the said instru-  
ment of transfer with the object of :—

(1) Sri V. Srinivasan,  
S/o Vadivel Mudaliar,  
104, Thirippur Road,  
Arippalayam,  
Udumalpettai.

(Transferor)

(2) Sri V. Vidyasagar,  
S/o Vengadasamy Naidu,  
Acting Chairman,  
The SIMA Cotton Development and Research  
Association, Shanmuga Mandram,  
Race Course Road,  
Coimbatore Town.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immo-  
vable property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer,  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land : Ponneri Village : No. 221|8, 221|7A, 221|11. Udu-  
malpettai|Doc. No. 2023, 2024, 2025|84.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Date : 27-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. Process Systems and Controls (P) Ltd,  
Dr. Ambedkar Road,  
Velandipalayam,  
Coimbatore-25.

(Transferor)

(2) M/s. Lakshmi Associates,  
No. 91, S. R. P. Nagar,  
Coimbatore.

(Transferee)

Objectioins, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meannig as given in that Chapter.

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II  
MADRAS-600 006.

Madras, the 27th April 1985

Ref. No. 195|Sep. 84|R.H.—Whereas, I,  
MRS. M. SAMEUL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Telugupalayam Taluk S. F. No. 498|181.

situated at Coimbatore Taluk.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Coimbatore|Doc. No. 3399|84, on Sep. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

## THE SCHEDULE

Land : S. F. No. 498|181, Extent 1.28 acres, Telungupalayam Village, Coimbatore|Doc. No. 3399|84.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1952)

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date :27-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II  
MADRAS-600 006.

Madras, the 27th April 1985

Ref. No. 1961/Sep. 84/R.II.—Whereas, I,  
**MRS. M. SAMEUL**,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
T. S. No. 81423,  
situated at Krishnasamy Mudaliar Road, Coimbatore Town,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Coimbatore [Doc. No. 3566, 2568]84 on Sep. 1984  
for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefor by more than fifteen per cent of such apparent  
consideration and that the consideration for such transfer  
as agreed to between the parties has not been truly stated in  
the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) or Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

- (1) M/s. Devi Builders,  
Rep. By Managing Partners, P. C. Thirumoorthy,  
No. 31, Krishnasamy Mudaliar Road,  
Coimbatore.  
(Transferor)
- (2) M/s. Petrofils Coop. Ltd.,  
Authorised signatories Subhasis Das.,  
No. 27, Barakhamba Road,  
New Delhi-110 001.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at Krishnasamy Mudaliar Road, T. S. Nos. 81423,  
Plot No. 7, Coimbatore Town. Coimbatore [Doc. No. 2566]84  
& 3568]84.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Date : 27-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Sri S. Vaidyanathakrishnan,  
S/o Seetharama Iyer, (2) Sri V. Seetharaman,  
(3) Minor V. Kumarakrishnan,  
No. 68, Samy Iyer, Puduveedhi,  
Coimbatore.

(Transferor)

(2) Sri R. Vaidyanathan,  
S/o P. N. Rama Iyer,  
50, Ponniarajapuram,  
Coimbatore Town.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II  
MADRAS-600 006.

Madras, the 27th April 1985

Ref. No. 199/Sep. 84/R.II.—Whereas, I,  
MRS. M. SAMEUL,  
being the Competent Authority  
under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of  
1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have  
reason to believe that the immovable property, having a  
fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing No.

T. S. No. 7/139/1, Survey No. 3100, 3101,  
situated at Kumarpalayam.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Coimbatore[Doc. No. 3708/84, on 25/4/1984]

for an apparent consideration  
which is less than the fair market value of the aforesaid property  
and I have reason to believe that the fair market value  
of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-  
tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent  
consideration and that the consideration for such transfer as  
agreed to between the parties has not been truly stated in the  
said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any  
money or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Land : T. S. No. 7/169/1, Survey No. 3100, 3101, Kumara-  
palayam, Coimbatore Town. Coimbatore[Doc. No. 3708/84].

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-  
tion (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Date : 27-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS

- (1) Shri S. Vaidyanathakrishnan,  
S/o. Shri Seetharamaiyer,  
2. Seetharaman, S/o. Vaidyanathakrishnan,  
3. Smt. V. Thaiammal, W/o Vaidyanathakrishnan,  
68, Samy Iyer Pudu Veedhi,  
Coimbatore.

(Transferor)

- (2) Sri S. Ramachandran,  
S/o. R. Sethurama Iyer,  
57, Samy Iyer New St.,  
Coimbatore.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 27th April 1985

Ref. No. 200[Sept.84]R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Survey No. 3100, 3101 New Survey No. 139|1-3.86 cents situated at Kumarapalayam Village, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore[Doc. No. 3709|84 in September 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Land : Survey No. 3100, 3101, New Survey No. 139|1-3.86 cents, Kumarapalayam Village, Coimbatore.  
Coimbatore[Doc. 3709|84

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub section (1) of Section 269D of said Act to the following persons namely :—

Date : 27-4-1985,  
Seal :

## FORM ITNS

OFFICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS 600 006,

MADRAS-600 006 the 27th April 1985

Ref. No. 201|Sept.84|R.H.—Whereas, I,

MRS. M. SAMUEL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable  
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing

T.S. No. 175, 176/1, Plot No. 70 situated at Krishnaraya  
puram

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Coimbatore|Doc. No. 3725/84 in September, 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(1) Sri G. Ramachandran,  
S/o Gopalsamy Naidu,  
V. H. Road, D No. 70, G. K. D Nagar Pappanai-  
cken Palayam,

(Transferor)

(2) 1. Smt. L. Savada  
W/o Late Sri Kuttianna  
Mudaliar.

2. K. Anandkumar, S/o. Kuttianna Mudaliar,  
East, Periasamy Road, R. S. Puram,  
Coimbatore.

(Transferee)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property**  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons, whichever  
period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable  
property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or

## THE SCHEDULE

Land : T. S No 175/1A, 176/1, Plot No. 70, Krishnaraya-  
puram.  
Coimbatore|Doc. No. 3725/84

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
MADRAS 600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—  
44—86GIP/85

Date : 27-4-1985.  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 27th April 1985

Ref. No. 202|Sept.84|R.H.—Whereas, I,  
MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

T. S. Ward No. 8, Krishnaswamy Mudaliar Road, situated at Coimbatore.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Coimbatore|Doc No. 3731/84 in September, 1984 for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration, and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s. Devi Builders, rep, by its attorney, and Managing Partner, Mr. P. C. Thirumoolthy, having its Registered office at 31, Krishnaswamy Mudaliar Road, Coimbatore-1.

(2) Mrs. Komala Rathnam, W/o Mr. J. S. Rathnam, "The Gems" 114, Santoshinagar, rep, by her power agent, Sri J. S. Rathnam, S/o Late Sri K. D. Sathiaraj of 114, Santoshinagar, Nirgampura Boarda.

(Transferor)

(Transferee.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Vacant Land : T. S. Ward No. 8 Krishnaswamy Mudaliar Road, Coimbatore.

Coimbatore|Doc No. 3731/84

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Date : 27-4-1985.  
Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to be the following persons, namely :—

## FORM ITNS

(1) Smt. Annapoorni,  
W/o. Late Dr. S. Balakrishnan,  
28/40, West Periasamy Road, R. S. Puram,  
Coimbatore 2.

(Transferor)

(2) M/s. G. K. Periasamy, Proprietor,  
Sri G. K. Periasamy, S/o. G. Krishnamudaliar,  
22/119, Sukravarpet St.,  
Coimbatore Town.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269B(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 27th April 1985

Ref. No. 205/Sept.84/R.II.—Whereas, I,  
**MRS. M. SAMUEL,**  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe  
that the immovable property having a fair market value  
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing  
New T.S. No. 8/173, Site No. 2, D. No. 28/40 R.S. Puram,  
Periasamy Road situated at Coimbatore Taluk  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Coimbatore/Doc. No. 3770/84 in September 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or

## THE SCHEDULE

Land and building :—New T.S. No. 8/173, Site No. 2, D.  
No. 28/40, Periasamy Road, R. S. Puram, Coimbatore.

Coimbatore/Dos. No. 3770/84.

(b) facilitating the concealment of any income or any  
money or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

**MRS. M. SAMUEL**  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 27-4-1985.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Sri S. Jagadeesan,  
J. Chandran,  
Sri V. Sriramamurthy,  
G. Prema, D. K. Ramamurthy,  
Ganapathy, Coimbatore.

(Transferor)

(2) Sri L. G. Nityananth,  
S/o. L. R. G. Naidu,  
Ganapathy, Coimbatore.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006

Madras-600 006 the 27th April 1985

Ref. No. 207/Sept.84/R.II.—Whereas I,

MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing  
Ganapathy Village, T.S. No. 165/1, 166/3  
situated at Coimbatore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer Coimbatore|Doc. No. 3814/84 in September, 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and building :—T. S. No. 165/1, 166/3, Ganapathy Village, Coimbatore.  
Coimbatore|Doc. No. 3814/84.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 27-4-1985.  
S/o. L. G. Nityananth

## FORM ITNS—

(1) Sri V. S. Nachimuthu Chettiar,  
S/o S. Suddappa Chettai,  
15/185, Oppanakara St.,  
Coimbatore

(Transferor)

(2) Sri K. Ramaswamy,  
S/o Karun Chettia,  
33/28 Subbia Mudaliar St  
Coimbatore

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II  
MAJOR (S) 600 006

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Madras 600 006 (the 27th April 1985)

Re: No. 209/Sept 84/R.H.+ Whence I  
MRS M SAMUEL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as "the said Act"), have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding Rs  
1,00,000/- and bearing No.  
R.S. Puram West Periyamby Road Northern Row, situated at  
Coimbatore town,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registrar of  
Offices of Coimbatore Distt. Doc. No. 3875/84 on September 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
sofaul exceed its apparent consideration (hereon by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been fully paid in the said  
instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later,

b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
monies or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act (1957) (27 of 1957),

## III. SCHEDULE

Land and building, R.S. Puram West Periyamby Road,  
Northern Row, Coimbatore Town

Complaint Doc. No. 4875/84

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Date 27.4.1985

d

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II  
MADRAS 600 006

MADRAS 600 006 the 27th April 1983

Ref No 214 sept 4 Ac II -Whereas I

MRS M SAMUEL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act 1971 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000 and bearing  
No GS 31 I S No 771 Anuppu Chettinad  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore For No 19781 in September 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(1) Mrs Soonooswami W. Somaji  
Dorabji and Mr. Soonooswami Dorabji S/o Dorabji  
Ahuja House 111 Town  
Cochin-2

(Transfer)

(2) Sri Venkatesan Chettiar 3 Malappuram Chettiar  
Mrs. Venkatesan w/o Aakkalam Chettiar  
16 Palani Ground St. Coimbatore?

(Transfer)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

**EXPLANATION** — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Land and building GS 32 I S No 390 Anuppu  
Palayam Village Coimbatore Taluk Coimbatore Dist  
No 392784

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income Tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act 1957 (27 of 1957)

MRS M SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range II Madras 600 006

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely —

## FORM ITNS

(1) Sri Thandavarayalby Gounder  
 S/o Kalappa Gounder,  
 Sri S. Duraisamy Gounder,  
 S/o Thandavarayalby Gounder,  
 Minor Sridhar, S/o Duraisamy Gounder,  
 Guardian, Father, Duraisamy Gounder,  
 Santhe goundanpalayam, Pollachi Taluk.  
 (Transferor)

(2) Sri K. Munganandam, S/o Krishnasamy Gounder,  
 18, Ramasamy Chettiar St., Pollachi  
 (Transferee)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II  
 MADRAS 600 006

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Madras-600 006, the 27th April 1985

Ref. No. 226/Sept. 84/R.H. -Whereas, I,  
 MRS. M. SAMUEL,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
 Gaspa Pollachi Town S. No. 5, Pollachi Town,  
 situated at Tiruppur Town,  
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Pollachi Doc. No. 1927/84 in September 1984,  
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property so aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Land and building ...Gaspa Pollachi, Survey Ward No. 5, Pollachi, Tiruppur,

Pollachi Doc. No. 1927/84.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

MRS M SAMUEL  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 27-4-1985  
 Seal .

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 27th April 1985

Ref. No. 238/Sept 34/R II Whereas, I  
MRS. M SAMUEL,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding Rs.  
Rs. 1,00,000/- and bearingNo. Pazhangarai Village, Avanasi situated at Coimbatore,  
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
Avanasi[Doc. No. 1239 34, and 1238 34 in September 1984,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—(1) Sri Nachimuthu Goounder,  
S/o Sri Perumalayam Goounder,  
Tennanaru Thirappettai Town  
(Trustee)(2) Sri Perumalayam W/o Jayaram S/o Venk  
S/o Jayaram, John S/o Palani  
Anand, Asien, and Samuel S/o John,  
Chinnammal W/o Kandasamy  
Manidoss Damodar, sons of Sri Kandasamy  
George Wilson S/o Joseph  
Rajeevi S/o Joseph,  
Jivamani Anand W/o Atumugam  
James, Antoniusamy, Ebineshah, Udayakumari,  
Vijaydeela,  
Selvaraj, Philomina, sons of Atumugam,  
Isaac, Samidoss and Selvaraj, sons of Rockbeh  
Mosial, W/o Lacer, Pattiyal, W/o David,  
Thangamani, W/o Mork, Jivaseela W/o Albert  
Selvam, W/o Thirumuthu Pribhu and Devi,  
S/o Thangamuthu,  
Kajumickam, S/o Joseph,  
Palinkarai illare Meenakshi Devampalavai Avanasi  
(Trustee)Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transfer to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land, Pazhangarai, Avanasi Taluk, Coimbatore Town  
Avanasi Doc No 1239 and 1238/34MRS. M SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II Madras-600 006Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—Date 27-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 22nd April 1985

Ref. No. 7|Sep|84.—Whereas, I,  
**PREMA MALINI VASAN**,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the "said Act"), have reason to believe that the immoveable  
property having a fair market value exceeding Rs.  
1,00,000/- and bearing No.

Door No. 3, First Main Road, Anna Nagar,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
J.S.R.I., Vellore (Doc. No. 3135|84) in September 1984,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(1) Shri R. Garudevan,  
No. 31, State Bank of Colony,  
Madras.

(Transferor)

(2) Smt. S.R. Roopavathy,  
W/o Thiru Deva Subramanyam Rajdevan,  
No. 2, J. S. Kannappar Salai,  
Ashok Nagar,  
Madras-600 083.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of  
the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

#### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any  
money or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Land and building at No. 3, First Main Road, Annanagar,  
Vellore.  
(Doc. No. 3135|84)

**PREMA MALINI VASAN**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
Section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons namely :—

45—86GI|85

Date : 22-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 22nd April 1985

Ref. No. 25|Sep|84.—Whereas, I,  
PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. T.S. No. 69 Door No. 30 situated at Salem village, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R.-III, Salem (Doc. No. 1001|84) in September 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Sinna Ponnammal,  
W/o Nagarathnam Nair, and sons,  
Chairman Jegannathan Street,  
Sevvalpet,  
Sasem-2.

(Transferor)

(2) Smt. Amuthavalli,  
W/o V. Ragavan,  
Papirapadi patti,  
Karoor Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land and building at Door No. 33, Salem village.  
(Doc. No. 1001|84).

PREMA MALINI VASAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date : 22-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I  
MADRAS 600 006

Madras-600 006, the 22nd April 1985

Ref. No. 29|Sep/84.—Whereas, I,

PREMA MALINI VASAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. T.S. No. 6[3] situated at Andipatti Village, Salem Taluk, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at S.R. No. Tadagapatti (Doc. No. 2687/84) in September 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri A. C. Mari Chettiar,  
S/o Sikkanna Chettiar,  
47, Andichetty Street,  
Kugai,  
Salem-6.

(Transferor)

(2) Shri K. Annamalai,  
S/o Kuppusamy Mudaliar,  
100 E/2, Pichappatti Main Road,  
Salem-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and building at Andipatti village, Salem Town. T.S. No. 6[3].  
(Doc. No. 2687/84).

PREMA MALINI VASAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 22-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
ACQUISITION RANGE-I,

MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 22nd April 1985

Ref. No. 30|Sep|84.—Whereas, I,  
**PREMA MALINI VASAN**,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
T.S. No. 6|3, 6|1 and 7 situated at 'Andipatti village, Annathanappatti  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
S.R. Tadagapatti (Doc. No. 2688|84)  
on September, 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of—

(1) Shri M. Arthanari,  
S/o Mari Chettiar and  
A. Mallewaran,  
Door No. 35,  
Mungeppadi Street,  
Kugai,  
Salem Town.

(2) Shri A. Murugesan,  
S/o Angappa Mudaliar,  
2, N. V. Tharmalingam,  
S/o Varathaiya Chettiar,  
Salem Town.  
Ammappetts-50.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Land at Andipatti Village, Annathanappatti, T. S No. 6|3,  
6|1, and 7.  
(Doc. No. 2688|84).

**PREMA MALINI VASAN**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons namely :—

Date :22-4-1985

Seal :

## FORM JTNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
 ACQUISITION RANGE-I,  
 MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 22nd April 1985

Ref. No. 46/Sep 84.—Whereas, I,  
**PREMA MALINI VASAN**,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the  
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred  
 to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
 movable property having a fair market value  
 exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
 S. No. 41B  
 situated at Servarayan malai, Kuntur village  
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
 has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of  
 1908) in the office of the Registering Officer at  
 S. R. Yercaud (Doc. No. 239/84) on September 1984  
 for an apparent consideration which is less than the fair  
 market value of the aforesaid property and I have reason to  
 believe that the fair market value of the property as afore-  
 said exceed the apparent consideration therefor by more  
 than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
 the consideration for such transfer as agreed to between  
 the parties has not been truly stated in the said instrument  
 of transfer with the object of :—

(1) Smt. V. Alagammai,  
 W/o Shri L. Vellayan,  
 Hopdoss Estate,  
 Lade Sheet Road,  
 Yercaud.

(Transferor)

(2) Shri V. L. Ramanathan,  
 S/o Palaniyappa Chettiar,  
 Vasantham Building,  
 Junction,  
 Suramangalam Village,  
 Selam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
 may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
 45 days from the date of publication of this notice  
 in the Official Gazette or a period of 30 days  
 from the service of notice on the respective person  
 whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
 able property, within 45 days from the date of the  
 publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
 of the transferor to pay tax under the said Act  
 in respect of any income arising from the transfer  
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
 moneys or other assets which have not been or  
 which ought to be disclosed by the transferee for  
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax  
 Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land and building at Servarayanmalai, Kuntur village, Yer-  
 Caud Taluk, Patta No. 6, S. No. 4/2, 3.  
 (Doc. No. 239/84).

PREMA MALINI VASAN  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range-II  
 Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
 section (1) of Section 269D of the Act, to the following  
 persons, namely :—

Date : 22-4-1985  
 Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 22nd April 1985

Ref. No. 53/Sep/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing situated at Konganapuram village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Idappadi (Salem) (Doc. No. 1088/84) on Sep. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri M. Jeganathan,  
S/o Muthusamy Chettiar  
Shri M. Chandrasekaran and others  
Kombakkadu,  
Koranampatti village,  
Sankahiri Taluk.  
(Transferor)
- (2) Shri Palaniappan,  
S/o Velappa Gounder,  
2. B. Devaraj and others,  
Thankayoor Village,  
Konankuttaiyoor,  
Sankagiri Taluk,  
Salem District.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty five days from the date of publication of this notice in the official gazette of a period of 30 days from the service of notices on the persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within forty five days from the date of publication of this notice in the official gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

Land and building at Konganapuram village.  
(Doc. No. 1088/84).

PREMA MALINI VASAN  
Competent Authority  
(Persons whom the undersigned knows to be  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 22-4-1985  
Seal :

## FORM ITMS—

(1) Dr. V. K. Viswanathan,  
S/o V. K. Samxy,  
15, 3rd Main Road,  
Raja Annamalaiapuram,  
Madras-28.

(Transferor)

(2) Dr. V. Balasubramanian,  
S/o B. Velsamy, Thevar,  
15, 3rd Main Road,  
Raja Annamalaiapuram,  
Madras-28.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 22nd April 1985

Ref. No. 139/Sep/84.—Whereas, I,  
PREMA MALINI VASAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
S. No. 110 and 111, T. S. No. 35  
situated at Plot No. 2852 Naduvakkai village  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
(1908) in the office of the Registering Officer at  
S. R. Anna Nagar (Doc. No. 3303/84) on September 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the concealment of any income or any  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
money or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land and building at Naduvakkai Village S. No. 110 &  
111.  
(Doc. No. 3303/84).

PREMA MALINI VASAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Date : 22-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. S. Dhanalakshmi,  
16, 3rd Cross street,  
West C.I.T. Nagar.  
Madras-35.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd April 1985

(2) Smt. V. Ganga,  
7, Vadivelu Second Cross street,  
Perambur,  
Madras-11.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. 142/Sep/84.—Whereas, I,  
PREMA MALINI VASAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Survey No. 7/part. Plot No. 4868 situated at Aringar Anna  
Nagar, Madras-40  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Anna Nagar (Doc. No. 3339/84)  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land and building at Plot No. 4868, Aringar Anna Nagar.  
Madras-40, Survey No. 7/Part.

(Doc. No. 3339/84)

PREMA MALINI VASAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 2-4-1985

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE I  
MADRAS 600 006

MADRAS 600 006 the 2nd April 1985

Ref No 2 Sep/84—Whereas I,  
PREMA MALINI VASAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the said Act) have reason to believe that the  
immovable property having a fair market value  
exceeding Rs 1,000/- and bearing No  
Survey No 184 1 and 181/1 situated at Vadugan village &  
Mel Vilachur village Gudiyatham Taluk  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
SR Katpadi (Doc No 3082/84)  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of—

(1) Shri R Sundaralingam Chettiar  
1105 Sundaralingam,  
2 Sri S Ramalingam  
No 18 Arunachala Naicker Street,  
Chintadripet, Madras-600 002

(Transferor)

(2) Shri C K Abdul Hamid  
No 23, E K Guru Street  
Periamet  
Madras-600 003

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the  
respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

Land and building at Vaduganthangal village and Mel  
Vilachur Village, Gudiyatham Taluk, North Arcot Dist  
(Doc No 3082/84)

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax  
Act 1957 (27 of 1957);

PREMA MALINI VASAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range I  
Madras-600 006

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons namely—

46—86GII85

Date 24-4-1985  
Seal

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-600 006.

Madras, the 2nd April 1985

Ref. No. 4|Sep|84 —Whereas, I,  
PREMA MALINI VASAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 100,000/- and bearing  
Survey No. 42/4  
situated at Virupatchipuram Village, North Arcot Division  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
J. S. R. I., Vellore (Doc. No. 2985|84) on September 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the parties  
has not been truly stated in the said instrument of transfer  
with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

(1) Voluntary Wealth Centre,  
President A. S. A. Paramasivam,  
1051, Coodalur,  
Sengalvaraya Mudali Street,  
Vellore.

(Transferor)

(2) M/s S. Prasath,  
S/o D. Shunmugam,  
2 R. Ganesh Pillai,  
S/o Gopalpillai,  
10-5-45 Gogula Street,  
Sithur Town,  
Andhra Pradesh

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30  
days from the service of notice on the respective  
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at Virupatchipuram Village.  
(Doc. No. 2985|84).

PREMA MALINI VASAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax  
Competent Authority  
Acquisition Range-I  
Madras-600 006

Date : 2-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-600 006,

Madras, the 2nd April 1985

Ref. No. 5|Sep|84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Door No. 26 &amp; 27

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), situated at Palani Veerapathra Chetty St., Vellore (North) has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J. S. R. Vellore (Doc. No. 3000|84) on September 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri V. Bijraj,  
S/o S. Veerapathra patvade,  
422, Main Bazar street,  
Vellore.

(Transferor)

(2) Shri P. Kishanlal,  
No. 2, Shiroff Sazai,  
Ambur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

**THE SCHEDULE**

Land and building at Door No. 26 & 27 Palani Veerapathra Chetty Street, Vellore (North).  
(Doc. No. 3000|84).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

PREMA MALINI VASAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-600 006.

Madras, the 16th April 1985

Ref. No. 6 Sep|84.—Whereas, I,  
PREMA MALINI VASAN,  
being the Competent Authority under Section 269AB of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs.  
1,00,000/- and bearing

Survey No. 2983  
situated at Vellore village, North Arcot District.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
J. S. R.-I, Vellore (Doc. No. 3048 & 3049|84), on September  
1984

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent. of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said instru-  
ment of transfer with the object of—

(1) C. P. Manjula,  
W/o C. S. Parthasarathy,  
No. 1, Sri Kannika Parameswari Koil St.,  
Vellore.  
C. P. Jaban Mohan,  
S/o C. S. Parthasarathy,  
No. 42, Sri Kannika Parameswari Koil St.,  
Vellore.

(Transferor)

(2) Shri B. N. Krishnam and four others,  
S/o B. N. B. Maniyam,  
No. 24, 4th East High Ways,  
Gandhi Nagar,  
Vellore-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :** The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Land at Vellore village, North Arcot District.  
(Doc. No. 3048 & 3049|84).

PREMA MALINI VASAN  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the  
following persons, namely :—

Date : 16-4-1985  
Seal :

## FORM ITN—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(1) Smt Villi Achal,  
W/o M V Achal M B B S  
Door No 9 Kandasamy Mathai street,  
Vellore Town  
Kosapet,

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II  
MADRAS-600 006

(2) Smt K. Punitham,  
W/o Kapirthass Mudahar,  
Door No 1, Kalamankolu Street,  
Thindivanam Town  
South Arcot Dist.

(Transferee)

Madras, the 18th March 1985

Ref. No. 8/Sep 84.—Whereas, I,  
PREMA MALINI VASAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No

T S No 100, 101 and 102  
situated at Krishna Nagar, Vellore Town  
(and more fully described in the schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
J S R I, Vellore (Doc No 3131[84]) on September 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—**

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

Land and building at Krishna Nagar South Vellore Town.  
T S No 100 1 01 and 102  
(Doc No 3131[84])

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

PREMA MALINI VASAN  
Competent Authority  
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 18-3-1985  
Seal.

## FORM ITNS

(1) Sri M. Prabhakaran,  
S/o Muthiahlu Chethar,  
10, Uthiramahakol Street  
Vellore Town

(Transferor)

2) Sri T. Prakash Jain  
S/o Late G. Tejraj Jain  
104, Bazar Street  
Polur,  
North Arcot District

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-600 006

Madras the 2nd April 1985

Ref No 9|Sep|84 -Whereas, I,  
PREMA MALINI VASAN,  
being the Competent Authority under section 269AB of the  
Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs 100 000/- and bearing  
situated at Vellore Town Dool No 67, Diverson Street  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Polur (Doc No 163284) on September 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter

## THE SCHEDULE

Land and building at Dool No 67, Diverson Street, Vellore  
Town  
(Doc No 1632|84)

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

PREMA MALINI VASAN  
Competent Authority  
Inspecting Asstt Commissioner of Income tax,  
Acquisition Range-I  
Madras 600 006

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said  
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Date 2-4-1985  
Seal.

## FORM ITNS

(1) Shri V. Kesava Mudaliar,  
Ammaiyappa Mudali Street,  
Santeri Kuppam.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) J. Poongothai Ammal,  
Vadachery Village.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-600 006.

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Madras, the 18th March 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 10|Sep|84.—Whereas, I,  
PREMA MALINI VASAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing  
S. No. 126/A4 Door No. 10  
situated at D No. 10, Sanakuppam Village, Ambur, Vaniyambadi Taluk.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Ambur (Doc. No. 2090|84)

on September 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

Land and building at Door No. 10, Sanakuppam village,  
Ambur, Vaniyambadi Taluk

(Doc. No. 2090|84).

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferees for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

PREMA MALINI VASAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
foreaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Date : 18/3/1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-600 006.

Madras, the 13th April 1985

Ref. No. 15|Sep|85.—Whereas, I,  
**PREMA MALINI VASAN**,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the  
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
 to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
 property having a fair market value exceeding  
 Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
 situated at Ward No. 8, Gandhi Road, Tenganikottai Town  
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
 has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of  
 1908) in the office of the Registering Officer at  
 Tenganikottai (Doc. No. 1737|84), on September 1984  
 for an apparent consideration which is less than the fair  
 market value of the aforesaid property and I have reason to  
 believe that the fair market value of the property as aforesaid  
 exceeds the apparent consideration therefor by more  
 than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
 the consideration by such transfer as agreed to between  
 the parties has not been truly stated in the said instrument  
 of transfer with the object of :—

(1) Shri B. R. Kuppappa Chetty,  
 S/o B. R. Ramachandra Chetty,  
 Gandhi Road,  
 Tenganikottai

(Transferor)

(2) V. D. Srinivasamurthy,  
 V. D. Krishnamurthy and  
 V. D. Rajendran,  
 V. M. Tharasaratharama Chetty,  
 Merchant,  
 Tenganikottai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
 may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
 45 days from the date of publication of this notice  
 in the Official Gazette or a period of 30 days from  
 the service of notice on the respective persons,  
 whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
 property within 45 days from the date of  
 the publication of this notice in the Official  
 Gazette.

**EXPLANATION** — The terms and expressions used herein as  
 are defined in Chapter XXA of the said Act,  
 shall have the same meaning as given  
 in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
 of the transferor to pay tax under the said Act in  
 respect of any income arising from the transfer;  
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
 moneys or other assets which have not been or which  
 ought to be disclosed by the transferee for the purpose  
 of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922)  
 or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of  
 1957).

## THE SCHEDULE

Land and building at Gandhi Road Tenganikottai.  
 (Doc. No. 1737|84).

PREMA MALINI VASAN  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range-I  
 Madras-600 006

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
 (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons,  
 namely :—

Date : 13-4-1985

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I  
MADRAS (ORI 01)

Melag, the 2nd April 1983

R.E.N. IS/Sup/XI/V6/13 is I  
P.R.M.A. MAVINGANNA  
being the competent Authority under Section  
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter  
referred to as the 'said Act') have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 100,000/- and bearing  
Survey No 29013

situated at Ilaiyam Pillai village  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act 1908 (1 of  
1908) in the name of the K. S. R. (Mr. S. R. K. S. R.) (Doc. No. 20234) on 1st September 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has no been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of —

(2) Section 269D  
of the Income-tax Act  
in respect of  
the transfer

(Transferor)

(Transferee)

Objections if any to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned.

(a) by one of the aforesaid persons within a period of  
sixty days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette, i.e. a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever may expire later.

(b) by the competent authority in the case of immovable  
property within 15 days from the date of the publication  
of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: That the term 'income' as  
so defined in Chapter XXA of the said  
Act shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax  
Act 1957 (27 of 1957).

THE INSPECTING ASSISTANT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range I  
MADRAS (ORI 01)

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub  
section (1) of Section 269D of the said Act to the follow  
ing persons, namely:—

47—86GI/83

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-600006**

Madras-600006, the 13th March 1985

Ref. No. 20/Sep/84.—Whereas, I.A.  
**PREMA MALINI VASAN**

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No.

Survey No. 79/1A & 1B situated at Reddiyoor village  
Salem Taluk

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at J.S.R. I, Salem (Doc. No. 2103/84) on September, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri S. P. Arumuga Mudaliar  
S/o Patchappa Mudaliar,  
Rep. Thirumudugan Company,  
112, Arunachala Achari Street  
Salem-1.(2) Mr. Vaijaya Nagarajan,  
W/o Nagarajan,  
8, Puthur Extension,  
Salem-7.  
2 Smt. Sanchita Jothi  
W/o Senthambaramathan,  
16, Marinaicker Street,  
Chevai Pettai,  
Salem-2

(Transferor)

(Transferee)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.**(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or****(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);****THE SCHEDULE**Land at Reddiyoor Village, Survey No. 79/1A and 1B,  
(Doc. No. 2103/84)

**PREMA MALINI VASAN**  
**Competent Authority**  
**Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax**  
**Acquisition Range-I**  
**Madras-600006**

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-3-1985  
 Seal :

## FORM ITNS-----

(1) Shri Ramasamy Gounder and others,  
Athanan Village,  
Rasipuram Taluk.

(Transferor)

(2) Mydy Oils Private Ltd, Company,  
No. 29, Kottai Market Street,  
Salem Town

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-600006

Madras-600006, the 2nd April 1985

Ref. No. 24/Sep/84 —Whereas, I,  
PREMA MALINI VASAN  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/-  
and bearing No.

Survey No. 179/3 situated at  
Athanan village, Rasipuram Taluk  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
T.S.R.I., Salem (Doc. No. 1987/84)  
on September, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
**may be made in writing to the undersigned :—**

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land and building at Athanan village, Rasipuram Taluk.  
(Doc. No. 1987/84)

PREMA MALINI VASAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I  
Madras-600006

Date 2-4-1985  
Seal .

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS

Madras-600006, the 2nd April 1985

Ref. No. 26/Sep/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Survey No. 303/2 situated at Ammapet village, Salem Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Salem last (Doc. No. 2241/84) on September, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent. of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri C. Mariyappan  
S/o Chennaya Mudaliar,  
2 Smt. Balamani Ammal,  
153, 2nd Agraharam,  
Salem-1.

(Transferor)

(2) Shri Selvanambi  
S/o Perumal,  
Ramnathapuram, Ammapet,  
Salem Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Land at Ammapet, Salem Taluk, Survey No. 303/2.  
(Doc. No. 2241/84)

PREMA MALINI VASAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Madras-600006

Date : 2-4-1985  
Seal :

## FORM IINS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING  
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

TENURE NOTICE

AT THE OFFICE OF THE INSPECTOR

K. R. J. I. S.  
PRIMA M. JIN  
Salem, the Commissioner (hereinafter referred to as the "said Act") have reason to believe that the immovable property herein mentioned in value exceeding Rs. 1,00,000/- and therein

I S. No. 610 dated 1st  
Wind. of 1965, situated at  
(and fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under Section 105 (16) of  
1961 from \_\_\_\_\_ to \_\_\_\_\_ Officer at  
T. C. O. No. 4  
on the 1st day of

I do hereby declare that which is less than the fair market value of the said property and I have reason to believe that the value of the property is more and exceeds the apparent consideration to value by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties hereto has not been settled in the said instrument of transfer with the object of -

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor, say tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b)逃避或降低其在转移时应承担的税款，即根据该法第105条第(16)款所指的财产的公允市价与实际考虑的价值相比，超过15%以上。

- (1) Shri A. S. M. Iyer  
3, Main Road  
Salem Town  
Kukar (District)
- (2) Shri K. P. Necessery & others  
34, 19, Thiru Arudra Namal Street,  
Andipatti,  
Salem (District)

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the persons within a period of 4 weeks from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from its service of notice on the respective persons whichever is earlier,

(b) by any other person who holds the said immovable property with valid title on the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION** - The terms and phrases used herein are defined in Part V of the said Act, shall have the meaning as given in that Chapter.

## THE INSPECTOR

Tamil Nadu Income Tax Department, Avinashi Salem

PRIMA M. JIN  
Comptroller  
Superintendent of Income Tax  
Salem Range  
Madras-600096

Now therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under the seal of section 19D of the said Act, to the following person(s) to

Date 13.3.1965  
Seal .

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS 600006**

Madras 600006, the 2nd April 1985

R.C. No. 55 Sep 84 - Whereas I,

PREMA MALINI VASAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing T.S. No. 6/3 situated at Andipatti Village, Annathanapatti (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Tadugapatti (Doc. No. 2691/84)

on September, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri M. Shanmugasundaram  
S/o Mari Chettai,  
Minors Mallikajunan and  
Vijayavel,  
47, Andirchettu Street, Kugai,  
Salem-6.

(2) Shri N. Perumal  
S/o Natasa Mudaliar  
Shri A. Chinnasamy  
S/o Alagappa Goundar,  
59, Kalithasal Street,  
Salem-1.

(Transferor)

(Transferee)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION.—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land and building at Andipatti village, Annathanapatti.  
(Doc. No. 2691/84)

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

PREMA MALINI VASAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-4-1985  
Seal :

FORM NO ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE I,  
MADRAS 600006

Madras 600006 the 2nd April 1985

Ref No 34/Sep/84—Whereas I,  
PREMA MALINI VASANbeing the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the said Act), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding

Rs 100,000/- and bearing

T.S. No. 6/3 situated at Andipatti village Annathampatti  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registrar Officer at  
Tadagupatti (Doc No 2692/84)

on September 1984

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

(1) Shri M Ravikumar  
S/o M Mallikarjunan,  
34 Mungipatti Street Kukar  
Salim 6

(Transferor)

(2) Shri M Durai  
S/o P Muthu Udayan,  
3 C Sankaralingam  
S/o Samuthambi  
5 Jothi Vilas, Road,  
Anmapettai  
Salim 3

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later,(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official GazetteEXPLANATION.—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter

## THE SCHEDULE

Land and building at Andipatti village Annathampatti  
(Doc No 2692/84)PREMA MALINI VASAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax  
Acquisition Range I  
Madras 600006Date 24 1985  
Seal

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-600006

Madras-600006, the 2nd April 1985

Ref. No. 35/Sep/34.—Whereas, I,  
PREMA MALINI VASAN  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing T.S. No. 6/3 situated at Andipatti Village, Salem Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tadagapatti (Doc. No. 2693/84) on September, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

(1) Shri M. Shumuga Sundaram  
S/o Mari Chettiar  
2. Minor Vijayavel,  
47, Andi Chetty Street,  
Kugai, Salem-6.

(2) Smt. V. Meenakshi  
W/o K. Vaithiyalingam  
2. Shri Ramalingam  
S/o Perumal Mudaliar,  
5, Ramasunthara Mudaliar Street,  
Salem-1.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land and building at Andipatti village, Salem Taluk.  
(Doc. No. 2693/84)

PREMA MALINI VASAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 2-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Thangammal and others,  
Machine Kadu,  
Thiruchengode Town,  
Salem District.

(Transferor)

(2) Shri K. Palaniyappan  
S/o Karuppanna Gounder,  
for Balamurugan Finance,  
Veerakuttai,  
Kuppirkapalayam village,  
Namakkal Taluk.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-600006

Madras-600006, the 13th March 1985

Ref. No. 37/Sep/84.—Whereas, I,  
PREMA MALINI VASAN  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Survey No. 63/1C situated at D. No. 20B, 20/2 to  
20/6, Thiruchengode village  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Thiruchengode (Doc No. 2346/84)  
on September, 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land and building at Ward No. 17, Katcheri Street, Door  
No. 20B, 20/3 to 20/6, Thiruchengodu.

PREMA MALINI VASAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Madras-600006

Date : 2-4-1985

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons namely :—  
48—86GI/85

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 2nd April 1985

Ref. No. 40/Sep/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Survey No. 115[4] situated at Thiruchengode village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office the Registering Officer at Tiruchengodu (Doc. No. 2411[84]) on September 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri T. K. Pitchaimuthu,  
S/o. Kandasamy Pillai,  
2, Veerivel and,  
3, Shunmugam,  
No. 28, Vadukar Street,  
Tiruchengodu Town.

(2) Shri Appavoo,  
S/o Muthu Gounder,  
Chettiy Thottam,  
Tiruchengodu.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at Tiruchengodu village. Survey No. 115[4].  
(Doc. No. 2411[84]).

PREMA MALINI VASAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I  
Madras-600 006

Date : 2-4-1985.  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Kaniammal,  
W/o. Sinnathambi Gounder,  
2. M.C. Kaliappan,  
Vellakkulpatti village.

(Transferor)

(2) Smt. Brahadeeswari,  
W/o. Sri S. V. Rengaraju Chettiar,  
Namagiripet,  
Rasipuram Taluk,  
Salem District.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 2nd April 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. 44/Sep/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. situated at Namagiripettai village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer S.R. Namagiripettai (Doc. No. 735/84) on September 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land and building at Namagiripet village, Natham. Survey No. 50/1. (Doc. No. 736/84).

PREMA MALINI VASAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-4-1985.  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, MADRAS

Madras-600 006, the 2nd April 1985

Ref. No. 47/Sep/84.—Whereas, I,  
**PREMA MALINI VASAN**,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the  
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
 as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
 property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
 and bearing No.  
 S. No. 22/1A2 & 22/1C situated at Athiyoor village, Yercaud  
 Taluk, a Salem District  
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
 1908) in the office of the Registering Officer at  
 at S. R. Yercaud (Doc. No. 240/84 in September, 1984.  
 for an apparent consideration which is less than the fair  
 market value of the aforesaid property and I have reason to  
 believe that the fair market value of the property as aforesaid  
 exceeds the apparent consideration therefor by more than  
 fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
 consideration for such transfer as agreed to between the  
 parties has not been truly stated in the said instrument of  
 transfer with the object of :—

(1) Smt. K. Vijayalakshmi,  
 W/o Karunamurthy,  
 20, Sahadevapuram Extension,  
 Salcm-7.

(Transferor)

(2) M/s. Jem Grinters,  
 S. R. Asaithambi (Partner),  
 Slo Rengasamy,  
 12, Gopalapuram, III st.,  
 Madras-86.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
 may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
 of 45 days from the date of publication of this  
 notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
 from the service of notice on the respective persons,  
 whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
 property, within 45 days from the date of the publi-  
 cation of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein are  
 defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
 of the transferor to pay tax under the said Act, in  
 respect of any income arising from the transfer;  
 and/or

## THE SCHEDULE

Land at Athiyoor village, Yercaud Taluk, Salem District.  
 Survey No. 22/1A1 and 22/1C. (Doc. No. 240/84).

(b) facilitating the concealment of any income or any  
 moneys or other assets which have not been or  
 which ought to be disclosed by the transferee for  
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
 Act, 1957 (27 of 1957);

**PREMA MALINI VASA**  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range-1  
 Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
 section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
 persons, namely :—

Date : 2-4-1985  
 Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1, MADRAS

Madras-600 006, the 2nd April 1985

Ref No. 50|Sep|84.—Whereas, I,  
**PRI·MA MALINI VASAN**,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property having a fair market value  
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing  
Survey No 88/1 situated at Rasampalayam village,  
Kirampur P. O.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer  
at S R. Paramathi (Salem) Doc. No. 732|84).  
on September 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with object of —

(1) Shri M. Ponnusamy,  
S/o Marappa Gounder,  
Kunjampalayam,  
Rasampalayam village,  
Kirambur P.O.,  
Namakkal Taluk.

(Transferor)

(2) Shri V. Gnanavel,  
Secretary,  
Namakkal Public School Trust,  
Now at 42, Co-op. Colony,  
Namakkal P. O.  
Namakkal Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under that said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land at Rasampalayam village. Survey No. 88|1. (Doc. No.  
732|84).

PREMA MALINI VASAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 2-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-1, MADRAS

Madras-600 006, the 28th March 1985

(1) Minor Saravanan,  
S/o Malathi,  
W/o Kandasamy Nathan,  
Sankagiri village,  
Nattampalayam.

(Transferor)

(2) Shri S. Natarajan,  
S/o V. V. Subramanian,  
Chairman, The India Cements Company,  
Welfare Association,  
Nattampalayam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

Ref. No. 51/Sep/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing situated at Sankahiri village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sankagiri Thukkam (Doc. 666/84) in September, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and building at Sankagiri village, Nattampalayam. (Doc. No. 666/84).

PREMA MALINI VASAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-1  
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-3-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1, MADRAS

Madras-600 006, the 2nd April 1985

Ref. No. 52/Sep/84.—Whereas, I,  
**PREMA MALINI VASAN**,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing situated at Uthirakadikaval village (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sendavangalam (Loc. No. 1358/84) in September, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri S. Muthusamy Udayar,  
 Slo Subbiah Udayar,  
 Kalappa Naickenpatti Pudur,  
 Namakkal Taluk,  
 Salem-21.

(Transferor)

(2) Smt. Sivapackyam,  
 W/o Poomalai Udayar,  
 Theppakulam P. O.  
 Kattukottai,  
 Namakkal Taluk,  
 Salem District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land and building at Uthirakadikaval village. (Loc. No. 1358/84).

**PREMA MALINI VASAN**  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range-I  
 Madras-600 006

Date : 2-4-1985  
 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-1, MADRAS**

Madras-600 006, the 19th April 1985

Ref. No. 94/Sep/84. —Whereas, I,  
**PREMA MALINI VASAN**,  
 being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

R. S. No. 3562 situated at No. 248, Angappa Naicken Street, Muthiyalpet, G. T. Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North (Doc. No. 2541/84) in September, 1984, for an apparent consideration which is, less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri C. R. Padmanabhan and others  
 No. 10, Moottakaran street.  
 Muthiyalpet,  
 Madras-1.

(2) Shri S. Maria Doss and  
 Shri S. Peter,  
 Slo A. Selvam,  
 No. 37, Perrathambi street,  
 Royapuram,  
 Madras-13.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Land and building at No. 248, Angappa Naicken St., Muthiyalpet, G. T. Madras. (Doc. No. 2541/84).

**PREMA MALINI VASAN**  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
 Acquisition Range-I  
 Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Seal :

Date : 19-4-1985

Seal :

## FORM LT.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1, MADRAS

Madras-600 006, the 9th April 1985

Ref. No. 95|Sep|84.—Whereas, I,

PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No.

R. S. No. 461B3 etc. situated at Subramanya Estate, Chengalpattu Village Yercaud Dist.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R-I, Madras North (Doc. No. 2539,84) in September, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than one per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Smt. R. M. Chintha-nant Achi,  
6, Brasman Garden Road,  
Kilpauk,  
Madras-10.

(Transferor)

(2) M. Polaniappa,  
Minor son of P. L. Mothakaruppan Chettiar,  
S. Rudanai, Gate I street,  
Madras-6

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

N S K

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land at Subramanya Estate village, Yercaud Dist. (Doc. No. 2539|84).

PREMA MALINI VASAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-1  
Madras-600 01.

Date : 9-4-1985  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : -  
49--86G1|85

**FORM ITNS**

(1) Shri N. G. Viswanathan,  
S/o Govindappa Chettiar,  
Urisipalayam Main Road,  
Salem Town.

(Transferor)

(2) Shri L. Dhunabai,  
S/o Lakshmana Naicker,  
Vagumannar Colony,  
Salem Town.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-600 006.**

Madras-600 006, the 2nd April 1985

Ref. No. 100 S.p|84 —Whereas, I, PREMA MALINI VASAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. T.S. No. 17, Ward E, Block 8 situated at Pallapatti village, Salem Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at J.S.R.I. Madras North (Doc. No. 2435|84) 2438 84 on September 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Land at Pallapatti village, Salem Town. I.S. No. 17. (Doc. No. 2435|84) & 2438 84

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

PREMA MALINI VASAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 2-4-1985.  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(1) Mr. Gyanchand Bohara,  
S/o Motilal Bohara,  
D-8, Arthur apartment,  
No. 22, Raja Annamalai Chettiar Road,  
Purasawalkam,  
Madras-54

(Transferor)

**GOVERNMENT OF INDIA**  
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**  
**ACQUISITION RANGE-I**  
**MADRAS 600 006**

(2) Mrs Noor Mohamed Yoosuf and  
Noor Mohamed Khizer,  
S/o Late Noor Abdul Wahab  
19/14 Veerasamy Pillai Street,  
Perumet, Madras-3,

(Transferee)

Madras-600 006, the 19th April 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. 101/Sep/84.—Whereas, I  
PREMA MALINI VASAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property having a fair market value  
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. R.S. No. 561 part put situated at Door Nos. 26 & 27,  
Poonamallee High Road, Madras-3,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
Perumet (Doc. No. 928/84) in September 1984,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the respective  
persons whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION.**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

**THE SCHEDULE**

Land and building at D. No. 26 & 27 Poonamallee High  
Road, Madras-3.  
R.S. No. 561.  
(Doc. No. 928/84).

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

PREMA MALINI VASAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 19-4-1985

Seal :

## FORM I.T.N.S

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd April 1984

Ref. No. 110/Sep/84 — Whereas, I,

PREMA MALINI VASAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and being No.

No. R.S. No. 1368/30 situated at 7

Subbaraya Mudali Street, Pudupet, Madras-2,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Pettai (Doc. No. 55/34) in September 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Mymoon Bi,  
Ameerunnisa Begam,  
17, Velayappa Achari Street,  
Pudupet  
Madras-2

(Transferor)

(2) Sashila Bai,  
P. Sureshkumar,  
9, Subbaraya Mudali Street,  
Pudupet,  
Madras-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land and building at 7, Subbaraya Mudali Street, Pudupet, Madras-2.  
(Doc. No. 859/84)

PREMA MALINI VASAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Madras 600 006

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 2-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS

- (1) Shri K. T. Prakash,  
S/o K. T. Janakiraman,  
No. 7, Kravent Road  
(Transferor)
- (2) Shri V. Chettiyar  
S/o C. Variation,  
No. 19, Nanniyath Muthu Street,  
New Vanniyapettai,  
Madras 31.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE I  
MADRAS 600 006

Madras 500 006 the 19th April 1985

Ref. No. 114/S.pj84—Whereas, I,  
PREMA MALINI VASAN  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable  
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing No.  
No. Plot No. 25 T.S. No. 5211 situated at Madras Corpora-  
tion, Purasavalli in Madras North Main Trimbam  
Pet. Villore,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred  
under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office  
of the Registrar Office at  
Trimbam (Doc. No. 3303/84) in September 1984,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at Block No. 8, T.S. No. 5211, Plot  
No. 26 Madras Corporation, Madras  
(Doc. No. 3304/84)

PREMA MALINI VASAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Regd. Post: Regd. I, Madras-600 006

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
afore-said property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons namely :—

Date : 19-4-1985  
S.d/

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE I  
MADRAS-600 006

Madras 600 006 the 20th March 1985

Ref No 117/Sep 1 -Whereas I  
PRIMA MALINI VASAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding No. 45 Thandavaray in Mudali St Thandalarpet Madras 4

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at S R Kovapuram (Doc No 152144) in September 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property is aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties, has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(1) Swami Prasad,  
32, Budai Garden Street  
Perambur  
Madras-11

(Transferor)

(2) A D Sampath  
No 32, Budai Garden S  
Perambur  
Madras 11

(Transferee)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

**EXPLANATION.—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land and building at 45, Thandavarayan Mudali street, Thandalarpet, Madras-13.  
(Doc No 152184).

PRIMA MALINI VASAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Madras 600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date 20-3-1985  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**ACQUISITION RANGE-I  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd April 1985

Ref No 118 Sep 84 -Whereas, I,  
**PREMA MALINI VASAN**,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the  
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to  
 as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
 property having a fair market value exceeding  
 Rs 100,000 - and bearing No  
 No R.S. No. 498 I situated at No. 4 West Mada Church  
 Street, Royapuram, Madras-13,  
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
 1908) in the office of the Registering Officer at  
 Royapuram (Doc No 151581) in September 1984  
 for an apparent consideration which is less than the fair  
 market value of the aforesaid property and I have reason to  
 believe that the fair market value of the property as aforesaid  
 exceeds the apparent consideration therefor by more than  
 fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
 consideration for such transfer as agreed to between the  
 parties has not been truly stated in the said instrument of  
 transfer with the object of :—

(1) Mrs G Chunilal  
 Mrs C Radhi Ru,  
 and Sant Kumar  
 No 4, West Mada Church Street.  
 Royapuram,  
 Madras-13

(Transcriber)

(2) Diabetes Research Centre Foundation  
 Rep. by President Dr M Viswanathan  
 No 5, West Mada Church Street

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
 may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION** — The terms and expressions used herein as  
 are defined in Chapter XXI of the said  
 Act, shall have the same meaning as given  
 in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
 of the transferor to pay tax under the said Act, in  
 respect of any income arising from the transfer;  
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
 moneys or other assets which have not been or  
 which ought to be disclosed by the transferee for  
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
 Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Land and building at No 4, West Mada Church Street,  
 Royapuram, Madras-13

(Doc No 151584)

**PREMA MALINI VASAN**

Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range-I  
 Madras 600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
 persons, namely :—

Date 2-4-1985  
 Seal :

## FORM IINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE I,  
MADRAS 600006

Madras 600006, the 12th April 1985

Ref No. 119/Sept 84—Whereas I,  
PREMIA MALINI VASAN  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred  
to as the said Act), have reason to believe that the  
immovable property having a fair market value exceeding  
Rs 1,00,000/- and being  
Door No. 41, unit 1, Guruappa Chetty Street  
Chintadripet, Madras 2  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (10  
of 1908) in the name of the registring Officer at  
Perambal (Doc No. 967 11 on Sept 1984)  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the abovementioned property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid is the apparent consideration therefor by more  
than fifteen percent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or

b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1937 (27 of 1937),

(1) S. K. Shanmugham,  
No. 58, Guruvappa Chetty Street,  
Chintadripet,  
Madras 2

(2) L. Vimali Pam,  
No. 28, Swamipandaram Street  
Chintadripet  
Madras 2

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette

**EXPLANATION**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at Door No. 11, Guruappa Chetty St.,  
Chintadripet, Madras 2  
(Doc No. 967 84)

PREMIA MALINI VASAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range I  
Madras, 600006

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely:—

**FORM ITNS**

(1) Smt. Sivagami and 24 others,  
10, Gollamman Koil Street,  
Madras-21.

(Transferor)

(2) M. Suparas  
7 Managapathi Naicken Street,  
Madras-21.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

**GOVERNMENT OF INDIA**  
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT**  
**COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-600006

Madras-600006, the 18th April 1985

Ref. No. 120/Sep.184.—Whereas, I,  
PREMA MALINI VASAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No.

R.S. No. 305 situated at No. 83, Arunachala Naicken Street, Chintadripet, Madras-2

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet (Doc. No. 972/84) on Sept. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

Land and building at 83, Arunachala Naicken Street, Chintadripet, Madras-2.

(Doc. No. 972/84)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

PREMA MALINI VASAN  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
50—86GI|85

Date : 18-4-1985  
Seal

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-600006

Madras-600006, the 12th April 1985

Ref. No. 123/Sep./84.—Whereas, I,  
**PREMA MALINI VASAN**,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the  
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
 as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
 moveable property having a fair market value exceeding  
 Rs. 1,00,000/- and bearing  
 No. — situated at No. 27, Appu Maistry Street,  
 Mafoos Khan Garden Madras-1  
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
 1908) in the Office of the Registering Officer at  
 Sowcarpet (Doc. No. 450/84) on Sept. 1984  
 for an apparent consideration which is less than the fair  
 market value of the aforesaid property and I have reason to  
 believe that the fair market value of the property as aforesaid  
 exceeds the apparent consideration therefor by more than  
 fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
 consideration for such transfer as agreed to between the  
 parties has not been truly stated in the said instrument of  
 transfer with the object of .—

(1) Rabia Bee,  
 W o K. N. Usman Sahib,  
 1/13 (New No. 19),  
 Mailai Periyathambi Street,  
 Mafoos Khan Garden,  
 Madras-1.

(Transferor)

(2) 1. Abdul Wahab, M.  
 2. Mahumooda W/o Abdul Wahab,  
 55, Mafoos Khan Garden Street,  
 Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
 may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
 45 days from the date of publication of this notice  
 in the Official Gazette or a period of 45 days from  
 the service of notice on the respective persons  
 whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION** :—The terms and expressions used herein as  
 are defined in Chapter XXA of the said Act,  
 shall have the same meaning as given in  
 that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
 of the transferor to pay tax under the said Act, in  
 respect of any income arising from the transfer;  
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
 moneys or other assets which have not been or  
 which ought to be disclosed by the transferee for  
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
 Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land and building at No. 27, Appu Maistry Street, Mafoos  
 Khan Garden, Madras-1.  
 (Doc. No. 450/84)

**PREMA MALINI VASAN**  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range-I  
 Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
 persons, namely :—

Date : 12-4-1985  
 Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAXACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-600006

Madras-600006, the 9th April 1985

Ref. No. 126/Sep./84—Whereas, I,  
PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Survey No. 7207 situated at No. 5, Thirupalli Street, George Town, Madras-79 (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sowcarpet (Doc. No. 464/84) on Sept 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Ammani Ammal and eight others,  
No. 5, Tirupalli Street,  
Madras-600079.

(Transferor)

(2) Mrs. Lakshmi K. Jain  
W/o Kantilal,  
72, Naravana Mudali Street,  
Madras-600079.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land and building at No. 5, Thirupalli Street, George Town, Madras-79, Survey No. 7207.  
(Doc. No. 464/84)PREMA MALINI VASAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Madras-600006

Date : 9-4-1985

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-600006

Madras-600006, the 27th March 1985

Ref. No. 129/Sep./84.—Whereas, I,  
**PREMA MALINI VASAN**,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the  
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
 as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
 movable property having a fair market value exceeding  
 Rs. 1,00,000/- and bearing  
 Block No. 1D situated at Naduvankarai Village, Aringar  
 Anna Nagar  
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
 1908) in the Office of the Registering Officer at  
 Anna Nagar (Doc. No. 3108/84) on Sept. 1984  
 for an apparent consideration which is less than the fair  
 market value of the aforesaid property and I have reason to  
 believe that the fair market value of the property as afore-  
 said exceeds the apparent consideration therefor by more than  
 fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
 consideration for such transfer as agreed to between the  
 parties has not been truly stated in the said instrument of  
 transfer with the object of . ~

(1) Rukmini Janardan,  
 AH 196 Plot No. 3195,  
 Annanagar  
 Madras-40.

(2) M. Nagarajan,  
 25, Damodar Street,  
 T. Nagar,  
 Madras-40.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
 may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
 45 days from the date of publication of this notice  
 in the Official Gazette or a period of 30 days from  
 the service of notice on the respective persons,  
 whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
 able property, within 45 days from the date of the  
 publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
 are defined in Chapter XXA of the said Act,  
 shall have the same meaning as given in  
 that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
 of the transferor to pay tax under the said Act, in  
 respect of any income arising from the transfer;  
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
 moneys or other assets which have not been or  
 which ought to be disclosed by the transferee for  
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
 Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land and building at Naduvankarai Village, Arinagar Anna  
 Nagar.

(Doc. No. 3108/84)

PREMA MALINI VASAN  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range-I  
 Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
 persons, namely :—

Date : 27-3-1985  
 Seal :

**FORM ITNS**

(1) Shri N Palaniyappan  
S/o Namappa Gounder,  
No 3, United India Nagar,  
Appanavaram,  
Madras 23

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT****COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE-I

MADRAS-600006

Madras-600006, the 6th March 1985

Ref. No 130/Sep/84—Whereas, I,  
PREMA MAINI VASAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value  
exceeding Rs 1,00,000/- and bearing  
No — situated at Dooli No 3 United India Nagar 1st St,  
Ayyanavaram  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
Anna Nagar (Doc No 3125 84) on Sep 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen percent of such apparent consideration and  
that the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of —

(2) Shri Gopal Shunmugham  
S/o N Gopal Mudaliar,  
No 19, Somasundara Devar 6th Street  
Appanavaram,  
Madras-23

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned —

(b) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette

**EXPLANATION** —The terms and expressions used herein  
as are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
money or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by transferee for the  
purposes of the Indian Income tax Act 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act 1957 (27 of 1957),

**THE SCHEDULE**

I land and building at Door No 3 United India Nagar,  
1st Street, JS No 94, Block No 17

(Doc No 3125 84)

PREMA MAINI VASAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range I  
Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons namely :—

Date 6 3 1985  
Sd/-

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras, the 9th April 1985

Ref. No. 131/Sep/84.—Whereas, I  
**PREMA MALINI VASAN**,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the  
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
 as the 'said Act'), have reason to believe that the  
 immovable property having a fair market value  
 exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing  
 S. No. 162/part, T.S. No. 85 situated at Naduvakkai village  
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
 has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of  
 1908) in the Office of the Registering Officer at  
 Anna Nagar (Doc. No. 3135/84) on September 1984  
 for an apparent consideration which is less than the fair  
 market value of the aforesaid property and I have reason to  
 believe that the fair market value of the property as  
 aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more  
 than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
 the consideration for such transfer as agreed to between  
 the parties has not been truly stated in the said instrument  
 of transfer with the object of :—

(1) Shri C. Thiruvengadam,  
 90, Kutt Gramani Street,  
 Raja Annamalaiapuram,  
 Madras-28.

(Transferor)

(2) Shri S. Bhaskaran and  
 Smt. B. Bhuvaneswari,  
 No. 298/2, H. T. G. Flat,  
 Belly Area, Anna Nagar,  
 Madras-40.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
 may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
 of 45 days from the date of publication of this  
 notice in the Official Gazette or a period of  
 30 days from the service of notice on the  
 respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immo-  
 vable property within 45 days from the date of the  
 publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as  
 are defined in Chapter XXII of the said  
 Act, shall have the same meaning as given  
 in the Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
 of the transferor to pay tax under the said act, in  
 respect of any income arising from the transfer;  
 and/or

## THE SCHEDULE

Land at Naduvakkai village. T.S. No. 85, Plot No. 2290.  
 (Doc. No. 3135/84)

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
 moneys or other assets which have not been or  
 which ought to be disclosed by the transferee for  
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
 Act, 1957 (27 of 1957);

PREMA MALINI VASAN  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
 ing persons, namely :—

Date : 9-4-1985

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Mrs. Jayamma Bhat and others,  
flat No. 7, 20,  
Jeevaratnam street,  
Adayar.

(Transferor)

(2) Shri B. Vasan Rao,  
D-49, Anna Nagar,  
Madras 102.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Madras, the 1st April 1985

Ref. No. 132/Sep/84.—Whereas, I  
PREMA MALINI VASAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
S. No. 207 Part 2 situated at Thirumangalam  
(and more fully described in the schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Anna Nagar (Doc. No. 3137/84 on September 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein are  
defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any  
money or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Land and building at Thirumangalam. S. No. 207.  
(Doc. No. 3137/84)

PREMA MALINI VASAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 1-4-1985

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri M Thomas  
S/o K C Thomas,  
No Agashya Nagar,  
Kilpauk  
Madras-10.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sm Saraswathi Sourirajan,  
W/o Sourirajan,  
No 97-B, Shanthi Colony,  
Anna Nagar,  
Madras-40.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras, the 19th April 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

Ref No 133/Sep/84.—Whereas, I  
PREMA MALINI VASAN,  
being the Competent Authority under Section 269D of  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
R.S. No 40 situated at Periakudal Village  
and more fully described in the schedule annexed hereto  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908), in the office of the Registering Officer at  
Anna Nagar (Doc No 3144/84) on September 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any  
money or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Land and building at R S No 40 Periakudal Village.  
(Doc. No 3144/84)

PREMA MALINI VASAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely:—

Date : 19-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri T. Sivashankar,  
S/o C. S. Thiruvengadam,  
25, Dr. C. P. Ramasamy Iyer Road,  
Madras-18

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

(2) Shri K. Padmanaban and  
Mrs. Rajini Padmanaban,  
I-51, Anna Nagar,  
Madras-102

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Madras, the 9th April 1985

Ref. No. 136/Scp/84.—Whereas, I  
PREMA MALINI VASAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Plot No. 2235, Block No. 9A, T.S. No. 50 situated at Anna Nagar, Madras-40, R.S. No. 161, T.S. No. 50, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anna Nagar, (Doc. No. 3374/84) on September 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and building sit Plot No. 2235, Anna Nagar, Madras-40.

(Doc. No. 3374/84)

PREMA MALINI VASAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

51—86GI/85

Date : 9-4-1985

Seal :

## FORM ITN—

(1) Shri L. R. Visweswara Rao,  
S/o L V. Ramaitth,  
29, Habibullah Road,  
Madras-17.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras, the 19th April 1985

(2) M/s. P. V. Kodha Raamgopal &  
C. Rama Priya Devi,  
908, P. H. Road,  
21, Station Road,  
Madras.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land and building at Ayanavaram Village, Kujji Naicken street.  
(Doc. No. 3353/84 & 3354/84)

PREMA MALINI VASAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 19-4-1985

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX**  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras, the 12th April 1985

Ref. No. 140|Sep|84.—Whereas, I  
PREMA MALINI VASAN,  
being the Competent Authority under Section 269B  
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value  
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing  
T.S. No. 29|part Plot No. 549 situated at Aringar Anna Nagar,  
Madras  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Anna Nagar, (Doc. No. 3346|84) on September 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(1) Shri A. Tarachand Jain,  
S/o Shri Askaranji,  
No. 39, Arasappa Mudali Street,  
Purasawalkkam,  
Madras-7.

(Transferor)

(2) Smt. Geeta Juwar,  
W/o Shri Bhagwandas Jhawar,  
No. 87, Godown Street,  
Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or

**THE SCHEDULE**

(b) facilitating the concealment of any income of any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Land at Aringar Anna Nagar, Madras-40. Plot No. 549.  
(Doc. No. 3346|84)

PREMA MALINI VASAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 12-4-1985

Seal .

## FQRM ITNS

(1) Sh. T. Thirugnanam,  
18, 5th Cross Street,  
Shenoy Nagar,  
Madras-600 030.

(Transferor)

(2) Sh. Shyam Sundar Damani and  
four others, No. 28, Purushotham  
Mudaliar Road, Lake area,  
Nungambakkam, Madras-34.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras, the 2nd April 1985

Ref. No. 143/Sep/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing bearing No. T.S. No. 43, Block No. 9 situated at Door No. 18, 5th Cross Street, Shenoy Nagar West, Madras-30 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anna Nagar (Doc. No. 3335/84) on Sep. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land and building at No. 18, 5th Cross Street, Shenoy Nagar West, Madras-30.  
(Doc. No. 3335/84).

PREMA MALINI VASAN  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Competent Authority  
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 2-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS  
Madras, the 19th April 1985

Ref. No. 144/Sep/84.—Whereas, I,  
**PREMA MALINI VASAN**,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing  
bearing No. Door No. 12 situated at  
Lakshmiapuram First Street, New Avadi Road,  
Villivakkam, Madras-49.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Anna Nagar (Doc. No. 3332/84) on Sep. 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therfor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of .—

(1) Smt Granthala Radha Bai,  
12, Lakshmiapuram First Street,  
New Avadi Road,  
Villivakkam,  
MADRAS-49.

(Transferor)

(2) Mrs. T. Vijayalakshmi,  
No. 87, Vellala Street,  
MADRAS-84.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land and building at No. 12, Lakshmiapuram First Street,  
New Avadi Road, Villivakkam, Madras-40.  
(Doc. No. 3332/84).

PREMA MALINI VASAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Competent Authority  
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Dated : 2-4-1985  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

## FORM ITNS

(1) Sh. K. Piramanayakam Pillai,  
6, Vyssa Rao Street,  
T. Nagar,  
MADRAS-17.

(Transferor)

(2) Sh. K. K. Abdul Jabbar,  
57A, Mathum Marikkayar St.,  
Vandhavasi,  
North Arcot Dist.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras, the 27th March 1985

Ref. No. 147/Sep|84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

bearing No. Survey No. 221/1 situated at Plot No. 945, 17th Street, Anna Nagar West, Thirumangalam Madras-40 has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anna Nagar (Doc. No. 3184|84) on Sep. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

## THE SCHEDULE

Land and building at Plot No. 945, 17th Street, Anna Nagar West, Thirumangalam, Madras-40.  
(Doc. No. 3184|84).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

PREMA MALINI VASAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 19-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Sh. V. Ramakrishnan,  
S/o M. Veerasingam,  
No. 82, Chakli High Road,  
MADRAS-12.

(Transferor)

(2) Sh. Mohamed Razvi,  
S/o M. K. Meenan Muslim,  
No. 59, A.J. Block,  
Anna Nagar,  
MADRAS-40.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras, the 2nd April 1985

Ref. No. 149/Sep/84.—Whereas, I,  
PREMA MALINI VASAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
bearing No. Plot No. 4467 T.S. No. 653 situated at  
Mullam village

has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Anna Nagar (Doc. No. 3230/84) on Sep 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publication  
of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

Land and building at Mullam village, Anna Nagar, T.S.  
No. 653.  
(Doc. No. 3230/84).

(b) facilitating the concealment of any income or any  
money or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

PREMA MALINI VASAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

Date : 2-4-1985

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-600 006  
Madras-600 006, the 29th March 1985

Ref. No. 150|Sep|84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Survey No. 9|2 situated at Podinaickenpatti village, Salem Taluk (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at C.R. Suranangalam (Doc. No. 1910|84) in September 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Shri R. Marimuthu,  
S/o. Ratnam Mudaliar,  
11, 11A, Aowayar Street,  
Podinaickenpatti,  
Selam Taluk.

(Transferor)

(2) Shri L. Godandapani,  
D/o. Loganatha Udayar,  
No. 79, Post Office Street,  
Sooramangalam,  
Podinaicken Patti,  
Salem Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Land and building at Podinaickenpatti village.  
Survey No. 9|2. (Doc. No. 1910|84).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

PREMA MALINI VASAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 29-3-1985.

Seal :

## FORM I T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 13th March 1985

(1) Shri R. Paramahamsam,  
S/o. G. Ramachandra Chetty,  
2, Banumathy,  
W/o. R. Paramahamsam,  
55, Sinna Muthukara Street,  
Sevaipet,  
SALEM-2

(Transferor)

(2) Minor N. Hema,  
D/o. K.M.P. Nagappan,  
82, Nija Farelands,  
Alagapuram,  
SALEM-4.

(Transferee)

Ref. No. 151|Sep|84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Survey No. 106|5A situated at Alagapuram village, Salem Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Suramangalam (Doc. No. 2013|84) on September 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land and building at Alagapuram village, Salem Taluk Survey No. 106|5A. (Doc. No. 2013|84).

PREMA MALINI VASAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Madras-600 006

Date : 13-3-1985

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—  
52—86 GI|85

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-600 006

(1) Shri Asok Kumar Kankoria,  
Shri Mahabirchand Kankoria,  
Shri Ajit Kumar Kankaria,  
72, Audiappa Naicken Street,  
MADRAS-79.

(Transferor)

(2) M/s. Bhawarlal,  
Devichand,  
Kukadidevi,  
Chandravathi Devi,  
3, Badrian Garden Street,  
MADRAS-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Madras-600 006, the 19th April 1985

Ref. No. 153/Sep/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 53, Erulappan Street, Madras-21 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras Central (Doc. No. 932/84) on September 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Building at No. 53, Erulappan Street, Madras-21.  
(Doc. No. 932/84).

PREMA MALINI VASAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 19-4-1985.  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) 1. Sri V. Arumugham,  
S/o Veerappan & others,  
M. Mariyanadhapuram,  
Dindigul.

(Transferor)

(2) M. P. Karuppiah Pillai,  
S/o M. Palaniappa Pillai & Others,  
12/23, Mounspuram, 3rd Lane,  
Dindigul.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
MADURAIObjections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Madurai, the 19th April 1985

Ref. No. 55[September]84.—Whereas, I,  
V. M. MUTHURAMALINGAM,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 100,000/- and bearing  
T. S. No. 4 Punja Lands  
situated at Dindigul Town  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act 1908, (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Dindigul Doc. No 1490 on September 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

Punja Lands at T. S. No. 4|Dindigul Doc. No. 1490[84].

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

V. M. MUTHURAMALINGAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Madurai.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 19-4-1985.

Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
MADURAI-600 006

Madurai, the 19th April 1985

Ref. No. 56[September]84.—Whereas, I, V. M. MUTHURAMALINGAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land and Building at T. S. No. 65 situated at Dindigul Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dindigul (Doc. No. 1459[84]) on September 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) A. Sakkarai Asari,  
S/o Alagaprun Asari,  
47, Erumaikara St,  
Dindigul,

(Transferor)

(2) Smt. Padmavathi Ammal and Others,  
78, South Agraharam,  
Periyakulam Town.

(Transferee)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

## THE SCHEDULE

Land and Building at T. S. No. 65, Ward No. Dindigul Town (Doc. No. 1459[84]).

(b) facilitating the concealment of any income or any ~~money~~ or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

V. M. MUTHURAMALINGAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Madurai.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 19-4-1985.

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-600 006.

Madras, the 19th April 1985

Ref. No. 57[Sept]84.—Whereas, I,  
**V. M. MUTHURAMALINGAM**,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable  
property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/-  
and bearing  
T. S. No. 782 Land and Building  
situated at Dindigul Town-4th Ward  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act 1908, (16  
of 1908) in the office of the Registration Officer at  
Dindigul (Doc. No. 1660[84])  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(1) D. Chandrasekaran,  
S/o Dhandaapani Chettiar,  
101, Main Road,  
Dindigul.

(2) Shanakalai and Others,  
Kudaparappattu,  
Dindigul,

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

Land and Building at T. S. No. 782, Ward No. 4, Dindigul  
(Doc. No. 1660[84])

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

**V. M. MUTHURAMALINGAM**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Madurai.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 19-4-1985.  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) P. Alagarswamy,  
East Pillaiyar Koil St.,  
Door No. 140/74,  
Annanagar, Trichy.

(Transferor)

(2) S. M. B. Manickam Nadar,  
110, East Ratha Veedhi,  
Dindigul Town.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-600 006.

Madras, the 19th April 1985

Ref. No. 58/Sep/84.—Whereas, I,  
V. M. MUTHURAMALINGAM,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Land T. S. No. 2064[1, 2064[2, 2066]1A & 2067  
situated at Dindigul  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act 1908, (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Dindigul (Document No. 1652[84]) on September 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:** The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
money or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land in T. S. T. S. No. 2064[1, 2064[2, 2066]1A and 2067  
at Dindigul (Doc. No. 1652[84]).

V. M. MUTHURAMALINGAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Madurai

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely:—

Date : 19-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS

- (1) R. Kamala Bai Ammal,  
W/o Rajagopal,  
Mounisipuram 2nd Lane,  
Dindigul.  
(Transferor)
- (2) J. Hamya Ibrahim & Others,  
Mohamadivapuram,  
Madurai Road, Begumpur,  
Dindigul.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-600 006.

Madras, the 19th April 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

'a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land and Building at T. S. No. 54/1, Ward No. 1, Dindigul (Document No. 1627/84).

V. M. MUTHURAMALINGAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Madurai

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 19-4-1985

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I.  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 19th April 1985

Ref. No. 60|Sept|84.—Whereas, I,  
V. M. MUTHURAMALINGAM,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value  
exceeding Rs 100,000/- and bearing No.  
the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the  
Registering Officer at  
T.S. No. 76, 77A/1 and 77A(3) situated at Ottanchathiram  
Palani,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of  
the Competent Authority  
Ottanchathiram (Doc. No. 848|84) on 6-9-1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to be  
between the parties has not been truly stated in the said instru-  
ment of transfer with the object of—

(1) Smt. K. Erramal alias Krishnaveni,  
W/o Krishna Bharathi Rddiar  
Thumimichampatti, Oddanchathiram, Palani,  
K. Balachandran,  
Thumimichampatti, Oddanchathiram,  
Palani.

(Transferor)

(2) Dr Kuruvilla Warki,  
The Secretary,  
Christian Fellowship Society,  
Oddanchathiram, Palani.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
money or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferor for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Land at T.S. No 76, 77A/1 and 77A/3 (Doc. No 848  
and 849|84)

V. M. MUTHURAMALINGAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Madurai

Date : 19-4-1985  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

## FORM ITNS—

(1) N. P. Arunachalam,  
S/o N. Palaniappa Gounder,  
Manjanayackanpatty, PaPlani Taluk.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 19th April 1985

Ref No. 61/Sep/84.—Whereas, I,  
V. M. MUTHURAMALINGAM,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing  
T. S. No. 171/1 (Agri. land) situated at Eramanayakanpatty  
village, Palani Taluk  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the  
Registering Officer at  
Chittirapatti, Palani Taluk (Doc No. 526/84) on 30-9-1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expired later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein  
are defined in Chapter XXA of the said Act.  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

T. S. No. 171/1 (Doc. No. 526/84)  
village, Palani Taluk (see to 11)

V. M. MUTHURAMALINGAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Madurai

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—  
52-86 GI/85

Date : 19-4-1985  
Seal :

**FORM ITNS**

(1) Lakshmanan Chettiar & Others,  
Kanavaipatty, Kumarapalayam,  
Darapuram Taluk.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-600 006**

Madras-600 006, the 19th April 1985

Ref. No. 62|Sept|84.—Whereas, I, V. M. MUTHURAMALINGAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Lands as specified in the Documents situated at Idayakottai, Palani Taluk (Doc. Nos. 226|84, 227|84, 228|84 and 229|84 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Idayakottai, Palani Taluk on 15-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Easwaran and others,  
Kanavaipatty, M. Attappanpatty,  
Palani Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Lands at Attappanpatty, Idayakottai (Doc. Nos. 226|84, 227|84, 228|84 and 229|84).

V. M. MUTHURAMALINGAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Madurai

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 19-4-1985

Seal :

## FORM ITNS

(1) J. Ram and Others,  
Nadu Street, Chinnalapatty,  
Dindigul Taluk

(Transferor)

(2) K. S. S. Chinniah & Others,  
Kumara Jay Salai, Chinnalapatty,  
Dindigul Taluk

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

ACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS 600 006

Madras 600 006, the 19th April 1985

Ref. No. 63[Sept]84 —Whereas, I,  
V. M. MUTHURAMALINGAM,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing

Land and building as specified in the Document situated at Ambathurai, Dindigul Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Chatrapatti (Doc. No. 941[84] on 15.9.1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and Building in TS No. 31[1], 36[2], 36[3], 37[1], 37[2] and 37[3] at Ambathurai, Chinnalapatty

(Doc No. 941[84])

V. M. MUTHURAMALINGAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Madurai

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 19-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I,  
MADRAS 600 006

Madras 600 006, the 19th April 1985

Ref. No. P. No. 64/Sept/84.—Whereas I,  
 V. M. MUTHURAMAI INGRAM  
 being the Competent Authority under Section 269B of the  
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding  
 Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
 Sl. No. 47 & P. situated at Kodikkanal  
 (and more fully described in the schedule annexed hereto)  
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the name of the Registrar Office  
 Sub Registrars Office Kodikkanal Doc No. 524/81 dated 19/3/81  
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the said property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration by not less than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as aforesaid between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any sum received from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or other money or other asset, which have not been declared which ought to be declared for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Act of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, with the procedures for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Mr. George Alexander & Others,  
 Legal representatives by  
 Mr. Kurian  
 at Puth. of 1 house in Alapadukkara,  
 Kanchipuram Village,  
 Kanchipuram Taluk,  
 Kanchipuram State.

(2) Sri. Iyer Chidambaram & Sons,  
 22, Anna Salai Rayavaram Road,  
 T. N.agar, Madras 17

(Transferee)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by one of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by a other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Lalit at Kodaikanal

V. M. MUTHURAMAI INGRAM  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range Madurai

Date: 19.4.1985

Seal.

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOM-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-600 006

MADRAS-600 006, the 19th April 1985

Ref. No. 65/Sep 84.—Whereas, I,  
V. M. MUTHURAMALINGAM,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable  
property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/-  
and bearing No.  
T. S. No. 47[2A (Land situated at Kodaikanal  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been registered under the Registration Act 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Kodaikanal (Doc. No. 527[84) on 15-9-1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(1) Robert George Alexander & Others,  
Represented by  
P. M. Kunan  
at Puthen House in Alappuzha-Kara,  
Panachikad Village,  
Kottayam Taluk,  
Kerala State.

(2) Kanyakumari Traders (P) Ltd.  
36, Arch Bishop Mathews Avenue,  
Madras-28.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
money or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land in T. S. No. 47[2A (Doc. No. 527[84).

V. M. MUTHURAMALINGAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Madurai

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Date : 19-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Mrs. Neela Subramaniam,  
50-30 Cross,  
Jayanagar,  
Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri P. Parameswaran,  
S/o Shri Padmanabha Iyer,  
Garuda Vihar,  
Kodaikanal,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 19th April 1985

Ref. No. 66/Sep/84.—Whereas, I,  
V. M. MUTHURAMALINGAM,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing  
Land and Building in S. No. 82|1|83|2, 84 and 85 situated at  
Kodaikanal Town.  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred  
under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office  
of the Registering Officer  
at Kodaikanal (Doc No. 544|84) on 15-9-1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of publication  
of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

Land and Building at S. No. 82|1, 83|2, 84 and 85 in  
Kodaikanal Town (Doc. No. 544|84).

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

V. M. MUTHURAMALINGAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Madurai

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

Date : 19-4-85

Seal :

## FORM ITNS—

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 19th April 1985

Ref. No. 67/Sep/84.—Whereas, I,  
**V. M. MUTHURAMALINGAM**,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Land and Building at T. S. No. 204, 205 and 209 situated at  
Madurai Town,  
and more fully described in the Schedule annexed hereto,  
has been transferred  
under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office  
of the Registering Officer  
at Madurai (Doc. No. 111|4909|84) on 30-9-1984,  
for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I  
have reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefor by more than fifteen per cent of such apparent  
consideration and that the consideration for such transfer  
as agreed to between the parties has not been truly stated  
in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri O. M. S. Rajamanicka Nadar,  
185, East Masi St.,  
Madurai,  
(Transferor)  
(2) OM. SS. S. Palanichamy Nadar,  
S/o OM. SS. Subbiah Nadar,  
13-C, Pathuthoon Lane,  
Madurai.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;  
  
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of  
the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferer to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Land and Building at T. S. No. 204, 205 and 209 at Madurai Town (Doc. No. 111|4909|84).

V. M. MUTHURAMALINGAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Madurai

Date : 19-4-85

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

## FORM ITNS

(1) M. R. Mahadevan,  
23, Chairman Muthuramai Per Veedhi,  
Madurai-9.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M. M. Jayaprakash,  
S/o N.M. R. V. Mahadevan,  
23, Chairman Muthuramai Per Veedhi,  
Madurai-9.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY  
INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 19th April 1985

Ref. No. 68/Sep/84.—Whereas, I,  
V. M. MUTHURAMALINGAM,  
being the Competent Authority under Section 269AB of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property having a fair market value exceeding  
Rs. 100,000/- and bearing  
T. S. No. 2587/A6 Land & Building situated at Madurai Town  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred  
under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office  
of the Registering Office  
at Madurai (Doc. No. 5055/84) on 30-9-1984.  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the parties  
has not been truly stated in the said instrument of transfer  
with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Land and Building at T. S. No. 2587/A6 at Madurai Town  
(Doc. No. 5055/84).

V. M. MUTHURAMALINGAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Madurai

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Date : 19-4-85

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 19th April 1985

Ref. No. 69/Sep/84.—Whereas, I,  
**V. M. MUTHURAMALINGAM**,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land and Building at T. S. No 188/2 and 188/3 situated at Madurai Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madurai (Doc. No. 4555/84 on 15-9-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Paramasivam and Others,  
 2-M, New Vadugakavalkooda Street,  
 Madurai.

(Transferor)

(2) Smt. R. Sundari,  
 W/o T. Ramaswamy Iyengar,  
 135, North Perumal Maistry St.,  
 Andavan Store.  
 Madurai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the meaning assigned to them in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Land and Building at T. S. N. 188/2 and 188/3 at Madurai (Doc. No. 4555/84).

**V. M. MUTHURAMALINGAM**  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range, Madurai

Date : 19-4-85  
 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
 54—86 GI/85

## FORM ITNS

(1) P. Rathnam Chettiar,  
63 Khanpalayam 3rd St,  
Madurai

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Minor Murthi and Mami,  
By mother and guardian  
T Seshammal,  
36 Sammandamoorthy St,  
Madurai

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE I, MADRAS

Objections if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned.—

Madras-600 006 the 19th April 1985

Ref No 70(Sep|84)—Whereas, I,  
V M MUTHURAMALINGAM  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) hereinafter referred  
to as the "said Act") have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs  
1,00,000/- and bearing No  
Land and Building T S No 1933 situated at Madurai  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred  
under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office  
of the Registrar, Office  
at Madurai (Doc No 4771|84) on 15-9-1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property is  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of —

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette

**EXPLANATION** —The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer,  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been for  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act 1957 (27 of 1957),

## THE SCHEDULE

Land and Building at T S N 1933 at Madurai (Document  
No 4771|84)

V M MUTHURAMALINGAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Madurai

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said  
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely —

Date 19-4-85

Seal

**FORM ITNS**

(1) Smt. T.S. Balammal and Others,  
4, B. B. Road,  
Balarengapuram,  
Madurai-9.

(Transferor)

(2) K. R. Kuppumoorthy,  
S/o Rajagopal,  
60A, Khanpalayam St.,  
Madurai-9.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 19th April 1985

Ref. No. 71/Sep/84.—Whereas, I,  
V. M. MUTHURAMALINGAM,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Land and Building T. S. No. 2587/A-2B situated at Madurai  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred  
under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office  
of the Registering Officer  
at Madurai (Doc. No. 4577/84) on 15-9-1985.  
for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefor by more than fifteen per cent of such apparent  
consideration and that the consideration for such transfer  
as agreed to between the parties has not been truly stated in  
the said instrument of transfer with the object of :—

**Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—**

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immove-  
able property within 45 days from the date of  
the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

**THE SCHEDULE**

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Land and Building at T. S. No. 2587 at Madurai (Doc. No. 4577/84).

V. M. MUTHURAMALINGAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Madurai

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :

Date : 19-4-85  
Seal :

**FORM ITNB****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

(1) T. S. Chandrasekaran & Others,  
Sourashtra High School Colony,  
Anuppanadi, Teppakulam Road,  
Madurai-9

(Transferor)

(2) M. Sarguna Devi,  
W/o, Murugan,  
30-A, New Pankajam Colony,  
Kamarajar Salai,  
Madurai-9.

(Transferee)

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-I  
MADRAS-600 006****Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—**

Madras-600 006, the 19th April 1985

Ref. No. 72/Sep./84.—Whereas, I,  
V. M. MUTHURAMALINGAM,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land and Building T. S. No. 2372/1 situated at Madurai (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madurai (Doc. No. 4617/84) on 15-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 day, from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

**THE SCHEDULE**

Land and Building in T. S. No. 2372/1 at Madurai.  
(Doc. No. 4617/84)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

V. M. MUTHURAMALINGAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 19-4-1985

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Rupa P. Kamalam and Others,  
28A/1, Chairman Nallamuthu Pillai Lane,  
Madurai.  
(Transferor)  
(2) S. Pushpam,  
29, Chairman Nallamuthu Pillai Lane,  
Madurai.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I  
MADRAS-600 006

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Madras-600 006, the 19th April 1985

Ref. No. 73/Sep.84.—Whereas, I,  
V. M. MUTHURAMALINGAM,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the "said Act"), have reason to believe that the immoveable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing

T. S. No. 17/13 Land and Building situated at Madurai  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the registering Officer at  
Madurai (Document No 4695/84) on 15-9-1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days, from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable  
property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein  
are defined in Chapter XXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and Building in T. S. No. 17/13, Madurai,  
(Doc. No. 4695/85)

V. M. MUTHURAMALINGAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the Acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269 D of said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

Date : 19-4-1985  
Seal :

**FORM ITNS**

(1) M. K. Subramaniam,  
8, Sithu Balakrishna Iyer Lane,  
Madurai-9.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) J. N. Jothikrishnan,  
59, Tiruvalluvar Colony,  
Madurai.

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-I  
MADRAS-600 006**

Madras-600 006, the 19th April 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. 74/Sep./84.—Whereas, I,  
V. M. MUTHURAMALINGAM,  
being the Competent Authority under Section  
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter  
referred to as the 'said Act') have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
T. S. No. 606 Land and Building situated at Madurai  
(and more fully, described in the Scheduled annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the registering Officer at  
Madurai (Document No. 4712/84) on 15-9-1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Land and Building in T. S. No. 606, Madurai.  
(Doc. No. 4712/84)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

V. M. MUTHURAMALINGAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 19-4-1985

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Somasundaram Chettiar & Others,  
30-B, Melachetty St. Madurai.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) C. Sethuraman,  
2-B, Lakshmiapuram 8th St.,  
Madurai.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 19th April 1985

Ref. No. 75/Sep.84.—Whereas, I,  
**V. M. MUTHURAMALINGAM**,  
 being the Competent Authority under Section 269D of the  
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
 to as the 'said Act') have reason to believe that the im-  
 movable property, having a fair market value exceeding  
 Rs. 1,00,000/- and bearing  
 Land and Building in T. S. No. 746 & 748 situated at  
 Madurai  
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
 1908) in the office of the Registering Officer at  
 Madurai (Doc. No. 4737/84) on 15-9-1984  
 for an apparent consideration which is less than the fair  
 market value of the aforesaid property, and I have reason  
 to believe that the fair market value of the property as  
 aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
 more than fifteen per cent of such apparent consideration  
 and that the consideration for such transfer as agreed to  
 between the parties has not been truly stated in the said  
 instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
 45 days from the date of publication of this notice  
 in the Official Gazette or a period of 30 days from  
 the service of notice on the respective persons,  
 whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immo-  
 vable property, within 45 days from the date of the  
 publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
 are defined in Chapter XXXA of the said Act,  
 shall have the same meaning as given in  
 that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
 of the transferor to pay tax under the said Act, in  
 respect of any income arising from the transfer;  
 and/orLand and Building in T. S. No. 746 and 748 at Madurai.  
 (Doc. No. 4737/84)(b) facilitating the concealment of any income or any  
 moneys or other assets which have not been or  
 which ought to be disclosed by the transferee for  
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
 Act, 1957 (27 of 1957);

**V. M. MUTHURAMALINGAM**  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range  
 Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
 section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
 persons, namely :—

Date : 19-4-1985

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 19th April 1985

Ref. No. 76/Sep./84.—Whereas, I, V. M. MUTHURAMALINGAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land & Building in T.S. No. 868/7-2 and 868/6 situated at Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Madurai (Document No. 4753/84) on 15-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that of transfer with the object of .—

(1) Sarada Ammal  
W/o. Pichai Chettiar,  
1, Khanpalayam Cross Street,  
Madurai.

(Transferor)

(2) P. Saravan Kumar,  
S/o. Pandian Chettiar,  
6/12, Ambalakara Chettiar St.  
Paramakudi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition or the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) By any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land and building in T. S. No. 868/7-2 and 868/6 at Madurai.  
(Doc. No. 4753/84).

V. M. MUTHURAMALINGAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :.

Date : 19-4-1985

Seal :

## FORM ITNS—

(1) SP. R. M. Ramanathan Chettiar & Others  
Nattalasankotai,  
Ramnad Dt  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-1  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 19th April 1985

Ref. No. 77|Sep.|84.—Whereas, I, V. M. MUTHURAMALINGAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-, and bearing

Land and Building at T. S. No. 86 situated at Madurai Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Madurai (Document No. 4227|84 on 15-9-84) to an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land and Building in T. S. No. 86 at Madurai (Doc. No. 4227|84)

V. M. MUTHURAMALINGAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Madras-600 006.

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

55—86 GI|85

Date : 19-4-1985

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 19th April 1985

Ref No. 78/Sen/84.—Whereas, I, V. M. MUTHURAMALINGAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Door No. 301D situated at West Masi Street, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (14 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registrar Pudumandalapam, Madurai, (Doc. No. 2270/84) on September, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (a) Smt. Rathinammal,  
W/o Thangavelu Mutharai,  
30, West Masi St., Madurai.
- (b) Sabi alias R. Jamil Ekmal,  
W/o Kanagaraj Mutharai,  
14, Sadai am Pillai St., Udamalpet.
- (c) Sulala alias Meenakshi  
W/o Radhakrishnan,  
Kottur Maayandipattinam,  
Pollachi Taluk.

(Transferee)

- (2) Smt Kalvanasundrammal,  
W/o A. M. C. Arunachalam,  
197-A East Perumal Maistry Street,  
Madurai.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House Property at Door No. 301D West Masi St., Madurai.  
Document No. 2270/84. SRO, Pudumandalapam, Madurai.

V. M. MUTHURAMALINGAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Madurai.

Date : 19-4-1985.

Seal :

## FORM NO. I.T.N.S.—

(1) M. Subbiah Thevar,  
S/o MutuSwamy Thevar  
58 M ulana St., Anna Nagar,  
Madurai.

(Transferor)

(2) Smt. Hemalatha,  
W/o P. K. Krishnasamy,  
25 Arumugam Asari Lane,  
South Vazal,  
Madurai.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 19th April 1985

Ref. No. 79/Sep/84.—Whereas, I,  
V. M. MUTHURAMALINGAM,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred  
to as 'said Act' have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs.  
1,00,000/- and bearing No.  
S. No. 75|1 and 75|2 (Land) situated at Pudumanapam,  
Madura,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at Pudumanapam, Madurai (Doc. 23-14/84) on 30-9-1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
money or other assets which have not been for  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land at T. S. No 75|1 and 75|2 at Madurai  
(Doc. No. 2314/84).

V. M. MUTHURAMALINGAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range  
Madurai.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the  
following persons, namely:—

Date : 19-4-1985

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 19th April 1985

Ref. No 80|Sep|84.—Whereas, I,  
V. M. MUTHURAMALINGAM,  
being the Competent Authority under Section  
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter  
referred to as the 'said Act') have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and  
being No. 1 Land and Building in T. S. No. 94 and 95/2  
situated at Tiruthangal Village.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer  
at Madurai (Doc. No. 1368|84)  
on 15-9-1984.  
For an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration thereto by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1924  
(11 of 1924) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under  
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

(1) A. Saroja  
W/o. KA AA. Arunachalam Nadar & Others  
Railway Feeder Road,  
Sivakasi.

(Transferor)

(2) S. Ashok  
S/o K.A.A. Arunachalam Nadar  
164, Palaniandipuram Colony,  
Sivakasi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building at T.S. No. 94 and 92/2 at Tiruthangal  
(Doc. No. 1368|84).

V. M. MUTHURAMALINGAM  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Madurai.

Date : 19-4-1985.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Somasundara Nadai,  
2/ India Chavambika Nadar St.,  
Sivakasi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Manjula,  
W/o K. Selvam,  
86, Sub Ammanapuram Colony  
Sivakasi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 19th April 1985

Ref No. 81|Sep|84 —Whereas, I,  
V. M. MUTHURAMALINGAM,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs.  
1,00,000/- and bearing  
Land and Building in T. S. No. 1488[2] situated at Tiruhangal,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereunto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering  
Officer at Tiruhangal (Doc. No. 1475|84) on 30-9-1984.  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Land and building at T. S. No. 1488[2].  
(Doc. No. 1475|84).

V. M. MUTHURAMALINGAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range  
Madras.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Date : 19-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 15th April 1985

Ref. No. F. No. 82[Sept]84.—Whereas, I, V. M. MUTHURAMAIINGAM, being the competent authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Survey No. 757|1 D 3A5 situated at Sivakasi, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registrar Sivakasi (Document No. 2-96[84]) on September, 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Sri K. Gopal and Sri K. Kannan, for M/s. Gopi Kannan Trade s, K m k hi Nagar, Thiruthangal, Sivakasi.

(Transferee)

(2) Smt. A. R. Porpavai, W/o P. I. Arunachalam Chettiar, Valayapatti, Thirumalai Taluk, Pudukkottai & Dist. Sivakasi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEMULE

Vacant site in S. No. 757|1 D3 A5 in Sivakasi Sub Registrar, Sivakasi. Document No. 2486[84].

V. M. MUTHURAMAIINGAM  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range  
Madurai.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 15-4-1985

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 15th April 1985

Ref. No F No 83|Sept|84—Whereas, I,  
**V. M. MUTHURAMALINGAM,**  
 being the Competent Authority under Section 269B of the  
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
 as the said Act) have reason to believe that the immovable  
 property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/-  
 and bearing  
 Ward No. 15, situated at Vanakkara St., Ramanathapuram  
 Town,  
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
 Office of Joint Sub-Registrar-I, Ramanathapuram (Document  
 No. 933|84). in September, 1984,  
 for an apparent consideration which is less than the fair  
 market value of the aforesaid property and I have reason to  
 believe that the fair market value of the property as aforesaid  
 exceeds the apparent consideration therefor by more  
 than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
 the consideration for such transfer as agreed to between the  
 parties has not been truly stated in the said instrument of  
 transfer with the object of :—

(1) Smt. Jayalakshmi Ammal,  
 W/o. Sri R. V. Vadivel Pillai,  
 No. 20 Chelathamman Road St,  
 Madurai

(Transferor)

(2) Smt. Sycil Fathumal,  
 W/o Sri Khaja Nag mudeen,  
 Theriruvchi,  
 Muthukulamur,  
 Ramanathapuram Dist.  
 Madurai.

(Transferee)

Objections if any to the acquisition of the said property  
 may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
 45 days from the date of publication of this notice  
 in the Official Gazette or a period of 30 days from  
 the service of notice on the respective persons,  
 whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
 are defined in Chapter XVA of the said Act,  
 shall have the same meaning as given in that  
 Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
 of the transferor to pay tax under the said Act in  
 respect of any income arising from the transfer;  
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
 moneys or other assets which have not been or  
 which ought to be disclosed by the transferee for  
 the purposes of the Indian Income-tax Act 1922  
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
 Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

House Property at Ward No. 15, Vanakkara St., Ramanathapuram Town  
 Document No. 933|84 Joint Sub-Registrar-II, Ramanathapuram.

V. M. MUTHURAMALINGAM  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range  
 Madurai.

Date : 15-4-1985  
 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
 persons, namely :—

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
MADURAI-625002

Madurai-625002, the 15th April 1985

Ref. No. F. No. 84/Sept 84.—Whereas, I,  
V. M. MUTHURAMALINGAM,  
being the competent authority under section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the said Act) have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing  
No. Survey No. 18/2 situated at Sankaraperi village,  
Bolnaicken Pettai, Tuticorin  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
at Joint Sub-Registrar-II, Tuticorin, Document No. 905/84  
in September 1984  
for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefor by more than fifteen per cent of such apparent  
consideration and that the consideration for such transfer as  
agreed to between the parties has not been truly stated in  
the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri Pugalenth,  
S/o. Sri S. S. Marickavasage Nadar,  
No. 29, Selviger St.,  
Tuticorin.

(Transferor)

(2) 1. P. Durairaj,  
S/o Peria Nadar,  
2. Nehruprakash, S/o. K. Kathiresan,  
182-K, Vicorial Extension Road,  
Tuticorin.  
3. A. P. Chellappa Nadar,  
S/o. Perianayaka Nadar,  
123, Kamraj Nagar, Rajapalayam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building in S. No. 18/2 Door No. 109,  
Bolnaickenpettai, Tuticorin

V. M. MUTHURAMALINGAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Madurai.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons namely :—

Date : 15-4-1985

Seal :

## FORM ITNS

(1) S. N. T. Rajaram,  
S/o. C.Rm. N. Thirupathi Nadar,  
46, Chakkadi St., Kovilpatti.

(Transferor)

(2) N. R. K. R. Ravindran,  
S/o. N. R. K. Rajarathina Nadar,  
No. 3, A. R. Arunachale Nadar Road,  
Sivakasi.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE  
MADURAI-625002Madurai-625002, the 15<sup>th</sup> April 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. F. No. 85/Sep/84.—Whereas, I, V. M. MUTHURAMALINGAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No Survey No. 774 Door No. 2/73 & 2/73A situated at Eppothomvendran, Ettayapuram Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (1908) in the Office of the Registering Officer at Sub. Registrar, Ettayapuram, Document No 1-16/84 in September 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

## THE SCHEDULE

Land and Buildings in Door No. 2/73 and 2/73-A and in Survey No. 377-4 in Eppothumvendran village, Ettayapuram Taluk.  
SRO, Ettayapuram. Doc. No. 1-16/84.

V. M. MUTHURAMALINGAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Madurai.

NOW, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

56—86 GI[85]

Date : 15-4-1985

Seal :

## FORM ITNS

(1) S. Natarajan,  
11, C. N. K. Road,  
Tiruplicane, Madras-5.

(Transferor)

(2) I. D. Violet, W/o. R. Dhanapalan,  
2. A. Florida, W/o. Anthoniidose,  
No. 29, 1st Main Road,  
Kodambakkam, Madras-26.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
MADURAI-625002

Madurai-625002, the 15th April 1985

Ref. No. F. No. 84.—Whereas, I,  
V. M. MUTHURAMALINGAM,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to  
as the said Act) have reason to believe that  
the immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. S.No. 309 situated at Nagalkoda village, Tenkasi Taluk  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred as per deed registered under the Indian  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the  
Registering Officer  
at Joint Sub-Registrar-II, Tenkasi Document No. 710|84 in  
Sep. 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION.**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or

## THE SCHEDULE

Agricultural lands in Survey No. 309 in Nagalkoda village,  
Tenkasi Taluk, Tirunelveli District.  
Joint Sub-Registrar-II, Tenkasi. Document No. 710|84.

(b) facilitating the concealment of any income or any  
money or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act  
1957 (27 of 1957);

V. M. MUTHURAMALINGAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Madurai.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Date : 15-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) S. KR. Valliammai Achi,  
W/o. M. P. N. S. Kalappiah Chettiar,  
Kuruvikondanpatti, Rangam,  
Thirumay Taluk, Pudukottai Dist,

(Transferor)

(2) K. Vasudevan,  
S/o. Krishna Pillai,  
No. 13, Lakshminipuram 1st St.,  
Pudukkottai.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE  
MADURAI-625002

Madurai-625002, the 15th April 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. F. No. 87/Sept./84.—Whereas, I,  
V. M. MUTHURAMALINGAM,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. Municipal Survey No. 5603 situated at South Fourth Street, Pudukkottai  
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office the registering Officer at Joint Sub Registrar-I, Pudukkottai Doc. No. 2525/84 in September 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

House Property at South portion of South 4th Street, Pudukkottai Town in Municipal Survey No. 5603, Door No. 74.

V. M. MUTHURAMALINGAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Madurai.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-4-1985  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
MADURAI-625002**

Madurai-625002, the 15th April 1985

Ref. No. F. No. 88|Sept|84.—Whereas, I, V. M. MUTHURAMALINGAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing T. S. No. 4239 situated at South Third St., Pudukkottai Town, Officer at Joint Sub-Registrar, I, Pudukkottai Doc. No. 2424|84 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Joint Sub-Registrar, I, Pudukkottai Doc. No. 2424|84 in September, 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Annamalai Chettiar,  
S/o. A. N. Ramanathan Chettiar,  
Ramachandrapuram, Panangudi,  
Thirumayama Taluk, Pudukkottai Dist.  
S/o A. M. Ramanathan alias Kannan  
addresses as above.

(Transferor)

(2) Smt. K. M. Visalakshi,  
W/o. A. P. R. Kumarappa Chettiar,  
N. A. House, Kuzhipparai,  
Thirumayam Taluk,  
Pudukkottai Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

House Property at South Third St., Pudukkottai Town, in T. S. No. 4329—Ward No. 14. Doc. No. 2424|84.

V. M. MUTHURAMALINGAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Madurai.

Date : 15-4-1985.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. A. Mubarak Nisha,  
W/o. A. R. Shajahan,  
A.M.A. Nagar, Pudukkottai.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
MADURAI-625002

Madurai-625002, the 15th April 1985

Ref. No. 89[Sept]84.—Whereas, I,  
V. M. MUTHURAMALINGAM,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 100,000/- and bearing No.  
R. S. 212[4A situated at Pudukkottai Town  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering  
Officer at Joint Sub-Registrar-I, Pudukkottai Dist. No. 2422[84.  
in September, 1984.  
for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefor by more than fifteen per cent of such apparent  
consideration and that the consideration for such transfer  
as agreed to between the parties has not been truly stated in  
the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

(2) M. Jehabar & his sons,  
S/o. Haji K. A. Mohamed Abdul Majeed Rowther,  
EMBAL, Thirumayam Taluk, Pudukkottai Dist.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days, from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Punjai Lands in Rs.-212[4 a in Pudukkottai Tokn.

V. M. MUTHURAMALINGAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Madurai.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons namely :—

Date : 15-4-1985.  
Seal .

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,  
MADURAI-625002

Madurai-625002, the 15th April 1985

(1) S. P. Murugappan and his son  
M. R. Subramanian,  
S/o S. M. Rm. M. R. Murugappa Chettiar  
Kurupet, Thirumayam Taluk,  
Pudukkottai Dt.

((Transferor))

(2) K. M. Nagappa Chettiar  
S/o Kumarappa Chettiar,  
Madras Ripon Trust,  
Muthandapuram 2nd Street,  
Pudukkottai Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. 90] Sept. [84 -- Whereas, I,  
V. M. MUTHURAMALINGAM,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
T.S. No. 5379/2A Ward No. 18  
situated at Marthandapuram 2nd St., Pudukkottai  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
Joint Sub-Registrar-I, Pudukkottai, Doc. No. 2540/84  
on September, 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) by one of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : - The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

House Property at T.S. No. 5379/2A, Ward No. 18, Mar-  
thandapuram Second St., Pudukkottai, Doc. No. 2549/84.

moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

V. M. MUTHURAMALINGAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Madurai-625002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 15-4-1985

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I,  
MADURAI-625002

(1) V. Annamalai Chettiar  
S/o Vellappa Chettiar,  
Rangiyam,  
Thirumayam Taluk.

(Transferor)

(2) Smt. N. Alagammai Achi  
W/o Natapalan Chettiar,  
P. Alagapuram, Pillamangalam,  
Thirumayam Taluk.

(Transferee)

Madurai-625002, the 15th April 1985

Ref. No. F. No. 91/Sept/84.—Whereas I,  
V. M. MUTHURAMALINGAM,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
T.S. 4136 situate at Pudukottai Town  
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
Joint Sub-Registrar-I, Pudukottai Doc. No. 2583/84  
on September, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XVA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Hous. property in T.S. No. 4136 in Pudukottai Town.  
Document No. 2588/84.

V. M. MUTHURAMALINGAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I  
Madurai-625002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Date : 15-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
MADURAI-625002

Madurai-625002, the 15th April 1985

Ref. No. F, No. 92/Sept./84.—Whereas, I, V. M. MUTHURAMALINGAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing T.S. No. 12 situated at Thillai Nagar, Trichy (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sub-Registrar, Woriyur. Document No. 2989/84 on September, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the exceeds the apparent consideration therefor by more than parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) A. Kanchan,  
W/o Ananthan,  
16, Sunnampukkira St.,  
Trichy.

(2) Smt. G. Padmavathi  
W/o S. Gopal,  
D-66, A-11 Cross,  
Thillainagar,  
Trichy-18.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

**EXPLANATION.**—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act. and shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

**THE SCHEDULE**

House property in T.S. No. 12 in Thillainagar, Trichy-18. Document No 2989/84 S.R.O Woriyur

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

V. M. MUTHURAMALINGAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Madurai-625002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 15-4-1985  
Seal :

**FORM ITNS**

(1) Smt. S. Kalaiachelvi  
W/o Karuppiah  
No. A-10, 1st Main Road,  
Ramalinga Nagar,  
Trichy.

(Transferor)

(2) Shri Hashmukhal M. Vora,  
Sri Mahendrakumar M. Vora,  
Sri Jayanthilal M. Vora,  
Sons of Mantal Gaganlal Vora,  
C-46, 9A Cross, Thillai Nagar,  
Trichy.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I,  
MADURAI-625002**

Madurai-625002, the 15th April 1985

Ref. No. F. No. 92[Sept.]84.—Whereas, I,  
V. M. MUTHURAMALINGAM,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that he immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing No.

T.S. No. 3 situated at Thillai Nagar, Trichy  
(and to be fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
Sub-Registrar, Woriyur, Document No. 2988/84  
on September, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration herefore by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

**Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned.—**

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or

**THE SCHEDULE**

House property at T.S. No. 3, Thillai Nagar, Trichy.  
Document No. 2988/84, SRO, Woriyur.

(b) facilitating the concealment of any income or any  
monies or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957).

V. M. MUTHURAMALINGAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Madurai-625002

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said  
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—  
57—86 GI[85]

Date : 15-4-1985  
Seal :

## FORM IINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sri T. V. Krishnamoorthy  
S/o T. S. V. Subramanian,  
Thillai Nagar,  
Trichy.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sri Arunachalam  
S/o Chelliah Pillai,  
Kadi Chetty St., Wonyur,  
Kadi Chetty St., Wonyur,  
Trichy.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
MADURAI-625002

Madurai-625002, the 15th April 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. F No 94/Sept.84—Whereas, I, V. M. MUTHURAMALINGAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. New T.S. No. 73, New Block 28 situated at Thillai Nagar, Trichy (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sub-Registrar, Wonyur Document No. 2953/84 on September, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property is also and exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

House property in New T.S. No. 73, New Block 28 in Thillai Nagar, Trichy.  
Document No. 2953/84 SRO, Wonyur.

(b) facilitating the concealment to any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

V. M. MUTHURAMALINGAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Madurai-625002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by virtue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 15-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Dr S Rangarajan  
S/o Sadagopa Iyengar,  
No 13, Kanchanapuram (Ramanagar),  
ThiruNagar,  
Trichy

(Transferor)

(2) V Ramaswamy  
S/o S Vaithilingam Pillai,  
94, Kanimankam Village,  
Lalgudi, Trichy Dt

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
MADURAI 625002

Madurai 625002, the 15th April 1985

Ref No P No 95/S pt 84—Whereas I,  
V M MUTHURAMALINGAM,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the said Act), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000  
and bearing No

TS No 11 situated at Vadavoor Village Trichy  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
Sub Registrar, Womiyur, Document No 2946/84  
on September, 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen percent of such apparent consideration and that  
the consideration or such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer,  
namely:

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been of  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act 1924  
(11 of 1924) or the said Act or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

88 cents of lands in Vadavoor Village in T.S No 11 of  
Trichy Joint No 3 Registration Dt  
Document No 2946/84, SRO, Womiyur,

V M MUTHURAMALINGAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Madurai 625002

Date 15-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE  
MADRASI-625002

Madurai-625002, the 15th April 1985

Ref. No. F. No. 96/Sept/84—Whereas, I,  
V. M. MUTHURAMALINGAM,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and being  
Door No. 20-21 (Plot No. 21) situated at 3rd Street, S. S.  
Colony, Madura.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering  
Officer at Joint Sub-Registrar-IV, Madurai. Document No.  
5668/84 on 26-9-1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(1) Rm. Lakshmanan,  
C/o. Rm. Ramanathan,  
Plot No 120, K. K. Nagar,  
Madurai-20.

(Transferor)

(2) P. Krishnan,  
S/o Padmanabha Iyer,  
No 3, S. P. G Church Lane,  
Madurai,  
Now at No. 17, Moorthy St.,  
Cauvery Nagar,  
Kumbakonam,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
income other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

House Property Plot No. 21, Door No. 20-21, 3rd St.,  
Somusundaram Colony, Madurai  
Document No. 5668/84, Joint SRO, IV, Madurai

V. M. MUTHURAMALINGAM  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Madurai

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Date : 15-4-1985.  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt Rakkayee Ammal and Others,  
Puliyoor, Karur Taluk.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
MADURAI-625002

MADURAI-625002, the 15th April 1985

Ref. No. F. No. 97[Sept]84.—Whereas, I, V. M. MUTHURAMALINGAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing A. S. Nos. 1674/2, 1698, 1676, 1680, 1682 A. S. No. 1670, 1675, 1679, 1669, 1681, situated at Puliyoor village, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at point No. 1 Sub-Registrar, Karur, Document Nos. 1052 to 1055, 1071 to 1074 and 1082 to 1085 of 84 in September, 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION** --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Punjai Lands in Puliyoor Village, Karur Taluk, measuring 25.62 acres in A. s. No. 1674/2 1698 1676, 1680 1670, 1682 A.S. No. 1675, 1679, 1669, 1681| Document Nos. 1052 to 1055 of 84 1071 to 1074 of 84 1082 to 1085 of 84.  
Joint I Sub-Registrar, Karur.

V. M. MUTHURAMALINGAM  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Madurai

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-4-1985.  
Seal :

## FORM IINS

(1) Smt Subatha Bivi,  
W/o Syed Mohamed,  
Muni Vilan,  
Aranthangi,

(Transferor)

(2) K Samsudeen,  
W/o. Kader Mohideen,  
10 B Mivilan 7th St,  
Aranthangi.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RAILSF  
MADURAI-625002

MADURAI-625002, the 15th April 1985

Ref No : No 9313.p.vi—Whereas I,  
V. M MUTHURAMAL GAI  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-Tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding  
Rs 100,000/- and bearing  
Survey No. 17/36 situated at Maruthivu village, Aranthangi  
Taluk,  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred and registered under the Registration Act,  
1908 (16 of 1908) on the 15th day of a December  
Officer at Sub Registrar, Aranthangi Doc. No 1872/84 in  
September, 1984  
for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefor by more than fifteen per cent of such apparent con-  
sideration and that the consideration for such transfer as  
agreed to between the parties has not been truly stated in the  
said instrument of transfer with the object of :

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to me undersigned .

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—** The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXV of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

Land and Building in Survey No. 17/36, in 149 Pallathiyaval  
Mivilan village Aranthangi  
Doc. No. 1872/84, SRO, Aranthangi.

(b) facilitating the concealment of any income or any  
money or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act 1957 (27 of 1957);

V. M. MUTHURAMALINGAM  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition RailSF  
Madurai

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said  
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act of the follow-  
ing persons namely :-

Date : 15-4-1985.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) P. K. Mohamed Kasim  
S/o Late Ismail Shah Rowther,  
Navatalu Road, West,  
Thiruverambur, Trichy

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE  
MADURAI-625002

MADURAI-625002, the 15th April 1985

(2) S. M. Khaja Mohideen,  
S/o Late S. M. Mohamed Sultan  
M. Lathamiyam  
Chittiyamalai, Pukkottai Dt

(Transferee)

Ref. No. F. No. 99/Oct/84.—Whereas, I,

V. M. MUTHURAMALIGAM,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Ayan Punjal Survey No. 135/3A situated at Thiruverambur, Trichy (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the name of the Plaintiff Officer at Sub-Registration Thiruverambur, Doc No. 2839, 1984, in September, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration herefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

**EXPLANATION.**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Land and Buildings in Ayan Punjal Survey No. 135/3A in Thiruverambur, Trichy.

Documents No. 2839 and 2840/84 Sub-Registrar, Thiruverambur

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

V. M. MUTHURAMALINGAM  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Madurai

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-4-1985.  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE  
MADURAI-625002

MADURAI-625002, the 15th April 1985

Ref. No. F. No. 100|Sept|84.—Whereas, I,  
V. M. MUTHURAMALINGAM,  
being the Competent Authority under Section 269 B of the  
(Income-tax Act 1961 43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable  
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and being

An Survey No. 135|3A situated at Thiruverambur Village,  
Trichy.  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
Sub Office Thiruverambur, Doc Nos. 2837 and  
2838|84 in September, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(1) M. Rahima Bibi,  
W/o. P. K. Mohamed Kasim,  
Navalpatu Road, West,  
Thiruverambur, Trichy-13.

(Transferor)

(2) Smt. Salma Bibi,  
W/o. S. M. Mohamed Sultan,  
Guardian of minor S. M. Bashirali,  
Melathanayam, Tirumayam Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

#### THE SCHEDULE

Land and Building in S. F. No. 135|3A in Thiruverambur  
Village, Trichy.  
Document No. 2838 and 2837|84. SRO, Thiruverambur.

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

V. M. MUTHURAMALINGAM  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Madurai

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 8-3-1985  
Seal :

(1) R. Angamuthu Chettiar,  
S/o. A. Raju Chettiar,  
South St.,  
Karur.

(Transferor)

(2) Smt. V. Indira,  
W/o. M. G. Venkatraman,  
Jawar Bazar,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE  
MADURAI-625002

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

MADURAI-625002, the 15th April 1985

Ref. No. 101|Sept|1984.—Whereas, I,  
V. M. MUTHURAMALINGAM,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. T. S. No. 1363 situated at 2nd Ward, 6th Division, Mulla Sahib St., Karur Town, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Joint I Sub-Registrar, Karur, Document No. 936|84, in September, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building in T. S. No. 1363 2nd Ward, 6th Division, Mulla Sahib St., Karur Town.  
Document No. 836|84, JSRO-I, Karur.

V. M. MUTHURAMALINGAM,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range  
Madurai

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
58—86 GI|85

Date : 15-4-1985.  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Rahmathunniza Begum  
W/o Hussain Khan Saha,  
Beema Nagar,  
Trichy.

(Transferor)

(2) Rani Paul Vijayarajan  
W/o Paul Vijayarajan,  
AB 63, Anna Nagar,  
Madras-40.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
MADURAI-625002

Madurai-625002, the 15th April 1985

Ref. No. F. No. 102|Sept.|84.—Whereas, I, V. M. MUTHURAMALINGAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing Survey No. 137 situated at K. Abishekapuram, Trichy (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Joint Sub-Registrar-I, Trichy, Document No. 5783/84 on September, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property is aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and building in Survey No. 137 in K. Abishekapuram Trichy Taluk.  
Document No. 5783/84 Joint Sub-Registrar-I, Trichy.

V. M. MUTHURAMALINGAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Madurai-625002

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
MADURAI-625002

(1) Smt. P. Kamatchi Ammal,  
W/o Palaniandi Pillai,  
Kalpalayam, Manachanallur village,  
Lalgudi Taluk,  
Trichy Dt.

(Transferor)

(2) Smt. K. Chellammal  
W/o R. Krishnan  
Kalpalayam, Manachanallur village,  
Lalgudi Taluk,  
Trichy Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Madurai-625002, the 15th April 1985

Ref. No. F. No. 103/Sept./84.—Whereas, I,  
V. M. MUTHURAMALINGAM,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Block No. 24, T.S. No. 1570 situated at Puthoor village,  
Woriyur, Trichy  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
Sub-Registrar, Woriyur. Document No. 2935/84  
on September, 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the transferor(s) and the transferee(s) has not been  
truly stated in the said instrument of transfer with the  
object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immo-  
vable property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

Land and Building in T.S. No. 1570 in Puthur village,  
Woriyur, Trichy Taluk.  
Document No. 2935/84. SRO, Woriyur.

(b) facilitating the concealment of any income or any  
money or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

V. M. MUTHURAMALINGAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Madurai-625002

Date : 15-4-1985

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE,  
MADURAI-625002**

Madurai-625002, the 15th April 1985

Ref No F No 104/Sept/84—Whereas, I,  
**V M MUTHURAMALINGAM**  
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 100,000/- and bearing

A S No 19/4A situated at Kottapattu Village (Subramaniapuram) Ponmalai, Trichy

(not more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Joint Sub Registrar Trichy Document No 6011/84

on September 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the said property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(1) Abraham,  
 P. A. Devasabai,  
 Ganapathy Pillai St.,  
 Ranipet uram,  
 Trichy-20.

(2) Smt Chinnapoochi Ammal  
 W o Andi Konur  
 Kankunoor Village,  
 Sittu Taluk,  
 Ramanad Dt

(Transferor)

(Transferee)

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Land and buildings in Avan Punjal Survey No 19/4A in Kottapattu village (Subramaniapuram) Ponmalai, Trichy, Trichy  
 Document No 6011/84 Joint SRO I, Trichy

**V. M. MUTHURAMALINGAM**  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range  
 Madurai 625002

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15 4-1985

Seal :

## FORM ITNS

(1) Hlangoyan  
S/o Kumarsamy Gownder,  
Konomaraiyenpatti,  
Vadukapatti Village, Viralimalai P.O.,  
Trichy.

(Transferor)

(2) Joseph Mahendran,  
Felix Ravi,  
Poi Balendran,  
Son of Francis Xavier,  
Dindigul Road,  
No. 39 Gandhinagar,  
Trichy-1.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
MADRASI-625002

Madurai-625002, the 15th April 1985

Ref No. F. No. 705/Sept/84—Whereas, I,  
V. M. MUTHURAMALINGAM,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the said Act), have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs 1,00,000/- and bearing No.  
Punjab Survey No. 86 situated at Vadukapatti village,  
Viralimalai, Kulathoer Taluk  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
Sub-Registrar, Viralimalai. Doc. No. 808 to 812/84  
on September, 1984  
for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefor by more than fifteen per cent of such apparent  
consideration and that the consideration for such transfer  
as agreed to between the parties has not been duly stated in  
the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957).

Lands and Pumpset in Punjab S. No. 86 in Vadukapatti  
village, Viralimalai.

Documents No. 808 to 812/84, SRO, Viralimalai.

V. M. MUTHURAMALINGAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Madurai-625002

Date : 15-4-1985  
Seal : .

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this office notice under  
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the  
following persons, namely :—

## FORM ITNS

(1) M. P. Subramanian Chettiar  
S/o Muthiah Chettiar,  
Nachanthupatti,  
Kottoor,  
Thirumayam Taluk.

(Transferor)

(2) L. Sarvanan  
S/o Lakshmanan Pillai,  
T S 1650, North 3rd St.,  
Pudukottai.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
MADURAI-625002

Madurai-625002, the 15th April 1985

Ref. No. F. No 106/Sept/84—Whereas, I,  
V. M. MUTHURAMALINGAM,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the said Act), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value  
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing  
T.S. No. 2814 situated at North Raja St., Pudukottai  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
Joint Sub Registrar-I, Pudukottai. Document No. 2343/84  
on September, 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or

## THE SCHEDULE

Land and building in T.S. No. 2814 North Raja St., Pudukottai.  
Document No. 2248/84. Joint SRO-I, Pudukottai.

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1972) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

V. M. MUTHURAMALINGAM,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Madurai-625002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 15-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Muthu alias Muthukaruppan Chettiar,  
Ramachandrapuram, Mangudi,  
Thirumayam Taluk.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
MADURAI-625002

Madurai-625002, the 15th April 1985

Ref. No. F. No. 107/Sept./84.—Whereas, I,  
V. M. MUTHURAMALINGAM,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding Rs.  
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing  
T.S. No. 5530 situated at South 4th St., Pudukottai  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
Joint Sub-Registrar, Pudukottai. Document No. 2301/84  
on September, 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to be  
between the parties has not been truly stated in the said instru-  
ment of transfer with the object of :—

(2) M. Ayyakkannur  
S/o Muthiah Pandaram,  
Kootuthalaipatti, Nerinkudi,  
Thirumayam Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
money or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

House property at T.S. No. 5530 in South 4th St., Pudu-  
kottai.  
Joint Sub-Registrar, Pudu kottai. Document No. 2301/84.

V. M. MUTHURAMALINGAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Madurai-625002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 15-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
MADRAS-625002

Madurai-625002, the 15th April 1985

Ref. No. 108/Sept/84.—Whereas, I,  
**V. M. MUTHURAMALINGAM,**  
 being the Competent Authority under Section 269B of the  
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
 as the said Act) have reason to believe that the immovable  
 property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
 and bearing  
 Punjab Survey No. 399/8 situated at Ponnanviduthi village,  
 Alangudi  
 (as are fully described in the Schedule annexed hereto),  
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
 1908) in the Office of the Registering Officer at  
 Sub-Registrar, Alangudi. Document No. 1421/84  
 on September, 1984  
 for an apparent consideration which is less than the fair  
 market value of the aforesaid property and I have reason to  
 believe that the fair market value of the property as aforesaid  
 exceeds the apparent consideration thereof by more  
 than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
 the consideration for such transfer as agreed to between  
 the parties has not been truly stated in the said instrument  
 of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
 of the transferor to pay tax under the said Act, in  
 respect of any income arising from the transfer;  
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
 moneys or other assets which have not been or  
 which ought to be disclosed by the transferee for  
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
 Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
 Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
 Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
 persons, namely :—

(1) Kulanthai Fernando,  
 S/o Aroki m Udayar,  
 Keelapatti,  
 Alangudi Taluk,  
 Tamilnadu P.O.,

(Transferor)  
 (2) Srinivasan  
 S/o Raju Konar,  
 Soorakkadu P.O.  
 Alangudi Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of said property may  
 be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
 45 days from the date of publication of this notice  
 in the Official Gazette or a period of 30 days from  
 the service of notice on the respective persons,  
 whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the  
 immovable property, within 45 days from the date of the  
 publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as  
 are defined in Chapter XXA of the said  
 Act shall have the same meaning as given  
 in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Lands in Punjab Survey No. 399/8 in Ponnanviduthi  
 village, Alangudi  
 Document No. 1421/84. SRO, Alangudi.

**V. M. MUTHURAMALINGAM**  
 Competent Authority  
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range  
 Madurai-625002

Date : 15-4-1985

Seal :

## FORM ITNS.—

(1) S. Janaki,  
W/o R. Srinivasan,  
No. 21, Warners Road,  
Trichy.

(Transferor)

(2) Smt. Valangai Nachivar  
W/o M. R. S. Remakrishnan,  
No. 21, Warners Road,  
Trichy

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE,  
MADURAI-625002

Madurai 625002, the 15th April 1985

Ref No F No 109/Sept/84—Whereas, I, V. M. MUTHURAMATINGAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and being a New Ward K Block I TS No 24, situated at Warners Road, Trichy (as more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Joint Sub Registrar I Trichy Document No 6083/84 on September 1984.

market value of the abovesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

House property at No. 21, Warners Road, Trichy, New Ward K Block No 4 I.S. No 24 Joint Sub Registrar, Trichy Document No. 6083/84.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

V. M. MUTHURAMATINGAM  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Madurai-625002

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 15-4-1985

Seal :

